अगाथा क्रिस्टी

[illegible]

[illegible]

एक हरक्यूल पोइरोट रहस्य

एक

अप्रत्याशित अतिथि

मैं ऐसे लोगों से मिला हूँ जिन्हें समुद्री नहर पार करना पसंद है; ऐसे लोग जो डेक की कुर्सियों पर शांति से बैठ सकते हैं और पहुँचने पर नाव के लंगर डालने तक इंतज़ार करते हैं, फिर बिना किसी झंझट के अपना सामान समेटते हैं और उतर जाते हैं। व्यक्तिगत रूप से, मैं ऐसा कभी नहीं कर पाता। नाव पर चढ़ते ही मुझे लगता है कि किसी भी चीज़ में आराम करने का समय बहुत कम है। मैं अपने सूटकेस एक जगह से दूसरी जगह रखता रहता हूँ, और अगर मैं खाना खाने के लिए नीचे सैलून में जाता हूँ, तो मैं बेचैनी से अपना खाना जल्दी-जल्दी खा लेता हूँ, इस डर से कि कहीं नाव अचानक न आ जाए। शायद यह सब युद्ध के दौरान मिली छोटी छुट्टियों का असर है, जब गैंगवे के पास जगह पाना और सबसे पहले उतरने वालों में शामिल होना इतना ज़रूरी लगता था, ताकि तीन-पाँच दिन की छुट्टी के कीमती मिनट बर्बाद न हो जाएँ।
जुलाई की उस खास सुबह, जब मैं रेल की पटरी के किनारे खड़ा होकर डोवर की सफेद चट्टानों को करीब आते देख रहा था, तो मुझे उन यात्रियों पर आश्चर्य हो

रहा था जो अपनी सीटों पर शांति से बैठे थे और अपनी मातृभूमि को पहली बार देखते ही अपनी नज़रें ऊपर नहीं उठा रहे थे। फिर भी शायद उनका मामला मुझसे अलग था। निस्संदेह उनमें से कई लोग केवल सप्ताहांत के लिए पेरिस आए थे, जबकि मैंने पिछले डेढ़ साल अर्जेंटीना के एक फार्म पर बिताए थे। मैंने वहाँ खूब तरक्की की थी, और मैंने और मेरी पत्नी ने दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के मुक्त और आरामदेह जीवन का आनंद लिया था, फिर भी परिचित तट को करीब आते देख मेरा गला भर आया था।
मैं दो दिन पहले फ्रांस पहुँचा था, कुछ ज़रूरी काम निपटाए और अब लंदन के लिए रवाना हो रहा था। मुझे वहाँ कुछ महीने रुकना था—पुराने दोस्तों से मिलने के लिए काफ़ी समय, और खासकर एक पुराने दोस्त से। एक छोटा सा आदमी, जिसका सिर अंडे के आकार का और आँखें हरी थीं—हरक्यूल पोइरोट! मैंने उसे पूरी तरह से चौंका देने का इरादा किया। अर्जेंटीना के उस आदमी के आखिरी पत्र में मेरी यात्रा का कोई संकेत नहीं था—दरअसल, यह यात्रा कुछ व्यावसायिक उलझनों के कारण जल्दबाज़ी में तय की गई थी—और मैंने कई पल यह कल्पना करते हुए बिताए कि मुझे देखकर वह कितना प्रसन्न और अचंभित होगा। मुझे पता था कि वह अपने मुख्यालय से ज़्यादा दूर नहीं होगा। वह दौर बीत चुका था जब उसके मुकदमों के सिलसिले में उसे इंग्लैंड के एक छोर से दूसरे छोर तक जाना पड़ता था। उसकी शोहरत फैल चुकी थी और अब वह किसी एक मामले को अपना सारा समय लेने नहीं देता था। समय बीतने के साथ-साथ उसका लक्ष्य एक "सलाहकार जासूस" के रूप में पहचाना जाना था—यानी हार्ले स्ट्रीट के किसी चिकित्सक की तरह एक विशेषज्ञ। वह हमेशा उस आम धारणा का उपहास करता था जिसमें एक खोजी कुत्ते की तरह अद्भुत वेश बदलकर अपराधियों का पीछा किया जाता है और हर पदचिह्न पर रुककर उसे नापा जाता है।
“नहीं, मेरे दोस्त हेस्टिंग्स,” वह कहते थे, “हम इसे गिराउड और उसके दोस्तों पर छोड़ देते हैं। हरक्यूल पोइरोट के तरीके उनके अपने हैं। व्यवस्था और विधि, और ‘दिमाग की छोटी-छोटी कोशिकाएं’। अपने आरामदेह कुर्सियों पर आराम से बैठे-बैठे हम उन चीजों को देख लेते हैं जिन्हें ये दूसरे अनदेखा कर देते हैं, और हम उस भले जैप की तरह जल्दबाजी में निष्कर्ष पर नहीं पहुँचते।”
नहीं; हरक्यूल पोइरोट के कहीं दूर मिलने का डर न के बराबर था। लंदन पहुँचते ही मैंने अपना सामान एक होटल में रखा और सीधे अपने पुराने पते पर चला गया।

कितनी मार्मिक यादें ताज़ा हो गईं! मैंने अपनी पुरानी मकान मालकिन का अभिवादन करने का भी इंतज़ार नहीं किया, बल्कि दो-दो सीढ़ियाँ चढ़कर पोइरोट के दरवाजे पर दस्तक दी।
"तो फिर अंदर आओ," भीतर से एक जानी-पहचानी आवाज आई।
मैं अंदर दाखिल हुआ। पोइरोट मेरे सामने खड़े थे। उनकी बाहों में एक छोटा सा सूटकेस था, जिसे उन्होंने मुझे देखते ही धड़ाम से गिरा दिया।
“मेरे दोस्त, हेस्टिंग्स!” वह चिल्लाया। “मेरे दोस्त, हेस्टिंग्स!”
और फिर आगे बढ़कर उसने मुझे गले लगा लिया। हमारी बातचीत बेतुकी और अर्थहीन थी। उद्गार, उत्सुक प्रश्न, अधूरे उत्तर, मेरी पत्नी के संदेश, मेरी यात्रा के बारे में स्पष्टीकरण, सब कुछ आपस में उलझा हुआ था।
जब हम थोड़ा शांत हो गए, तब मैंने आखिरकार पूछा, "मुझे लगता है कि मेरे पुराने कमरों में कोई है?" "मुझे तुम्हारे साथ यहाँ फिर से रहना अच्छा लगेगा।"
पोइरोट के चेहरे का भाव अचानक और चौंकाने वाली गति से बदल गया।
“हे भगवान! यह कितना बड़ा अवसर है। अपने चारों ओर देखो, मेरे दोस्त।” पहली बार मैंने अपने आस-पास के वातावरण पर ध्यान दिया। दीवार के सहारे प्रागैतिहासिक डिजाइन का एक विशाल संदूक खड़ा था। उसके पास ही कई सूटकेस करीने से बड़े से छोटे क्रम में रखे हुए थे। इससे जो संकेत मिलता था वह स्पष्ट था।
“क्या तुम जा रहे हो?”
"हाँ।"
"कहाँ जाना है?"
दक्षिण अमेरिका।
"क्या?"
“हाँ, यह एक हास्यास्पद प्रहसन है, है ना? मैं रियो जा रहा हूँ, और हर दिन मैं खुद से कहता हूँ, मैं अपने पत्रों में कुछ नहीं लिखूँगा—लेकिन ओह! जब अच्छे हेस्टिंग्स मुझे देखेंगे तो उन्हें कितना आश्चर्य होगा!”
लेकिन आप कब जा रहे हैं?
पोइरोट ने अपनी घड़ी देखी।
एक घंटे में।

"मुझे लगा था कि आपने हमेशा यही कहा था कि कोई भी चीज़ आपको लंबी समुद्री यात्रा करने के लिए प्रेरित नहीं कर सकती?"
पोइरोट ने अपनी आंखें बंद कर लीं और कांप उठा।
“मेरे दोस्त, इसके बारे में मुझसे बात मत करो। मेरे डॉक्टर ने मुझे आश्वासन दिया है कि इससे मौत नहीं होती—और यह सिर्फ एक बार होता है; तुम समझते हो ना, कि मैं कभी—कभी वापस नहीं आऊंगा।”
उसने मुझे कुर्सी पर धकेल दिया।
“आइए, मैं आपको बताता हूँ कि यह सब कैसे हुआ। क्या आप जानते हैं कि दुनिया का सबसे अमीर आदमी कौन है? रॉकफेलर से भी अमीर? एबे रायलैंड।”
“अमेरिकी सोप ओपेरा का बादशाह?”
“बिल्कुल सही। उनके एक सचिव ने मुझसे संपर्क किया। रियो की एक बड़ी कंपनी के संबंध में कुछ बहुत ही गंभीर, जैसा कि आप कहेंगे, गड़बड़ी चल रही है। वह चाहते थे कि मैं मौके पर जाकर मामले की जांच करूं। मैंने मना कर दिया। मैंने उनसे कहा कि अगर मुझे सारे तथ्य बता दिए जाएं, तो मैं उन्हें अपनी विशेषज्ञ राय दूंगा। लेकिन उन्होंने कहा कि वे ऐसा करने में असमर्थ हैं। मुझे सारे तथ्य तभी मिलने थे जब मैं वहां पहुंच जाता। आम तौर पर, इससे मामला सुलझ जाता। हरक्यूल पोइरोट को निर्देश देना सरासर गुस्ताखी होती है। लेकिन जो रकम पेश की गई थी वह इतनी बड़ी थी कि जीवन में पहली बार मैं सिर्फ पैसे से ललचा गया। यह एक बड़ी दौलत थी—एक दौलत! और एक दूसरा आकर्षण भी था—आप, मेरे दोस्त। पिछले डेढ़ साल से मैं एक बहुत अकेला बूढ़ा आदमी रहा हूं। मैंने सोचा, क्यों नहीं? मैं इन अंतहीन मूर्खतापूर्ण समस्याओं को सुलझाने से थकने लगा हूं। मैंने काफी शोहरत हासिल कर ली है। चलो, ये पैसे लेकर अपने पुराने दोस्त के पास कहीं बस जाता हूं।”
पोइरोट के इस स्नेह के प्रतीक से मैं काफी प्रभावित हुआ।
“तो मैंने स्वीकार कर लिया,” उन्होंने आगे कहा, “और एक घंटे में मुझे बोट ट्रेन पकड़ने के लिए निकलना होगा। जीवन की एक छोटी सी विडंबना है, है ना? लेकिन मैं आपसे, हेस्टिंग्स, यह स्वीकार करता हूँ कि यदि प्रस्तावित राशि इतनी बड़ी न होती, तो शायद मैं हिचकिचाता, क्योंकि हाल ही में मैंने खुद थोड़ी छानबीन शुरू की है। मुझे बताइए, ‘द बिग फोर’ वाक्यांश का आम तौर पर क्या अर्थ होता है?”

"मेरा मानना है कि इसकी उत्पत्ति वर्साय सम्मेलन में हुई थी, और फिर फिल्म जगत में प्रसिद्ध 'बिग फोर' हैं, और इस शब्द का प्रयोग कई छोटे-मोटे कलाकारों द्वारा किया जाता है।"
“मैं समझ गया,” पोइरोट ने सोच-विचार करते हुए कहा। “मैंने यह वाक्यांश कुछ खास परिस्थितियों में सुना है, जहाँ इनमें से कोई भी व्याख्या लागू नहीं होती। ऐसा लगता है कि यह अंतरराष्ट्रीय अपराधियों के किसी गिरोह या इसी तरह के किसी समूह को संदर्भित करता है; लेकिन—”
“सिर्फ क्या?” मैंने उससे पूछा, क्योंकि वह हिचकिचा रहा था।
“बस मुझे लगता है कि यह कुछ बड़े पैमाने का काम है। यह तो बस मेरा एक छोटा सा विचार है, इससे ज्यादा कुछ नहीं। आह, लेकिन मुझे अपना सामान पैक करना होगा। समय बीतता जा रहा है।”
मैंने आग्रह किया, "मत जाओ। अपना पैकेज रद्द करो और मेरे साथ उसी नाव में आ जाओ।"
पोइरोट ने खुद को सीधा किया और मुझे तिरस्कार भरी नजरों से देखा।
“अरे, क्या तुम्हें समझ नहीं आ रहा! मैंने अपना वचन दे दिया है, समझ रहे हो ना—हरक्यूल पोइरोट का वचन। अब मुझे केवल जीवन-मरण का मामला ही रोक सकता है।”
“और ऐसा होने की संभावना नहीं है,” मैंने उदास स्वर में बुदबुदाया। “जब तक कि अंतिम समय में ‘दरवाजा खुल न जाए और कोई अनपेक्षित मेहमान अंदर न आ जाए’।”
मैंने हल्की हंसी के साथ पुरानी कहावत दोहराई, और फिर, उसके बाद आए विराम में, हम दोनों चौंक गए जब अंदर के कमरे से एक आवाज आई।
“यह क्या है?” मैंने चिल्लाकर पूछा।
“मा फोई!” पोइरोट ने पलटवार किया। “यह तो बिल्कुल आपके ‘अचानक आए मेहमान’ जैसा लग रहा है जो मेरे बेडरूम में आया था।”
लेकिन वहां कोई कैसे हो सकता है? इस कमरे के अलावा वहां कोई दरवाजा ही नहीं है।
“हेस्टिंग्स, तुम्हारी याददाश्त बहुत अच्छी है। अब कटौती का समय है।” “खिड़की! लेकिन फिर तो यह चोर है? उसे इस पर चढ़ना बहुत मुश्किल रहा होगा— मुझे लगता है कि यह लगभग नामुमकिन था।”

मैं उठ खड़ा हुआ था और दरवाजे की ओर बढ़ ही रहा था कि दूसरी तरफ से हैंडल को टटोलने की आवाज सुनकर मैं रुक गया।
दरवाजा धीरे से खुला। दरवाजे पर एक आदमी खड़ा था। वह सिर से पैर तक धूल और कीचड़ से सना हुआ था; उसका चेहरा पतला और कमजोर था। उसने एक पल के लिए हमारी ओर देखा, फिर लड़खड़ाकर गिर पड़ा। पोइरोट जल्दी से उसके पास गया, फिर उसने ऊपर देखा और मुझसे बात की।
“ब्रांडी—जल्दी।”
मैंने एक गिलास में थोड़ी सी ब्रांडी डाली और उसे ले आया। पोइरोट ने उसे थोड़ी सी ब्रांडी पिलाई, और हम दोनों ने मिलकर उसे उठाया और सोफे पर लिटाया। कुछ ही मिनटों में उसने अपनी आँखें खोलीं और लगभग खाली निगाहों से चारों ओर देखा।
"महाशय, आप क्या चाहते हैं?" पोइरोट ने पूछा।
उस आदमी ने अपने होंठ खोले और एक अजीब सी मशीनी आवाज में बोला।
“एम. हरक्यूल पोइरोट, 14 फैरावे स्ट्रीट।”
“हां, हां; मैं ही हूं।”
उस आदमी को बात समझ नहीं आई और उसने ठीक उसी लहजे में दोहराया:
“एम. हरक्यूल पोइरोट, 14 फैरावे स्ट्रीट।”
पोइरोट ने उससे कई सवाल पूछे। कभी-कभी वह व्यक्ति जवाब ही नहीं देता था; कभी-कभी वह एक ही वाक्य को बार-बार दोहराता था। पोइरोट ने मुझे फोन करने का इशारा किया।
"डॉक्टर रिजवे को मनाने की कोशिश करो।"
सौभाग्य से डॉक्टर मौजूद थे; और चूंकि उनका घर बस कोने के ठीक बगल में था, इसलिए कुछ ही मिनटों में वे झटपट अंदर आ गए।
“ये सब क्या है?”
पोइरोट ने उन्हें संक्षेप में समझाया, और डॉक्टर ने हमारे उस अजीब आगंतुक की जांच शुरू कर दी, जो अपनी या हमारी उपस्थिति से पूरी तरह बेखबर लग रहा था।
“हम्म!” डॉ. रिजवे ने अपनी बात खत्म करने के बाद कहा। “अजीब मामला है।” “दिमागी बुखार?” मैंने पूछा।
डॉक्टर ने तुरंत तिरस्कार से भरी एक घुरघुराहट भरी आवाज निकाली।

“दिमागी बुखार! दिमागी बुखार! दिमागी बुखार जैसी कोई चीज नहीं होती। उपन्यासकारों की कल्पना है। नहीं; इस आदमी को किसी तरह का सदमा लगा है। वह एक लगातार विचार के दबाव में यहाँ आया है—14 फैरावे स्ट्रीट पर एम. हरक्यूल पोइरोट को ढूंढने के लिए—और वह इन शब्दों को बिना यह जाने कि उनका अर्थ क्या है, यंत्रवत दोहराता है।”
“क्या आपको वाचाघात है?” मैंने उत्सुकता से कहा।
इस सुझाव पर डॉक्टर ने उतनी ज़ोर से नाक नहीं सिकोड़ी जितनी मेरे पिछले सुझाव पर खीझी थी। उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि उस आदमी को एक कागज़ और एक पेंसिल थमा दी।
उन्होंने कहा, "देखते हैं वह इसका क्या करेगा।"
कुछ क्षणों तक उस व्यक्ति ने कुछ नहीं किया, फिर अचानक वह तेज़ी से लिखने लगा। उतनी ही अचानक वह रुका और कागज़ और पेंसिल दोनों ज़मीन पर गिर गए। डॉक्टर ने उन्हें उठाया और अपना सिर हिलाया।
“यहाँ कुछ नहीं है। बस एक दर्जन बार लिखा हुआ 4 है, हर बार पहले से बड़ा। लगता है कोई 14 फैरावे स्ट्रीट लिखना चाहता है। ये एक दिलचस्प मामला है— बहुत ही दिलचस्प। क्या आप उसे आज दोपहर तक यहीं रख सकते हैं? मुझे अभी अस्पताल जाना है, लेकिन मैं आज दोपहर वापस आकर उसके बारे में सारी व्यवस्था कर लूँगा। ये इतना दिलचस्प मामला है कि इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।”
मैंने पोइरोट के प्रस्थान के बारे में बताया और यह भी बताया कि मैंने उनके साथ साउथेम्प्टन जाने का प्रस्ताव रखा था।
“कोई बात नहीं। इस आदमी को यहीं छोड़ दो। यह कोई गड़बड़ नहीं करेगा। यह पूरी तरह से थका हुआ है। शायद लगातार आठ घंटे सोएगा। मैं तुम्हारी उस शानदार महिला से बात करूँगा और उनसे कहूँगा कि इस पर नज़र रखें।”
और डॉ. रिजवे अपनी हमेशा की फुर्ती से बाहर निकल गए। पोइरोट ने घड़ी पर नज़र रखते हुए अपना सामान पैक करना पूरा किया।
समय अविश्वसनीय गति से बीत रहा है। हेस्टिंग्स, अब तुम यह नहीं कह सकते कि मैंने तुम्हें खाली हाथ छोड़ दिया है। एक बेहद सनसनीखेज समस्या। अज्ञात से आया हुआ आदमी। वह कौन है? वह क्या है? आह, सप्रिस्टी, काश यह नाव आज के बजाय कल ही रवाना हो जाती, तो मैं अपने जीवन के दो साल दे देता। यहाँ कुछ

बहुत ही अजीब—बहुत ही दिलचस्प है। लेकिन समय चाहिए—समय। हो सकता है उसे वह बताने में कई दिन—या महीने भी लग जाएँ जो वह बताने आया है।
मैंने उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा, "मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा, पोइरोट। मैं एक कुशल विकल्प बनने का प्रयास करूंगा।"
“Ye-es.”
उनकी प्रतिक्रिया मुझे कुछ संदेहजनक लगी। मैंने कागज का वह टुकड़ा उठा लिया।
मैंने हल्के स्वर में कहा, "अगर मैं कोई कहानी लिख रहा होता, तो मैं इसे आपकी इस नवीनतम विलक्षणता के साथ जोड़कर उसका नाम 'चार बड़े रहस्यों का रहस्य' रख देता।" बोलते समय मैंने पेंसिल से बनी आकृतियों को थपथपाया।
और फिर मैंने बोलना शुरू किया, क्योंकि हमारा बीमार व्यक्ति, जो अचानक अपनी बेहोशी से जागा, अपनी कुर्सी पर सीधा बैठ गया और स्पष्ट रूप से बोला: "ली चांग येन।"
वह व्यक्ति नींद से अचानक जाग उठा हो, ऐसा लग रहा था। पोइरोट ने मुझे चुप रहने का इशारा किया। वह व्यक्ति बोलता रहा। उसकी आवाज़ साफ़ और ऊँची थी, और उसके उच्चारण से मुझे लगा कि वह किसी लिखित रिपोर्ट या व्याख्यान से कुछ उद्धृत कर रहा है।
ली चांग येन को बिग फोर का दिमाग माना जा सकता है। वही नियंत्रण और प्रेरक शक्ति हैं। इसलिए मैंने उन्हें नंबर एक नाम दिया है। नंबर दो का नाम शायद ही कभी लिया जाता है। उन्हें दो रेखाओं वाले 'S' से दर्शाया जाता है - जो डॉलर का प्रतीक है; साथ ही दो धारियों और एक तारे से भी। इसलिए यह अनुमान लगाया जा सकता है कि वह एक अमेरिकी नागरिक हैं और धन की शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि नंबर तीन एक महिला हैं और उनकी राष्ट्रीयता फ्रांसीसी है। संभव है कि वह वेश्यालय की मोहक महिलाओं में से एक हों, लेकिन इस बारे में निश्चित रूप से कुछ भी पता नहीं है। नंबर चार—”
उनकी आवाज लड़खड़ा गई और टूट गई। पोइरोट आगे की ओर झुके।
“जी हां,” उसने उत्सुकता से पूछा, “नंबर चार?”
उसकी निगाहें उस आदमी के चेहरे पर टिकी हुई थीं। मानो कोई भयानक भय उस पर हावी हो रहा हो; चेहरे के भाव विकृत और मुड़े हुए थे।

“विनाशक,” उस आदमी ने हांफते हुए कहा। फिर, एक आखिरी झटके के साथ, वह बेहोश होकर गिर पड़ा।
“हे भगवान!” पोइरोट ने फुसफुसाते हुए कहा, “मैं तब सही था। मैं सही था।” "आपको लगता है-?"
उसने मेरी बात काट दी।
“उसे मेरे कमरे में बिस्तर पर ले आओ। मुझे अपनी ट्रेन पकड़नी है, लेकिन मेरे पास एक मिनट भी बर्बाद करने का समय नहीं है। वैसे तो मुझे ट्रेन पकड़नी ही नहीं है। काश, मैं बिना किसी चिंता के ट्रेन छोड़ पाती! लेकिन मैंने वादा किया है। आओ, हेस्टिंग्स!”
अपने उस रहस्यमय मेहमान को श्रीमती पियर्सन की देखरेख में छोड़कर हम गाड़ी चलाकर निकल पड़े और बड़ी मुश्किल से ट्रेन पकड़ पाए। पोइरोट कभी चुप रहते तो कभी बहुत बोलते। वो खिड़की से बाहर ऐसे घूरते रहते जैसे किसी सपने में खोए हों, मानो मेरी एक भी बात न सुन रहे हों। फिर अचानक जोश में आकर मुझ पर हिदायतों और आदेशों की बौछार कर देते और लगातार मार्कोनिग्राम बनाने की आवश्यकता पर ज़ोर देते।
वोकिंग से आगे निकलने के तुरंत बाद काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा। ट्रेन साउथेम्प्टन तक कहीं नहीं रुकी; लेकिन ठीक यहीं पर एक सिग्नल के कारण रुक गई।
“आह! हे भगवान!” पोइरोट अचानक चिल्लाया। “लेकिन मैं कितना मूर्ख था। अब मुझे सब समझ आ गया है। निस्संदेह, यह ईश्वरीय संतों का ही काम था जिन्होंने ट्रेन को रोका। कूद जाओ, हेस्टिंग्स, लेकिन कूद जाओ, मैं तुमसे कह रहा हूँ।”
पलक झपकते ही उसने गाड़ी का दरवाजा खोला और रस्सी पर कूद गया।
"सामान फेंक दो और खुद कूद जाओ।"
मैंने उसकी बात मान ली। बिलकुल सही समय पर। जैसे ही मैं उसके बगल में उतरा, ट्रेन चल पड़ी।
“और अब, पोइरोट,” मैंने कुछ झुंझलाहट के साथ कहा, “शायद आप मुझे बताएंगे कि यह सब किस बारे में है।”
"मेरे मित्र, यही वह समय है जब मुझे प्रकाश दिखाई देता है।"
मैंने कहा, "यह मेरे लिए बहुत ज्ञानवर्धक है।"

“ऐसा होना चाहिए,” पोइरोट ने कहा, “लेकिन मुझे डर है—मुझे बहुत डर है कि ऐसा नहीं होगा। अगर आप इनमें से दो सूटकेस उठा सकते हैं, तो मुझे लगता है कि मैं बाकी का भार संभाल लूंगा।”

दो

पागलखाने से आया आदमी

सौभाग्य से ट्रेन एक स्टेशन के पास रुक गई थी। थोड़ी दूर पैदल चलने पर हम एक गैराज पहुँचे जहाँ से हमें एक कार मिल गई, और आधे घंटे बाद हम तेज़ी से लंदन वापस जा रहे थे। तब जाकर, और तभी जाकर, पोइरोट ने मेरी जिज्ञासा शांत करने की कृपा की।
“क्या तुम्हें समझ नहीं आ रहा? मुझे भी नहीं आ रहा था। लेकिन अब समझ आ गया है। हेस्टिंग्स, मुझे रास्ते से हटाया जा रहा था।”
"क्या!"
“हां। बहुत चतुराई से। जगह और तरीका दोनों ही बड़ी सूझबूझ और सूझबूझ से चुने गए थे। वे मुझसे डरते थे।”
वे कौन थे?
“वे चार प्रतिभाशाली लोग जिन्होंने कानून से बाहर जाकर काम करने के लिए एक गिरोह बनाया है। एक चीनी, एक अमेरिकी, एक फ्रांसीसी महिला, और—एक और। हेस्टिंग्स, भगवान से प्रार्थना करो कि हम समय पर वापस पहुँच जाएँ।” "क्या आपको लगता है कि हमारे आगंतुक को कोई खतरा है?"
"मुझे इसका पूरा यकीन है।"
हमारे पहुँचने पर श्रीमती पियर्सन ने हमारा स्वागत किया। पोइरोट को देखकर उनकी विस्मय की भावनाएँ कुछ दबी हुई थीं, लेकिन उन्होंने उन्हें एक तरफ रखते हुए जानकारी माँगी। यह जानकर तसल्ली हुई कि किसी ने फोन नहीं किया था और हमारे मेहमान ने भी कोई संकेत नहीं दिया था।
राहत की सांस लेते हुए हम कमरों की ओर बढ़े। पोइरोट बाहरी कमरे को पार करके भीतरी कमरे में चले गए। फिर उन्होंने मुझे पुकारा, उनकी आवाज़ में अजीब सी घबराहट थी।
"हेस्टिंग्स, वह मर चुका है।"
मैं दौड़कर उसके पास पहुँचा। वह आदमी उसी तरह पड़ा था जैसे हमने उसे छोड़ा था, लेकिन वह मर चुका था, और काफी समय से मरा हुआ था। मैं डॉक्टर को बुलाने

के लिए भागा। मुझे पता था कि रिजवे अभी तक नहीं लौटा होगा। मुझे लगभग तुरंत ही एक डॉक्टर मिल गया, और मैं उसे अपने साथ ले आया।
“बेचारा, वो मर ही गया। लगता है तुमने किसी आवारा से दोस्ती कर ली है?” “कुछ ऐसा ही,” पोइरोट ने टालमटोल करते हुए कहा। “मृत्यु का कारण क्या था, डॉक्टर?”
"कहना मुश्किल है। शायद किसी तरह का दौरा पड़ा हो। दम घुटने के लक्षण हैं। क्या गैस का इस्तेमाल किया गया था?"
"नहीं, सिर्फ बिजली की रोशनी—और कुछ नहीं।"
“और दोनों खिड़कियाँ भी पूरी तरह खुली हुई हैं। मुझे कहना चाहिए कि लगभग दो घंटे से मौत हो चुकी है। आप संबंधित लोगों को सूचित कर देंगे, है ना?” वह वहां से चले गए। पोइरोट ने कुछ जरूरी फोन किए। आखिरकार, मुझे थोड़ा आश्चर्य हुआ, जब उन्होंने हमारे पुराने दोस्त इंस्पेक्टर जैप को फोन किया और उनसे पूछा कि क्या वह आ सकते हैं।
इन कार्यवाही के समाप्त होते ही श्रीमती पियर्सन प्रकट हुईं, उनकी आंखें प्लेट की तरह गोल थीं।
“यहाँ ‘एनवेल’ से एक आदमी है—‘साइलम’ से। क्या आपने कभी उसे देखा है? क्या मैं उसे नीचा दिखाऊँ?”
हमने सहमति जता दी, और वर्दी पहने एक बड़े, हट्टे-कट्टे आदमी को अंदर लाया गया।
“सुप्रभात, सज्जनों,” उसने प्रसन्नतापूर्वक कहा। “मुझे यह मानने का कारण है कि मेरा एक पक्षी यहाँ है। वह कल रात भाग गया।”
"वह यहीं था," पोइरोट ने धीमी आवाज़ में कहा।
"वह फिर से भाग तो नहीं गया, है ना?" चौकीदार ने कुछ चिंता के साथ पूछा। "वह मर चुका है।"
वह व्यक्ति सामान्य से अधिक राहत महसूस कर रहा था।
“आप ऐसा कह ही सकते हैं। खैर, मैं दावे से कह सकता हूँ कि यह सभी पक्षों के लिए सबसे अच्छा है।”
“क्या वह खतरनाक था?”
“‘क्या आपका मतलब है कि वह आत्मघाती था? ओह, नहीं। वह काफी निहत्था था। उत्पीड़न का उन्माद बहुत तीव्र था। चीन के गुप्त संगठनों से भरा हुआ था जिन्होंने उसे चुप करा दिया था। वे सब एक जैसे हैं।”

मैं सिहर उठा।
"उसे कब से बंद रखा गया है?" पोइरोट ने पूछा।
अब बात सिर्फ दो साल की है।
“मैं समझ गया,” पोइरोट ने शांत स्वर में कहा। “किसी को यह ख्याल ही नहीं आया कि वह—मानसिक रूप से स्वस्थ हो सकता है?”
चौकीदार ने खुद को हंसने की इजाजत दी।
"अगर वो समझदार होता, तो पागलखाने में क्या कर रहा होता? वैसे भी, सब कहते हैं कि वो समझदार हैं।"
पोइरोट ने और कुछ नहीं कहा। वह उस व्यक्ति को शव दिखाने के लिए अंदर ले गया। शव की पहचान तुरंत हो गई।
“हाँ, वही है,” चौकीदार ने बेपरवाही से कहा: “मज़ाकिया आदमी था, है ना? खैर, सज्जनों, मुझे अब जाना चाहिए और हालात के हिसाब से इंतज़ाम करना चाहिए। हम आपको शव के साथ ज़्यादा देर तक परेशान नहीं करेंगे। अगर कोई पूछताछ हुई, तो मुझे लगता है कि आपको उसमें हाज़िर होना पड़ेगा। सुप्रभात, महोदय।”
एक अभद्र ढंग से झुककर वह लड़खड़ाते हुए कमरे से बाहर निकल गया।
कुछ मिनट बाद जैप आ गया। स्कॉटलैंड यार्ड का इंस्पेक्टर हमेशा की तरह खुशमिजाज और सलीकेदार था।
"मैं यहाँ हूँ, मूसियर पोइरोट। मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ? मुझे लगा था कि आप आज कहीं मूंगा-समुद्र तटों पर जा रहे होंगे?"
"मेरे प्यारे जैप, मैं जानना चाहता हूं कि क्या आपने इस आदमी को पहले कभी देखा है।"
वह जैप को बेडरूम में ले गया। इंस्पेक्टर ने बिस्तर पर लेटी आकृति को हैरानी भरे चेहरे से देखा।
"देखने दीजिए—ये तो कुछ जाना-पहचाना सा लग रहा है—और मुझे अपनी याददाश्त पर गर्व भी है। हे भगवान, ये तो मेयरलिंग है!"
“गुप्त सेवा का जवान—हमारे लोगों में से नहीं था। पाँच साल पहले रूस गया था। उसके बाद उसका कोई पता नहीं चला। हमेशा यही लगता था कि बोल्शेविकों ने उसे मार डाला था।”
जैप के चले जाने के बाद पोइरोट ने कहा, "सब कुछ ठीक बैठता है, सिवाय इस तथ्य के कि ऐसा लगता है कि उसकी मृत्यु स्वाभाविक रूप से हुई है।"

वह असंतुष्ट भाव से भौंहें चढ़ाकर उस स्थिर आकृति को नीचे देख रहा था। हवा का एक झोंका खिड़की के पर्दों को उड़ा ले गया, और उसने अचानक ऊपर देखा। "मुझे लगता है कि जब तुमने उसे बिस्तर पर लिटाया था, तब तुमने खिड़कियाँ खोल दी थीं, हेस्टिंग्स?"
“नहीं, मैंने नहीं देखा,” मैंने जवाब दिया। “जहाँ तक मुझे याद है, वे बंद थे।”
पोइरोट ने अचानक अपना सिर उठाया।
“बंद थे—और अब खुल गए हैं। इसका क्या मतलब हो सकता है?”
मैंने सुझाव दिया, "कोई उस रास्ते से अंदर आया होगा।"
“शायद,” पोइरोट ने सहमति जताई, लेकिन उनकी आवाज़ में अनमनापन और दृढ़ता नहीं थी। एक-दो मिनट बाद उन्होंने कहा:
"हेस्टिंग्स, मेरा मतलब ठीक यह नहीं था। अगर सिर्फ एक खिड़की खुली होती तो मुझे इतनी जिज्ञासा नहीं होती। दोनों खिड़कियों का खुला होना ही मुझे अजीब लग रहा है।"
वह जल्दी से दूसरे कमरे में चला गया।
बैठक की खिड़की भी खुली है। उसे भी हमने बंद ही रखा था। आह!
वह मृत व्यक्ति के ऊपर झुक गया और उसके मुंह के कोनों को बारीकी से देखने लगा। फिर अचानक उसने ऊपर देखा।
"हेस्टिंग्स, उसका मुंह बंद कर दिया गया है। पहले उसका मुंह बंद किया गया और फिर उसे जहर दिया गया।"
“हे भगवान!” मैं चौंककर बोला। “लगता है पोस्टमार्टम से ही सब पता चल जाएगा।”
“हमें कुछ पता नहीं चलेगा। उसकी हत्या तेज प्रूसिक एसिड सूंघने से हुई थी। इसे उसकी नाक के ठीक नीचे रखा गया था। फिर हत्यारा सभी खिड़कियाँ खोलकर चला गया। हाइड्रोसायनिक एसिड बहुत ज्वलनशील होता है, लेकिन इसकी गंध कड़वे बादाम जैसी होती है। गंध का कोई सुराग न मिलने और किसी साजिश का संदेह न होने के कारण, डॉक्टर मौत को प्राकृतिक कारण मान लेते। तो यह आदमी गुप्त सेवा में था, हेस्टिंग्स। और पाँच साल पहले वह रूस में गायब हो गया।” मैंने कहा, “पिछले दो साल से वह पागलखाने में है। लेकिन उससे पहले के तीन साल का क्या?”
पोइरोट ने अपना सिर हिलाया और फिर मेरा हाथ पकड़ लिया।

"हेस्टिंग्स, घड़ी देखो, घड़ी देखो।"
मैंने उसकी निगाह का पीछा करते हुए शेल्फ पर रखी घड़ी को देखा। घड़ी में चार बज चुके थे।
“मेरे दोस्त, किसी ने इसके साथ छेड़छाड़ की है। इसमें अभी तीन दिन बाकी थे। यह आठ दिन की घड़ी है, समझ रहे हो?”
लेकिन वे ऐसा क्यों करना चाहेंगे? क्या वे अपराध को शाम चार बजे घटित दिखाने के लिए कोई झूठा सबूत जुटाना चाहेंगे?
नहीं, नहीं; अपने विचारों को फिर से व्यवस्थित करो, मेरे मित्र। अपने दिमाग का इस्तेमाल करो। तुम मेयरलिंग हो। शायद तुम्हें कुछ सुनाई दे रहा है—और तुम अच्छी तरह जानते हो कि तुम्हारा अंत निश्चित है। तुम्हारे पास बस एक संकेत छोड़ने का समय है। चार बजे, हेस्टिंग्स। नंबर चार, विनाशक। आह! एक विचार आया!
वह दूसरे कमरे में भागा और टेलीफोन छीन लिया। उसने हैनवेल के बारे में पूछा।
“आप ही पागलखाने हैं, है ना? मुझे पता चला है कि आज कोई भाग निकला है? आप क्या कह रहे हैं? कृपया एक पल रुकिए। क्या आप इसे दोहराएंगे? आह! बिलकुल।” उसने रिसीवर रख दिया और मेरी तरफ मुड़ गया।
"हेस्टिंग्स, तुमने सुना? बचने का कोई रास्ता नहीं था।"
“लेकिन जो आदमी आया था—वह रखवाला?” मैंने कहा।
मुझे आश्चर्य होता है—मुझे बहुत आश्चर्य होता है।
"तुम्हारा मतलब है-?"
"नंबर चार—विनाशक।"
मैं अवाक होकर पोइरोट को देखता रहा। एक-दो मिनट बाद, जब मेरी आवाज़ वापस आई, तो मैंने कहा:
“हम उन्हें कहीं भी फिर से पहचान लेंगे, यह एक बात है। वे एक बेहद प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी थे।”
“क्या वो वही था, मेरे दोस्त? मुझे नहीं लगता। वो हट्टा-कट्टा, अक्खड़ और लाल चेहरे वाला था, घनी मूंछों और कर्कश आवाज वाला। अब तक तो वो इनमें से कुछ भी नहीं रह गया होगा, और बाकी उसकी आंखें, कान और नकली दांतों का सेट बिल्कुल सटीक है। पहचान करना उतना आसान नहीं है जितना तुम सोचते हो। अगली बार—”

मैंने बीच में ही टोकते हुए पूछा, "क्या आपको लगता है कि अगली बार ऐसा होगा?"
पोइरोट का चेहरा एकदम गंभीर हो गया।
“ये तो मौत की लड़ाई है, मेरे दोस्त। एक तरफ तुम और मैं, दूसरी तरफ बिग फोर। उन्होंने पहला दांव तो जीत लिया है; लेकिन मुझे रास्ते से हटाने की उनकी योजना नाकाम रही है, और आगे उन्हें हरक्यूल पोइरोट से मुकाबला करना होगा!”

तीन

ली चांग येन के बारे में और अधिक जानकारी

नकली पागलखाने के परिचारक के आने के एक-दो दिन बाद तक मुझे कुछ उम्मीद थी कि वह वापस आ सकता है, और मैंने एक पल के लिए भी फ्लैट छोड़ने से इनकार कर दिया। जहाँ तक मुझे लगता था, उसे यह शक करने का कोई कारण नहीं था कि हमने उसका भेस भेद दिया है। मैंने सोचा, हो सकता है वह वापस आए और लाश को हटाने की कोशिश करे, लेकिन पोइरोट ने मेरे तर्क का मज़ाक उड़ाया।
“मेरे मित्र,” उसने कहा, “यदि आप चाहें तो छोटी चिड़िया की पूंछ पर नमक डालने के लिए प्रतीक्षा कर सकते हैं, लेकिन मैं अपना समय इस तरह बर्बाद नहीं करना चाहता।”
“तो फिर, पोइरोट,” मैंने तर्क दिया, “उसने आने का जोखिम क्यों उठाया? अगर उसका इरादा बाद में शव लेने के लिए लौटने का था, तो उसकी यात्रा का कुछ मतलब समझ में आता है। कम से कम वह अपने खिलाफ सबूत मिटा रहा होता; फिलहाल तो ऐसा लगता है कि उसे कुछ भी हासिल नहीं हुआ है।”
पॉयरॉट ने अपने खास फ्रांसीसी अंदाज़ में कंधे उचकाए। “लेकिन हेस्टिंग्स, तुम नंबर चार की नज़र से नहीं देखते,” उन्होंने कहा। “तुम सबूतों की बात करते हो, लेकिन हमारे पास उसके खिलाफ क्या सबूत हैं? सच है, हमारे पास एक शव है, लेकिन हमारे पास इस बात का भी कोई सबूत नहीं है कि उस आदमी की हत्या हुई थी—प्रूसिक एसिड, साँस लेने पर, कोई निशान नहीं छोड़ता। फिर, हमें कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिला जिसने हमारी अनुपस्थिति में किसी को फ्लैट में प्रवेश करते देखा हो, और हमें अपने दिवंगत मित्र, मेयरलिंग की गतिविधियों के बारे में कुछ भी पता नहीं चला है…”
“नहीं, हेस्टिंग्स, नंबर चार ने कोई सुराग नहीं छोड़ा है, और वह यह जानता है। उसकी यात्रा को हम जासूसी कह सकते हैं। शायद वह यह सुनिश्चित करना चाहता था कि मेयरलिंग मर चुका है, लेकिन मुझे लगता है कि अधिक संभावना यह

है कि वह हरक्यूल पोइरोट से मिलने और उस शत्रु से बात करने आया था जिससे केवल उसे ही डरना चाहिए।”
पोइरोट का तर्क विशिष्ट रूप से अहंकारी प्रतीत होता था, लेकिन मैंने उससे बहस करने से परहेज किया।
“और पूछताछ का क्या होगा?” मैंने पूछा। “मुझे लगता है कि आप वहां सब कुछ स्पष्ट रूप से समझा देंगे, और पुलिस को नंबर चार का पूरा विवरण दे देंगे।” “और इसका क्या फायदा? क्या हम आपके जैसे पक्के ब्रिटिश नागरिकों की जूरी को प्रभावित करने के लिए कुछ पेश कर सकते हैं? क्या नंबर चार का हमारा वर्णन किसी काम का है? नहीं; हम उन्हें इसे ‘दुर्घटना में हुई मौत’ कहने देंगे, और शायद, हालांकि मुझे इसकी ज्यादा उम्मीद नहीं है, हमारा चालाक हत्यारा इस बात पर अपनी पीठ थपथपाएगा कि उसने पहले ही दौर में हरक्यूल पोइरोट को धोखा दे दिया।”
पोइरोट हमेशा की तरह सही थे। हमने पागलखाने वाले उस आदमी को फिर कभी नहीं देखा, और वह जांच, जिसमें मैंने गवाही दी, लेकिन जिसमें पोइरोट उपस्थित तक नहीं हुए, ने जनता में कोई दिलचस्पी नहीं जगाई।
दक्षिण अमेरिका की अपनी नियोजित यात्रा के मद्देनजर, पोइरोट ने मेरे आने से पहले ही अपने सारे काम निपटा लिए थे, इसलिए उस समय उनके पास कोई केस नहीं था। हालांकि वे अपना अधिकांश समय फ्लैट में ही बिताते थे, फिर भी मैं उनसे ज्यादा कुछ नहीं जान पाया। वे आरामकुर्सी में ही बैठे रहते थे और बातचीत करने की मेरी कोशिशों को हतोत्साहित करते थे।
फिर एक सुबह, हत्या के लगभग एक सप्ताह बाद, उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं उसके साथ उस यात्रा पर चलना चाहूँगी जो वह करना चाहता था। मुझे खुशी हुई, क्योंकि मुझे लगा कि वह सब कुछ अकेले सुलझाने की कोशिश करके गलती कर रहा है, और मैं उससे इस मामले पर चर्चा करना चाहती थी। लेकिन मैंने पाया कि वह बात नहीं कर रहा था। यहाँ तक कि जब मैंने पूछा कि हम कहाँ जा रहे हैं, तब भी उसने कोई जवाब नहीं दिया।
पोइरोट को रहस्यमय रहना बहुत पसंद है। वह आखिरी क्षण तक कोई भी जानकारी नहीं देते। इस बार, एक बस और दो ट्रेन की यात्रा करने के बाद, जब वह लंदन के सबसे सुनसान दक्षिणी उपनगरों में से एक के इलाके में पहुँचे, तो अंततः उन्होंने मामले को समझाने की सहमति दी।

"हम हेस्टिंग्स जा रहे हैं, इंग्लैंड के उस इकलौते आदमी से मिलने जो चीन के भूमिगत जीवन के बारे में सबसे ज्यादा जानता है।"
“सचमुच! वह कौन है?”
“एक ऐसा व्यक्ति जिसका नाम आपने शायद कभी नहीं सुना होगा—श्री जॉन इंगल्स। देखा जाए तो, वे एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी हैं जिनकी बुद्धि का स्तर औसत दर्जे का है, और उनका घर चीनी कलाकृतियों से भरा पड़ा है जिनसे वे अपने मित्रों और परिचितों को ऊबाते रहते हैं। फिर भी, मुझे जानकार लोगों ने आश्वस्त किया है कि मुझे जो जानकारी चाहिए, वह केवल यही जॉन इंगल्स ही दे सकते हैं।”
कुछ ही क्षणों में हम श्री इंगल्स के निवास स्थान, जिसे 'द लॉरेल्स' कहा जाता था, की सीढ़ियों पर चढ़ गए। मुझे व्यक्तिगत रूप से वहाँ किसी भी प्रकार की लॉरेल की झाड़ी दिखाई नहीं दी, इसलिए मैंने अनुमान लगाया कि इसका नाम उपनगरों के सामान्य अस्पष्ट नामकरण के अनुसार रखा गया होगा। एक भावहीन चेहरे वाले चीनी नौकर ने हमें अंदर आने दिया और अपने मालिक के सामने ले गए। श्री इंगल्स गठीले शरीर वाले, कुछ पीले चेहरे वाले और धंसी हुई आँखों वाले व्यक्ति थे, जिनमें एक अजीब सी चिंतनशीलता झलकती थी। उन्होंने हाथ में पकड़े खुले पत्र को एक तरफ रखते हुए हमारा अभिवादन करने के लिए खड़े हुए। अभिवादन के बाद उन्होंने उस पत्र का उल्लेख किया।
"बैठ जाओगे क्या? हैस्ले ने मुझे बताया है कि आपको कुछ जानकारी चाहिए और इस मामले में मैं आपके लिए उपयोगी हो सकता हूँ।"
“जी हां, महोदय। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि क्या आपको ली चांग येन नाम के किसी व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी है?”
“यह तो बहुत ही अजीब बात है। आपको उस आदमी के बारे में कैसे पता चला?”
तो फिर आप उसे जानते हैं?
“मैं उनसे एक बार मिला हूँ। और मैं उनके बारे में थोड़ा-बहुत जानता हूँ— उतना नहीं जितना मैं जानना चाहता हूँ। लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि इंग्लैंड में किसी और ने उनके बारे में सुना भी होगा। वे अपने तरीके से एक महान व्यक्ति हैं—शानदार व्यक्तित्व वाले, आप जानते ही हैं—लेकिन असली मुद्दा यह नहीं है। यह मानने का ठोस कारण है कि इन सबके पीछे वही व्यक्ति हैं।”
“किसके पीछे?”

“सब कुछ। विश्वव्यापी अशांति, हर देश में व्याप्त श्रम संबंधी समस्याएं, और कुछ देशों में होने वाली क्रांतियां। कुछ लोग हैं, जो डर फैलाने वाले नहीं हैं, बल्कि वे जानते हैं कि वे क्या कह रहे हैं, और उनका कहना है कि पर्दे के पीछे एक ऐसी शक्ति है जिसका उद्देश्य सभ्यता का विघटन करना है। रूस में, आप जानते हैं, ऐसे कई संकेत मिले कि लेनिन और ट्रॉट्स्की महज़ कठपुतली थे, जिनके हर काम को किसी और का दिमाग निर्देशित करता था। मेरे पास ऐसा कोई पुख्ता सबूत नहीं है जो आपको स्वीकार्य हो, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि यह दिमाग ली चांग येन का था।”
“अरे, ऐसा मत कहो,” मैंने विरोध करते हुए कहा, “क्या यह कुछ ज्यादा ही अटपटा नहीं है? एक चीनी व्यक्ति रूस में भला कैसे अपनी छाप छोड़ सकता है?” पोइरोट ने चिड़चिड़ाते हुए मेरी तरफ भौंहें चढ़ाईं।
“हेस्टिंग्स, आपके लिए तो हर वो बात अवास्तविक है जो आपकी कल्पना से उपजी न हो; मैं इस सज्जन से सहमत हूँ। लेकिन कृपया जारी रखिए, महोदय।”
श्री इंगल्स ने आगे कहा, “वह इससे वास्तव में क्या हासिल करना चाहता है, यह मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता; लेकिन मेरा मानना है कि उसकी बीमारी वही है जिसने अकबर और सिकंदर से लेकर नेपोलियन तक महान बुद्धिजीवियों को प्रभावित किया है—सत्ता और व्यक्तिगत श्रेष्ठता की लालसा। आधुनिक काल तक विजय के लिए सशस्त्र बल आवश्यक था, लेकिन इस अशांति भरे युग में ली चांग येन जैसा व्यक्ति अन्य साधनों का उपयोग कर सकता है। मेरे पास इस बात के प्रमाण हैं कि रिश्वतखोरी और प्रचार के लिए उसके पास असीमित धन है, और ऐसे संकेत हैं कि वह किसी ऐसी वैज्ञानिक शक्ति को नियंत्रित करता है जिसकी दुनिया ने कल्पना भी नहीं की होगी।”
पोइरोट मिस्टर इंगल्स की बातों को अत्यंत ध्यान से सुन रहे थे।
“और चीन में?” उसने पूछा। “क्या वह वहाँ भी चला जाता है?”
दूसरे ने भी सहमति में सिर हिलाया।
“देखिए,” उन्होंने कहा, “भले ही मैं ऐसा कोई सबूत पेश न कर सकूँ जो अदालत में मान्य हो, मैं अपने अनुभव के आधार पर बोल रहा हूँ। मैं चीन में आज के हर उस व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से जानता हूँ जिसका कोई महत्व है, और मैं आपको यह बता सकता हूँ: जो लोग सार्वजनिक रूप से सबसे अधिक चर्चित हैं, वे न के बराबर व्यक्तित्व वाले हैं। वे कठपुतलियाँ हैं जो एक कुशल हाथ के इशारों पर नाचती हैं, और वह हाथ ली चांग येन का है। आज पूर्व का नियंत्रण उन्हीं

के हाथ में है। हम पूर्व को नहीं समझते—और कभी नहीं समझ पाएंगे; लेकिन ली चांग येन ही उसकी प्रेरक शक्ति हैं। ऐसा नहीं है कि वे सार्वजनिक रूप से सामने आते हैं—बिल्कुल नहीं; वे बीजिंग स्थित अपने महल से कभी बाहर नहीं निकलते। लेकिन वे पर्दे के पीछे से सब कुछ नियंत्रित करते हैं—बस यही बात है, पर्दे के पीछे से—और दूर-दूर तक घटनाएँ घटित होती हैं।”
"और उसका विरोध करने वाला कोई नहीं है?" पोइरोट ने पूछा।
श्री इंगल्स अपनी कुर्सी पर आगे की ओर झुक गए।
“पिछले चार वर्षों में चार लोगों ने कोशिश की है,” उन्होंने धीरे-धीरे कहा; “चरित्रवान, ईमानदार और बुद्धिमान लोग। समय आने पर उनमें से कोई भी उनकी योजनाओं में बाधा डाल सकता था।” वे थोड़ी देर रुके।
“तो?” मैंने पूछा।
“खैर, वे मर चुके हैं। एक ने एक लेख लिखा, जिसमें उसने बीजिंग दंगों के संबंध में ली चांग येन का नाम लिया, और दो दिन के भीतर ही सड़क पर उसकी चाकू से हत्या कर दी गई। उसके हत्यारे को कभी पकड़ा नहीं गया। बाकी दो के अपराध भी लगभग एक जैसे थे। भाषण, लेख या बातचीत में, दोनों ने ली चांग येन का नाम दंगों या क्रांति से जोड़ा, और अपनी इस गलती के एक हफ्ते के भीतर ही दोनों की मौत हो गई। एक को जहर दिया गया; एक की मौत हैजा से हुई, जो एक अलग मामला था—किसी महामारी का हिस्सा नहीं; और एक अपने बिस्तर पर मृत पाया गया। आखिरी मौत का कारण कभी पता नहीं चल पाया, लेकिन शव देखने वाले एक डॉक्टर ने मुझे बताया कि शव इतना जला हुआ और सिकुड़ा हुआ था मानो उसमें से अविश्वसनीय शक्ति की बिजली की लहर गुजरी हो।”
“और ली चांग येन?” पोइरोट ने पूछा। “स्वाभाविक रूप से उसके बारे में कुछ भी पता नहीं चला है, लेकिन कुछ संकेत तो हैं, है ना?”
मिस्टर इंगल्स ने कंधे उचका दिए।
“ओह, संकेत—हाँ, बिल्कुल। और एक बार मुझे एक ऐसा व्यक्ति मिला जो बोलने को तैयार था, एक प्रतिभाशाली युवा चीनी रसायनज्ञ जो ली चांग येन का शिष्य था। एक दिन वह रसायनज्ञ मेरे पास आया और मैं समझ गया कि वह मानसिक रूप से टूटने की कगार पर है। उसने मुझे उन प्रयोगों के बारे में बताया जो उसने ली चांग येन के महल में उनके निर्देशन में किए थे—मजदूरों पर किए गए प्रयोग जिनमें मानवीय जीवन और पीड़ा के प्रति घोर उपेक्षा दिखाई गई थी। उसका मानसिक संतुलन पूरी तरह टूट चुका था और वह अत्यंत दयनीय अवस्था में था।

मैंने उसे अपने घर के ऊपरी कमरे में सुला दिया, अगले दिन उससे पूछताछ करने का इरादा था—और यह, ज़ाहिर है, मेरी मूर्खता थी।”
"वे उसे कैसे ले गए?" पोइरोट ने पूछा।
“यह बात मैं कभी नहीं जान पाऊंगा। उस रात जब मैं जागा तो मेरा घर आग की लपटों में घिरा था, और मैं सौभाग्य से बाल-बाल बच गया। जांच से पता चला कि सबसे ऊपरी मंजिल पर भीषण आग लगी थी, और मेरे युवा रसायनज्ञ मित्र के अवशेष जलकर राख हो गए थे।”
जिस गंभीरता से वह बोल रहे थे, उससे मुझे पता चल गया था कि मिस्टर इंगल्स अपने शौक में इतने मग्न थे कि उन्हें खुद भी एहसास हो गया था कि वह बहक गए हैं, क्योंकि वह माफी मांगते हुए हँसे।
"लेकिन, बेशक," उन्होंने कहा, "मेरे पास कोई सबूत नहीं है, और आप भी, दूसरों की तरह, बस यही कहेंगे कि मैं एक ही बात को लेकर बहुत चिंतित हूं।"
“इसके विपरीत,” पोइरोट ने शांत स्वर में कहा, “हमारे पास आपकी कहानी पर विश्वास करने के सभी कारण हैं। हम स्वयं ली चांग येन में काफी रुचि रखते हैं।”
"यह बहुत अजीब बात है कि आपको उसके बारे में पता है। मुझे नहीं लगता था कि इंग्लैंड में किसी ने भी उसके बारे में सुना होगा। मैं यह जानना चाहूंगा कि आपको उसके बारे में कैसे पता चला - अगर यह अनुचित न हो।"
“बिल्कुल नहीं, महोदय। एक आदमी ने मेरे कमरे में शरण ली थी। वह सदमे से बुरी तरह पीड़ित था, लेकिन उसने हमें ली चांग येन के बारे में इतनी जानकारी दी कि हमें उसमें दिलचस्पी हो गई। उसने चार लोगों का वर्णन किया—बिग फोर — एक ऐसा संगठन जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। नंबर एक ली चांग येन है, नंबर दो एक अज्ञात अमेरिकी है, नंबर तीन उतनी ही अज्ञात फ्रांसीसी महिला है, और नंबर चार को संगठन का कार्यकारी—विनाशक कहा जा सकता है। मेरे सूचना देने वाले की मृत्यु हो गई। महोदय, क्या आप यह वाक्यांश जानते हैं? बिग फोर?”
“ली चांग येन से इसका कोई संबंध नहीं है। नहीं, मैं यह नहीं कह सकता। लेकिन मैंने हाल ही में इसके बारे में सुना या पढ़ा है—और वह भी किसी असामान्य संदर्भ में। आह, मुझे याद आ गया।”
वह उठा और नक्काशीदार लाख की अलमारी के पास गया—जो मेरी नज़र में भी बेहद खूबसूरत थी। वह हाथ में एक पत्र लेकर लौटा।

“ये लीजिए। शंघाई में एक बार मेरी मुलाकात एक बूढ़े नाविक से हुई थी, उसका पत्र। बूढ़ा, बदचलन आदमी—अब तो शराब के नशे में चूर, कहना चाहिए। मैंने इसे शराब के नशे में की गई बड़बड़ाहट समझा।”
उन्होंने इसे जोर से पढ़ा:
महोदय—शायद आपको मैं याद न रहूँ, लेकिन आपने एक बार मेरी मदद की थी। शंघाई। मुझे एक और दे दो। मुझे देश से बाहर निकलने के लिए पैसे चाहिए। मैं मैं यहाँ अच्छी तरह से छिपा हुआ हूँ, उम्मीद है, लेकिन किसी भी दिन वे मुझे पकड़ सकते हैं। मेरा मतलब है, बिग फोर।
जीवन और मृत्यु। मेरे पास बहुत पैसा है, लेकिन मैं उसे खर्च करने की हिम्मत नहीं करता, कहीं ऐसा न हो कि मैं उन्हें खतरे में डाल दूं।
समझदारी से काम लो। मुझे कुछ सौ रुपये नोटों में भेज दो। मैं ईमानदारी से चुका दूंगा—मैं कसम खाता हूँ।
वह।-
आपका सेवक, महोदय,
जोनाथन व्हैली
“ग्रेनाइट बंगलो, हॉपटन, डार्टमूर से दिनांकित। मुझे खेद है कि मैंने इसे कुछ सौ रुपये खर्च करने का एक घटिया तरीका समझा, जो मेरे पास मुश्किल से ही बचे हैं। अगर यह आपके किसी काम आए तो—” उसने इसे आगे बढ़ाया।
“धन्यवाद, महोदय। मैं अभी हॉपटन के लिए रवाना हो रहा हूँ।”
“अरे वाह, यह तो बहुत दिलचस्प है। अगर मैं भी साथ आ जाऊं तो? कोई आपत्ति है क्या?”
"मुझे आपकी संगति पाकर बहुत खुशी होगी, लेकिन हमें तुरंत निकलना होगा। हम रात होने से पहले डार्टमूर नहीं पहुँच पाएंगे।"
जॉन इंगल्स ने हमें दो मिनट से ज़्यादा देर नहीं की, और जल्द ही हम पैडिंगटन से पश्चिम देश की ओर जाने वाली ट्रेन में सवार हो गए। हॉपटन एक छोटा सा गाँव था जो दलदली भूमि के किनारे एक घाटी में बसा हुआ था। मोरेटनहैम्पस्टेड से नौ मील की ड्राइव करके वहाँ पहुँचा जा सकता था। जब हम पहुँचे तो लगभग आठ बज रहे थे; लेकिन जुलाई का महीना होने के कारण दिन का उजाला अभी भी भरपूर था।
हम गांव की संकरी गली में गाड़ी चलाकर गए और फिर एक बूढ़े देहाती से रास्ता पूछने के लिए रुक गए।

“ग्रेनाइट बंगला,” बूढ़े व्यक्ति ने सोच-विचार करते हुए कहा, “क्या आपको ग्रेनाइट बंगला ही चाहिए? है ना?”
हमने उन्हें आश्वस्त किया कि हम यही चाहते थे।
बूढ़े व्यक्ति ने गली के अंत में स्थित एक छोटी सी भूरे रंग की झोपड़ी की ओर इशारा किया।
“वो रहा बंगला। क्या तुम इंस्पेक्टर से मिलना चाहते हो?”
"इंस्पेक्टर?" पोइरोट ने तीखे स्वर में पूछा; "आपका क्या मतलब है?"
“क्या तुमने उस हत्या के बारे में नहीं सुना? यह तो वाकई एक भयानक घटना थी। लोग कहते हैं कि वहाँ खून के तालाब ही खून था।”
“हे भगवान!” पोइरोट ने बुदबुदाते हुए कहा। “मुझे आपके इस इंस्पेक्टर से तुरंत मिलना होगा।”
पांच मिनट बाद हम इंस्पेक्टर मीडोज के साथ एकांत में थे। इंस्पेक्टर शुरू में थोड़े सख्त मिजाज के थे, लेकिन स्कॉटलैंड यार्ड के इंस्पेक्टर जैप का नाम सुनते ही वे नरम पड़ गए।
जी हाँ, महोदय; आज सुबह हत्या कर दी गई। बहुत ही भयानक घटना। उन्होंने मोरटन में फोन किया और मैं तुरंत आ गया। शुरू में मामला रहस्यमय लग रहा था। बूढ़ा आदमी—लगभग सत्तर साल का था, जैसा कि मैंने सुना है, और उसे शराब पीने का बहुत शौक था— बैठक के कमरे के फर्श पर पड़ा था। उसके सिर पर चोट का निशान था और उसका गला कान से कान तक कटा हुआ था। हर जगह खून ही खून था, जैसा कि आप समझ सकते हैं। उसके लिए खाना बनाने वाली महिला, बेट्सी एंड्रयूज ने हमें बताया कि उसके मालिक के पास चीनी जेड की कई छोटी मूर्तियाँ थीं, जिनके बारे में उसने उसे बताया था कि वे बहुत कीमती हैं, और वे गायब हो गई हैं। यह तो ज़ाहिर तौर पर हमला और लूटपाट जैसा लग रहा था; लेकिन इस हल तक पहुँचने में कई तरह की मुश्किलें थीं। बूढ़े आदमी के घर में दो लोग थे; बेट्सी एंड्रयूज, जो हॉपैटन की रहने वाली है, और एक असभ्य किस्म का नौकर, रॉबर्ट ग्रांट। ग्रांट रोज़ की तरह दूध लाने के लिए खेत गया था, और बेट्सी एक पड़ोसी से बात करने के लिए बाहर गई थी। वह सिर्फ बीस मिनट के लिए बाहर गई थी—दस से साढ़े दस बजे के बीच। बीते दिनों की बात है—और अपराध उसी समय हुआ होगा। ग्रांट सबसे पहले घर लौटा। वह पीछे के दरवाजे से अंदर गया, जो खुला था—यहाँ कोई भी दरवाजे बंद नहीं करता—कम से कम दिन के उजाले में तो बिल्कुल नहीं—उसने दूध भंडारघर में रखा और अखबार पढ़ने और सिगरेट पीने

के लिए अपने कमरे में चला गया। उसे जरा भी अंदाजा नहीं था कि कुछ असामान्य हुआ है—कम से कम, वह यही कहता है। फिर बेट्सी अंदर आती है, बैठक में जाती है, जो कुछ हुआ है उसे देखती है और इतनी जोर से चीखती है कि मुर्दे भी जाग उठें। यह सब बिल्कुल साफ है। जब वे दोनों बाहर थे, तब कोई अंदर घुस आया और बेचारे बूढ़े आदमी को मार डाला। लेकिन मुझे तुरंत समझ में आया कि वह आदमी काफी शातिर होगा। उसे गाँव की गली से होकर आना होगा या किसी के पिछवाड़े से छिपकर आना होगा। ग्रेनाइट बंगलो के चारों ओर घर हैं, जैसा कि आप देख सकते हैं। ऐसा कैसे हुआ कि किसी ने उसे नहीं देखा?
इंस्पेक्टर ने बड़े ही सलीके से विराम लिया।
“अहा, मैं आपकी बात समझ गया,” पोइरोट ने कहा। “जारी रखें?”
“खैर, साहब, कुछ गड़बड़ है,” मैंने मन ही मन कहा—कुछ गड़बड़ है। और मैंने चारों ओर देखना शुरू किया। ये जेड की मूर्तियाँ! क्या कोई आम आवारा कभी सोच भी सकता है कि ये कीमती हैं? वैसे भी, दिन दहाड़े ऐसा करने की कोशिश करना पागलपन था। मान लीजिए अगर बूढ़े आदमी ने मदद के लिए चिल्लाया होता तो?”
“मेरा अनुमान है, इंस्पेक्टर,” श्री इंगल्स ने कहा, “कि सिर पर लगी चोट मृत्यु से पहले लगी थी?”
“जी हाँ, महोदय। हत्यारे ने पहले उसे बेहोश किया, फिर उसका गला काट दिया। यह तो साफ़ है। लेकिन वह आया या गया कैसे? इस छोटी सी जगह में अजनबी जल्दी नज़र आ जाते हैं। मुझे अचानक समझ आया—कोई आया ही नहीं था। मैंने चारों ओर अच्छी तरह देखा। पिछली रात बारिश हुई थी, और रसोई में आने-जाने के पैरों के निशान साफ़ दिख रहे थे। बैठक में सिर्फ़ दो लोगों के पैरों के निशान थे (बेट्सी एंड्रयूज का निशान दरवाज़े पर ही रुक गया था)—मिस्टर व्हैली के (उन्होंने कालीन की चप्पलें पहनी हुई थीं) और एक दूसरे आदमी के। दूसरे आदमी ने खून के धब्बों पर पैर रखा था, और मैंने उसके खून से सने पैरों के निशानों का पीछा किया—माफ़ कीजिए, महोदय।”
श्री इंगल्स ने हल्की मुस्कान के साथ कहा, "बिल्कुल नहीं; विशेषण का अर्थ पूरी तरह से समझ लिया गया है।"
“मैंने उनका पीछा रसोई तक किया—लेकिन उससे आगे नहीं। पहला सबूत। रॉबर्ट ग्रांट के दरवाजे की चौखट पर खून का एक हल्का धब्बा था। यह दूसरा सबूत है। तीसरा सबूत तब मिला जब मुझे ग्रांट के जूते मिले—जो उसने उतार दिए थे—और

मैंने उन्हें निशानों से मिलाया। इससे मामला साफ हो गया। यह अंदरूनी साजिश थी। मैंने ग्रांट को चेतावनी दी और उसे हिरासत में ले लिया; और आप सोचिए कि मुझे उसके सूटकेस में क्या मिला? छोटी-छोटी जेड की मूर्तियाँ और एक रिहाई का कागज़। रॉबर्ट ग्रांट ही अब्राहम बिग्स भी था, जिसे पाँच साल पहले गंभीर अपराध और सेंधमारी के आरोप में दोषी ठहराया गया था।” इंस्पेक्टर विजयी भाव से कुछ देर रुका।
“इस बारे में आपकी क्या राय है, सज्जनों?”
पोइरोट ने कहा, "मुझे लगता है कि यह मामला बहुत स्पष्ट प्रतीत होता है— वास्तव में आश्चर्यजनक रूप से स्पष्ट। यह बिग्स, या ग्रांट, वह तो बहुत मूर्ख और अशिक्षित व्यक्ति होगा, है ना?"
"ओह, वो तो ऐसा ही है—एक रूखा-सा, साधारण सा आदमी। उसे इस बात का कोई अंदाजा नहीं कि पैरों के निशान का क्या मतलब हो सकता है।"
“ज़ाहिर है, वह जासूसी उपन्यास नहीं पढ़ता! अच्छा, इंस्पेक्टर साहब, आपको बधाई हो। चलिए अपराध स्थल का मुआयना करते हैं। ठीक है?”
मैं तुम्हें अभी वहीं ले चलता हूँ। मैं चाहता हूँ कि तुम वो पदचिह्न देखो। मैं भी इन्हें देखना चाहूंगा। जी हां, बहुत दिलचस्प, बहुत ही शानदार।
हम तुरंत रवाना हो गए। श्री इंगल्स और इंस्पेक्टर आगे बढ़ गए। मैंने पोइरोट को थोड़ा पीछे खींच लिया ताकि मैं इंस्पेक्टर की नज़र से दूर उनसे बात कर सकूँ।
"पोइरोट, आप वास्तव में क्या सोचते हैं? क्या इसमें जितना दिख रहा है उससे कहीं अधिक कुछ छिपा है?"
“यही तो असली सवाल है, मेरे दोस्त। व्हैली ने अपने पत्र में साफ-साफ लिखा है कि बिग फोर उसका पीछा कर रहे हैं, और हम, तुम और मैं, जानते हैं कि बिग फोर बच्चों के लिए कोई डरावनी चीज़ नहीं है। फिर भी, हर बात यही इशारा करती है कि इस ग्रांट ने ही अपराध किया है। उसने ऐसा क्यों किया? उन छोटी-छोटी जेड की मूर्तियों के लिए? या वह बिग फोर का एजेंट है? मैं मानता हूँ कि आखिरी बात ज़्यादा मुमकिन लगती है। जेड चाहे कितना भी कीमती क्यों न हो, उस दर्जे का आदमी इस बात को समझ नहीं सकता था—कम से कम, उनके लिए हत्या करने की हद तक तो नहीं। (उदाहरण के लिए, यह बात इंस्पेक्टर को ज़रूर चौंका देनी चाहिए थी।) वह जेड चुराकर भाग सकता था, बजाय इसके कि इतनी बेरहमी से हत्या करे। हाँ, मुझे डर है कि हमारे डेवोनशायर के दोस्त ने अपने दिमाग का

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

चार

भेड़ के मांस के एक टुकड़े का महत्व

इंस्पेक्टर ने अपनी जेब से चाबी निकाली और ग्रेनाइट बंगले का दरवाजा खोला। दिन सुहावना और सूखा था, इसलिए हमारे पैरों के निशान पड़ने की संभावना नहीं थी; फिर भी, अंदर जाने से पहले हमने चटाई पर अपने पैर अच्छी तरह पोंछ लिए।
एक महिला अंधेरे से बाहर आई और इंस्पेक्टर से बात की, जिस पर इंस्पेक्टर ने अपना चेहरा दूसरी तरफ कर लिया। फिर उसने कंधे के ऊपर से बात की।
“आप चारों ओर अच्छी तरह से देख लीजिए, श्रीमान पोइरोट, और जो कुछ भी देखने लायक है, सब देख लीजिए। मैं लगभग दस मिनट में वापस आ जाता हूँ। वैसे, ये रहा ग्रांट का जूता। मैं इसे अपने साथ लाया हूँ ताकि आप इसके निशानों की तुलना कर सकें।”
हम बैठक कक्ष में गए, और इंस्पेक्टर के कदमों की आवाज़ बाहर थम सी गई। कोने में रखी मेज पर कुछ चीनी कलाकृतियाँ देखकर इंगल्स तुरंत आकर्षित हो गए और उन्हें देखने चले गए। पोइरोट की गतिविधियों में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं थी। दूसरी ओर, मैं उन्हें बड़ी उत्सुकता से देख रहा था। फर्श पर गहरे हरे रंग का लिनोलियम बिछा था, जो पैरों के निशान आसानी से दिखाने के लिए आदर्श था। दूसरे छोर पर एक दरवाजा छोटी रसोई में खुलता था। वहाँ से एक और दरवाजा रसोईघर (जहाँ पिछला दरवाजा था) में और एक और दरवाजा रॉबर्ट ग्रांट के शयनकक्ष में खुलता था। पूरे परिसर का मुआयना करने के बाद, पोइरोट धीमी आवाज़ में एकालाप करते हुए उस पर टिप्पणी करने लगे।
“लाश यहीं पड़ी थी; वह बड़ा गहरा धब्बा और चारों ओर फैले खून के छींटे उस जगह की पहचान हैं। कालीन की चप्पलों और ‘नंबर नौ’ के जूतों के निशान दिख रहे हैं, लेकिन सब कुछ बहुत उलझा हुआ है। फिर रसोई की ओर और रसोई से बाहर जाने वाले दो पैरों के निशान हैं; हत्यारा जो भी था, वह इसी रास्ते से आया था। हेस्टिंग्स, तुम्हारे पास जूता है? मुझे दे दो।” उसने ध्यान से उसकी तुलना पैरों के निशानों से की। “हाँ, दोनों एक ही आदमी, रॉबर्ट ग्रांट के हैं। वह इसी रास्ते से आया, बूढ़े आदमी को मारा और वापस रसोई में चला गया।

वह खून में पैर रख चुका था; देखो, बाहर जाते समय उसने कैसे दाग छोड़े? रसोई में कुछ भी नहीं दिख रहा—पूरा गाँव उसमें घूम रहा है। वह अपने कमरे में गया—नहीं, पहले वह फिर से अपराध स्थल पर गया—क्या वह छोटी जेड की मूर्तियाँ लेने गया था? या वह कुछ भूल गया था जिससे वह फँस सकता था?” “शायद उसने दूसरी बार अंदर जाते समय बूढ़े आदमी को मार डाला हो?” मैंने सुझाव दिया।
"लेकिन नहीं, तुम ध्यान नहीं दे रहे हो। खून से सने एक बाहर जाने के पदचिह्न पर एक अंदर आने का पदचिह्न अंकित है। मुझे आश्चर्य है कि वह किसलिए वापस गया था - क्या बाद में उसने वे छोटी-छोटी जेड की मूर्तियाँ ले लीं? यह सब बेतुका है - मूर्खतापूर्ण है।"
"खैर, उसने खुद को काफी बुरी तरह से बेनकाब कर दिया है।"
“है ना? मैं तुमसे कहता हूँ, हेस्टिंग्स, यह तर्क के विरुद्ध है। यह मेरे दिमाग को ठेस पहुँचाता है। चलो उसके बेडरूम में चलते हैं—अरे हाँ; चौखट पर खून का धब्बा है और पैरों के निशान भी हल्के से हैं—खून से सने हुए। रॉबर्ट ग्रांट के पैरों के निशान, और सिर्फ़ उसी के, शव के पास—रॉबर्ट ग्रांट ही एकमात्र व्यक्ति था जो घर के पास गया था। हाँ, ऐसा ही होना चाहिए।”
“उस बुढ़िया का क्या हुआ?” मैंने अचानक कहा। “ग्रांट के दूध लेने जाने के बाद वह घर में अकेली थी। हो सकता है उसने उसे मार डाला हो और फिर बाहर चली गई हो। अगर वह बाहर न गई होती तो उसके पैरों के निशान नहीं मिलते।”
“बहुत खूब, हेस्टिंग्स। मुझे आश्चर्य था कि क्या यह परिकल्पना आपके दिमाग में आएगी। मैंने पहले ही इस पर विचार किया था और इसे खारिज कर दिया था। बेट्सी एंड्रयूज यहीं की रहने वाली महिला हैं, यहाँ सब उन्हें जानते हैं। उनका बिग फोर से कोई संबंध नहीं हो सकता; और वैसे भी, पुराने व्हैली हर लिहाज से एक ताकतवर आदमी थे। यह काम पुरुषों का है, महिलाओं का नहीं।” "मुझे लगता है कि बिग फोर ने छत में कोई शैतानी युक्ति नहीं छिपा रखी होगी - कोई ऐसी चीज जो स्वचालित रूप से नीचे आती और बूढ़े आदमी का गला काट देती और फिर वापस ऊपर खींच ली जाती?"
“क्या ये जैकब की सीढ़ी की तरह है? मुझे पता है, हेस्टिंग्स, कि तुम्हारी कल्पना शक्ति बहुत ही उपजाऊ है—लेकिन मैं तुमसे विनती करता हूँ कि इसे सीमा में रखो।”

मैं शर्म से लाल हो गया। पोइरोट असंतुष्ट भाव से इधर-उधर घूमता रहा, कमरों और अलमारियों में झाँकता रहा। अचानक उसने एक उत्तेजित आवाज़ निकाली, जो पोमेरेनियन कुत्ते की आवाज़ जैसी थी। मैं दौड़कर उसके पास गया। वह भंडारघर में नाटकीय अंदाज़ में खड़ा था। उसके हाथ में मटन का एक टुकड़ा था, जिसे वह लहरा रहा था!
“मेरे प्यारे पोइरोट!” मैं चिल्लाई। “क्या बात है? क्या तुम अचानक पागल हो गए हो?”
“कृपया इस भेड़ के मांस को ध्यान से देखें। लेकिन इसे बहुत ध्यान से देखें!”
मैंने उसे जितना हो सके ध्यान से देखा, लेकिन मुझे उसमें कुछ भी असामान्य नहीं लगा। वह मुझे भेड़ के मांस का एक साधारण सा टुकड़ा ही लगा। मैंने यही बात कही। पोइरोट ने मुझे गुस्से भरी नज़र से देखा।
लेकिन क्या तुम यह नहीं देखते—और यह—और यह—”
उन्होंने प्रत्येक "यह" को निर्दोष जोड़ पर एक हल्के से प्रहार के साथ चित्रित किया, जिससे ऐसा करते समय बर्फ के छोटे-छोटे टुकड़े निकल आए। पोइरोट ने अभी-अभी मुझ पर कल्पनाशील होने का आरोप लगाया था, लेकिन अब मुझे लग रहा था कि वह मुझसे कहीं ज़्यादा कल्पनाशील था। क्या वह सचमुच सोचता था कि बर्फ के ये टुकड़े किसी घातक विष के क्रिस्टल हैं? उसकी इस असाधारण घबराहट का मैं बस यही एक मतलब निकाल सकता था।
मैंने नरमी से समझाया, "यह फ्रोजन मीट है। आयातित है, आप जानते हैं। न्यूजीलैंड से।"
उसने एक-दो पल तक मेरी तरफ देखा और फिर अजीब तरह से हंसने लगा।
“मेरा मित्र हेस्टिंग्स कितना अद्भुत है! वह सब कुछ जानता है—सचमुच सब कुछ! कहते हैं ना—हर बात में अपने भीतर झाँको। यही है मेरा मित्र हेस्टिंग्स।”
उसने भेड़ के मांस का टुकड़ा वापस उसकी थाली में फेंक दिया और भंडारगृह से बाहर निकल गया। फिर उसने खिड़की से बाहर देखा।
“देखो, हमारे दोस्त इंस्पेक्टर आ रहे हैं। सब ठीक है। मैंने यहाँ जो देखना था, देख लिया है।” वह अनमने ढंग से मेज पर थपथपाने लगा, मानो किसी हिसाब-किताब में मग्न हो, और फिर अचानक पूछा, “मेरे दोस्त, आज सप्ताह का कौन सा दिन है?”

मैंने हैरानी से कहा, "सोमवार। क्या—?"
“अरे! सोमवार है क्या? सप्ताह का बुरा दिन। सोमवार को हत्या करना एक गलती है।”
लिविंग रूम में वापस जाते हुए, उसने दीवार पर लगे शीशे को थपथपाया और थर्मामीटर पर एक नजर डाली।
"मौसम सुहाना है, और तापमान सत्तर डिग्री फ़ारेनहाइट है। एक पारंपरिक अंग्रेज़ी ग्रीष्म ऋतु का दिन।"
इंगल्स अभी भी चीनी मिट्टी के बर्तनों के विभिन्न टुकड़ों की जांच कर रहे थे।
"महाशय, क्या आप इस जांच में ज्यादा दिलचस्पी नहीं रखते?" पोइरोट ने कहा। दूसरे ने धीरे से मुस्कुराया।
“देखिए, ये मेरा काम नहीं है। मैं कुछ चीजों का पारखी हूँ, लेकिन इसका नहीं। इसलिए मैं बस पीछे हट जाता हूँ और रास्ते से हट जाता हूँ। मैंने पूरब में धैर्य रखना सीख लिया है।”
इंस्पेक्टर भागते हुए अंदर आया और इतनी देर तक अनुपस्थित रहने के लिए माफी मांगी। उसने हमें फिर से लगभग पूरा रास्ता घुमाने पर जोर दिया, लेकिन आखिरकार हम वहां से निकल गए।
"इंस्पेक्टर, मैं आपकी हज़ारो विनम्रता की सराहना करता हूँ," पोइरोट ने कहा, जब हम फिर से गाँव की सड़क पर चल रहे थे।
मैं आपसे बस एक और अनुरोध करना चाहूंगा।
"शायद आप शव देखना चाहते हैं, महोदय?"
"अरे नहीं! मुझे शरीर में ज़रा भी दिलचस्पी नहीं है। मैं रॉबर्ट ग्रांट को देखना चाहता हूँ।"
"आपको उनसे मिलने के लिए मेरे साथ मोरटन वापस चलना होगा, महोदय।"
"ठीक है, मैं ऐसा ही करूंगा। लेकिन मुझे उनसे मिलना होगा और उनसे अकेले में बात करने का मौका मिलना चाहिए।"
इंस्पेक्टर ने अपने ऊपरी होंठ को सहलाया।
"खैर, मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है, महोदय।"
मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि यदि आप स्कॉटलैंड यार्ड से संपर्क कर पाते हैं तो आपको पूर्ण अधिकार प्राप्त होंगे।

“मैंने आपके बारे में सुना तो है, महोदय, और मुझे पता है कि आपने समय-समय पर हमारी मदद की है। लेकिन यह बहुत अनियमित है।”
“फिर भी, यह आवश्यक है,” पोइरोट ने शांत भाव से कहा। “यह इस कारण से आवश्यक है— ग्रांट हत्यारा नहीं है।”
“क्या? तो फिर कौन है?”
“मेरा अनुमान है कि हत्यारा एक युवा व्यक्ति था। वह ग्रेनाइट बंगले तक एक गाड़ी में आया, जिसे उसने बाहर ही छोड़ दिया। वह अंदर गया, हत्या को अंजाम दिया, बाहर आया और फिर गाड़ी चलाकर चला गया। उसने सिर पर कुछ नहीं पहना था और उसके कपड़ों पर थोड़ा खून लगा हुआ था।”
लेकिन—लेकिन पूरा गांव उसे देख लेता!
कुछ विशेष परिस्थितियों में नहीं।
"अगर अंधेरा होता तो शायद नहीं; लेकिन अपराध दिन दहाड़े किया गया था।" पोइरोट ने बस मुस्कुरा दिया।
“और घोड़ा-गाड़ी, महोदय—आपने यह कैसे बताया? बाहर से तो अनगिनत पहिए वाले वाहन गुजरे होंगे। यहाँ किसी एक का कोई विशेष निशान नहीं दिख रहा है।” "शायद शरीर की आंखों से नहीं; लेकिन हां, मन की आंखों से।"
इंस्पेक्टर ने मुस्कुराते हुए अपना माथा छुआ। मैं पूरी तरह से अचंभित था, लेकिन मुझे पोइरोट पर भरोसा था। आगे की बातचीत के बाद हम सभी इंस्पेक्टर के साथ वापस मोरेटन चले गए। पोइरोट और मुझे ग्रांट ले जाया गया, लेकिन पूछताछ के दौरान एक कांस्टेबल की उपस्थिति अनिवार्य थी। पोइरोट सीधे मुद्दे पर आ गए।
“ग्रांट, मैं जानता हूँ कि तुम इस अपराध के निर्दोष हो। मुझे अपने शब्दों में ठीक-ठीक बताओ कि क्या हुआ था।”
कैदी मध्यम कद का आदमी था, जिसके चेहरे की बनावट कुछ अप्रिय थी। वह देखने में बिल्कुल कैदी जैसा लग रहा था।
“भगवान कसम, मैंने ऐसा कभी नहीं किया,” उसने गिड़गिड़ाते हुए कहा। “किसी ने मेरे मुंह में वो छोटी-छोटी कांच की मूर्तियां रख दी थीं। ये सब साजिश थी, बस यही था। जैसा मैंने कहा, अंदर आते ही मैं सीधे अपने कमरे में चला गया। मुझे तब तक कुछ पता नहीं चला जब तक बेत्सी ने चीख-पुकार नहीं मचाई। हे भगवान, मैंने सच में ऐसा नहीं किया।”
पोइरोट उठ खड़ा हुआ।

"अगर तुम मुझे सच नहीं बता सकते, तो बात यहीं खत्म हो जाती है।"
लेकिन, साहब—”
"तुम कमरे में गए थे—तुम्हें पता था कि तुम्हारा मालिक मर चुका है; और तुम भागने की तैयारी ही कर रहे थे कि तभी भली बेट्सी ने अपनी भयानक खोज कर ली।" वह आदमी मुंह खुला रखकर पोइरोट को घूर रहा था।
“अब मान लीजिए, क्या ऐसा नहीं है? मैं आपसे पूरी गंभीरता से कहता हूँ—अपने सम्मान की कसम खाकर—कि अभी खुलकर बोलना ही आपका एकमात्र मौका है।”
“मैं जोखिम उठाऊंगा,” उस आदमी ने अचानक कहा। “बिल्कुल वैसा ही हुआ जैसा आप कह रहे हैं। मैं अंदर आया और सीधे मालिक के पास गया—और वहाँ वह ज़मीन पर मृत पड़ा था, चारों ओर खून ही खून था। तब मुझे ज़बरदस्त डर लगा। वे मेरा रिकॉर्ड खंगाल लेंगे और निश्चित रूप से कहेंगे कि मैंने ही उसे मारा है। मेरा बस यही ख्याल था कि मैं वहाँ से तुरंत भाग जाऊं—इससे पहले कि उसे कोई ढूंढ ले—”
और जेड की मूर्तियाँ?
वह आदमी हिचकिचाया।
"आप देखें-"
“आपने उन्हें एक तरह से सहज प्रवृत्ति के चलते ले लिया? आपने अपने गुरु को यह कहते सुना था कि वे मूल्यवान हैं, और आपने सोचा कि क्यों न पूरी तरह से उन्हें ले लिया जाए। यह तो मैं समझता हूँ। अब, मुझे इसका उत्तर दीजिए। क्या यह दूसरी बार था जब आप कमरे में गए और आपने वे मूर्तियाँ ले लीं?”
“मैं दोबारा अंदर नहीं गया। एक बार ही मेरे लिए काफी था।”
“क्या आपको इस बात का पूरा यकीन है?”
"एकदम खास।"
“अच्छा। तो, आप जेल से कब बाहर आए?”
"दो महीने पूर्व।"
“आपको यह नौकरी कैसे मिली?”
“कैदियों की सहायता संस्थाओं में से एक के माध्यम से। जब मैं जेल से बाहर आया तो एक व्यक्ति मुझसे मिला।”
"उनको क्या पसंद था?"
“वह बिल्कुल पादरी तो नहीं था, लेकिन दिखता वैसा ही था। मुलायम काली टोपी और इतराते हुए चलने का अंदाज़। उसका एक सामने का दांत टूटा हुआ था। चश्मा

पहने हुए था। उसका नाम सॉन्डर्स था। उसने कहा कि उसे उम्मीद है कि मैं पश्चाताप कर रहा हूँ और वह मेरे लिए एक अच्छी नौकरी ढूंढ देगा। मैं उसकी सिफारिश पर व्हैली चला गया।”
पोइरोट एक बार फिर उठ खड़ा हुआ।
“धन्यवाद। अब मुझे सब पता चल गया है। धैर्य रखिए।” वह दरवाजे पर रुका और बोला, “सॉन्डर्स ने आपको एक जोड़ी जूते दिए थे, है ना?”
ग्रांट बेहद आश्चर्यचकित दिख रहा था।
“जी हां, उसने किया। लेकिन आपको कैसे पता चला?”
“चीजों को जानना मेरा काम है,” पोइरोट ने गंभीरता से कहा।
इंस्पेक्टर से एक-दो बातें करने के बाद, हम तीनों व्हाइट हार्ट गए और अंडे, बेकन और डेवोनशायर साइडर के बारे में चर्चा की।
"क्या अभी तक कोई स्पष्टीकरण मिला?" इंगल्स ने मुस्कुराते हुए पूछा। “हाँ, मामला अब काफ़ी स्पष्ट है; लेकिन देखिए, इसे साबित करने में मुझे काफ़ी मुश्किल होगी। व्हैली की हत्या बिग फोर के आदेश पर हुई थी—ग्रांट ने नहीं। एक बहुत चालाक आदमी ने ग्रांट को यह पद दिलवाया और जानबूझकर उसे बलि का बकरा बनाने की योजना बनाई—ग्रांट के जेल रिकॉर्ड को देखते हुए यह उसके लिए आसान था। उसने ग्रांट को जूतों की एक जोड़ी दी, दो जोड़ी जूतों में से एक। दूसरी जोड़ी उसने अपने पास रख ली। सब कुछ इतना आसान था। जब ग्रांट घर से बाहर था और बेट्सी गाँव में बातें कर रही थी (जो शायद वह अपनी पूरी ज़िंदगी रोज़ करती थी), तो वह नकली जूते पहनकर आया, रसोई में घुसा, बैठक में गया, बूढ़े आदमी को एक ही वार में गिरा दिया और फिर उसका गला काट दिया। फिर वह रसोई में लौटा, जूते उतारे, दूसरी जोड़ी पहनी और पहली जोड़ी जूते लेकर अपने घोड़े पर सवार होकर फिर चला गया।”
इंगल्स लगातार पोइरोट की ओर देखता रहता है।
“इसमें अभी भी एक पेंच है। उसे किसी ने क्यों नहीं देखा?”
“अरे! मुझे पूरा यकीन है कि नंबर चार की चतुराई यहीं काम आती है। सबने उसे देखा—और फिर भी किसी ने उसे नहीं देखा। दरअसल, वह कसाई की गाड़ी में आया था!”
मैंने विस्मयबोध व्यक्त किया।
“मटन की टांग?”

“बिल्कुल सही, हेस्टिंग्स, वो मटन का टुकड़ा। सबने कसम खाकर कहा कि उस सुबह ग्रेनाइट बंगले में कोई नहीं गया था, लेकिन फिर भी मुझे भंडारघर में एक जमा हुआ मटन का टुकड़ा मिला। सोमवार था, इसलिए मांस उसी सुबह पहुँचाया गया होगा; क्योंकि अगर शनिवार को, इस गर्मी में, पहुँचाया गया होता तो रविवार तक जमा नहीं रहता। तो कोई बंगले में ज़रूर गया था, और वो आदमी जिस पर खून के कुछ निशान किसी का ध्यान आकर्षित नहीं करते।”
"बेहद शानदार!" इंगल्स ने प्रशंसा करते हुए कहा।
"हां, वह चतुर है, नंबर चार।"
“क्या वो हरक्यूल पोइरोट जितना ही चतुर है?” मैंने बुदबुदाते हुए कहा। मेरे दोस्त ने मुझे गरिमापूर्ण तिरस्कार भरी नजर से देखा।
“हेस्टिंग्स, कुछ मज़ाक ऐसे होते हैं जो तुम्हें नहीं करने चाहिए,” उसने गंभीर स्वर में कहा। “क्या मैंने किसी निर्दोष व्यक्ति को फांसी से नहीं बचाया? आज के लिए इतना ही काफी है।”

पाँच

एक वैज्ञानिक का गायब होना

व्यक्तिगत तौर पर, मुझे नहीं लगता कि जूरी द्वारा रॉबर्ट ग्रांट उर्फ बिग्स को जोनाथन व्हैली की हत्या के आरोप से बरी किए जाने के बावजूद, इंस्पेक्टर मीडोज उसकी निर्दोषता को लेकर पूरी तरह आश्वस्त थे। ग्रांट के विरुद्ध उन्होंने जो सबूत जुटाए थे—उसका आपराधिक रिकॉर्ड, उसके द्वारा चुराया गया जेड पत्थर, और पैरों के निशानों से बिल्कुल मेल खाने वाले जूते — उनके व्यावहारिक दृष्टिकोण के अनुसार इतने पुख्ता थे कि उन्हें आसानी से पलटा नहीं जा सकता था; लेकिन पोइरोट, अपनी इच्छा के विरुद्ध जाकर भी गवाही देने के लिए विवश हो गए, और उन्होंने जूरी को आश्वस्त कर दिया। दो गवाह पेश किए गए जिन्होंने उस सोमवार की सुबह एक कसाई की गाड़ी को बंगले तक आते देखा था, और स्थानीय कसाई ने गवाही दी कि उसकी गाड़ी केवल बुधवार और शुक्रवार को ही वहाँ आती थी।
एक महिला मिली, जिसने पूछताछ करने पर कसाई के आदमी को बंगले से निकलते हुए देखने की बात याद की, लेकिन वह उसका कोई उपयोगी विवरण नहीं दे सकी। उसके मन में उसकी बस यही छवि रह गई थी कि वह साफ दाढ़ी वाला, मध्यम कद का था और बिल्कुल कसाई के आदमी जैसा दिखता था। इस विवरण पर पोइरोट ने दार्शनिक अंदाज में अपने कंधे उचका दिए।
मुकदमे के बाद उन्होंने मुझसे कहा, “जैसा मैंने तुमसे कहा था, हेस्टिंग्स, वह एक कलाकार है। वह नकली दाढ़ी और नीले चश्मे से अपना असली रूप नहीं छुपाता। वह अपने चेहरे के हाव-भाव बदलता है, हाँ; लेकिन यह तो बस मामूली बात है। फिलहाल वह वही है जो वह बनना चाहता है। वह अपने किरदार में पूरी तरह से ढला हुआ है।”
मुझे यह स्वीकार करना ही पड़ा कि हैनवेल से आए उस व्यक्ति का रूप-रंग मेरी धारणा से बिल्कुल मेल खाता था कि एक मानसिक अस्पताल के कर्मचारी का रूप कैसा होना चाहिए। मुझे एक पल के लिए भी उसके असली होने पर संदेह नहीं हुआ।

यह सब कुछ निराशाजनक था, और डार्टमूर पर हमारा अनुभव भी हमारे लिए बिल्कुल भी मददगार साबित नहीं हुआ। मैंने पोइरोट से भी यही कहा, लेकिन उन्होंने यह मानने से इनकार कर दिया कि हमें कुछ भी हासिल नहीं हुआ।
उन्होंने कहा, “हम प्रगति कर रहे हैं; हम प्रगति कर रहे हैं। इस व्यक्ति से हर बार संपर्क होने पर हमें उसके विचारों और कार्यशैली के बारे में थोड़ी- बहुत जानकारी मिलती है। लेकिन हमारे बारे में और हमारी योजनाओं के बारे में उसे कुछ भी पता नहीं है।”
“और यहाँ, पोइरोट,” मैंने विरोध करते हुए कहा, “लगता है हम दोनों एक ही नाव में सवार हैं। मुझे तो ऐसा नहीं लगता कि आपके पास कोई योजना है, आप तो बस बैठकर उसके कुछ करने का इंतजार कर रहे हैं।”
पोइरोट मुस्कुराया।
“मेरे दोस्त, तुम बदलते नहीं। वही पुराने हेस्टिंग्स, जो हमेशा गुस्से में रहते थे और सब पर टूट पड़ते थे। शायद,” उन्होंने आगे कहा, तभी दरवाजे पर दस्तक सुनाई दी, “तुम्हें अपना मौका मिल गया है; हो सकता है हमारा दोस्त अंदर आए।” और जब इंस्पेक्टर जैप और एक और आदमी कमरे में दाखिल हुए तो मेरी निराशा देखकर वे हंस पड़े।
“शुभ संध्या, महोदय,” इंस्पेक्टर ने कहा। “मुझे आपको संयुक्त राज्य अमेरिका की गुप्त सेवा के कैप्टन केंट से परिचित कराने की अनुमति दें।” कैप्टन केंट एक लंबा, दुबला-पतला अमेरिकी था, जिसका चेहरा इतना भावहीन था मानो उसे लकड़ी से तराशा गया हो।
"आपसे मिलकर खुशी हुई, सज्जनों," उसने धीरे से कहा और झटके से हाथ मिलाया। पोइरोट ने आग में एक और लकड़ी डाली और कुछ और आरामकुर्सियाँ आगे ले आए। मैं गिलास और व्हिस्की-सोडा लेकर आया। कप्तान ने एक बड़ा घूंट लिया और आभार व्यक्त किया।
उन्होंने कहा, "आपके देश में कानून व्यवस्था अभी भी मजबूत है।"
“और अब काम की बात पर आते हैं,” जैप ने कहा। “मूसियर पोइरोट ने मुझसे एक अनुरोध किया था। उन्हें 'बिग फोर' नाम की एक कंपनी में दिलचस्पी थी, और उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मुझे अपने आधिकारिक काम के दौरान कभी भी इसका जिक्र मिले तो उन्हें बता देना। मैंने इस मामले को ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन मुझे उनकी बात याद रही, और जब कप्तान एक अजीबोगरीब कहानी लेकर मेरे पास आए, तो मैंने तुरंत कहा, 'हम मूसियर पोइरोट के यहाँ चलते हैं।'”

पोइरोट ने कैप्टन केंट की ओर देखा, और अमेरिकी ने कहानी को आगे बढ़ाया। “आपको याद होगा, एम. पोइरोट, कि अमेरिकी तट के पास चट्टानों से टकराकर कई टॉरपीडो नौकाएँ और विध्वंसक जहाज डूब गए थे। यह जापान में आए भूकंप के ठीक बाद हुआ था, और इसका कारण सुनामी बताया गया था। अब, कुछ समय पहले, कुछ बदमाशों और बंदूकधारियों को गिरफ्तार किया गया, और उनके पास से कुछ ऐसे कागजात बरामद हुए जिनसे इस मामले का पूरा नया पहलू सामने आया। ऐसा प्रतीत होता है कि वे ‘बिग फोर’ नामक किसी संगठन का जिक्र कर रहे थे, और उनमें किसी शक्तिशाली वायरलेस उपकरण का अधूरा विवरण था—वायरलेस ऊर्जा का ऐसा संकेंद्रण जो अब तक किए गए किसी भी प्रयास से कहीं अधिक शक्तिशाली था, और किसी विशेष स्थान पर अत्यधिक तीव्रता की किरण केंद्रित करने में सक्षम था। इस आविष्कार के दावे स्पष्ट रूप से बेतुके लग रहे थे, लेकिन मैंने उन्हें मुख्यालय को सौंप दिया, और हमारे एक विद्वान प्रोफेसर ने उन पर काम करना शुरू कर दिया। अब ऐसा प्रतीत होता है कि आपके एक ब्रिटिश वैज्ञानिक ने ब्रिटिश एसोसिएशन के समक्ष इस विषय पर एक शोधपत्र पढ़ा। उनके सहयोगियों ने इसे बहुत गंभीरता से नहीं लिया, बल्कि इसे बेतुका और काल्पनिक माना, लेकिन आपके वैज्ञानिक अपने शोध पर अडिग रहे। उन्होंने बंदूकें दिखाईं और घोषणा की कि वे स्वयं अपने प्रयोगों में सफलता के कगार पर हैं।
"अच्छा?" पोइरोट ने दिलचस्पी से पूछा।
मुझे सुझाव दिया गया था कि मैं यहाँ आऊँ और इस सज्जन से मुलाकात करूँ। वे काफी युवा हैं, उनका नाम हॉलिडे है। वे इस विषय के अग्रणी विशेषज्ञ हैं, और मुझे उनसे यह पता लगाना था कि क्या प्रस्तावित बात संभव है या नहीं।
“और क्या सच में ऐसा था?” मैंने उत्सुकता से पूछा।
"मुझे बस यही नहीं पता। मैंने मिस्टर हॉलिडे को नहीं देखा है—और सभी बातों को देखते हुए, शायद मैं उन्हें कभी नहीं देख पाऊंगा।"
जैप ने संक्षेप में कहा, "सच तो यह है कि हॉलिडे गायब हो गया है।"
"कब?"
"दो महीने पूर्व।"
"क्या उसके लापता होने की सूचना दर्ज कराई गई थी?"

“बेशक ऐसा ही था। उनकी पत्नी बहुत बुरी हालत में हमारे पास आई थीं। हमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की, लेकिन मुझे शुरू से ही पता था कि इससे कोई फायदा नहीं होगा।”
"क्यों नहीं?"
“ऐसा कभी नहीं होता—जब कोई आदमी इस तरह गायब हो जाता है।” जैप ने आँख मारी।
"क्या तरीका है?"
पेरिस।
तो क्या हैलिडे पेरिस में गायब हो गया था?
“हाँ। वह वहाँ वैज्ञानिक काम के लिए गया था—ऐसा उसने कहा था। ज़ाहिर है, उसे कुछ ऐसा ही कहना पड़ेगा। लेकिन आप जानते हैं कि जब कोई आदमी वहाँ गायब हो जाता है तो इसका क्या मतलब होता है। या तो यह अपाचे का काम है, और बात यहीं खत्म—या फिर यह स्वेच्छा से गायब होना है—और मैं आपको बता सकता हूँ कि यह दोनों में से ज़्यादा आम बात है। गे पेरिस वगैरह, आप जानते ही हैं। घर की ज़िंदगी से तंग आ गया था। हॉलिडे और उसकी पत्नी के बीच जाने से पहले कहासुनी हुई थी, जिससे यह मामला काफी स्पष्ट हो जाता है।”
“मुझे आश्चर्य हो रहा है,” पोइरोट ने सोच-विचार करते हुए कहा।
अमेरिकी व्यक्ति उसे उत्सुकता से देख रहा था।
“मान लीजिए, महोदय,” उसने धीमी आवाज़ में कहा, “यह बिग फोर का विचार क्या है?”
पोइरोट ने कहा, "बिग फोर एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसके शीर्ष पर एक चीनी व्यक्ति है। उसे नंबर वन के नाम से जाना जाता है। नंबर टू एक अमेरिकी है। नंबर थ्री एक फ्रांसीसी महिला है। नंबर फोर, 'द डिस्ट्रॉयर', एक अंग्रेज है।"
“एक फ्रांसीसी महिला, है ना?” अमेरिकी ने सीटी बजाई। “और हॉलिडे फ्रांस में गायब हो गई थी। शायद इसमें कुछ सच्चाई हो। उसका नाम क्या है?”
मुझे नहीं पता। मैं उसके बारे में कुछ नहीं जानता।
"लेकिन यह तो बहुत बड़ा प्रस्ताव है, है ना?" दूसरे ने सुझाव दिया। पोइरोट ने ट्रे पर गिलासों को करीने से सजाते हुए सिर हिलाया। व्यवस्था के प्रति उनका प्रेम आज भी उतना ही प्रबल था।

“उन नावों को डुबाने के पीछे क्या मकसद था? क्या बिग फोर जर्मनों का कोई स्टंट था?”
“ये चारों बड़े संगठन सिर्फ अपने लिए हैं—और सिर्फ अपने लिए, श्रीमान कैप्टन। उनका लक्ष्य विश्व पर प्रभुत्व स्थापित करना है।”
अमेरिकी व्यक्ति जोर से हंस पड़ा, लेकिन पोइरोट के गंभीर चेहरे को देखकर वह रुक गया।
“महोदय, आप हंस रहे हैं,” पोइरोट ने उंगली हिलाते हुए उससे कहा। “आप सोचते नहीं—आप दिमाग की छोटी-छोटी कोशिकाओं का इस्तेमाल नहीं करते। ये लोग कौन हैं जो आपकी नौसेना के एक हिस्से को सिर्फ अपनी शक्ति का परीक्षण करने के लिए विनाश की ओर भेज रहे हैं? क्योंकि यह तो बस इतना ही था, महाशय, उनके पास मौजूद इस नए चुंबकीय आकर्षण बल का एक परीक्षण।”
“आप आगे बताइए, महोदय,” जैप ने हंसते हुए कहा। मैंने कई बार सुपर क्रिमिनल्स के बारे में पढ़ा है, लेकिन उनसे मेरा कभी सामना नहीं हुआ। खैर, आपने कैप्टन केंट की कहानी तो सुनी ही है। क्या मैं आपके लिए कुछ और कर सकता हूँ?”
"जी हां, मेरे प्रिय मित्र। आप मुझे श्रीमती हॉलिडे का पता दे सकते हैं—और यदि आप इतनी कृपा करें तो उनके परिचय के कुछ शब्द भी बता सकते हैं।"
इस प्रकार अगले दिन हम सरे के चोभम गांव के पास स्थित चेत्विंड लॉज के लिए रवाना हुए।
श्रीमती हॉलिडे ने तुरंत हमारा स्वागत किया। वह लंबी, गोरी महिला थीं, स्वभाव से थोड़ी घबराई हुई और उत्सुक थीं। उनके साथ उनकी पांच साल की छोटी बच्ची भी थी, जो बेहद खूबसूरत थी।
पोइरोट ने हमारी यात्रा का उद्देश्य समझाया।
“ओह! मिस्टर पोइरोट, मुझे बहुत खुशी हुई, मैं आपकी आभारी हूँ। मैंने आपके बारे में सुना तो था ही। आप स्कॉटलैंड यार्ड के उन लोगों जैसे नहीं होंगे जो न तो सुनते हैं और न ही समझने की कोशिश करते हैं। और फ्रांसीसी पुलिस भी उतनी ही बुरी है—बल्कि मुझे लगता है कि उससे भी बदतर। वे सब इस बात पर अड़े हैं कि मेरे पति किसी दूसरी औरत के साथ चले गए हैं। लेकिन वे ऐसे थे ही नहीं! उनके जीवन का एकमात्र लक्ष्य काम ही था। हमारे आधे झगड़े तो इसी बात पर होते थे। उन्हें मुझसे ज़्यादा अपने काम की परवाह थी।”

“अंग्रेज़ ऐसे ही होते हैं,” पोइरोट ने शांत भाव से कहा। “और अगर काम नहीं, तो खेल-कूद। ये सब चीज़ें वे बहुत गंभीरता से लेते हैं। अब, महोदया, कृपया मुझे अपने पति के लापता होने की सटीक परिस्थितियाँ विस्तार से और यथासंभव व्यवस्थित रूप से बताएँ।”
“मेरे पति गुरुवार, 20 जुलाई को पेरिस गए थे। उन्हें वहां अपने काम से जुड़े विभिन्न लोगों से मिलना और उनसे बातचीत करना था, जिनमें मैडम ओलिवियर भी शामिल थीं।”
प्रसिद्ध फ्रांसीसी महिला रसायनज्ञ का जिक्र सुनकर पोइरोट ने सिर हिलाया, जिन्होंने अपनी उपलब्धियों की चमक में मैडम क्यूरी को भी पीछे छोड़ दिया था। उन्हें फ्रांसीसी सरकार द्वारा सम्मानित किया गया था और वे उस समय की सबसे प्रमुख हस्तियों में से एक थीं।
वह शाम को वहाँ पहुँचे और तुरंत रुए डे कास्टिग्लियोन स्थित होटल कास्टिग्लियोन चले गए। अगली सुबह उनकी प्रोफ़ेसर बोर्गोनो से मुलाक़ात थी, जिसमें वे उपस्थित रहे। उनका व्यवहार सामान्य और सौहार्दपूर्ण था। दोनों व्यक्तियों के बीच बहुत ही रोचक बातचीत हुई और यह तय हुआ कि वे अगले दिन प्रोफ़ेसर की प्रयोगशाला में कुछ प्रयोग देखेंगे। उन्होंने कैफ़े रॉयल में अकेले दोपहर का भोजन किया, बोइस में टहलने गए और फिर पासी स्थित मैडम ओलिवियर के घर उनसे मिलने गए। वहाँ भी उनका व्यवहार बिल्कुल सामान्य था। वे लगभग छह बजे वहाँ से चले गए। उन्होंने कहाँ भोजन किया, यह ज्ञात नहीं है, संभवतः किसी रेस्तरां में अकेले। वे लगभग ग्यारह बजे होटल लौटे और यह पूछने के बाद कि क्या उनके लिए कोई पत्र आया है, सीधे अपने कमरे में चले गए। अगली सुबह, वे होटल से बाहर निकले और उसके बाद से उन्हें फिर कभी नहीं देखा गया।
“वह होटल से किस समय निकला? क्या वह उसी समय निकला जब वह आमतौर पर प्रोफेसर बोर्गोनो की प्रयोगशाला में अपनी नियुक्ति के लिए निकलता था?”
“हमें नहीं पता। उन्हें होटल से निकलते हुए नहीं देखा गया। लेकिन उन्हें कोई नाश्ता नहीं परोसा गया, जिससे लगता है कि वे जल्दी चले गए थे।”
"या फिर ऐसा भी हो सकता है कि पिछली रात आने के बाद वह फिर से बाहर चला गया हो?"
मुझे ऐसा नहीं लगता। उसके बिस्तर पर सोया गया था, और रात के चौकीदार को उस समय बाहर जाने वाले किसी भी व्यक्ति की याद रहती।

“आपने बिल्कुल सही बात कही है, महोदया। तो हम यह मान सकते हैं कि वह अगली सुबह जल्दी निकल गया होगा—और यह एक दृष्टि से राहत की बात है। उस समय उस पर अपाचे जनजाति के हमले का शिकार होने की संभावना नहीं थी। अब, उसका सारा सामान, क्या वह वहीं छूट गया था?”
श्रीमती हॉलिडे जवाब देने में कुछ हिचकिचा रही थीं, लेकिन अंत में उन्होंने कहा:
"नहीं—वह अपने साथ एक छोटा सा सूटकेस जरूर ले गया होगा।"
“हम्म,” पोइरोट ने सोच-विचार करते हुए कहा, “मुझे आश्चर्य है कि वह उस शाम कहाँ था। अगर हमें यह पता चल जाए, तो हमें बहुत कुछ पता चल जाएगा। वह किससे मिला?—यही रहस्य है। महोदया, मैं स्वयं पुलिस की बात से सहमत नहीं हूँ; उनके साथ तो हमेशा यही होता है कि ‘महिला की तलाश करो’। फिर भी यह स्पष्ट है कि उस रात कुछ ऐसा हुआ जिससे आपके पति की योजनाएँ बदल गईं। आप कहती हैं कि होटल लौटने पर उन्होंने चिट्ठियाँ माँगी थीं। क्या उन्हें कोई चिट्ठी मिली?”
"सिर्फ एक ही, और वह वही पत्र होगा जो मैंने उसे इंग्लैंड छोड़ने वाले दिन लिखा था।"
पोइरोट पूरे एक मिनट तक सोच में डूबे रहे, फिर फुर्ती से उठ खड़े हुए। "जी महोदया, इस रहस्य का हल पेरिस में है, और इसे खोजने के लिए मैं स्वयं तुरंत पेरिस की यात्रा पर निकलता हूँ।"
"यह सब बहुत पहले की बात है, महोदय।"
“जी हां। फिर भी, हमें वहीं तलाश करनी चाहिए।”
वह कमरे से बाहर निकलने के लिए मुड़ा, लेकिन दरवाजे पर हाथ रखकर रुक गया। "बताइए, महोदया, क्या आपको याद है कि आपके पति ने कभी 'द बिग फोर' वाक्यांश का जिक्र किया था?"
“द बिग फोर,” उसने सोच-समझकर दोहराया। “नहीं, मैं इडो नहीं कह सकती।”

छह

सीढ़ियों पर खड़ी महिला

श्रीमती हॉलिडे से बस इतना ही पता चल सका। हम जल्दी से लंदन लौट आए, और अगले दिन हम महाद्वीप के लिए रवाना हो गए। थोड़ी उदास मुस्कान के साथ, पोइरोट ने कहा:
“ये चारों बड़ी ताकतें मुझे उत्तेजित कर देती हैं, मेरे दोस्त। मैं इधर-उधर, पूरे मैदान में दौड़ता रहता हूँ, जैसे हमारा पुराना दोस्त ‘मानव लोमड़ी शिकारी’।”
मैंने कहा, "शायद आप उनसे पेरिस में मिलेंगे," यह जानते हुए कि वह जिराउड नामक एक व्यक्ति का जिक्र कर रहे थे, जो सुरेते के सबसे भरोसेमंद जासूसों में से एक थे, जिनसे वह पहले भी मिल चुके थे।
पोइरोट ने मुंह बनाया। "मैं तहे दिल से उम्मीद करता हूं कि ऐसा न हो। वह मुझसे प्यार नहीं करता था।"
मैंने पूछा, "क्या यह बहुत मुश्किल काम नहीं होगा? यह पता लगाना कि एक अज्ञात अंग्रेज ने दो महीने पहले एक शाम क्या किया था?"
"बहुत मुश्किल है, मेरे दोस्त। लेकिन जैसा कि तुम अच्छी तरह जानते हो, मुश्किलें हरक्यूल पोइरोट के दिल को खुश कर देती हैं।"
"क्या आपको लगता है कि बिग फोर ने उसका अपहरण किया था?"
पोइरोट ने सिर हिलाया।
हमारी पूछताछ में वही पुरानी बातें दोहराई गईं, और श्रीमती हॉलिडे ने हमें जो पहले ही बताया था, उसमें कुछ खास नया नहीं निकला। पोइरोट ने प्रोफेसर बोर्गोनो से लंबी बातचीत की, जिसमें उन्होंने यह जानने की कोशिश की कि क्या हॉलिडे ने उस शाम के लिए अपनी कोई योजना बताई थी, लेकिन हमें कोई जानकारी नहीं मिली।
सूचना का हमारा अगला स्रोत प्रसिद्ध मैडम ओलिवियर थीं। पासी स्थित उनके विला की सीढ़ियों पर चढ़ते हुए मैं बेहद उत्साहित थी। मुझे हमेशा से यह बात असाधारण लगती रही है कि एक महिला वैज्ञानिक जगत में इतनी तरक्की कर

सकती है। मुझे तो लगता था कि ऐसे काम के लिए विशुद्ध रूप से पुरुष मस्तिष्क की आवश्यकता होती है।
दरवाजा लगभग सत्रह साल के एक युवक ने खोला, जो मुझे अपने शिष्य की याद दिलाता था, क्योंकि उसका व्यवहार इतना औपचारिक था। पोइरोट ने हमारी मुलाकात पहले से ही तय कर ली थी, क्योंकि वह जानते थे कि मैडम ओलिवियर दिन भर शोध कार्य में डूबी रहती हैं और बिना अपॉइंटमेंट के किसी से नहीं मिलतीं।
हमें एक छोटे से हॉल में ले जाया गया, और थोड़ी देर बाद घर की मालकिन हमारे पास आईं। मैडम ओलिवियर बहुत लंबी महिला थीं, उनकी लंबाई उनके लंबे सफेद ओवरऑल और नन जैसी टोपी से और भी बढ़ गई थी, जिससे उनका सिर ढका हुआ था। उनका चेहरा लंबा और पीला था, और उनकी गहरी आँखें अद्भुत थीं जिनमें एक जुनूनी चमक थी। वह आधुनिक फ्रांसीसी महिला की बजाय किसी प्राचीन पुजारिन जैसी लग रही थीं। उनके एक गाल पर एक निशान था, और मुझे याद आया कि तीन साल पहले प्रयोगशाला में हुए एक विस्फोट में उनके पति और सहकर्मी की मृत्यु हो गई थी, और वह खुद बुरी तरह झुलस गई थीं। तब से उन्होंने खुद को दुनिया से अलग कर लिया था और पूरी ऊर्जा के साथ वैज्ञानिक अनुसंधान के काम में जुट गई थीं। उन्होंने हमारा स्वागत ठंडेपन और विनम्रता से किया।
“मुझे पुलिस ने कई बार पूछताछ के लिए बुलाया है, महोदय। मुझे नहीं लगता कि मैं आपकी मदद कर पाऊंगा, क्योंकि मैं उनकी मदद नहीं कर पाया हूं।” "महोदया, हो सकता है कि मैं आपसे बिल्कुल वही सवाल न पूछूं। सबसे पहले, आप और एम. हॉलिडे ने आपस में किस बारे में बात की?"
वह थोड़ी हैरान दिखी।
लेकिन उनके काम की बात हो! उनका काम—और मेरा भी।”
"क्या उन्होंने आपको उन सिद्धांतों के बारे में बताया था जिन्हें उन्होंने हाल ही में ब्रिटिश एसोसिएशन के समक्ष पढ़े गए अपने शोध पत्र में शामिल किया था?"
“बिल्कुल उन्होंने ऐसा किया। हमने मुख्य रूप से उन्हीं लोगों से बात की थी।”
"उसके विचार कुछ हद तक अटपटे थे, है ना?" पोइरोट ने लापरवाही से पूछा। “कुछ लोगों का ऐसा मानना है। मैं इससे सहमत नहीं हूँ।”
"क्या आप उन्हें व्यावहारिक मानते हैं?"

“बिल्कुल व्यावहारिक। मेरा शोध भी कुछ इसी तरह का रहा है, हालांकि मेरा उद्देश्य एक जैसा नहीं था। मैं रेडियम सी नामक पदार्थ से निकलने वाली गामा किरणों का अध्ययन कर रहा हूँ, जो रेडियम उत्सर्जन का उत्पाद है, और इस दौरान मुझे कुछ बेहद रोचक चुंबकीय घटनाएँ देखने को मिलीं। वास्तव में, चुंबकत्व नामक बल की वास्तविक प्रकृति के बारे में मेरा एक सिद्धांत है, लेकिन अभी अपनी खोजों को दुनिया के सामने रखने का समय नहीं आया है। श्री हॉलिडे के प्रयोग और विचार मेरे लिए बेहद दिलचस्प थे।”
पोइरोट ने सिर हिलाया। फिर उन्होंने एक ऐसा सवाल पूछा जिसने मुझे चौंका दिया।
“महोदया, आपने इन विषयों पर कहाँ चर्चा की? यहीं पर?”
नहीं, महोदय। प्रयोगशाला में।
"क्या मैं इसे देख सकता हूँ?"
"निश्चित रूप से।"
वह आगे-आगे उस दरवाजे तक गई जिससे वह अंदर आई थी। वह दरवाजा एक छोटे से गलियारे में खुलता था। हम दो दरवाजे पार करके एक बड़ी प्रयोगशाला में पहुँच गए, जहाँ तरह-तरह के बीकर, क्रूसिबल और सैकड़ों उपकरण रखे थे जिनके नाम तक मुझे नहीं पता थे। वहाँ दो लोग मौजूद थे, दोनों किसी न किसी प्रयोग में व्यस्त थे। मैडम ओलिवियर ने उनका परिचय कराया।
“मैडम क्लॉड, मेरी एक सहायक।” एक लंबी, गंभीर चेहरे वाली युवती ने हमें झुककर प्रणाम किया। “महाशय हेनरी, एक पुराने और भरोसेमंद मित्र।”
कद में छोटा और सांवला वह युवक झटके से झुक गया।
पॉयरॉट ने चारों ओर देखा। जिस दरवाजे से हम अंदर आए थे, उसके अलावा दो और दरवाजे थे। मैडम ने बताया कि एक दरवाजा बगीचे में खुलता है, और दूसरा एक छोटे से कमरे में, जो शोध कार्य के लिए ही इस्तेमाल होता था। पॉयरॉट ने यह सब सुना और फिर बैठक में लौटने के लिए तैयार हो गया।
"मैडम, क्या आप साक्षात्कार के दौरान एम. हॉलिडे के साथ अकेली थीं?"
जी हां, महोदय। मेरे दोनों सहायक बगल वाले छोटे कमरे में थे।
"क्या आपकी बातचीत को कोई सुन सकता है—चाहे वे सुन रहे हों या कोई और?" मैडम ने कुछ देर सोचा, फिर अपना सिर हिलाया।
मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे लगभग पूरा यकीन है कि ऐसा संभव नहीं था। सारे दरवाजे बंद थे।

"क्या उस कमरे में कोई छिपा हो सकता था?"
"कोने में एक बड़ी अलमारी तो है—लेकिन यह विचार बेतुका है।"
“अभी पूरी बात नहीं, महोदया। एक और बात: क्या एम. हॉलिडे ने शाम की अपनी योजनाओं के बारे में कोई ज़िक्र किया था?”
"उन्होंने कुछ भी नहीं कहा, महोदय।"
“धन्यवाद महोदया, और आपको परेशान करने के लिए क्षमा चाहता हूँ। कृपया परेशान न हों—हम बाहर निकलने का रास्ता खुद ढूंढ लेंगे।”
हम बाहर हॉल में निकले। जैसे ही हम निकले, एक महिला मुख्य द्वार से अंदर आ रही थी। वह तेज़ी से सीढ़ियों पर चढ़ गई, और मुझे एक फ्रांसीसी विधवा के गहरे शोक का आभास हुआ।
"वह तो एक बहुत ही असामान्य किस्म की महिला है," पोइरोट ने हमारे वहां से चले जाने पर टिप्पणी की।
“मैडम ओलिवियर? जी हाँ, वही—”
“नहीं, मैडम ओलिवियर नहीं। यह तो कहने की ज़रूरत ही नहीं! दुनिया में उनके जैसी प्रतिभाएं बहुत कम हैं। नहीं, मेरा मतलब दूसरी महिला से था— सीढ़ियों पर खड़ी महिला से।”
मैंने घूरते हुए कहा, "मैंने उसका चेहरा नहीं देखा। और मुझे समझ नहीं आता कि तुम कैसे देख सकते थे। उसने हमारी तरफ देखा ही नहीं।"
“इसीलिए मैंने कहा कि वह एक असामान्य किस्म की महिला है,” पोइरोट ने शांत भाव से कहा। “एक महिला जो अपने घर में प्रवेश करती है—क्योंकि मैं मान लेता हूँ कि यह उसका घर है, क्योंकि वह चाबी से अंदर आती है—और हॉल में खड़े दो अजनबी आगंतुकों को देखे बिना सीधे ऊपर की ओर भाग जाती है, वह एक बहुत ही असामान्य किस्म की महिला है—वास्तव में, बिल्कुल अस्वाभाविक। मिले टोनर्स! यह क्या है?”
वह मुझे खींचकर वापस ले आया—बिल्कुल सही समय पर। एक पेड़ फुटपाथ पर गिर गया था, बाल-बाल हम बच गए। पोइरोट उसे घूर रहा था, उसका चेहरा पीला पड़ गया था और वह परेशान था।
“बाल-बाल बच गए! लेकिन फिर भी बड़ी गलती थी—क्योंकि मुझे ज़रा भी शक नहीं था—कम से कम न के बराबर। हाँ, अगर मेरी तेज़ नज़रें, बिल्ली जैसी पैनी नज़रें न होतीं, तो हरक्यूल पोइरोट शायद अब तक दुनिया से मिट चुके होते—

दुनिया के लिए एक भयानक विपत्ति। और तुम्हारे लिए भी, मेरे दोस्त— हालाँकि तब इतनी बड़ी राष्ट्रीय आपदा नहीं होती।”
मैंने ठंडे स्वर में कहा, "धन्यवाद। अब हम क्या करेंगे?"
“क्या करें?” पोइरोट चिल्लाया। “हम सोचेंगे। जी हाँ, अभी इसी वक्त, हम अपने दिमाग का इस्तेमाल करेंगे। क्या ये एम. हॉलिडे सचमुच पेरिस में थे? जी हाँ, क्योंकि प्रोफेसर बोर्गोनो, जो उन्हें जानते हैं, उन्होंने उनसे मुलाकात की थी और बात भी की थी।”
“आखिर तुम कहना क्या चाह रहे हो?” मैंने चिल्लाकर कहा।
“यह शुक्रवार की सुबह की बात है। उसे आखिरी बार शुक्रवार रात ग्यारह बजे देखा गया था—लेकिन क्या उसे तब देखा गया था?”
“कुली—”
“एक रात का चौकीदार—जिसने पहले कभी हॉलिडे को नहीं देखा था। एक आदमी आता है, जो हॉलिडे जैसा ही दिखता है—हम इस बात पर नंबर चार पर भरोसा कर सकते हैं—पत्र मांगता है, ऊपर जाता है, एक छोटा सा सूटकेस पैक करता है और अगली सुबह चुपके से निकल जाता है। उस पूरी शाम किसी ने भी हॉलिडे को नहीं देखा— क्योंकि वह पहले ही अपने दुश्मनों के हाथों में था। क्या मैडम ओलिवियर ने हॉलिडे का ही स्वागत किया था? हाँ, क्योंकि हालाँकि वह उसे चेहरे से नहीं पहचानती थीं, लेकिन एक धोखेबाज़ उनके खास विषय पर उन्हें धोखा नहीं दे सकता था। वह यहाँ आया, उसने अपनी मुलाकात की, और चला गया। आगे क्या हुआ?” पोइरोट ने मेरी बांह पकड़कर मुझे लगभग घसीटते हुए विला की ओर ले जा रहा था। “अब, मेरे मित्र, कल्पना कीजिए कि यह गुमशुदगी के अगले दिन की बात है, और हम पदचिह्नों का पीछा कर रहे हैं। आपको पदचिह्न बहुत पसंद हैं, है ना? देखिए— ये रहे, एक आदमी के, एम. हॉलिडे के… वह हमारी तरह दाईं ओर मुड़ता है, तेज़ी से चलता है—आह! उसके पीछे दूसरे पदचिह्न—बहुत जल्दी—छोटे पदचिह्न, एक औरत के। देखिए, वह उसके पास पहुँच जाती है—एक दुबली-पतली युवती, विधवा का घूंघट ओढ़े हुए। ‘माफ़ कीजिए, महोदय, मैडम ओलिवियर चाहती हैं कि मैं आपको वापस बुला लूँ।’ वह रुक जाता है, मुड़ जाता है। अब वह युवती उसे कहाँ ले जाएगी? क्या यह संयोग है कि वह ठीक उसी जगह उससे मिलती है जहाँ एक संकरी गली खुलती है, जो दो बगीचों को अलग करती है? वह उसे उस गली से नीचे ले जाती है। ‘यह रास्ता छोटा है, महोदय।’ दाईं ओर मैडम ओलिवियर के विला का बगीचा है, बाईं ओर दूसरे विला का बगीचा—और ध्यान दीजिए, उसी बगीचे से पेड़ गिरा—

बिल्कुल हमारे ऊपर। दोनों बगीचों के दरवाजे गली में खुलते हैं।” वहाँ घात लगाकर हमला किया जा रहा है। लोग बाहर निकलते हैं, उसे काबू में कर लेते हैं और उसे उस अजीब से विला में ले जाते हैं।
“हे भगवान, पोइरोट,” मैं चिल्लाई, “क्या आप यह सब देखने का नाटक कर रहे हैं?”
“मेरे मित्र, मैं इसे अपने मन की दृष्टि से देखता हूँ। ऐसा ही हो सकता था, और केवल ऐसा ही हो सकता था। चलो, घर वापस चलते हैं।”
"क्या आप मैडम ओलिवियर से दोबारा मिलना चाहते हैं?"
पोइरोट ने एक जिज्ञासु मुस्कान दी।
"नहीं, हेस्टिंग्स, मैं सीढ़ियों पर खड़ी महिला का चेहरा देखना चाहता हूँ।"
"तुम्हें क्या लगता है, वह कौन है, मैडम ओलिवियर की रिश्तेदार?"
"संभवतः एक सचिव—और वह भी कुछ समय पहले ही नियुक्त की गई हो।"
उसी विनम्र शिष्य ने हमारे लिए दरवाजा खोला।
पोइरोट ने कहा, "क्या आप मुझे उस महिला का नाम बता सकते हैं, उस विधवा महिला का, जो अभी-अभी अंदर आई थीं?"
“मैडम वेरोनो? मैडम की सचिव?”
“ये वही महिला हैं। क्या आप उनसे थोड़ी देर हमसे बात करने की कृपा करेंगे?”
वह युवक गायब हो गया। थोड़ी देर बाद वह फिर से प्रकट हो गया।
मुझे खेद है। मैडम वेरो फिर से बाहर चली गई होंगी।
“मुझे नहीं लगता,” पोइरोट ने शांत स्वर में कहा। “क्या आप उन्हें मेरा नाम, श्री हरक्यूल पोइरोट, बता देंगे और यह भी कह देंगे कि उनसे तुरंत मिलना मेरे लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि मैं अभी-अभी प्रीफेक्चर जा रहा हूँ।” हमारा दूत फिर चला गया। इस बार वह महिला नीचे उतरी। वह सैलून में चली गई। हम उसके पीछे-पीछे गए। वह मुड़ी और उसने अपना घूंघट उठाया। मुझे आश्चर्य हुआ जब मैंने अपनी पुरानी प्रतिद्वंदी, काउंटेस रोसाकॉफ को पहचान लिया, जो एक रूसी काउंटेस थी और जिसने लंदन में एक बेहद चालाकी से गहनों की चोरी को अंजाम दिया था।
"जैसे ही मेरी नजर हॉल में पड़ी, मुझे सबसे बुरे की आशंका हुई," उसने दुख भरे स्वर में कहा।

“मेरी प्रिय काउंटेस रोसाकॉफ—”
उसने अपना सिर हिलाया।
“इनेज़ वेरोनो की बात करो,” उसने धीरे से कहा। “एक स्पैनिश महिला, जिसकी शादी एक फ्रांसीसी से हुई है। आप मुझसे क्या चाहते हैं, मिस्टर पोइरोट? आप एक भयानक आदमी हैं। आपने मुझे लंदन से भगाया। अब, मुझे लगता है, आप हमारी अद्भुत मैडम ओलिवियर को मेरे बारे में बताएंगे, और मुझे पेरिस से भगाएंगे? हम बेचारे रूसी, हमें जीना तो है ही, आप जानते हैं।”
“यह उससे कहीं अधिक गंभीर मामला है, महोदया,” पोइरोट ने उन्हें देखते हुए कहा। “मैं बगल वाले विला में घुसकर एम. हॉलिडे को रिहा करने का प्रस्ताव रखता हूँ, यदि वह अभी भी जीवित हैं। आप देखिए, मुझे सब कुछ पता है।”
मैंने उसका चेहरा अचानक पीला पड़ते देखा। उसने अपने होंठ काट लिए। फिर उसने अपने हमेशा के दृढ़ निश्चय के साथ बात की।
“वह अभी जीवित है—पर वह विला में नहीं है। आइए, महोदय, मैं आपसे एक सौदा करना चाहता हूँ। मुझे आज़ादी मिलेगी—और आपको श्री हैलिडे, जो जीवित और स्वस्थ हैं।”
“मैं स्वीकार करता हूँ,” पोइरोट ने कहा। “मैं भी यही प्रस्ताव रखने वाला था। वैसे, क्या बिग फोर आपकी नियोक्ता हैं, मैडम?”
मैंने एक बार फिर उसके चेहरे पर मृत्यु का पीलापन छाते देखा, लेकिन उसने उसके सवाल का जवाब नहीं दिया।
इसके बजाय, "क्या आप मुझे फ़ोन करने की अनुमति देंगे?" उसने पूछा और फ़ोन उठाते हुए एक नंबर डायल किया। "विला का नंबर," उसने समझाया, "जहाँ हमारा दोस्त अब कैद है। आप इसे पुलिस को दे दीजिएगा—जब वे पहुँचेंगे तो वहाँ कोई नहीं होगा। आह! मेरा काम हो गया। क्या आप आंद्रे हैं? मैं इनेज़ हूँ। छोटी बेल्जियन सब जानती है। हॉलिडे को होटल भेज दीजिए और आप यहाँ से निकल जाइए।"
उसने रिसीवर वापस रख दिया और मुस्कुराते हुए हमारी ओर आई।
"आप हमारे साथ होटल चलेंगी, महोदया।"
“स्वाभाविक रूप से। मुझे यही उम्मीद थी।”
मैंने एक टैक्सी ली और हम साथ में चल दिए। पोइरोट के चेहरे से मुझे समझ आ गया कि वह उलझन में थे। यह सब कुछ बहुत ही आसान था। हम होटल पहुँच गए। कुली हमारे पास आया।

“एक सज्जन आए हैं। वे आपके कमरों में हैं। वे बहुत बीमार लग रहे हैं। उनके साथ एक नर्स आई थी, लेकिन वह चली गई है।”
“कोई बात नहीं,” पोइरोट ने कहा, “वह मेरा दोस्त है।”
हम साथ में ऊपर गए। खिड़की के पास एक कुर्सी पर एक थका-हारा युवक बैठा था, जो बेहद थका हुआ लग रहा था। पोइरोट उसके पास गया।
“क्या आप जॉन हॉलिडे हैं?” उस व्यक्ति ने सिर हिलाकर हाँ कहा। “मुझे अपना बायाँ हाथ दिखाइए। जॉन हॉलिडे की बाईं कोहनी के ठीक नीचे एक तिल है।”
उस आदमी ने अपना हाथ आगे बढ़ाया। तिल वहीं था। पोइरोट ने काउंटेस को झुककर प्रणाम किया। वह मुड़ी और कमरे से चली गई।
एक गिलास ब्रांडी ने हैलिडे को कुछ हद तक तरोताजा कर दिया।
“हे भगवान!” वह बुदबुदाया। “मैं नरक से होकर गुजरा हूँ—नरक… वे दुष्ट साक्षात शैतान हैं। मेरी पत्नी कहाँ है? वह क्या सोचती है? उन्होंने मुझसे कहा था कि वह विश्वास करेगी—विश्वास करेगी—”
“ऐसा नहीं है,” पोइरोट ने दृढ़ता से कहा। “आप पर उसका विश्वास कभी नहीं डिगा। वह आपका इंतजार कर रही है—वह और बच्चा।”
“भगवान का शुक्र है। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा कि मैं एक बार फिर आज़ाद हो गया हूँ।”
"अब जबकि आप थोड़ा ठीक हो गए हैं, महोदय, मैं शुरू से पूरी कहानी सुनना चाहूंगा।"
हॉलिडे ने उसे एक अवर्णनीय भाव से देखा।
उन्होंने कहा, "मुझे कुछ भी याद नहीं है।"
"क्या?"
क्या आपने कभी बिग फोर के बारे में सुना है?
"उनमें से कुछ," पोइरोट ने रूखेपन से कहा।
“तुम वो नहीं जानते जो मैं जानती हूँ। उनके पास असीमित शक्ति है। अगर मैं चुप रहूँगी तो सुरक्षित रहूँगी—अगर मैंने एक शब्द भी कहा तो न सिर्फ मुझे, बल्कि मेरे प्रियजनों को भी असहनीय पीड़ा सहनी पड़ेगी। मुझसे बहस करने का कोई फायदा नहीं। मैं जानती हूँ… मुझे कुछ याद नहीं।”
और उठकर वह कमरे से बाहर चला गया।

पोइरोट के चेहरे पर हैरानी के भाव थे।

“तो बात कुछ ऐसी है?” उसने बुदबुदाते हुए कहा। “बिग फोर फिर से जीत गए।
हेस्टिंग्स, तुम्हारे हाथ में क्या है?”
मैंने उसे वह चीज़ सौंप दी।
मैंने समझाया, "काउंटेस ने जाने से पहले इसे लिख दिया था।"
उसने इसे पढ़ा।
अलविदा।—आई.वी.
“उसके नाम के शुरुआती अक्षरों—आई.वी.—से हस्ताक्षर किए गए हैं। शायद यह महज एक संयोग है कि ये अक्षर चार का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। हेस्टिंग्स, मुझे आश्चर्य हो रहा है।”

सात

रेडियम चोर

जिस रात हॉलिडे को रिहा किया गया, उस रात वह होटल में हमारे बगल वाले कमरे में सोया, और पूरी रात मैंने उसे नींद में कराहते और विरोध करते सुना। निस्संदेह विला में हुए उसके अनुभव ने उसे बुरी तरह से तोड़ दिया था, और सुबह हम उससे कोई भी जानकारी निकालने में पूरी तरह असफल रहे। वह केवल बिग फोर के पास मौजूद असीमित शक्ति के बारे में अपने बयान को दोहराता रहा, और यह आश्वासन देता रहा कि अगर उसने किसी को बताया तो उससे बदला लिया जाएगा। दोपहर के भोजन के बाद वह इंग्लैंड में अपनी पत्नी से मिलने के लिए रवाना हो गए, लेकिन पोइरोट और मैं पेरिस में ही रुक गए। मैं किसी न किसी तरह की सक्रिय कार्यवाही के पक्षधर था, और पोइरोट की यह खामोशी मुझे खीझ रही थी। “भगवान के लिए, पोइरोट,” मैंने आग्रह किया, “चलो उठें और उन पर हमला करें।” “अद्भुत, मेरे मित्र, अद्भुत! कहाँ और किसके विरुद्ध? कृपया स्पष्ट-स्पष्ट उत्तर दें।”

"बेशक, बिग फोर में।"
“Cela va sans dire. But how would you set about it?”
मैंने संशयपूर्वक कहा, "पुलिस।"
पोइरोट मुस्कुराया।
“वे हम पर प्रेम प्रसंग का आरोप लगाएंगे। हमारे पास कोई सबूत नहीं है— बिल्कुल भी नहीं। हमें इंतजार करना होगा।”
"किस के लिए इंतजार?"
“उनके कदम उठाने का इंतज़ार करो। देखो, इंग्लैंड में तुम सब मुक्केबाज़ी को समझते और पसंद करते हो। अगर एक खिलाड़ी कदम नहीं उठाता, तो दूसरे को उठाना पड़ता है, और विरोधी को हमला करने का मौका देकर उसके बारे में कुछ न कुछ पता चलता है। यही हमारा काम है—दूसरे पक्ष को हमला करने देना।” “तुम्हें लगता है कि वे ऐसा करेंगे?” मैंने संदेह से कहा।
मुझे इसमें ज़रा भी शक नहीं है। सबसे पहले तो, देखिए, उन्होंने मुझे इंग्लैंड से बाहर निकालने की कोशिश की। वो नाकाम रहे। फिर, डार्टमूर मामले में, हमने दखल देकर उनके शिकार को फांसी से बचाया। और कल, एक बार फिर, हमने उनकी योजनाओं में बाधा डाली। यकीन मानिए, वे इस मामले को यहीं नहीं छोड़ेंगे।
जब मैं इस बारे में सोच रहा था, तभी दरवाजे पर दस्तक हुई। जवाब का इंतज़ार किए बिना, एक आदमी कमरे में दाखिल हुआ और दरवाजा बंद कर लिया। वह लंबा, पतला आदमी था, जिसकी नाक थोड़ी टेढ़ी थी और रंग पीला था। उसने ठुड्डी तक बटन लगा हुआ ओवरकोट और आंखों पर अच्छी तरह से खींची हुई मुलायम टोपी पहन रखी थी।
"मुझे क्षमा करें सज्जनों, मेरे कुछ अनौपचारिक प्रवेश के लिए," उन्होंने धीमी आवाज में कहा, "लेकिन मेरा काम कुछ असामान्य प्रकृति का है।" मुस्कुराते हुए वह मेज की ओर बढ़ा और उसके पास बैठ गया। मैं उठने ही वाला था कि पोइरोट ने इशारे से मुझे रोक लिया।
"जैसा कि आपने कहा, महोदय, आपका प्रवेश कुछ अनौपचारिक है। क्या आप कृपया अपना कार्य बताएँगे?"
“मेरे प्रिय एम. पोइरोट, बात बहुत सरल है। आप मेरे दोस्तों को परेशान कर रहे हैं।”
"किस तरह से?"

"आइए, आइए, एम. पोइरोट। क्या आप मुझसे सचमुच यह सवाल पूछ रहे हैं? आप भी उतना ही जानते हैं जितना मैं जानता हूँ।"
"महाशय, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपके ये मित्र कौन हैं।"
बिना कुछ कहे, उस आदमी ने अपनी जेब से सिगरेट का डिब्बा निकाला और उसे खोलकर चार सिगरेट निकालीं और मेज पर फेंक दीं। फिर उसने उन्हें उठाया और वापस डिब्बे में रख दिया, जिसे उसने फिर से अपनी जेब में डाल लिया। “अहा!” पोइरोट ने कहा, “तो बात ऐसी है, है ना? और आपके दोस्तों का क्या सुझाव है?”
"वे सुझाव देते हैं, महोदय, कि आपको अपनी प्रतिभाओं - अपनी असाधारण प्रतिभाओं - का उपयोग वैध अपराधों का पता लगाने में करना चाहिए - अपने पूर्व के व्यवसायों में लौटना चाहिए, और लंदन की समाजसेविका महिलाओं की समस्याओं को हल करना चाहिए।"
“एक शांतिपूर्ण कार्यक्रम,” पोइरोट ने कहा। “और मान लीजिए कि मैं सहमत नहीं हूँ?”
उस व्यक्ति ने एक प्रभावशाली इशारा किया।
उन्होंने कहा, “हमें इस बात का बेहद अफसोस है। महान एम. हरक्यूल पोइरोट के सभी मित्रों और प्रशंसकों को भी अफसोस होगा। लेकिन अफसोस, चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, किसी व्यक्ति को दोबारा जीवित नहीं कर सकता।”
“ज़रा संभलकर कहिए,” पोइरोट ने सिर हिलाते हुए कहा। “और मान लीजिए कि मैं— स्वीकार कर लूँ?”
"ऐसी स्थिति में मुझे आपको मुआवजा देने का अधिकार है।"
उसने एक पर्स निकाला और मेज पर दस नोट फेंक दिए। प्रत्येक नोट दस हजार फ्रैंक का था।
उन्होंने कहा, "यह तो केवल हमारी नेक नियत की गारंटी है। आपको इससे दस गुना अधिक राशि का भुगतान किया जाएगा।"
“हे भगवान!” मैं उछलते हुए चिल्लाई, “तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई ऐसा सोचने की—”
“बैठ जाओ, हेस्टिंग्स,” पोइरोट ने तानाशाही लहजे में कहा। “अपने इतने सुंदर और ईमानदार स्वभाव को शांत करो और बैठ जाओ। महोदय, मैं आपसे बस इतना ही कहूंगा। मुझे पुलिस को फोन करके आपको उनकी हिरासत में सौंपने से कौन रोक सकता है, जबकि मेरा यह मित्र आपको भागने से रोक रहा है?”

"यदि आपको उचित लगे तो आप ऐसा अवश्य करें," हमारे आगंतुक ने शांत भाव से कहा।
“ओह! पोइरोट, इधर देखो,” मैं चिल्लाई। “मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकती।
पुलिस को फोन करो और इस मामले को खत्म करो।”
मैं तेजी से उठा और दरवाजे की ओर बढ़ा और उसके सहारे पीठ करके खड़ा हो गया।
"यही सबसे स्पष्ट रास्ता प्रतीत होता है," पोइरोट ने बुदबुदाते हुए कहा, मानो वह खुद से ही बहस कर रहा हो।
"लेकिन आप स्पष्ट बातों पर भी भरोसा नहीं करते, है ना?" हमारे आगंतुक ने मुस्कुराते हुए कहा।
“आगे बढ़ो, पोइरोट,” मैंने आग्रह किया।
"यह तुम्हारी जिम्मेदारी होगी, मेरे दोस्त।"
जैसे ही उसने रिसीवर उठाया, वह आदमी अचानक बिल्ली की तरह मुझ पर झपटा। मैं उसके लिए तैयार था। एक मिनट के भीतर हम दोनों आपस में भिड़ गए और कमरे में लड़खड़ाते हुए इधर-उधर भागने लगे। अचानक मुझे लगा कि वह फिसल गया और लड़खड़ा गया। मैंने इस मौके का फायदा उठाया। वह मुझसे पहले गिर पड़ा। और फिर, जीत के चरम पर, एक असाधारण घटना घटी। मुझे लगा जैसे मैं आगे की ओर उड़ रहा हूँ। सिर के बल, मैं दीवार से बुरी तरह टकरा गया। मैं एक मिनट में उठ गया, लेकिन मेरे पीछे दरवाजा बंद हो रहा था। मैं दौड़कर दरवाजे के पास गया और उसे हिलाया, वह बाहर से बंद था। मैंने पोइरोट से टेलीफोन छीन लिया। “क्या ये ब्यूरो है? बाहर आ रहे एक आदमी को रोको। एक लंबा आदमी, जिसने बटन वाला ओवरकोट और नरम टोपी पहनी है। पुलिस को उसकी तलाश है।”
कुछ ही मिनटों के भीतर हमें बाहर गलियारे में एक आवाज़ सुनाई दी। चाबी घुमाई गई और दरवाज़ा ज़ोर से खुल गया। मैनेजर खुद दरवाज़े पर खड़ा था। “क्या तुमने उस आदमी को पकड़ लिया?” मैंने चिल्लाकर कहा।
"नहीं, महोदय। कोई नीचे नहीं उतरा है।"
"तुम उससे आगे निकल गए होगे।"
“हमें यहाँ कोई नहीं मिला, महोदय। यह अविश्वसनीय है कि वह बच निकला होगा।” “मुझे लगता है कि आप किसी के पास से गुज़रे हैं,” पोइरोट ने अपनी सौम्य आवाज़ में कहा। “हो सकता है होटल का कोई कर्मचारी हो?”
"महोदय, बस एक वेटर ट्रे लेकर आया है।"
“आह!” पोइरोट ने अनंतता का भाव व्यक्त करते हुए कहा।

"तो इसीलिए वह अपना ओवरकोट ठुड्डी तक बटन लगाकर पहनता था," पोइरोट ने सोचा, जब हम आखिरकार उत्तेजित होटल अधिकारियों से छुटकारा पाने में कामयाब हो गए थे।
“मुझे बहुत खेद है, पोइरोट,” मैंने कुछ निराश होकर धीरे से कहा। “मुझे लगा था कि मैंने उसे ठीक से मार गिराया था।”
“हाँ, मुझे लगता है कि यह जापानियों की कोई चाल थी। चिंता मत करो, मेरे दोस्त। सब कुछ योजना के अनुसार हुआ—उसकी योजना के अनुसार। मैं यही चाहता था।”
“यह क्या है?” मैं चिल्लाई और फर्श पर पड़ी एक भूरे रंग की वस्तु पर झपट पड़ी।
यह भूरे चमड़े का एक पतला पर्स था, जो जाहिर तौर पर मेरे साथ हाथापाई के दौरान हमारे मेहमान की जेब से गिर गया था। इसमें एम. फेलिक्स लाओन के नाम के दो रसीद वाले बिल और एक मुड़ा हुआ कागज का टुकड़ा था, जिसे देखकर मेरी धड़कन तेज हो गई। यह नोटपैड का आधा पन्ना था जिस पर पेंसिल से कुछ शब्द लिखे हुए थे, लेकिन वे अत्यंत महत्वपूर्ण शब्द थे।
"परिषद की अगली बैठक शुक्रवार को सुबह 11 बजे 34 रुए डेस एचेल्स में होगी।"
इस पर बड़े अक्षरों में 4 लिखा हुआ था।
और आज शुक्रवार था, और मेंटलपीस पर लगी घड़ी में 10:30 बज रहे थे।
“हे भगवान! क्या शानदार मौका है!” मैं चिल्लाया। “किस्मत हमारा साथ दे रही है। लेकिन हमें तुरंत शुरू करना होगा। कितनी अद्भुत किस्मत है!”
“तो इसीलिए वह आया था,” पोइरोट ने धीरे से कहा। “अब मुझे सब समझ आ गया।” “क्या देखना है? चलो, पोइरोट, वहाँ दिवास्वप्न में मत खोए रहो।”
पोइरोट ने मेरी तरफ देखा और धीरे से अपना सिर हिलाया, ऐसा करते हुए वह मुस्कुराए।
“‘क्या तुम मेरे कमरे में आओगी?’ मकड़ी ने मक्खी से कहा। यह आपकी छोटी सी अंग्रेजी बच्चों की कविता है, है ना? नहीं, नहीं—ये सूक्ष्म हैं—लेकिन हरक्यूल पोइरोट जितनी सूक्ष्म नहीं।”
"आखिर तुम कहना क्या चाह रहे हो, पोइरोट?"
मेरे दोस्त, मैं आज सुबह की मुलाक़ात का कारण खुद से पूछ रहा था। क्या हमारे मेहमान को सच में मुझे रिश्वत देने की उम्मीद थी? या फिर, मुझे डराकर

मेरा काम छुड़वाने की? यह बात तो बिल्कुल अविश्वसनीय लग रही थी। फिर वह आया ही क्यों? और अब मुझे पूरी योजना समझ आ गई है—बहुत ही सलीके से—बहुत ही आकर्षक—मुझे रिश्वत देने या डराने का दिखावटी कारण—वह ज़रूरी संघर्ष जिससे बचने की उसने कोई कोशिश नहीं की, और जिसके कारण गिरा हुआ पर्स स्वाभाविक और तर्कसंगत लगना चाहिए—और अंत में—फंसने का जाल! रुए डेस एचेल्स, सुबह 11 बजे? मुझे नहीं लगता, मेरे दोस्त! हरक्यूल पोइरोट को इतनी आसानी से पकड़ा नहीं जा सकता।
“हे भगवान!” मैंने हांफते हुए कहा।
पोइरोट मन ही मन भौंहें चढ़ा रहा था।
"एक बात तो मुझे अभी भी समझ नहीं आई है।"
"वह क्या है?"
“समय, हेस्टिंग्स—समय! अगर वे मुझे बहला-फुसलाकर ले जाना चाहते थे, तो रात का समय बेहतर होता, है ना? इतनी सुबह क्यों? क्या ऐसा हो सकता है कि आज सुबह कुछ होने वाला है? कुछ ऐसा जिसके बारे में वे नहीं चाहते कि हरक्यूल पोइरोट को पता चले?”
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
“देखते हैं। मैं यहीं बैठा हूँ, मेरे मित्र। आज सुबह हम बाहर नहीं निकलेंगे। हम यहीं होने वाली घटनाओं का इंतजार करेंगे।”
ठीक साढ़े ग्यारह बजे समन आया। एक छोटा सा नीला पत्र। पोइरोट ने उसे फाड़कर खोला और मुझे थमा दिया। यह विश्वप्रसिद्ध वैज्ञानिक मैडम ओलिवियर की ओर से था, जिनसे हम कल हॉलिडे मामले के सिलसिले में मिले थे। इसमें हमें तुरंत पैसी आने के लिए कहा गया था।
हमने बिना एक पल भी देरी किए बुलावा स्वीकार कर लिया। मैडम ओलिवियर ने उसी छोटे से हॉल में हमारा स्वागत किया। मैं इस महिला की अद्भुत शक्ति से एक बार फिर मंत्रमुग्ध हो गया, उनके लंबे, नन जैसे चेहरे और प्रज्वलित आँखों से—बेक्वेरेल और क्यूरी बहनों की यह प्रतिभाशाली उत्तराधिकारी। उन्होंने सीधे मुद्दे पर बात की।
“महोदय, आपने कल मुझसे एम. हॉलिडे के लापता होने के बारे में पूछताछ की थी। मुझे अब पता चला है कि आप दूसरी बार घर आए थे और मेरी सचिव, इनेज़ वेरोनो से मिलने की इच्छा जताई थी। वह आपके साथ घर से चली गई और तब से वापस नहीं आई है।”

“बस इतना ही, महोदया?”
“नहीं, महोदय, ऐसा नहीं है। कल रात प्रयोगशाला में सेंधमारी हुई और कई महत्वपूर्ण कागजात और दस्तावेज चोरी हो गए। चोरों ने इससे भी अधिक कीमती सामान चुराने की कोशिश की, लेकिन सौभाग्य से वे बड़ी तिजोरी खोलने में असफल रहे।”
“महोदया, ये मामले के तथ्य हैं। आपकी दिवंगत सचिव, मैडम वेरोनो, वास्तव में काउंटेस रोसाकॉफ थीं, जो एक माहिर चोर थीं, और वही एम. हॉलिडे के गायब होने के लिए जिम्मेदार थीं। वह आपके साथ कितने समय से थीं?”
“पांच महीने, महोदय। आपकी बात सुनकर मैं आश्चर्यचकित हो गया।”
“यह सच है, फिर भी। क्या ये कागजात आसानी से मिल गए थे? या आपको लगता है कि इसमें कोई अंदरूनी जानकारी दिखाई गई थी?”
“यह तो काफी अजीब बात है कि चोरों को ठीक-ठीक पता था कि कहाँ देखना है। तुम्हें क्या लगता है इनेज़—”
“हाँ, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि उन्होंने उसी की सूचना पर कार्रवाई की। लेकिन यह कीमती चीज़ क्या है जिसे चोर नहीं ढूंढ पाए? गहने?”
मैडम ओलिवियर ने हल्की मुस्कान के साथ अपना सिर हिलाया।
“उससे कहीं अधिक कीमती चीज, महोदय।” उसने चारों ओर देखा, फिर आगे झुककर अपनी आवाज धीमी करते हुए कहा, “रेडियम, महोदय।”
“रेडियम?”
जी हां, महोदय। मैं इस समय अपने प्रयोगों के अंतिम चरण में हूं। मेरे पास स्वयं रेडियम का एक छोटा सा हिस्सा है—और अधिक मात्रा मुझे उस प्रक्रिया के लिए उधार दी गई है जिस पर मैं काम कर रहा हूं। हालांकि वास्तविक मात्रा कम है, लेकिन यह विश्व के भंडार का एक बड़ा हिस्सा है और इसका मूल्य लाखों फ़्रैंक में है।
"और ये कहां है?"
“बड़े तिजोरी में रखे सीसे के आवरण में रखी तिजोरी जानबूझकर पुरानी और जर्जर प्रतीत होती है, लेकिन वास्तव में यह तिजोरी बनाने की कला का एक उत्कृष्ट नमूना है। शायद इसीलिए चोर इसे खोल नहीं पाए।”
आप इस रेडियम को कब तक अपने पास रखेंगे?
“बस दो दिन और, महोदय। उसके बाद मेरे प्रयोग समाप्त हो जाएंगे।” पोइरोट की आंखें चमक उठीं।

“और इनेज़ वेरोनो को इस बात की जानकारी है? अच्छा—तो हमारे दोस्त वापस आ जाएँगे। मेरी तरफ से किसी को एक शब्द भी मत कहना, महोदया। लेकिन निश्चिंत रहिए, मैं आपका रेडियम आपके लिए सुरक्षित रखूँगा। क्या आपके पास प्रयोगशाला से बगीचे की ओर जाने वाले दरवाजे की चाबी है?”
"जी हां, महोदय। यह लीजिए। मेरे पास इसकी एक प्रति है। और यह उस बगीचे के दरवाजे की चाबी है जो इस विला और अगले विला के बीच वाली गली में खुलता है।" “धन्यवाद, महोदया। आज रात आप हमेशा की तरह आराम से सो जाइए, चिंता मत कीजिए और सब कुछ मुझ पर छोड़ दीजिए। लेकिन किसी से एक शब्द भी मत कहना—खासकर अपने दोनों सहायकों—मैडम क्लॉड और श्रीमान हेनरी से, है ना?—उनसे तो बिल्कुल भी नहीं।”
पोइरोट अत्यंत संतुष्टि से अपने हाथ मलते हुए विला से बाहर निकल गया। मैंने पूछा, "अब हम क्या करेंगे?"
"अब, हेस्टिंग्स, हम पेरिस से इंग्लैंड के लिए रवाना होने वाले हैं।" "क्या?"
"हम अपना सामान पैक करेंगे, दोपहर का भोजन करेंगे और गैरे डू नॉर्ड के लिए गाड़ी चलाएंगे।"
लेकिन रेडियम का क्या?
“मैंने कहा था कि हम इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे—मैंने यह नहीं कहा था कि हम वहाँ पहुँचेंगे। ज़रा सोचो, हेस्टिंग्स। यह बिल्कुल निश्चित है कि हम पर नज़र रखी जा रही है और हमारा पीछा किया जा रहा है। हमारे दुश्मनों को लगता होगा कि हम इंग्लैंड वापस जा रहे हैं, और वे तब तक इस बात पर यकीन नहीं करेंगे जब तक वे हमें ट्रेन में चढ़ते और रवाना होते हुए नहीं देख लेते।” "क्या आपका मतलब है कि हम आखिरी मिनट में फिर से भाग जाएंगे?"
“नहीं, हेस्टिंग्स। हमारे दुश्मन एक वास्तविक प्रस्थान से कम किसी भी चीज़ से संतुष्ट नहीं होंगे।”
लेकिन ट्रेन कैलिस तक नहीं रुकती?
"अगर इसके लिए पैसे दिए जाएं तो यह रुक जाएगा।"
"अरे, पोइरोट—आप एक्सप्रेस ट्रेन को रुकने के लिए पैसे नहीं दे सकते—वे मना कर देंगे।"

"मेरे प्यारे दोस्त, क्या आपने कभी उस छोटे से हैंडल—यानी सिग्नल डी'अरेट — पर ध्यान नहीं दिया, जिसके अनुचित उपयोग पर जुर्माना 100 फ्रैंक है, मुझे लगता है?"
“अरे! क्या तुम ऐसा करने वाले हो?”
या यूं कहें कि मेरा एक दोस्त, पियरे कोम्बो, ऐसा करेगा। फिर, जब वह गार्ड से बहस कर रहा होगा, खूब हंगामा कर रहा होगा, और पूरी ट्रेन उत्सुकता से देख रही होगी, तब हम दोनों चुपचाप निकल जाएंगे।
हमने पोइरोट की योजना का पूरी तरह पालन किया। पियरे कोम्बो, जो पोइरोट का पुराना साथी था और जाहिर तौर पर मेरे छोटे दोस्त के तौर-तरीकों से अच्छी तरह वाकिफ था, उसने भी व्यवस्थाओं में साथ दिया। पेरिस के बाहरी इलाके में पहुंचते ही संचार का तार काट दिया गया। कोम्बो ने फ्रांसीसी शैली में खूब हंगामा किया, और पोइरोट और मैं बिना किसी को पता चले ट्रेन से उतरने में कामयाब हो गए। हमारा पहला काम था अपने पहनावे में काफी बदलाव करना। पोइरोट इसके लिए ज़रूरी सामान एक छोटे से सूटकेस में अपने साथ लाया था। नतीजा यह हुआ कि हमने गंदे नीले रंग के ब्लाउज पहने दो लोफर्स पहन लिए। हमने एक साधारण से सराय में रात का खाना खाया और उसके बाद पेरिस के लिए रवाना हो गए।
लगभग ग्यारह बज रहे थे जब हम एक बार फिर मैडम ओलिवियर के विला के आसपास पहुँच गए। हमने गली में घुसने से पहले सड़क पर इधर-उधर नज़र डाली। पूरा इलाका एकदम सुनसान लग रहा था। एक बात तो पक्की थी, कोई हमारा पीछा नहीं कर रहा था।
“मुझे उम्मीद नहीं है कि वे अभी तक यहाँ आए होंगे,” पोइरोट ने मुझसे फुसफुसाते हुए कहा। “हो सकता है कि वे कल रात तक न आएँ, लेकिन वे अच्छी तरह जानते हैं कि रेडियम केवल दो रातों तक ही उपलब्ध रहेगा।”
हमने बड़ी सावधानी से बगीचे के दरवाजे में चाबी घुमाई। दरवाजा बिना आवाज किए खुल गया और हम बगीचे में प्रवेश कर गए।
और फिर, बिलकुल अप्रत्याशित रूप से, वार हुआ। एक मिनट में ही हम चारों तरफ से घिर गए, हमारे मुंह पर पट्टी बांध दी गई और हमें जकड़ दिया गया। कम से कम दस आदमी हमारा इंतज़ार कर रहे होंगे। विरोध करना बेकार था। दो बेबस गठ्ठों की तरह हमें उठाकर ले जाया गया। मुझे बहुत आश्चर्य हुआ कि वे हमें घर की तरफ ले जा रहे थे, उससे दूर नहीं। उन्होंने एक चाबी से प्रयोगशाला का

दरवाजा खोला और हमें अंदर ले गए। उनमें से एक आदमी एक बड़ी तिजोरी के सामने झुका। उसका दरवाजा खुल गया। मेरी रीढ़ की हड्डी में एक अजीब सी सनसनी दौड़ गई। क्या वे हमें उसमें डालकर वहीं धीरे-धीरे दम घुटने के लिए छोड़ देंगे? लेकिन, मुझे आश्चर्य हुआ जब मैंने देखा कि अंदर से सीढ़ियाँ ज़मीन के नीचे जाती थीं। हमें उस संकरे रास्ते से नीचे धकेल दिया गया और अंततः हम एक बड़े भूमिगत कक्ष में पहुँच गए। वहाँ एक महिला खड़ी थी, लंबी और प्रभावशाली, जिसके चेहरे पर काले मखमल का मुखौटा था। उसके अधिकारपूर्ण हाव-भाव से स्पष्ट था कि वह स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण रखती है। पुरुषों ने हमें ज़मीन पर पटक दिया और हमें उस रहस्यमयी मुखौटेधारी प्राणी के साथ अकेला छोड़ दिया। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं था कि वह कौन थी। यह वही अज्ञात फ्रांसीसी महिला थी - बिग फोर की तीसरी सदस्य।
वह हमारे बगल में घुटनों के बल बैठ गई और हमारे मुंह पर बंधी पट्टी हटा दी, लेकिन हमें बंधा हुआ ही छोड़ दिया, फिर उठकर हमारी ओर मुड़ी और अचानक एक तेज इशारे से अपना मुखौटा हटा दिया।
वह मैडम ओलिवियर थीं!
“एम. पोइरोट,” उसने धीमी, व्यंग्यात्मक स्वर में कहा। “महान, अद्भुत, अद्वितीय, एम. पोइरोट। मैंने कल सुबह आपको चेतावनी भेजी थी। आपने उसे अनसुना करना चुना—आपको लगा कि आप अपनी बुद्धि से हमारा मुकाबला कर सकते हैं। और अब, आप यहाँ हैं!”
उसके चेहरे पर एक निर्मम दुर्भावना थी जिसने मुझे अंदर तक झकझोर दिया। यह उसकी आँखों की धधकती आग से बिलकुल विपरीत थी। वह पागल थी—पागल—प्रतिभा के पागलपन में डूबी हुई!
पोइरोट ने कुछ नहीं कहा। उसका मुंह खुला का खुला रह गया था और वह उसे घूर रहा था।
“ठीक है,” उसने धीरे से कहा, “यह अंत है। हम अपनी योजनाओं में किसी भी तरह की बाधा नहीं आने दे सकते। क्या आपकी कोई आखिरी विनती है?”
इससे पहले या इसके बाद कभी भी मैंने मौत के इतने करीब होने का एहसास नहीं किया। पोइरोट शानदार थे। वे न तो हिचके और न ही उनका चेहरा पीला पड़ा, बस अटूट रुचि के साथ उन्हें देखते रहे।
“महोदया, मुझे आपका मनोविज्ञान बहुत दिलचस्प लगता है,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “अफ़सोस की बात है कि मेरे पास इसे पढ़ने के लिए बहुत कम समय है।

हाँ, मेरी एक गुज़ारिश है। मुझे लगता है कि सज़ा पाए व्यक्ति को हमेशा आखिरी सिगरेट पीने की इजाज़त होती है। मेरे पास सिगरेट का डिब्बा है। अगर आप इजाज़त दें तो—” उसने अपनी बेड़ियों की तरफ देखा।
“ओह, जी हाँ!” वह हँसी। “आप चाहेंगे कि मैं आपके हाथ खोल दूँ, है ना? आप बड़े चतुर हैं, श्री हरक्यूल पोइरोट, मैं जानती हूँ। मैं आपके हाथ नहीं खोलूँगी — लेकिन मैं आपके लिए एक सिगरेट ढूँढ़ दूँगी।”
वह उसके पास घुटनों के बल बैठ गई, उसकी सिगरेट की पेटी निकाली, एक सिगरेट निकाली और उसे उसके होठों के बीच रख दिया।
“और अब एक मैच,” उसने उठते हुए कहा।
“इसकी कोई आवश्यकता नहीं है, महोदया।” उनकी आवाज़ में कुछ ऐसा था जिसने मुझे चौंका दिया। उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया था।
“कृपा करके हिलें मत, महोदया। अगर आप हिलीं तो आपको पछतावा होगा। क्या आप क्यूरेर के गुणों से थोड़ी भी परिचित हैं? दक्षिण अमेरिकी आदिवासी इसे तीर के जहर के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इससे एक खरोंच भी मौत का कारण बन सकती है। कुछ जनजातियाँ एक छोटी सी पाइप का इस्तेमाल करती हैं—मेरे पास भी एक छोटी सी पाइप है जो बिल्कुल सिगरेट जैसी दिखती है। मुझे बस फूंक मारनी है… आह! आप चौंक जाती हैं। हिलें मत, महोदया। इस सिगरेट की कार्यप्रणाली बहुत ही अद्भुत है। एक फूंक मारो—और मछली की हड्डी जैसी दिखने वाली एक छोटी सी तीर हवा में उड़ती हुई अपने लक्ष्य तक पहुँचती है। आप मरना नहीं चाहतीं, महोदया। इसलिए, मैं आपसे विनती करता हूँ कि मेरे मित्र हेस्टिंग्स को उसके बंधनों से मुक्त कर दें। मैं अपने हाथों का इस्तेमाल नहीं कर सकता, लेकिन मैं अपना सिर घुमा सकता हूँ—तो—आप अभी भी सुरक्षित हैं, महोदया। कृपया कोई गलती न करें।”
धीरे-धीरे, कांपते हाथों से, और क्रोध और घृणा से भरे चेहरे के साथ, वह नीचे झुकी और उसका आदेश माना। मैं मुक्त हो गया। पोइरोट की आवाज़ ने मुझे निर्देश दिए।
“हेस्टिंग्स, अब आपके बंधन ही इस महिला के लिए काफी होंगे। ठीक है। क्या वह सुरक्षित रूप से बंधी हुई है? कृपया मुझे भी छोड़ दें। यह सौभाग्य की बात है कि उसने अपने गुंडों को भगा दिया। थोड़ी सी किस्मत से हमें बिना किसी रुकावट के बाहर निकलने का रास्ता मिल सकता है।”

एक मिनट बाद, पोइरोट मेरे बगल में आकर खड़े हो गए। उन्होंने उस महिला को झुककर प्रणाम किया।
“हर्क्यूल पोइरोट इतनी आसानी से नहीं मरते, महोदया। शुभ रात्रि।” मुंह पर पट्टी बंधी होने के कारण वह जवाब नहीं दे सकी, लेकिन उसकी आंखों में दिख रही जानलेवा चमक ने मुझे भयभीत कर दिया। मैंने पूरी श्रद्धा से प्रार्थना की कि हम फिर कभी उसके चंगुल में न पड़ें।
तीन मिनट बाद हम विला के बाहर थे और जल्दी से बगीचे से होते हुए आगे बढ़ रहे थे। बाहर की सड़क सुनसान थी और हम जल्द ही उस इलाके से बाहर निकल गए। फिर पोइरोट वहां से निकल आया।
“उस औरत ने मुझसे जो कुछ भी कहा, मैं उसका हकदार हूँ। मैं तिगुना मूर्ख, एक दयनीय जानवर, छत्तीस गुना बेवकूफ हूँ। मुझे इस बात पर गर्व था कि मैं उनके जाल में नहीं फँसा। और यह जाल था भी नहीं—सिवाय उस तरीके के जिससे मैं फँस गया। वे जानते थे कि मैं इसे समझ जाऊँगा—उन्होंने मेरे समझने पर भरोसा किया था। इससे सब कुछ स्पष्ट हो जाता है—जिस आसानी से उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया। हैलिडे—सब कुछ। मैडम ओलिवियर ही सब कुछ थीं—वेरा रोसाकॉफ तो बस उनकी सहायक थीं। मैडम को हैलिडे के विचारों की ज़रूरत थी— उनके पास खुद वह प्रतिभा थी जिससे वे उन कमियों को पूरा कर सकती थीं जो हैलिडे को उलझन में डाल देती थीं। हाँ, हेस्टिंग्स, अब हम जानते हैं कि नंबर तीन कौन है—वह महिला जो शायद दुनिया की सबसे महान वैज्ञानिक है! ज़रा सोचो। पूरब का मस्तिष्क, पश्चिम का विज्ञान—और दो अन्य जिनकी पहचान हम अभी तक नहीं जानते। लेकिन हमें पता लगाना होगा। कल हम लंदन लौटेंगे और इस काम में जुट जाएँगे।”
"क्या आप मैडम ओलिवियर की शिकायत पुलिस में नहीं करेंगे?"
“मेरी बात पर विश्वास नहीं किया जाना चाहिए। वह महिला फ्रांस की प्रतिष्ठित हस्तियों में से एक है। और हम कुछ भी साबित नहीं कर सकते। अगर वह हमारी निंदा नहीं करती है तो हम भाग्यशाली हैं।”
"क्या?"
“सोचो ज़रा। रात में हम उस जगह पर चाबियों के साथ पाए जाते हैं, जबकि वो कसम खाकर कहती है कि उसने हमें कभी चाबियां नहीं दीं। वो तिजोरी के पास हमें रंगे हाथों पकड़ लेती है, और हम उसका मुंह बंद करके उसे बांध देते हैं और

भाग जाते हैं। हेस्टिंग्स, गलतफहमी में मत रहो। जूता सही पैर पर नहीं है— क्या तुम इसे ऐसे ही कहते हो?”

आठ

शत्रु के घर में

पैसी स्थित विला में अपने रोमांचक अनुभव के बाद, हम तुरंत लंदन लौट आए। पोइरोट के लिए कई पत्र इंतज़ार कर रहे थे। उन्होंने उनमें से एक पत्र को उत्सुकता भरी मुस्कान के साथ पढ़ा और फिर मुझे सौंप दिया।
"इसे पढ़ो, मेरे दोस्त।"

मैंने सबसे पहले हस्ताक्षर, "एबे रायलैंड" पर ध्यान दिया और पोइरोट के शब्दों को याद किया: "दुनिया का सबसे अमीर आदमी।" श्री रायलैंड का पत्र संक्षिप्त और तीखा था। उन्होंने पोइरोट द्वारा अंतिम क्षण में दक्षिण अमेरिकी प्रस्ताव से पीछे हटने के कारण पर अपनी गहरी असंतुष्टि व्यक्त की।
“इससे मन में बहुत सोचने-विचारने की इच्छा होती है, है ना?” पोइरोट ने कहा। "मुझे लगता है कि उसका थोड़ा चिड़चिड़ा होना स्वाभाविक ही है।"
“नहीं, नहीं, तुम समझते नहीं हो। मेयरलिंग के शब्दों को याद करो, वह आदमी जिसने यहाँ शरण ली थी—और अंत में अपने दुश्मनों के हाथों मारा गया। ‘नंबर दो को दो रेखाओं वाले “S” से दर्शाया जाता है—डॉलर का चिन्ह; साथ ही दो धारियों और एक तारे से भी। इसलिए यह अनुमान लगाया जा सकता है कि वह एक अमेरिकी नागरिक है, और वह धन की शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है।’ इन शब्दों में यह तथ्य भी जोड़ दो कि रायलैंड ने मुझे इंग्लैंड से बाहर निकालने के लिए एक बड़ी रकम की पेशकश की थी—और—और इसके बारे में क्या, हेस्टिंग्स?” मैंने घूरते हुए कहा, "आपका मतलब यह है कि आपको शक है कि करोड़पति अबे रायलैंड 'बिग फोर' में दूसरे नंबर पर है।"
“हेस्टिंग्स, आपकी तेज बुद्धि ने इस बात को समझ लिया है। जी हाँ, मैंने समझ लिया है। आपने जिस लहजे में 'करोड़पति' कहा, वह बहुत प्रभावशाली था, लेकिन मैं आपको एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूँ—इसका संचालन शीर्ष पदों पर बैठे लोगों द्वारा किया जा रहा है—और श्री रायलैंड अपने व्यापारिक व्यवहार में किसी भी तरह से अच्छे नहीं माने जाते। एक सक्षम, बेईमान व्यक्ति, एक ऐसा व्यक्ति जिसके पास जरूरत से ज्यादा दौलत है, और जो असीमित सत्ता के पीछे पड़ा है।”
पोइरोट के दृष्टिकोण में निस्संदेह कुछ सच्चाई थी। मैंने उनसे पूछा कि उन्होंने इस मुद्दे पर अपना अंतिम निर्णय कब लिया था।
“बस यही बात है। मुझे पक्का यकीन नहीं है। मैं यकीन नहीं कर सकता। मेरे दोस्त, मैं यह जानने के लिए कुछ भी देने को तैयार हूँ। बस मुझे यह पक्का पता चल जाए कि दूसरे नंबर पर आबे रायलैंड हैं, और हम अपने लक्ष्य के करीब पहुँच जाएँगे।”
“मुझे लगता है कि वह अभी-अभी लंदन पहुंचे हैं,” मैंने पत्र पर हाथ फेरते हुए कहा। “क्या आप उनसे मिलने जाएंगे और व्यक्तिगत रूप से माफी मांगेंगे?”

मैं ऐसा कर सकता हूँ।
दो दिन बाद, पोइरोट असीम उत्साह की अवस्था में हमारे कमरे में लौटा। उसने मुझे अपने सबसे आवेगपूर्ण अंदाज़ में दोनों हाथों से पकड़ लिया।
“मेरे मित्र, एक अभूतपूर्व, अभूतपूर्व और कभी न दोहराया जाने वाला अवसर सामने आया है! लेकिन इसमें खतरा है, गंभीर खतरा। मैं तो आपसे इसे करने का प्रयास करने के लिए भी नहीं कहूंगा।”
अगर पोइरोट मुझे डराने की कोशिश कर रहा था, तो वह गलत रास्ते पर जा रहा था, इसलिए मैंने उसे यह बात बता दी। उसकी बातें थोड़ी कम उलझी हुई लगने लगीं और उसने अपनी योजना का खुलासा किया।
ऐसा प्रतीत हुआ कि रायलैंड एक अंग्रेजी सचिव की तलाश में थे, जो अच्छे सामाजिक व्यवहार और प्रभावशाली व्यक्तित्व वाली हों। पोइरोट ने ही मुझे इस पद के लिए आवेदन करने का सुझाव दिया था।
“मैं खुद ये कर सकता था, मेरे दोस्त,” उसने माफी मांगते हुए समझाया। “लेकिन देखो, मेरे लिए ज़रूरी तरीके से भेष बदलना लगभग नामुमकिन है। मैं अंग्रेज़ी बहुत अच्छी बोलता हूँ—सिवाय तब जब मैं उत्तेजित होता हूँ— लेकिन इतनी अच्छी नहीं कि सुनने वाले को धोखा दे सकूँ; और अगर मैं अपनी मूंछें भी हटा दूँ, तो मुझे पूरा यकीन है कि लोग मुझे हरक्यूल पोइरोट के रूप में पहचान लेंगे।”
मुझे भी इस पर संदेह था, और मैंने खुद को इस भूमिका को निभाने और रायलैंड के घर में घुसपैठ करने के लिए तैयार और इच्छुक घोषित किया।
मैंने कहा, "दस में से एक चांस है कि वह मुझसे बात नहीं करेगा।"
“जी हां, वो जरूर करेगा। मैं तुम्हारे लिए ऐसे प्रशंसा पत्र तैयार करवाऊंगा जिन्हें देखकर वो ललचा जाएगा। गृह सचिव स्वयं तुम्हारी सिफारिश करेंगे।”
यह बात कुछ ज्यादा ही खींची जा रही थी, लेकिन पोइरोट ने मेरी आपत्तियों को नजरअंदाज कर दिया।
“ओह, हाँ, वह ऐसा करेगा। मैंने उसके लिए एक छोटे से मामले की जाँच की थी जिससे एक गंभीर घोटाला हो सकता था। सब कुछ विवेक और सावधानी से सुलझा लिया गया, और अब, जैसा कि आप कहेंगे, वह नन्हे पक्षी की तरह मेरे हाथ पर बैठा है और टुकड़ों को चुग रहा है।”

हमारा पहला कदम मेकअप आर्टिस्ट की सेवाएं लेना था। वह कद में छोटा था, उसका सिर पोइरोट के सिर की तरह ही पक्षी की तरह थोड़ा टेढ़ा था। उसने कुछ देर चुपचाप मुझे देखा, फिर काम पर लग गया। आधे घंटे बाद जब मैंने शीशे में खुद को देखा, तो मैं दंग रह गया। खास जूतों की वजह से मैं कम से कम दो इंच लंबा दिख रहा था, और जो कोट मैंने पहना था, उसे इस तरह से बनाया गया था कि मैं लंबा, दुबला-पतला और कमजोर लग रहा था। मेरी भौहों को बड़ी चालाकी से बदल दिया गया था, जिससे मेरे चेहरे का भाव बिलकुल बदल गया था। मैंने गालों में पैड लगा रखे थे, और मेरे चेहरे का गहरा टैन गायब हो गया था। मेरी मूंछें गायब थीं, और मेरे मुंह के एक तरफ सोने का दांत साफ दिखाई दे रहा था। पोइरोट ने कहा, "तुम्हारा नाम आर्थर नेविल है। ईश्वर तुम्हारी रक्षा करे, मेरे मित्र—क्योंकि मुझे डर है कि तुम खतरनाक जगहों पर जा रहे हो।"
मैं धड़कते दिल के साथ श्री रायलैंड द्वारा बताए गए समय पर सैवॉय होटल पहुंचा और उस महान व्यक्ति से मिलने की इच्छा व्यक्त की।
एक-दो मिनट इंतजार कराने के बाद, मुझे ऊपर उनके सुइट में ले जाया गया। रायलैंड एक मेज पर बैठा था। उसके सामने एक पत्र फैला हुआ था, जिसे मैंने अपनी आँखों के कोने से देखा तो मुझे गृह सचिव की लिखावट दिखाई दी। अमेरिकी करोड़पति को मैंने पहली बार देखा था, और मैं खुद पर काबू न रख पाने के बावजूद उससे प्रभावित हो गया। वह लंबा और दुबला-पतला था, उसकी ठुड्डी उभरी हुई थी और नाक थोड़ी टेढ़ी थी। उसकी घनी भौंहों के पीछे उसकी आँखें ठंडी और धूसर चमक रही थीं। उसके बाल घने और सफ़ेद थे, और उसके मुँह के कोने से एक लंबी काली सिगार (जिसके बिना, जैसा कि मुझे बाद में पता चला, उसे कभी नहीं देखा गया) शान से निकली हुई थी।
“बैठ जाओ,” उसने धीमी आवाज़ में कहा।
मैं बैठ गया। उसने अपने सामने रखे पत्र पर थपथपाया।
"इस लेख के अनुसार, आप वाकई काबिल हैं और मुझे आगे देखने की जरूरत नहीं है।
बताइए, क्या आप सामाजिक मामलों में अच्छी तरह से पारंगत हैं?"
मैंने कहा कि मुझे लगता है कि मैं इस मामले में उसे संतुष्ट कर सकता हूँ। "मेरा मतलब यह है कि अगर मैं अपने देश के उस घर में बहुत सारे रईस, अर्ल, विस्काउंट और ऐसे ही अन्य लोगों को बुलाता हूँ, तो क्या आप उन्हें ठीक से व्यवस्थित कर पाएंगे और उन्हें भोजन की मेज के चारों ओर उनकी उचित जगह पर बिठा पाएंगे?"

“ओह! बहुत आसानी से,” मैंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।
हमने कुछ और प्रारंभिक बातचीत की, और फिर मुझे काम मिल गया। श्री रायलैंड को एक ऐसी सचिव चाहिए थी जो अंग्रेजी समाज से परिचित हो, क्योंकि उनके पास पहले से ही एक अमेरिकी सचिव और एक स्टेनोग्राफर मौजूद थीं।
दो दिन बाद मैं हैटन चेज़ गया, जो ड्यूक ऑफ लोमशायर का निवास स्थान था, जिसे उस अमेरिकी करोड़पति ने छह महीने की अवधि के लिए किराए पर लिया था। मुझे अपने कर्तव्यों में कोई कठिनाई नहीं हुई। जीवन के एक दौर में मैं एक व्यस्त सांसद का निजी सचिव रह चुका था, इसलिए मुझे कोई अपरिचित भूमिका निभाने की आवश्यकता नहीं थी। श्री रायलैंड आमतौर पर सप्ताहांत में एक बड़ी पार्टी आयोजित करते थे, लेकिन सप्ताह के मध्य में अपेक्षाकृत शांति रहती थी। मैंने अमेरिकी सचिव श्री एप्पलबी को बहुत कम देखा, लेकिन वे एक मिलनसार, सामान्य युवा अमेरिकी प्रतीत होते थे, जो अपने काम में बहुत कुशल थे। स्टेनोग्राफर मिस मार्टिन को मैंने कुछ अधिक देखा। वह लगभग तेईस या तेईस वर्ष की एक सुंदर लड़की थी, जिसके बाल भूरे और आँखें भूरी थीं जो कभी- कभी शरारती लग सकती थीं, हालाँकि वे आमतौर पर शालीनता से नीचे झुकी रहती थीं। मुझे लगता था कि वह अपने मालिक को नापसंद और अविश्वास करती थी, हालाँकि, निश्चित रूप से, वह इस तरह की किसी भी बात का संकेत देने में सावधानी बरतती थी, लेकिन एक समय ऐसा आया जब उसने अप्रत्याशित रूप से मुझे अपने विश्वास में ले लिया।
मैंने बेशक घर के सभी सदस्यों की बारीकी से जाँच की थी। एक-दो नौकर नए थे, मुझे लगता है कि एक फुटमैन और कुछ नौकरानियाँ भी नई थीं। बटलर, हाउसकीपर और शेफ ड्यूक के अपने कर्मचारी थे, जो वहीं रहने के लिए राज़ी हो गए थे। नौकरानियों को मैंने महत्वहीन समझकर नज़रअंदाज़ कर दिया; मैंने दूसरे फुटमैन जेम्स की बहुत बारीकी से जाँच की; लेकिन यह स्पष्ट था कि वह एक साधारण फुटमैन था, और कुछ नहीं। दरअसल, उसे बटलर ने ही काम पर रखा था। जिस व्यक्ति पर मुझे कहीं अधिक संदेह था, वह था रायलैंड का वैलेट डेव्स, जिसे वह न्यूयॉर्क से अपने साथ लाया था। जन्म से अंग्रेज, बेदाग व्यवहार वाला, फिर भी मुझे उस पर कुछ संदेह था।
मैं हैटन चेज़ में तीन सप्ताह से था और ऐसी कोई घटना नहीं घटी थी जिसे मैं अपने सिद्धांत के समर्थन में साबित कर सकूँ। बिग फोर की गतिविधियों का कोई सुराग नहीं था। श्री रायलैंड एक बेहद प्रभावशाली व्यक्तित्व वाले

व्यक्ति थे, लेकिन मुझे यकीन होने लगा था कि पोइरोट ने उन्हें उस खूंखार संगठन से जोड़कर गलती की थी। एक रात खाने के दौरान मैंने उन्हें पोइरोट का ज़िक्र भी casually करते सुना।
“लोग कहते हैं, ‘बहुत ही शानदार आदमी है। लेकिन वो कामचोर है। मुझे कैसे पता? मैंने उसे एक प्रस्ताव दिया था, और उसने आखिरी मिनट में ठुकरा दिया। अब मैं तुम्हारे ‘महाशय हरक्यूल पोइरोट’ जैसे नाटक नहीं झेलने वाला।” ऐसे ही पलों में मुझे अपने चीक पैड सबसे ज्यादा थकाऊ लगते थे!
फिर मिस मार्टिन ने मुझे एक दिलचस्प कहानी सुनाई। रायलैंड एक दिन के लिए लंदन गया था और अपने साथ एप्पलबी को भी ले गया था। चाय के बाद मिस मार्टिन और मैं बगीचे में टहल रहे थे। मुझे वह लड़की बहुत पसंद आई, वह बहुत सहज और स्वाभाविक थी। मैं समझ गई कि उसके मन में कुछ चल रहा है, और आखिरकार उसने वह बात कह ही दी।
“क्या आपको पता है, मेजर नेविल,” उसने कहा, “मैं सचमुच यहाँ अपने पद से इस्तीफा देने के बारे में सोच रही हूँ।”
मैं कुछ आश्चर्यचकित सा दिख रहा था, और वह जल्दी से आगे बोलने लगी।
“ओह! मुझे पता है कि एक तरह से यह बहुत बढ़िया नौकरी है जो मुझे मिली है। मुझे लगता है कि ज्यादातर लोग मुझे इसे ठुकराने के लिए मूर्ख समझेंगे। लेकिन मैं गाली-गलौज बर्दाश्त नहीं कर सकता, मेजर नेविल। किसी सिपाही की तरह गाली सुनना मेरे लिए असहनीय है। कोई भी सज्जन ऐसा नहीं करेगा।” "क्या रायलैंड तुम्हें गालियां दे रहा था?"
उसने सिर हिलाया।
“बेशक, वो हमेशा से ही थोड़े चिड़चिड़े और गुस्सैल रहे हैं। ये तो आम बात है। रोज़मर्रा के काम में तो ऐसा ही होता है। लेकिन इतनी छोटी सी बात पर इतना ज़्यादा गुस्सा करना! ऐसा लग रहा था जैसे वो मुझे जान से मार देंगे! और जैसा कि मैंने कहा, बिल्कुल छोटी सी बात पर!”
मैंने बड़ी उत्सुकता से पूछा, "मुझे इसके बारे में बताओ?"
“जैसा कि आप जानते हैं, मैं श्री रायलैंड के सभी पत्र खोलता हूँ। कुछ पत्र मैं श्री एप्पलबी को सौंप देता हूँ, कुछ मैं स्वयं देखता हूँ, लेकिन प्रारंभिक छँटाई का सारा काम मैं ही करता हूँ। अब कुछ ऐसे पत्र आते हैं, जो नीले कागज पर लिखे होते हैं, और कोने पर एक छोटा सा 4 अंकित होता है—माफ़ कीजिएगा, क्या आपने कुछ कहा?”

मैं अपनी दबी हुई हैरानी को रोक नहीं पाई थी, लेकिन मैंने जल्दी से अपना सिर हिलाया और उससे बोलना जारी रखने की विनती की।
“खैर, जैसा कि मैं कह रहा था, ये चिट्ठियाँ आती हैं, और सख्त हिदायत है कि इन्हें कभी खोला नहीं जाना चाहिए, बल्कि श्री रायलैंड को बिना खोले ही सौंप दिया जाना चाहिए। और, बेशक, मैं हमेशा ऐसा ही करता हूँ। लेकिन कल सुबह डाक का ढेर बहुत ज़्यादा था, और मैं इन चिट्ठियों को बड़ी जल्दबाज़ी में खोल रहा था। गलती से मैंने एक चिट्ठी खोल दी। जैसे ही मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ, मैं उसे श्री रायलैंड के पास ले गया और उन्हें समझाया। मुझे घोर आश्चर्य हुआ कि वे भयंकर क्रोध में आ गए। जैसा कि मैं आपको बता रहा हूँ, मैं पूरी तरह से डर गया था।”
"मुझे आश्चर्य है कि उस पत्र में ऐसा क्या था जिससे वह इतना परेशान हो गया?"
"बिल्कुल कुछ नहीं—यही तो सबसे अजीब बात है। मैंने अपनी गलती का पता चलने से पहले ही इसे पढ़ लिया था। यह काफी छोटा था। मुझे अभी भी यह शब्द-दर-शब्द याद है, और इसमें ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे किसी को ठेस पहुँच सके।"
“तुम कह रही हो कि तुम इसे दोहरा सकती हो?” मैंने उसे प्रोत्साहित किया। “हाँ।” वह एक मिनट रुकी और फिर धीरे-धीरे दोहराई, जबकि मैंने चुपचाप उसके शब्दों को लिख लिया:

महोदय, अब सबसे ज़रूरी बात यह है कि आप संपत्ति को देख लें। यदि आप
अगर खदान को भी शामिल करने पर जोर दिया जाए, तो सत्रह हजार उचित प्रतीत होता है।
11 प्रतिशत कमीशन बहुत ज्यादा है, 4 प्रतिशत पर्याप्त है।
भवदीय,
आर्थर लेवरशम
मिस मार्टिन ने आगे कहा:
“जाहिर है, यह श्री रायलैंड की किसी संपत्ति को खरीदने की योजना के बारे में है। लेकिन सच कहूँ तो, मुझे लगता है कि जो व्यक्ति इतनी छोटी सी बात पर इतना गुस्सा हो जाता है, वह वाकई खतरनाक है। मेजर नेविल, आपको क्या लगता है मुझे क्या करना चाहिए? आपको मुझसे कहीं ज्यादा दुनियादारी का अनुभव है।”

मैंने लड़की को शांत किया और उसे समझाया कि श्री रायलैंड शायद बदहजमी से पीड़ित थे, जो उनके समुदाय की सबसे बड़ी बीमारी है। अंत में मैंने उसे संतुष्ट करके विदा कर दिया। लेकिन मैं खुद इतनी आसानी से संतुष्ट नहीं हुआ। जब लड़की चली गई और मैं अकेला रह गया, तो मैंने अपनी नोटबुक निकाली और उस पत्र को पढ़ा जिसे मैंने लिखा था। इस सीधे-सादे से दिखने वाले पत्र का क्या मतलब था? क्या यह रायलैंड के किसी व्यापारिक सौदे से संबंधित था, और क्या वह इस बात को लेकर चिंतित थे कि सौदा पूरा होने तक इसकी कोई भी जानकारी बाहर न निकले? यह एक संभावित कारण हो सकता था। लेकिन मुझे लिफाफों पर अंकित छोटा सा अंक 4 याद आया, और मुझे लगा कि आखिरकार मैं उस चीज़ के करीब पहुँच गया हूँ जिसकी हम तलाश कर रहे थे।
मैं उस पूरी शाम और अगले दिन भी उस पत्र को लेकर सोचता रहा—और फिर अचानक मुझे उसका हल मिल गया। वह बहुत ही सरल था। अंक 4 ही सुराग था। पत्र में लिखे हर चौथे शब्द को पढ़िए, और एक बिलकुल अलग संदेश सामने आ जाता था। “Essential should see you quarry seventeen eleven four.”
आंकड़ों का हल निकालना आसान था। सत्रह का अर्थ था सत्रह अक्टूबर—जो कल था, ग्यारह समय था, और चार हस्ताक्षर था—जो या तो रहस्यमय संख्या चार को संदर्भित करता था—या फिर, एक तरह से, बिग फोर का "ट्रेडमार्क" था। खदान का पता भी स्पष्ट था। घर से लगभग आधा मील दूर, जागीर में एक बड़ी, बंद पड़ी खदान थी—एक सुनसान जगह, गुप्त बैठक के लिए आदर्श।
एक-दो पल के लिए तो मेरा मन हुआ कि मैं खुद ही सब कुछ संभाल लूँ। पोइरोट पर विजय प्राप्त करने का सौभाग्य पाना मेरे लिए गर्व की बात होती।
लेकिन अंत में मैंने उस प्रलोभन पर काबू पा लिया। यह एक बड़ा मामला था— मुझे अकेले खेलने का कोई अधिकार नहीं था, और शायद इससे हमारी सफलता की संभावनाएँ खतरे में पड़ जातीं। पहली बार हमने अपने दुश्मनों पर बढ़त हासिल की थी। इस बार हमें इसे साबित करना ही होगा—और, चाहे मैं इस तथ्य को कितना भी छिपाने की कोशिश करूँ, पोइरोट हम दोनों में कहीं अधिक बुद्धिमान था।
मैंने तुरंत उसे पत्र लिखकर सारी बातें स्पष्ट कर दीं और समझाया कि साक्षात्कार में क्या हुआ, यह सुनना हमारे लिए कितना ज़रूरी था। अगर वह यह ज़िम्मेदारी मुझ पर छोड़ना चाहता था, तो ठीक है, लेकिन मैंने उसे स्टेशन से

श्री रायलैंड ने संक्षिप्त लहजे में कहा, "हाथ ऊपर करो! मैं तुम्हारा ही इंतजार कर रहा था।"
वह चट्टान की छाया में बैठा था, इसलिए मैं उसका चेहरा नहीं देख सका, लेकिन उसकी आवाज़ में व्याप्त धमकी अप्रिय थी। तभी मुझे अपनी गर्दन के पीछे ठंडे स्टील का एक झटका महसूस हुआ, और रायलैंड ने अपनी स्वचालित बंदूक नीचे कर ली।
“जी हां, जॉर्ज,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “उसे इधर घुमाओ।”
मैं मन ही मन क्रोधित होता हुआ, अंधेरे में एक जगह पर ले जाया गया, जहाँ अदृश्य जॉर्ज (जिसके बारे में मुझे संदेह था कि वह त्रुटिहीन डीव्स है) ने मुझे मुंह बंद करके कसकर बांध दिया।
रायलैंड ने फिर से एक ऐसे स्वर में बात की जिसे पहचानना मेरे लिए मुश्किल था, क्योंकि वह स्वर इतना ठंडा और धमकी भरा था।
“तुम दोनों का अंत होने वाला है। तुम दोनों ने चार बड़े नामों के रास्ते में बहुत बार दखल दिया है। भूस्खलन के बारे में सुना है? दो साल पहले यहीं पर एक भूस्खलन हुआ था। आज रात भी एक और होने वाला है। मैंने इसका हिसाब-किताब कर दिया है। वैसे, तुम्हारा वह दोस्त समय का पाबंद नहीं है।”
मेरे मन में भय की लहर दौड़ गई। पोइरोट! एक मिनट में ही वो जाल में फंस जाएगा। और मैं उसे चेतावनी देने में असमर्थ थी। मैं बस यही प्रार्थना कर सकती थी कि उसने मामला मेरे हाथों में सौंपने का फैसला किया हो और लंदन में ही रुका हो। यकीनन, अगर उसे आना होता, तो अब तक यहाँ पहुँच चुका होता।
हर गुजरते मिनट के साथ मेरी उम्मीदें बढ़ती गईं।
अचानक वे टुकड़े-टुकड़े हो गए। मुझे कदमों की आहट सुनाई दी—सावधानी भरे कदम, लेकिन फिर भी कदमों की आहट। मैं बेबस पीड़ा से तड़प रहा था। वे रास्ते से नीचे आए, रुके और फिर पोइरोट खुद प्रकट हुए, उनका सिर थोड़ा एक तरफ झुका हुआ था, वे अंधेरे में झाँक रहे थे।
मैंने रायलैंड की संतुष्टि भरी गुर्राहट सुनी जब उसने बड़ी स्वचालित बंदूक उठाई और चिल्लाया, "हाथ ऊपर करो।" ऐसा करते ही डीव्स तेजी से आगे बढ़ा और पोइरोट को पीछे से घेर लिया। घात लगाकर हमला पूरा हो गया।
"आपसे मिलकर खुशी हुई, श्री हरक्यूल पोइरोट," अमेरिकी ने गंभीर स्वर में कहा।

पोइरोट का संयम अद्भुत था। वह जरा भी विचलित नहीं हुए। लेकिन मैंने उनकी आँखों को अंधेरे में कुछ खोजते हुए देखा।
“मेरा दोस्त? वह यहाँ है?”
"हां, आप दोनों जाल में फंस चुके हैं—बिग फोर के जाल में।"
वो हंसा।
"एक जाल?" पोइरोट ने पूछा।
"कहिए, क्या आपको अभी तक यह बात समझ नहीं आई?"
“मैं समझता हूँ कि एक जाल बिछाया गया है—हाँ,” पोइरोट ने नरमी से कहा। “लेकिन आप गलत हैं, महोदय। इसमें आप फँसे हैं—मैं और मेरा मित्र नहीं।” “क्या?” रायलैंड ने बड़ी स्वचालित बंदूक उठाई, लेकिन मैंने देखा कि उसकी निगाहें डगमगा गईं।
“अगर तुमने गोली चलाई, तो तुम दस आँखों के सामने हत्या करोगे, और इसके लिए तुम्हें फाँसी दी जाएगी। यह जगह स्कॉटलैंड यार्ड के आदमियों से घिरी हुई है—पिछले एक घंटे से। यह एक तरह से मात है, श्री एबे रायलैंड।”
उसने एक अजीब सी सीटी बजाई, और मानो जादू से, वह जगह लोगों से भर उठी। उन्होंने रायलैंड और नौकर को पकड़ लिया और उनके हथियार छीन लिए। प्रभारी अधिकारी से कुछ शब्द कहने के बाद, पोइरोट ने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे अपने साथ ले गया।
शिकार से बाहर निकलते ही उसने मुझे पूरे जोश से गले लगा लिया।
“तुम जीवित हो—तुम्हें कोई चोट नहीं आई है। यह अद्भुत है। मैंने अक्सर तुम्हें जाने देने के लिए खुद को दोषी ठहराया है।”
मैंने बात टालते हुए कहा, "मैं बिल्कुल ठीक हूँ। बस थोड़ा सा भ्रमित हूँ। क्या तुम उनकी छोटी सी साजिश में फँस गए?"
“लेकिन मैं तो इसी का इंतज़ार कर रहा था! आख़िर मैंने तुम्हें वहाँ जाने की इजाज़त दी ही क्यों थी? तुम्हारा झूठा नाम, तुम्हारा भेष, ये सब किसी को धोखा देने के इरादे से बिल्कुल नहीं था!”
“क्या?” मैं चिल्लाई। “तुमने मुझे कभी नहीं बताया।”
“जैसा कि मैंने तुम्हें अक्सर बताया है, हेस्टिंग्स, तुम्हारा स्वभाव इतना सुंदर और ईमानदार है कि जब तक तुम खुद धोखा न खाओ, तब तक दूसरों को धोखा देना तुम्हारे लिए नामुमकिन है। अच्छा हुआ कि तुम शुरू से ही संदिग्ध थे, और उन्होंने वही किया जिसकी मुझे उम्मीद थी—जो भी अपने दिमाग का सही

इस्तेमाल करता है, उसके लिए यह गणितीय रूप से निश्चित था—तुम्हें मोहरे के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने उस लड़की को—वैसे, मेरे दोस्त, मनोवैज्ञानिक रूप से एक दिलचस्प तथ्य यह है कि क्या उसके बाल लाल थे?” “अगर आपका मतलब मिस मार्टिन से है,” मैंने ठंडे स्वर में कहा। “उनके बाल हल्के भूरे रंग के हैं, लेकिन—”
“ये लोग तो बिल्कुल ही बुद्धिमान हैं! इन्होंने तो तुम्हारी मनोविज्ञान का भी अध्ययन कर लिया है। ओह! जी हाँ, मेरे दोस्त, मिस मार्टिन इस साजिश में पूरी तरह से शामिल थीं। वो तुम्हें पत्र दोहराती हैं, साथ ही मिस्टर रायलैंड के क्रोध की कहानी भी सुनाती हैं, तुम उसे लिख लो, अपने दिमाग पर जोर डालो— कोड अच्छी तरह से व्यवस्थित है, मुश्किल है, लेकिन बहुत ज्यादा मुश्किल नहीं—तुम इसे सुलझा लो, और मुझे बुलवा लो।”
लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि मैं ठीक इसी घटना के घटित होने का इंतजार कर रहा था। मैं तुरंत जैप जाता हूँ और व्यवस्था करता हूँ। और जैसा कि आप देख रहे हैं, सब कुछ मेरी जीत है!
मैं पोइरोट से बिल्कुल भी खुश नहीं था, और मैंने उसे यह बात बता भी दी। हम सुबह-सुबह एक दूध वाली ट्रेन से लंदन वापस लौटे, और वह यात्रा बेहद असुविधाजनक थी।
मैं अभी-अभी नहाकर निकली थी और नाश्ते के सुखद ख्यालों में खोई हुई थी, तभी मुझे बैठक में जैप की आवाज सुनाई दी। मैंने झटपट बाथरोब पहना और अंदर भागी।
“इस बार तो आपने हमें बड़ी मुसीबत में फंसा दिया है,” जैप कह रहा था। “आपकी यह बुरी किस्मत है, मिस्टर पोइरोट। पहली बार मैंने आपको इस तरह नशे में देखा है।”
पॉयरॉट का चेहरा देखने लायक था। जैप ने आगे कहा:
"हम वहां थे, ब्लैक हैंड की इन सभी बातों को गंभीरता से ले रहे थे - और हर समय यह सब फुटमैन की वजह से हो रहा था।"
“नौकर?” मैंने हैरानी से पूछा।
"हाँ, जेम्स, या उसका जो भी नाम हो। लगता है उसने नौकरों के हॉल में शर्त लगाई थी कि वह बूढ़े आदमी (यानी आप, कैप्टन हेस्टिंग्स) के रूप में पहचाना जा सकता है और उसे बिग फोर गिरोह के बारे में जासूसी से जुड़ी बहुत सी जानकारी दे सकता है।"

“असंभव!” मैं चिल्लाई।
“इस पर विश्वास मत करो। मैं अपने सज्जन को सीधे हैटन चेज़ ले गया, और वहाँ असली रायलैंड बिस्तर पर सो रहा था, और बटलर, रसोइया और न जाने कितने लोग शर्त की गवाही देने के लिए मौजूद थे। यह महज़ एक मूर्खतापूर्ण धोखा था—बस इतना ही—और उसका नौकर भी उसके साथ है।”
"तो इसीलिए वह छिपकर रहता था," पोइरोट ने धीरे से कहा।
जैप के जाने के बाद हमने एक दूसरे की तरफ देखा।
“हम जानते हैं, हेस्टिंग्स,” पोइरोट ने अंत में कहा। “बिग फोर में दूसरे नंबर का व्यक्ति एबे रायलैंड है। नौकर का वेश धारण करना आपात स्थिति में पीछे हटने का रास्ता सुनिश्चित करने के लिए था। और नौकर—”
“हां,” मैंने धीमी आवाज़ में कहा।
"नंबर चार," पोइरोट ने गंभीरता से कहा।

नौ

पीली चमेली का रहस्य

पोइरोट के लिए यह कहना तो बहुत आसान था कि हम हर समय जानकारी हासिल कर रहे थे और अपने विरोधियों के दिमाग की झलक पा रहे थे - लेकिन मुझे खुद लगा कि मुझे इससे कहीं अधिक ठोस सफलता की आवश्यकता है।
जब से हमारा बिग फोर से संपर्क हुआ है, तब से उन्होंने दो हत्याएं की हैं, हॉलिडे का अपहरण किया है, और पोइरोट और मुझे मारने के बेहद करीब पहुंच गए थे; जबकि अब तक हम खेल में मुश्किल से एक अंक भी हासिल कर पाए हैं। पोइरोट ने मेरी शिकायतों को हल्के में लिया।
“अब तक तो, हेस्टिंग्स,” उन्होंने कहा, “वे हंस रहे हैं। यह सच है, लेकिन आपने एक कहावत तो सुनी ही होगी: ‘अंत में हंसने वाला ही सबसे अच्छा हंसता है’ और अंत में, मेरे मित्र, आप देखेंगे।”
उन्होंने आगे कहा, "आपको यह भी याद रखना होगा कि हम किसी साधारण अपराधी से नहीं, बल्कि दुनिया के दूसरे सबसे महान दिमाग वाले व्यक्ति से निपट रहे हैं।"
मैंने उससे सीधा सवाल पूछकर उसकी अकड़ को बढ़ावा देने से परहेज किया। मुझे जवाब पता था, कम से कम पोइरोट का जवाब तो पता ही था, और इसके बजाय मैंने उससे दुश्मन का पता लगाने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी हासिल करने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहा। हमेशा की तरह उसने मुझे अपनी गतिविधियों के बारे में पूरी तरह से अनजान रखा था, लेकिन मुझे यह समझ आ गया था कि वह भारत, चीन और रूस में गुप्त सेवा एजेंटों के संपर्क में था, और उसकी कभी-कभार की आत्म-प्रशंसा से यह भी पता चला कि वह अपने दुश्मन की मानसिकता को समझने के अपने पसंदीदा खेल में कम से कम प्रगति कर रहा था। उन्होंने अपनी निजी वकालत लगभग पूरी तरह से छोड़ दी थी, और मुझे पता है कि उस समय उन्होंने कुछ बेहद आकर्षक फीस ठुकरा दी थी। यह सच है कि वे कभी-कभी ऐसे मामलों की जांच करते थे जो उन्हें दिलचस्प लगते थे, लेकिन जैसे ही उन्हें यकीन हो जाता था कि उनका बिग फोर की गतिविधियों से कोई संबंध नहीं है, वे आमतौर पर उन्हें छोड़ देते थे।

उनका यह रवैया हमारे मित्र, इंस्पेक्टर जैप के लिए बेहद लाभदायक साबित हुआ। निःसंदेह, उन्होंने कई ऐसी समस्याओं को सुलझाने में खूब प्रशंसा बटोरी, जिनमें उनकी सफलता वास्तव में पोइरोट के कुछ तिरस्कारपूर्ण संकेत के कारण ही संभव हो पाई थी।
इस तरह की सेवा के बदले में जैप उन सभी मामलों का पूरा विवरण देता था जिनमें उसे लगता था कि छोटे बेल्जियन को रुचि हो सकती है, और जब उसे उस मामले का प्रभार सौंपा गया जिसे अखबारों ने "पीली चमेली का रहस्य" कहा, तो उसने पोइरोट को तार भेजकर पूछा कि क्या वह आकर इस मामले की जांच करना चाहेंगे।
इसी तार के जवाब में, एबे रायलैंड के घर में मेरे उस साहसिक अनुभव के लगभग एक महीने बाद, हम खुद को एक रेलवे डिब्बे में अकेले पाए, जो लंदन के धुएं और धूल से दूर, रहस्य के केंद्र, वॉर्सेस्टरशायर के छोटे से शहर मार्केट हैंडफोर्ड की ओर तेजी से बढ़ रहा था।
पोइरोट अपने कोने में पीछे की ओर झुक गया।
"और हेस्टिंग्स, इस मामले पर आपकी राय क्या है?"
मैंने उसके प्रश्न का तुरंत उत्तर नहीं दिया; मुझे सावधानीपूर्वक आगे बढ़ने की आवश्यकता महसूस हुई।
मैंने सावधानी से कहा, "यह सब बहुत जटिल लगता है।"
"क्या ऐसा नहीं है?" पोइरोट ने प्रसन्नता से कहा।
"मुझे लगता है कि हमारा इस तरह जल्दबाजी में चले जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आप श्री पेन्टर की मौत को हत्या मानते हैं - आत्महत्या या दुर्घटना का परिणाम नहीं?"
“नहीं, नहीं; हेस्टिंग्स, आप मुझे गलत समझ रहे हैं। मान लें कि श्री पेन्टर की मृत्यु एक बेहद भयानक दुर्घटना के परिणामस्वरूप हुई, फिर भी कई रहस्यमय परिस्थितियाँ हैं जिनकी व्याख्या की जानी बाकी है।”
"जब मैंने कहा था कि यह सब बहुत जटिल है, तो मेरा यही मतलब था।"
“आइए सभी मुख्य तथ्यों पर शांतिपूर्वक और व्यवस्थित रूप से विचार करें। हेस्टिंग्स, कृपया उन्हें मुझे सुव्यवस्थित और स्पष्ट तरीके से बताएं।” मैंने तुरंत शुरुआत की, और यथासंभव व्यवस्थित और स्पष्ट रहने का प्रयास किया।

मैंने कहा, “हम शुरुआत श्री पेन्टर से करते हैं। पचपन वर्ष के एक धनी, सुसंस्कृत और घुमक्कड़ व्यक्ति। पिछले बारह वर्षों से वे इंग्लैंड में ज़्यादा नहीं रहे, लेकिन लगातार यात्रा से ऊबकर उन्होंने वॉर्सेस्टरशायर में मार्केट हैंडफोर्ड के पास एक छोटा सा मकान खरीदा और वहाँ बसने की तैयारी करने लगे। सबसे पहले उन्होंने अपने इकलौते रिश्तेदार, अपने भतीजे गेराल्ड पेन्टर, जो उनके सबसे छोटे भाई का बेटा था, को पत्र लिखा और उन्हें सुझाव दिया कि वे आकर अपने चाचा के साथ क्रॉफ्टलैंड्स (उस जगह का नाम यही है) में अपना घर बसा लें। गेराल्ड पेन्टर, जो एक आर्थिक रूप से कमज़ोर युवा कलाकार हैं, इस व्यवस्था से सहमत हो गए और त्रासदी घटने से पहले वे लगभग सात महीने से अपने चाचा के साथ रह रहे थे।”
“आपकी कथा शैली उत्कृष्ट है,” पोइरोट ने धीरे से कहा। “मैं मन ही मन सोचता हूँ, यह एक ऐसी किताब है जो बोलती है, न कि मेरा दोस्त हेस्टिंग्स।” पोइरोट पर ध्यान न देते हुए, मैं कहानी में रुचि लेने लगा और आगे बढ़ता रहा।
"श्री पेन्टर ने क्रॉफ्टलैंड्स में एक अच्छा खासा स्टाफ रखा हुआ था - छह नौकरों के साथ-साथ उनकी अपनी चीनी अंगरक्षक - आह लिंग भी थी।"
"उसका चीनी नौकर, आह लिंग," पोइरोट ने धीरे से कहा।
पिछले मंगलवार को, श्री पेन्टर ने भोजन के बाद अस्वस्थता की शिकायत की, और एक नौकर को डॉक्टर को लाने के लिए भेजा गया। श्री पेन्टर ने बिस्तर पर जाने से इनकार कर दिया और अपने अध्ययन कक्ष में डॉक्टर से मिले। उनके बीच क्या बातचीत हुई, यह उस समय ज्ञात नहीं था, लेकिन डॉक्टर क्वेंटिन के जाने से पहले, उन्होंने हाउसकीपर से मिलने के लिए कहा और बताया कि उन्होंने श्री पेन्टर को एक हाइपोडर्मिक इंजेक्शन दिया था क्योंकि उनका हृदय बहुत कमजोर स्थिति में था, और उन्हें परेशान न करने की सलाह दी, और फिर नौकरों के बारे में कुछ विचित्र प्रश्न पूछने लगे, जैसे कि वे कब से वहाँ थे, वे कहाँ से आए थे, आदि।
“घर की नौकरानी ने यथासंभव इन सवालों के जवाब दिए, लेकिन वह खुद भी इनके मकसद को लेकर असमंजस में थी। अगली सुबह एक भयानक घटना का पता चला। एक नौकरानी जब नीचे उतरी तो उसे जले हुए मांस की दुर्गंध आई, जो उसके मालिक के अध्ययन कक्ष से आती हुई प्रतीत हुई। उसने दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन वह अंदर से बंद था। जेराल्ड पेन्टर और चीनी व्यक्ति की मदद से दरवाजा जल्द

ही तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया, लेकिन अंदर का दृश्य बेहद भयावह था। श्री पेन्टर गैस की आग में आगे की ओर गिर गए थे, और उनका चेहरा और सिर बुरी तरह जलकर पहचान से परे हो गया था।”
“बेशक, उस समय, इसे एक भयानक दुर्घटना के अलावा कुछ और होने का कोई संदेह नहीं था। अगर किसी पर दोष लगाया जा सकता था, तो वह डॉक्टर क्वेंटिन पर था, जिन्होंने अपने मरीज को नशीली दवा देकर उसे इतनी खतरनाक स्थिति में छोड़ दिया था। और फिर एक विचित्र खोज की गई।”
“फर्श पर एक अखबार पड़ा था, जो बूढ़े आदमी के घुटनों से फिसल गया था। उसे पलटने पर उस पर स्याही से धुंधले अक्षरों में कुछ शब्द लिखे हुए मिले। श्री पेन्टर जिस कुर्सी पर बैठे थे, उसके पास ही एक लिखने की मेज रखी थी, और पीड़ित के दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली के दूसरे जोड़ तक स्याही लगी हुई थी। यह स्पष्ट था कि कलम पकड़ने में असमर्थ होने के कारण, श्री पेन्टर ने अपनी उंगली को स्याही में डुबोकर अखबार पर ये दो शब्द उकेरे थे—लेकिन ये शब्द बिल्कुल अटपटे लग रहे थे: पीली चमेली—बस इतना ही, और कुछ नहीं।” “क्रॉफ्टलैंड्स की दीवारों पर बड़ी मात्रा में पीली चमेली उगी हुई है, और ऐसा माना जाता था कि मरने से पहले दिए गए इस संदेश में शायद इसी का जिक्र है, जिससे पता चलता है कि बेचारे बूढ़े आदमी का मन भटक रहा था। ज़ाहिर है, अखबारों ने, जो किसी भी असामान्य घटना को पकड़ने के लिए उत्सुक रहते हैं, इस कहानी को बड़े चाव से उठाया और इसे 'पीली चमेली का रहस्य' नाम दिया— हालांकि पूरी संभावना है कि इन शब्दों का कोई महत्व नहीं है।”
“आप कहते हैं कि वे महत्वहीन हैं?” पोइरोट ने कहा। “खैर, निस्संदेह, चूंकि आप ऐसा कहते हैं, तो ऐसा ही होगा।”
मैंने उसे संदेह भरी नजरों से देखा, लेकिन उसकी आंखों में मुझे कोई उपहास नहीं दिखाई दिया।
“और फिर,” मैंने आगे कहा, “जांच की रोमांचक घटनाएं शुरू हो गईं।”
"मुझे लगता है कि यहीं तुम अपने होंठ चाटते हो।"
डॉ. क्वेंटिन के प्रति कुछ खास तरह की भावनाएँ थीं। पहली बात तो यह कि वे नियमित डॉक्टर नहीं थे, बल्कि एक अस्थायी डॉक्टर थे, जो डॉ. बोलिथो की छुट्टी के दौरान एक महीने के लिए काम कर रहे थे। फिर यह माना गया कि उनकी लापरवाही ही दुर्घटना का सीधा कारण थी। लेकिन उनके बयान सनसनीखेज से कम नहीं थे। श्री पेन्टर क्रॉफ्टलैंड्स पहुँचने के बाद से ही अस्वस्थ थे। डॉ.

बोलिथो ने कुछ समय तक उनका इलाज किया था, लेकिन जब डॉ. क्वेंटिन ने पहली बार अपने मरीज को देखा, तो वे कुछ लक्षणों को देखकर हैरान रह गए। रात के खाने के बाद जब उन्हें बुलाया गया, उससे पहले वे केवल एक बार ही उनका इलाज कर चुके थे। जैसे ही वे श्री पेन्टर के साथ अकेले हुए, उन्होंने एक चौंकाने वाली कहानी सुनाई। उन्होंने बताया कि सबसे पहले तो उन्हें कोई बीमारी महसूस नहीं हो रही थी, लेकिन रात के खाने में खाई गई किसी करी का स्वाद उन्हें अजीब लगा। आह लिंग से कुछ मिनटों के लिए छुटकारा पाने का बहाना बनाकर, उन्होंने अपनी प्लेट का सारा खाना एक कटोरे में निकाल लिया और अब उसे डॉ. क्वेंटिन को सौंप दिया। डॉक्टर को यह पता लगाने के लिए निर्देश दिए गए कि क्या वास्तव में इसमें कोई खराबी थी।
"हालांकि उन्होंने कहा था कि वे अस्वस्थ महसूस नहीं कर रहे हैं, डॉक्टर ने गौर किया कि उनके संदेह के सदमे ने उन पर स्पष्ट रूप से प्रभाव डाला था और उनके दिल पर इसका असर महसूस हो रहा था। तदनुसार उन्होंने उन्हें इंजेक्शन दिया - मादक पदार्थ का नहीं, बल्कि स्ट्राइकिन का।"
"मुझे लगता है कि इससे मामला पूरा हो जाता है - सिवाय उस मुख्य बिंदु के - कि बिना खाए हुए करी का विधिवत विश्लेषण करने पर उसमें इतनी मात्रा में अफीम का पाउडर पाया गया जिससे दो लोगों की मौत हो सकती थी!"
मैं रुक गया।
"और आपके निष्कर्ष क्या हैं, हेस्टिंग्स?" पोइरोट ने धीमी आवाज़ में पूछा। "यह कहना मुश्किल है। यह एक दुर्घटना हो सकती है - उसी रात किसी ने उसे जहर देने की कोशिश की, यह महज एक संयोग हो सकता है।"
"लेकिन आपको ऐसा नहीं लगता? आप तो यही मानना पसंद करते हैं—हत्या!"
क्या आप ऐसा नहीं सोचते?
“मेरे दोस्त, हम दोनों की सोच एक जैसी नहीं है। मैं दो विपरीत समाधानों— हत्या या दुर्घटना—के बीच फैसला करने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ, ये समाधान तो तब निकलेंगे जब हम दूसरी समस्या—‘पीली चमेली’ का रहस्य—सुलझा लेंगे। वैसे, आपने एक बात छोड़ दी है।”
"आपका मतलब शब्दों के नीचे धुंधली सी दिखाई गई दो समकोण रेखाओं से है? मुझे नहीं लगता था कि उनका कोई महत्व हो सकता है।"
"हेस्टिंग्स, आपके लिए आपकी सोच हमेशा बहुत महत्वपूर्ण होती है। लेकिन चलिए पीले चमेली के रहस्य से करी के रहस्य की ओर बढ़ते हैं।"

“मुझे पता है। इसमें ज़हर किसने मिलाया? क्यों? ऐसे सौ सवाल पूछे जा सकते हैं। ज़ाहिर है, आह लिंग ने ही इसे तैयार किया होगा। लेकिन वह अपने मालिक को क्यों मारना चाहेगा? क्या वह किसी गिरोह का सदस्य है, या कुछ ऐसा ही? ऐसी बातें पढ़ने को मिलती हैं। शायद येलो जैस्मिन का गिरोह। फिर गेराल्ड पेन्टर भी है।”
मैं अचानक रुक गया।
“जी हां,” पोइरोट ने सिर हिलाते हुए कहा। “जैसा कि आपने कहा, जेराल्ड पेन्टर है। वह अपने चाचा का उत्तराधिकारी है। हालांकि, उस रात वह बाहर खाना खाने गया था।”
मैंने सुझाव दिया, "हो सकता है उसने करी की कुछ सामग्री पर हाथ डाल दिया हो। और वह जानबूझकर वहाँ से निकल गया होगा ताकि उसे वह व्यंजन न खाना पड़े।"
मुझे लगता है कि मेरी दलीलों से पोइरोट काफी प्रभावित हुए। उन्होंने मुझे पहले की तुलना में अधिक सम्मानपूर्वक देखा।
“वह देर से लौटता है,” मैंने एक काल्पनिक स्थिति पर विचार करते हुए सोचा। “अपने चाचा के अध्ययन कक्ष में रोशनी देखता है, अंदर जाता है, और अपनी योजना विफल होने पर बूढ़े व्यक्ति को आग में धकेल देता है।”
"श्री पेन्टर, जो पचपन वर्ष के काफी तंदुरुस्त व्यक्ति थे, हेस्टिंग्स, बिना संघर्ष किए खुद को जलकर मरने नहीं देते। इस तरह की कल्पना संभव नहीं है।"
“अच्छा, पोइरोट,” मैंने कहा, “मुझे लगता है कि हम लगभग पहुँच ही गए हैं। हमें बताइए कि आप क्या सोचते हैं?”
पोइरोट ने मेरी तरफ मुस्कुराते हुए देखा, अपनी छाती फुलाई और आडंबरपूर्ण ढंग से बोलना शुरू किया।
"अगर हत्या का मामला हो, तो तुरंत यह सवाल उठता है कि उस खास तरीके को क्यों चुना गया? मेरे दिमाग में सिर्फ एक ही कारण आता है - पहचान को भ्रमित करना, चेहरे को इस हद तक जला देना कि उसे पहचानना मुश्किल हो जाए।"
“क्या?” मैं चिल्लाई। “तुम्हें लगता है—”
"थोड़ा धैर्य रखिए, हेस्टिंग्स। मैं यह कहने जा रहा था कि मैं उस सिद्धांत की जांच करता हूँ। क्या इस बात का कोई आधार है कि यह शव श्री पेन्टर का

नहीं है? क्या कोई और व्यक्ति हो सकता है जिसका यह शव हो? मैं इन दोनों प्रश्नों की जांच करता हूँ और अंत में दोनों का उत्तर 'अ' में देता हूँ।" “ओह!” मैंने थोड़ी निराशा के साथ कहा। “और फिर?”
पोइरोट की आंखों में हल्की सी चमक आ गई।
“और फिर मैं मन ही मन सोचता हूँ, ‘चूँकि यहाँ कुछ ऐसा है जो मुझे समझ नहीं आ रहा, तो बेहतर होगा कि मैं इस मामले की छानबीन करूँ। मुझे खुद को पूरी तरह से इन चारों बड़ी चीजों में उलझने नहीं देना चाहिए।’ आह! हम अभी-अभी पहुँचे हैं। मेरा छोटा सा कपड़ों का ब्रश, कहाँ छिपा है? ये रहा—कृपा करके मुझे भी ब्रश कर दो, मेरे दोस्त, और फिर मैं भी तुम्हारे लिए यही सेवा करूँगा।” “हाँ,” पोइरोट ने ब्रश रखते हुए सोच-विचार करते हुए कहा, “किसी को भी एक ही विचार में इतना लीन नहीं होना चाहिए। मैं भी इस खतरे में पड़ चुका हूँ। ज़रा सोचो, मेरे मित्र, कि इस मामले में भी मैं इसी खतरे में हूँ। तुमने जिन दो रेखाओं का ज़िक्र किया, एक सीधी रेखा और उसके समकोण पर बनी एक रेखा, वे और क्या हैं सिवाय एक 4 की शुरुआत के?”
"हे भगवान, पोइरोट!" मैं हंसते हुए चिल्लाई।
“क्या यह बेतुका नहीं है? मुझे हर जगह बिग फोर का हाथ दिखाई दे रहा है, बेहतर होगा कि हम अपनी बुद्धि का इस्तेमाल बिल्कुल अलग माहौल में करें। आह! जाप्प हमसे मिलने आया है।”

दस

क्रॉफ्टलैंड्स में जांच

स्कॉटलैंड यार्ड के इंस्पेक्टर वास्तव में प्लेटफार्म पर इंतजार कर रहे थे और उन्होंने हमारा गर्मजोशी से स्वागत किया।
“वाह, मूसियोर पोइरोट, यह तो बढ़िया है। सोचा आपको भी इसमें शामिल करना अच्छा लगेगा। एकदम सटीक रहस्य है, है ना?”
मैंने इसे सही समझा है, जिससे पता चलता है कि जैप पूरी तरह से हैरान है और पोइरोट से कोई सुराग पाने की उम्मीद कर रहा है।
जैप ने एक कार तैयार रखी थी, और हम उसी में बैठकर क्रॉफ्टलैंड्स गए। वह एक चौकोर, सफेद रंग का घर था, बिल्कुल सादा और तारों जैसी पीली चमेली समेत लताओं से ढका हुआ था। जैप ने भी हमारी तरह ही ऊपर की ओर देखा।
“बेचारे बूढ़े आदमी को यह लिखते समय ज़रूर अजीब सा महसूस हुआ होगा,” उन्होंने टिप्पणी की। “शायद मतिभ्रम हो रहा था और उसे लगा कि वह बाहर है।” पोइरोट उसे देखकर मुस्कुरा रहा था।
“मेरे प्यारे जैप, ये क्या था? दुर्घटना थी या हत्या?” उसने पूछा।
इंस्पेक्टर इस सवाल से थोड़ा शर्मिंदा सा लग रहा था।
"खैर, अगर वो करी वाली बात न होती, तो मैं हर बार दुर्घटना को ही चुनता। किसी जिंदा आदमी का सिर आग में रखने का कोई मतलब नहीं है—अरे, वो तो चीख-चीखकर पूरा घर ही तहस-नहस कर देगा।"
“आह!” पोइरोट ने धीमी आवाज़ में कहा। “मैं कितना मूर्ख था! बिलकुल बेवकूफ! तुम मुझसे कहीं ज्यादा समझदार हो, जैप।”
जैप उस तारीफ से थोड़ा हैरान रह गया—क्योंकि पोइरोट आमतौर पर अपनी ही तारीफ करता था। उसका चेहरा लाल हो गया और उसने कुछ बुदबुदाते हुए कहा कि इस बात पर काफी संदेह है।

वह घर के अंदर से होते हुए उस कमरे तक आगे-आगे चले जहाँ यह दुखद घटना घटी थी — श्री पेन्टर का अध्ययन कक्ष। यह एक चौड़ा, नीचा कमरा था, जिसकी दीवारें किताबों से भरी थीं और उसमें चमड़े की बड़ी-बड़ी आरामकुर्सियाँ रखी थीं। पोइरोट ने तुरंत उस खिड़की की ओर देखा जो एक बजरीदार चबूतरे की ओर खुलती थी।
“क्या खिड़की खुली हुई थी?” उसने पूछा।
“असल मुद्दा तो यही है। जब डॉक्टर इस कमरे से निकले, तो उन्होंने बस दरवाज़ा बंद कर दिया। अगली सुबह वह बंद मिला। किसने बंद किया? मिस्टर पेन्टर ने? आह लिंग का कहना है कि खिड़की बंद थी और कुंडी लगी हुई थी। दूसरी तरफ, डॉ. क्वेंटिन का मानना है कि खिड़की बंद तो थी, लेकिन कुंडी नहीं लगी थी, पर वे इस बात की कोई पक्की पुष्टि नहीं करेंगे। अगर वे कर पाते, तो बहुत फर्क पड़ता। अगर उस आदमी का कत्ल हुआ था, तो कोई न कोई कमरे में दरवाज़े या खिड़की से घुसा होगा—अगर दरवाज़े से, तो अंदर का ही काम था; अगर खिड़की से, तो कोई भी हो सकता था। दरवाज़ा तोड़ते ही सबसे पहले उन्होंने खिड़की खोल दी, और जिस नौकरानी ने ऐसा किया, उसका मानना है कि कुंडी नहीं लगी थी, लेकिन वह एक बड़ी झूठी गवाह है—आप उससे जो भी पूछेंगे, उसे याद रहेगा!”
“चाबी का क्या हुआ?”
“ये लो, फिर से। ये दरवाजे के मलबे के बीच फर्श पर पड़ा था। शायद चाबी के छेद से गिर गया हो, शायद अंदर आने वाले किसी व्यक्ति ने इसे वहाँ गिरा दिया हो, या शायद बाहर से दरवाजे के नीचे से खिसका दिया गया हो।”
"दरअसल, सब कुछ 'हो सकता था?' वाली बात है।"
“आपने बिल्कुल सही कहा, मूसियोर पोइरोट। बात बस इतनी ही है।”
पोइरोट अपने चारों ओर देख रहा था और नाखुशी से भौंहें चढ़ाए हुए था। “मुझे रोशनी नहीं दिख रही,” उसने धीरे से कहा। “अभी-अभी—हाँ, मुझे एक झलक मिली थी, लेकिन अब फिर से सब अंधेरा छा गया है। मुझे कोई सुराग नहीं—कोई मकसद नहीं।”
जैप ने गंभीर स्वर में कहा, "युवा गेराल्ड पेन्टर के पास एक अच्छा मकसद था। मैं आपको बता सकता हूँ कि वह अपने समय में काफी मनमौजी और खर्चीला रहा है। आप जानते ही हैं कि कलाकार कैसे होते हैं—उनमें नैतिकता नाम की कोई चीज नहीं होती।"

पोइरोट ने कलात्मक स्वभाव पर जैप की व्यापक आलोचनाओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। इसके बजाय, वह समझदारी भरी मुस्कान के साथ मुस्कुराया।
“मेरे प्यारे जापानी, क्या ऐसा हो सकता है कि तुम मुझ पर कीचड़ उछाल रहे हो? मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि तुम्हें चीनी पर शक है। लेकिन तुम बड़े चालाक हो। तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारी मदद करूँ— और फिर भी तुम लाल मछली को रास्ते पर घसीट रहे हो।”
जैप जोर से हंस पड़ा।
“मिस्टर पोइरोट, ये तो आप ही हैं। हाँ, मैं चीनी पर दांव लगाऊंगा, मैं अब ये स्वीकार करता हूँ। ये तर्कसंगत है कि उसी ने करी में मिलावट की थी, और अगर वो एक शाम में एक बार अपने मालिक को रास्ते से हटाने की कोशिश कर सकता है, तो वो दो बार भी कोशिश करेगा।”
"मुझे आश्चर्य है कि क्या वह ऐसा करेगा," पोइरोट ने धीरे से कहा।
"लेकिन असली मकसद मेरी समझ से परे है। मुझे लगता है कि यह किसी तरह का गैर-धार्मिक बदला होगा।"
“मुझे आश्चर्य हो रहा है,” पोइरोट ने फिर कहा। “कोई डकैती तो नहीं हुई? कुछ भी गायब तो नहीं हुआ? न गहने, न पैसा, न कागजात?”
"नहीं—मतलब, बिल्कुल वैसा नहीं।"
मैंने कान खड़े कर लिए; पोइरोट ने भी ऐसा ही किया।
“कोई चोरी तो नहीं हुई,” जैप ने समझाया। “लेकिन वो बूढ़ा आदमी किसी तरह की किताब लिख रहा था। हमें आज सुबह ही पता चला जब प्रकाशकों का पत्र आया जिसमें पांडुलिपि के बारे में पूछा गया था। लगता है वो अभी-अभी पूरी हुई है। मैंने और यंग पेन्टर ने हर जगह खोजा, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला— उसने उसे कहीं छिपा दिया होगा।”
पोइरोट की आंखें उसी हरी रोशनी से चमक रही थीं जिसे मैं बहुत अच्छी तरह जानता था।
“इस किताब का नाम क्या था?” उसने पूछा।
"मुझे लगता है उसका नाम 'द हिडन हैंड इन चाइना' था।"
“आहा!” पोइरोट ने लगभग हांफते हुए कहा। फिर उसने जल्दी से कहा, “मुझे उस चीनी व्यक्ति, आह लिंग से मिलने दो।”

उस चीनी व्यक्ति को बुलवाया गया और वह लड़खड़ाते हुए, नज़रें झुकाए, चोटी लहराते हुए आया। उसके भावहीन चेहरे पर किसी भी प्रकार की भावना का कोई निशान नहीं था।
“आह लिंग,” पोइरोट ने कहा, “क्या तुम्हें अपने स्वामी की मृत्यु का दुख है?”
मुझे बहुत खेद है। वह एक अच्छा मालिक है।
“क्या आप जानते हैं कि उसे किसने मारा?”
मुझे नहीं पता। अगर मुझे पता होगा तो मैं पुलिस को बता दूंगा।
सवाल-जवाब का सिलसिला चलता रहा। उसी भावहीन चेहरे के साथ, आह लिंग ने बताया कि उसने करी कैसे बनाई थी। उसने कहा कि रसोइए का इसमें कोई हाथ नहीं था, उसके सिवा किसी और ने इसे नहीं छुआ था। मुझे हैरानी हुई कि क्या उसे पता था कि उसका यह बयान उसे कहाँ ले जा रहा है। वह इस बात पर भी अड़ा रहा कि उस शाम बगीचे की खिड़की बंद थी। अगर सुबह वह खुली होती, तो उसके मालिक ने खुद ही खोली होती। आखिरकार पोइरोट ने उसे जाने दिया।
“बस इतना ही काफी है, आह लिंग।” जैसे ही चीनी व्यक्ति दरवाजे तक पहुँचा, पोइरोट ने उसे वापस बुला लिया। “और तुम कहते हो कि तुम्हें पीले चमेली के बारे में कुछ नहीं पता?”
"नहीं, मुझे क्या पता होना चाहिए?"
“और न ही उस चिन्ह के बारे में जो उसके नीचे लिखा था?”
पोइरोट बोलते हुए आगे की ओर झुके और जल्दी से एक छोटी सी मेज की धूल पर कुछ उकेरा। मैं इतना पास था कि उनके मिटाने से पहले ही उसे देख सका। एक सीधी रेखा, फिर एक समकोण रेखा, और फिर दूसरी सीधी रेखा जिससे एक बड़ा सा 4 पूरा हुआ। चीनी व्यक्ति पर इसका असर बिजली की तरह हुआ। एक पल के लिए उसका चेहरा भय से भर गया। फिर अचानक ही वह भावहीन हो गया, और अपनी गंभीर बात दोहराते हुए वह पीछे हट गया।
जैप युवा पेन्टर की तलाश में निकल गया, और पोइरोट और मैं अकेले रह गए। “हेस्टिंग्स, ये चार बड़े नाम हैं!” पोइरोट चिल्लाया। “एक बार फिर, ये चार बड़े नाम। पेन्टर एक महान यात्री था। उसकी किताब में निस्संदेह नंबर एक, ली चांग येन, जो इन चारों के मुखिया और दिमाग था, के कारनामों से जुड़ी कुछ अहम जानकारी होगी।”
लेकिन कौन—कैसे—”

"चुप रहो, वे आ रहे हैं।"
जेराल्ड पेन्टर एक मिलनसार, कुछ हद तक दुबले-पतले दिखने वाले युवक थे। उनकी भूरी, मुलायम दाढ़ी थी और उन्होंने एक खास तरह की ढीली टाई पहन रखी थी। उन्होंने पोइरोट के सवालों का आसानी से जवाब दिया।
“मैं अपने कुछ पड़ोसियों, वाइचरली परिवार के साथ खाना खाने बाहर गया था,” उन्होंने बताया। “मैं घर कितने बजे पहुँचा? लगभग ग्यारह बजे। मेरे पास घर की चाबी थी, आप जानते ही हैं। सारे नौकर सो चुके थे, और मैंने सोचा कि मेरे चाचा भी सो गए होंगे। दरअसल, मुझे लगा कि मैंने उस नर्म-चित्त चीनी भिखारी, आह लिंग को हॉल के कोने से तेज़ी से निकलते हुए देखा था, लेकिन मुझे लगता है कि मैं गलत था।”
“आपने अपने चाचा को आखिरी बार कब देखा था, श्रीमान पेन्टर? मेरा मतलब है, उनके साथ रहने आने से पहले?”
“अरे! जब मैं दस साल का बच्चा था तब से नहीं। आप जानते हैं, वह और उसका भाई (मेरे पिता) आपस में झगड़ते थे।”
“लेकिन उसने तुम्हें बड़ी आसानी से फिर से ढूंढ लिया, है ना? इतने साल बीत जाने के बावजूद?”
"हां, वकील का विज्ञापन देखना मेरे लिए काफी हद तक सौभाग्य की बात थी।" पोइरोट ने और कोई सवाल नहीं पूछा।
हमारा अगला कदम डॉ. क्वेंटिन से मिलना था। उनकी कहानी लगभग वैसी ही थी जैसी उन्होंने पूछताछ के दौरान बताई थी, और उसमें जोड़ने के लिए उनके पास कुछ खास नहीं था। उन्होंने हमें अपने क्लिनिक में बुलाया, जहाँ वे अपने मरीज़ों से परामर्श का काम खत्म कर चुके थे। वे एक बुद्धिमान व्यक्ति प्रतीत हुए। उनके चश्मे के साथ उनका संयमित व्यवहार उन्हें शोभा दे रहा था, लेकिन मुझे लगा कि उनके तौर-तरीके पूरी तरह से आधुनिक होंगे।
“काश मुझे खिड़की के बारे में याद होता,” उसने साफगोई से कहा। “लेकिन पीछे मुड़कर सोचना खतरनाक है, इंसान किसी ऐसी चीज़ के बारे में पूरी तरह आश्वस्त हो जाता है जो कभी हुई ही नहीं। यही तो मनोविज्ञान है, है ना, एम. पोइरोट? देखिए, मैंने आपके तरीकों के बारे में सब कुछ पढ़ा है, और मैं कह सकता हूँ कि मैं आपका बहुत बड़ा प्रशंसक हूँ। नहीं, मुझे लगता है कि यह लगभग तय है कि उस चीनी व्यक्ति ने करी में अफीम का पाउडर डाला था, लेकिन वह इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा, और हम कभी नहीं जान पाएंगे कि क्यों। लेकिन

किसी आदमी को आग में दबाकर रखना—यह हमारे चीनी दोस्त के स्वभाव के विपरीत लगता है।”
मैंने मार्केट हैंडफोर्ड की मुख्य सड़क पर चलते हुए पोइरोट से इस आखिरी बिंदु पर टिप्पणी की।
“क्या आपको लगता है कि उसने किसी साथी को अंदर आने दिया?” मैंने पूछा। “वैसे, मुझे लगता है कि जैप उस पर नज़र रखेगा, इस पर भरोसा किया जा सकता है?” (इंस्पेक्टर किसी काम से पुलिस स्टेशन आया था।) “बिग फोर के दूत काफी फुर्तीले हैं।”
पोइरोट ने गंभीर स्वर में कहा, "जैप उन दोनों पर कड़ी नज़र रख रहा है। शव मिलने के बाद से ही उन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।"
"खैर, कम से कम हम इतना तो जानते हैं कि गेराल्ड पेन्टर का इससे कोई लेना- देना नहीं था।"
"हेस्टिंग्स, तुम मुझसे हमेशा इतना ज्यादा जानते हो कि यह काफी थका देने वाला हो जाता है।"
“अरे वाह, तुम तो बड़े चालाक हो,” मैं हँसते हुए बोला। “तुम कभी भी खुद को किसी बात के लिए प्रतिबद्ध नहीं करोगे।”
"सच कहूँ तो, हेस्टिंग्स, मामला अब मेरे लिए पूरी तरह स्पष्ट है—सिवाय 'येलो जैस्मिन' शब्दों के—और मैं आपसे सहमत होने लगा हूँ कि उनका अपराध से कोई संबंध नहीं है। इस तरह के मामले में, आपको यह तय करना होगा कि झूठ कौन बोल रहा है। मैंने यह कर लिया है। और फिर भी—"
वह अचानक मेरे पास से हटकर पास की एक किताबों की दुकान में चला गया। कुछ मिनट बाद वह एक पार्सल पकड़े हुए बाहर आया। फिर जैप हमारे साथ आ गया, और हम सब सराय में ठहरने की जगह ढूंढने लगे।
अगली सुबह मैं देर से सोया। जब मैं हमारे लिए आरक्षित बैठक कक्ष में उतरा, तो मैंने देखा कि पोइरोट पहले से ही वहाँ मौजूद थे, इधर-उधर टहल रहे थे, उनका चेहरा पीड़ा से विकृत था।
“मुझसे बात मत करो,” उसने घबराकर हाथ हिलाते हुए कहा। “जब तक मुझे यह पता न चल जाए कि सब ठीक है—गिरफ्तारी हो गई है, तब तक नहीं। आह! लेकिन मेरी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। हेस्टिंग्स, अगर कोई व्यक्ति मरते समय संदेश लिखता है, तो इसका मतलब है कि वह संदेश बहुत महत्वपूर्ण है। सबने कहा है — ‘पीली चमेली? घर पर पीली चमेली उग रही है—इसका कोई मतलब नहीं है।’”

“□□□□□, □□□□ □□□□ □□□□ □□? □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□” □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□

“□□□□ □□□□□, □□□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□? □□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□”

□□ □□□□ □□□ □□□

“□□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□: □□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ $C_{20}H_{25}N_2O_2$, □□ □□□□□□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□; □□□□□□□□ $C_{20}H_{25}NO_2$, □□□□□□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□; □□□□□□□□ □□□□, □□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□, □□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□”

"□□□□, □□□□□□□□□□□? □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□"

“□□□□□ □□□□□? □□□□ □□□□ □□□□ □□?”

“□□□□ □□□□□, □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□, □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□, □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□ □□, □□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□, □□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□, □□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□-□□□ □□□ □□, □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□, □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□? □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ __”

“□□□□!” □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□

“□□□□□□□□□□, □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□? □□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□, □□ □□□□□□ □□—□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□□, □□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□”

“□□□□!” □□□ □□□□□□□□ “□□□□ □□□?”

“नहीं, हेस्टिंग्स, नंबर चार नहीं। जैसे ही मैंने पीले चमेली के विषय में पढ़ा, मुझे सच्चाई का पता चल गया। वास्तव में, यह मेरी आंखों के सामने आ गई।”
मैंने ठंडे स्वर में कहा, "हमेशा की तरह, यह बात मेरे दिमाग में तुरंत नहीं आती।"
क्योंकि तुम अपने दिमाग का इस्तेमाल नहीं करोगे। भला करी में छेड़छाड़ करने का मौका किसे मिला था?
“आह लिंग। कोई और नहीं।”
“और कोई नहीं? डॉक्टर का क्या?”
लेकिन वह तो बाद की बात थी।
“बेशक, यह बाद में हुआ। श्री पेन्टर को परोसी गई करी में अफीम पाउडर का कोई अंश नहीं था, लेकिन डॉ. क्वेंटिन द्वारा जगाए गए संदेह के चलते, बूढ़े व्यक्ति ने उसे नहीं खाया और अपने चिकित्सक को देने के लिए रख लिया, जिसे उन्होंने योजना के अनुसार बुलाया। डॉ. क्वेंटिन आए, करी का जिम्मा संभाला और श्री पेन्टर को एक इंजेक्शन दिया—उन्होंने कहा कि स्ट्राइकिन का, लेकिन वास्तव में पीले चमेली का—एक जहरीली खुराक। जब दवा का असर शुरू हुआ, तो वह खिड़की खोलकर चले गए। फिर, रात में, वह खिड़की से लौटे, पांडुलिपि पाई और श्री पेन्टर को आग में धकेल दिया। उन्होंने उस अखबार पर ध्यान नहीं दिया जो फर्श पर गिर गया और बूढ़े व्यक्ति के शरीर से ढक गया। पेन्टर जानते थे कि उन्हें कौन सी दवा दी गई थी और उन्होंने अपने हत्या के लिए बिग फोर पर आरोप लगाने की कोशिश की। क्वेंटिन के लिए करी में अफीम पाउडर मिलाना आसान था, इससे पहले कि वह उसे सौंप दें। विश्लेषण किया गया। वह बूढ़े आदमी के साथ हुई बातचीत का अपना संस्करण बताता है, और हाइपोडर्मिक सुई के निशान को नज़रअंदाज़ करते हुए स्ट्राइकिन इंजेक्शन का ज़िक्र करता है। संदेह तुरंत दुर्घटना और करी में ज़हर के कारण आह लिंग के अपराध के बीच बँट जाता है।
लेकिन डॉ. क्वेंटिन चौथे नंबर पर नहीं हो सकते?
मुझे लगता है कि वह ऐसा कर सकता है। निस्संदेह एक असली डॉ. क्वेंटिन हैं जो शायद कहीं विदेश में हैं। नंबर चार ने कुछ समय के लिए उनके रूप में भेस बदला था। डॉ. बोलिथो के साथ सभी व्यवस्थाएं पत्राचार के माध्यम से की गई

थीं, क्योंकि मूल रूप से कार्यवाहक के रूप में नियुक्त व्यक्ति अंतिम समय में बीमार पड़ गया था।
उसी क्षण, जैप गुस्से से लाल चेहरा लिए हुए अंदर घुस आया।
"क्या तुमने उसे पकड़ लिया?" पोइरोट ने चिंता से पूछा।
जैप ने हांफते हुए अपना सिर हिलाया।
“बोलिथो आज सुबह अपनी छुट्टी से लौट आया—उसे टेलीग्राम से वापस बुलाया गया था। किसी को नहीं पता कि टेलीग्राम किसने भेजा। दूसरा आदमी कल रात चला गया था। लेकिन हम उसे भी पकड़ लेंगे।”
पोइरोट ने चुपचाप अपना सिर हिलाया।
"मुझे नहीं लगता," उसने कहा, और अनमने ढंग से उसने एक कांटे से मेज पर एक बड़ा सा 4 बना दिया।

ग्यारह

एक शतरंज की समस्या

पोइरोट और मैं अक्सर सोहो के एक छोटे से रेस्तरां में खाना खाते थे। एक शाम हम वहीं थे, तभी हमारी नज़र बगल की मेज पर बैठे एक दोस्त पर पड़ी। वह इंस्पेक्टर जैप थे, और चूंकि हमारी मेज पर जगह थी, इसलिए वह आकर हमारे साथ बैठ गए। हम दोनों ने उन्हें काफी समय से नहीं देखा था।
“आजकल तुम हमसे मिलने कभी नहीं आते,” पोइरोट ने नाराज़गी भरे लहजे में कहा। “पीली चमेली की घटना के बाद से हमारी मुलाकात नहीं हुई है, और लगभग एक महीना हो गया है।”
मैं उत्तर की ओर गया था—इसीलिए। आप कैसे हैं? क्या बिग फोर अभी भी मजबूती से चल रहा है?
पोइरोट ने तिरस्कारपूर्ण ढंग से उसकी ओर उंगली हिलाई।
“अरे! तुम मेरा मजाक उड़ा रहे हो—लेकिन बिग फोर—वे सच में मौजूद हैं।” “ओह! मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है—लेकिन वे ब्रह्मांड का केंद्र नहीं हैं, जैसा कि आप बता रहे हैं।”
“मेरे दोस्त, तुम बहुत बड़ी गलती कर रहे हो। आज दुनिया में बुराई की सबसे बड़ी ताकत ये ‘बिग फोर’ हैं। इनके पीछे क्या मकसद है, यह कोई नहीं जानता, लेकिन इनके जैसा आपराधिक संगठन पहले कभी नहीं हुआ। इसके मुखिया चीन के सबसे बुद्धिमान व्यक्ति हैं, साथ में एक अमेरिकी करोड़पति और एक फ्रांसीसी महिला वैज्ञानिक भी हैं, और चौथे के लिए—”
जैप ने बीच में ही बात काट दी।
“मुझे पता है—मुझे पता है। इस सब को लेकर आप बहुत परेशान हैं। ये आपका जुनून बनता जा रहा है, मूसियोर पोइरोट। चलिए, कुछ और बात करते हैं। क्या आपको शतरंज में कोई दिलचस्पी है?”
“हां, मैंने इसे खेला है।”
“क्या आपने कल की वो अजीब घटना देखी? विश्व प्रसिद्ध दो खिलाड़ियों के बीच मैच था, और उनमें से एक की खेल के दौरान मौत हो गई?”

मैंने इसका जिक्र सुना था। रूसी चैंपियन डॉ. सैवरोनॉफ उन खिलाड़ियों में से एक थे, और दूसरे, जिनकी हृदय गति रुकने से मृत्यु हो गई, प्रतिभाशाली युवा अमेरिकी खिलाड़ी गिलमोर विल्सन थे।
“बिल्कुल सही। सैवरोनॉफ ने कुछ साल पहले रुबिनस्टीन को हराकर रूसी चैंपियन का खिताब जीता था। विल्सन को दूसरा कैपाब्लांका कहा जाता था।” “यह तो बहुत ही विचित्र घटना है,” पोइरोट ने सोचा। “अगर मैं गलत नहीं हूँ, तो क्या इस मामले में आपकी विशेष रुचि है?”
जैप ने थोड़ी शर्मिंदगी भरी हंसी हंसी।
“आपने बिल्कुल सही कहा, मूसियर पोइरोट। मैं हैरान हूँ। विल्सन बिल्कुल स्वस्थ थे—उनमें हृदय रोग का कोई लक्षण नहीं था। उनकी मृत्यु बिल्कुल समझ से परे है।”
“क्या आपको शक है कि डॉ. सैवरोनॉफ ने उसे रास्ते से हटा दिया?” मैंने चिल्लाकर कहा।
“ऐसा बिलकुल नहीं,” जैप ने रूखेपन से कहा। “मुझे नहीं लगता कि कोई रूसी भी शतरंज में हारने से बचने के लिए किसी दूसरे आदमी की हत्या करेगा—और वैसे भी, जहाँ तक मुझे समझ आ रहा है, मामला उल्टा ही था। डॉक्टर तो बहुत ही होशियार हैं—कहते हैं कि वो लास्कर के बाद दूसरे नंबर पर हैं।”
पोइरोट ने सोच-समझकर सिर हिलाया।
“तो फिर आपका यह छोटा सा विचार आखिर है क्या?” उसने पूछा। “विल्सन को जहर क्यों दिया जाना चाहिए? क्योंकि, मेरा मानना है कि आपको जहर का ही शक है।” “स्वाभाविक रूप से। हृदय गति रुकने का मतलब है कि आपका दिल धड़कना बंद कर देता है—बस इतना ही है। डॉक्टर आधिकारिक तौर पर यही कहते हैं, लेकिन निजी तौर पर वे हमें इशारे से बता देते हैं कि वे संतुष्ट नहीं हैं।” “पोस्टमॉर्टम कब होगा?”
“आज रात। विल्सन की मृत्यु अत्यंत अचानक हुई। वह बिल्कुल सामान्य लग रहे थे और वास्तव में एक मोहरे को हिला ही रहे थे कि अचानक आगे की ओर गिर पड़े— और उनकी मृत्यु हो गई!”
"ऐसे बहुत कम जहर होते हैं जो इस तरह से काम करते हैं," पोइरोट ने आपत्ति जताई।
“मुझे पता है। मुझे उम्मीद है कि पोस्टमार्टम से हमें मदद मिलेगी। लेकिन कोई गिलमोर विल्सन को रास्ते से क्यों हटाना चाहेगा—यही तो मैं जानना

चाहता हूँ? सीधा-सादा, मासूम नौजवान। अभी-अभी अमेरिका से यहाँ आया था, और जाहिर तौर पर दुनिया में उसका कोई दुश्मन नहीं था।”
मैंने सोचा, "यह अविश्वसनीय लगता है।"
“बिल्कुल नहीं,” पोइरोट ने मुस्कुराते हुए कहा। “जाप का अपना सिद्धांत है, मैं देख सकता हूँ।”
“जी हां, मूसियोर पोइरोट। मुझे नहीं लगता कि जहर विल्सन के लिए था—यह दूसरे आदमी के लिए था।”
“Savaronoff?”
“हाँ। क्रांति के प्रारंभ में ही सावरोनॉफ़ बोल्शेविकों के निशाने पर आ गए थे। यहाँ तक कि उनके मारे जाने की खबर भी आई थी। वास्तव में वे बच निकले थे और साइबेरिया के बीहड़ों में तीन साल तक असहनीय कष्ट झेले। उनकी पीड़ा इतनी भीषण थी कि अब वे पूरी तरह बदल चुके हैं। उनके मित्र और परिचित कहते हैं कि वे उन्हें पहचान ही नहीं पाते। उनके बाल सफेद हो चुके हैं और उनका पूरा चेहरा एक बेहद बूढ़े व्यक्ति जैसा दिखता है। वे अर्ध-विकलांग हैं और शायद ही कभी बाहर जाते हैं। वे अपनी भतीजी सोनिया दाविलॉफ़ और एक रूसी नौकर के साथ वेस्टमिंस्टर के पास एक फ्लैट में अकेले रहते हैं। संभव है कि वे अब भी खुद को एक चिह्नित व्यक्ति मानते हों। निश्चित रूप से वे इस शतरंज प्रतियोगिता के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थे। उन्होंने कई बार साफ इनकार कर दिया था, और जब अखबारों ने इस मुद्दे को उठाया और 'अशोभनीय इनकार' को लेकर हंगामा खड़ा किया, तब जाकर वे माने। गिलमोर विल्सन ने असली अमेरिकी दृढ़ता के साथ उन्हें चुनौती दी थी और अंत में उन्हें अपनी बात मनवानी ही पड़ी। अब मैं आपसे पूछता हूँ, मूसियोर।” पोइरोट, वो तैयार क्यों नहीं थे? क्योंकि वो नहीं चाहते थे कि उन पर ध्यान जाए। वो नहीं चाहते थे कि कोई भी उनके पीछे पड़ जाए। मेरा यही मानना है—गिलमोर विल्सन गलती से पीछे रह गए। "क्या ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसे सैवरोनॉफ की मृत्यु से कोई निजी लाभ हो?"
"खैर, मुझे लगता है कि वह उनकी भतीजी हैं। उन्हें हाल ही में अपार संपत्ति मिली है। यह संपत्ति उन्हें मैडम गोस्पोजा से विरासत में मिली है, जिनके पति पुराने शासनकाल में चीनी के मुनाफ़ाखोर थे। मेरा मानना है कि उन दोनों का कभी प्रेम प्रसंग था, और उन्होंने उनकी मृत्यु की खबरों पर विश्वास करने से लगातार इनकार किया।"

मैच कहाँ हुआ था?
“सवारोनॉफ के अपने फ्लैट में। जैसा कि मैंने आपको बताया, वह एक बीमार व्यक्ति है।”
"क्या इसे देखने के लिए वहां बहुत सारे लोग मौजूद थे?"
"कम से कम एक दर्जन—शायद इससे भी अधिक।"
पोइरोट ने भावपूर्ण ढंग से मुंह बनाया।
"मेरे बेचारे जैप, तुम्हारा काम आसान नहीं है।"
"एक बार जब मुझे निश्चित रूप से पता चल जाएगा कि विल्सन को जहर दिया गया था, तो मैं आगे बढ़ सकता हूं।"
"क्या आपके मन में यह बात आई है कि इस बीच, अगर आपकी यह धारणा सही साबित होती है कि सैवरोनॉफ ही लक्षित शिकार था, तो हत्यारा फिर से कोशिश कर सकता है?"
“बिल्कुल ऐसा ही है। दो आदमी सैवरोनॉफ के फ्लैट पर नजर रख रहे हैं।”
"अगर कोई अपने हाथ में बम लेकर फोन करे तो यह बहुत उपयोगी साबित होगा," पोइरोट ने रूखेपन से कहा।
“आप तो दिलचस्पी दिखा रहे हैं, मूसियर पोइरोट,” जैप ने शरारती मुस्कान के साथ कहा। “क्या आप मुर्दाघर आकर विल्सन का शव देखना चाहेंगे, इससे पहले कि डॉक्टर उसका ऑपरेशन शुरू करें? कौन जानता है, शायद उसकी टाई की पिन टेढ़ी हो, और इससे आपको कोई महत्वपूर्ण सुराग मिल जाए जिससे रहस्य सुलझ जाए।” “मेरे प्यारे जैप, पूरे खाने के दौरान मेरी उंगलियाँ तुम्हारी टाई पिन को ठीक करने के लिए खुजली कर रही थीं। क्या तुम इजाज़त दोगे? आह! यह देखने में ज़्यादा अच्छा लग रहा है। हाँ, ज़रूर, चलो मुर्दाघर चलते हैं।”
मैं देख सकता था कि पोइरोट का पूरा ध्यान इस नई समस्या पर केंद्रित था। उन्होंने इतने लंबे समय से किसी बाहरी मामले में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई थी कि उन्हें अपने पुराने अंदाज में वापस देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। मुझे उस अभागे अमेरिकी युवक के बेजान शरीर और क्षत-विक्षत चेहरे को देखकर गहरी दया आई, जिसकी मृत्यु इतने विचित्र ढंग से हुई थी। पोइरोट ने शव का ध्यानपूर्वक निरीक्षण किया। शरीर पर कहीं भी कोई निशान नहीं था, सिवाय बाएं हाथ पर एक छोटे से घाव के।
जैप ने बताया, "और डॉक्टर का कहना है कि यह जलने का निशान है, कटने का नहीं।"

पॉयरॉट का ध्यान मृत व्यक्ति की जेबों में रखी चीज़ों पर गया, जिन्हें एक कांस्टेबल ने हमारे निरीक्षण के लिए फैला दिया था। उनमें कुछ खास नहीं था — एक रुमाल, चाबियाँ, नोटों से भरा एक नोटकेस और कुछ महत्वहीन पत्र। लेकिन एक वस्तु ने अकेले ही पॉयरॉट का ध्यान आकर्षित कर लिया।
“एक शतरंज का मोहरा!” वह चिल्लाया। “एक सफेद बिशप। क्या वह उसकी जेब में था?”
“नहीं, यह उनके हाथ में फंसा हुआ था। इसे उनकी उंगलियों से निकालना हमारे लिए काफी मुश्किल था। इसे किसी दिन डॉ. सैवरोनॉफ को लौटाना होगा। यह हाथीदांत से बने शतरंज के मोहरों के एक बहुत ही सुंदर सेट का हिस्सा है।” मुझे इसे उसे लौटाने की अनुमति दें। इससे मुझे वहां जाने का बहाना मिल जाएगा।
“अहा!” जैप चिल्लाया। “तो आप इस मामले में शामिल होना चाहते हैं?”
“मैं यह स्वीकार करता हूँ। आपने बड़ी कुशलता से मेरी रुचि जगाई है।”
“यह ठीक है। इससे आप अपने उदासी भरे विचारों से बाहर आ गए। मुझे लगता है कि कैप्टन हेस्टिंग्स भी खुश हैं।”
मैंने हंसते हुए कहा, "बिल्कुल सही।"
पोइरोट शव की ओर मुड़ गया।
“क्या आप मुझे उसके बारे में कोई और छोटी-मोटी जानकारी दे सकते हैं?” उसने पूछा।
"मुझे ऐसा नहीं लगता।"
“क्या उन्हें यह भी नहीं पता था कि वह बाएं हाथ से लिखते थे?”
“आप तो जादूगर हैं, मूसियर पोइरोट। आपको यह कैसे पता चला? वह बाएं हाथ से लिखते थे। वैसे इसका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है।”
जैप को थोड़ा परेशान देखकर पोइरोट ने जल्दी से सहमति जताते हुए कहा, "कुछ नहीं। बस एक छोटा सा मजाक था। मुझे तुम्हारे साथ मजाक करना अच्छा लगता है, फिर मिलेंगे।"
हम सौहार्दपूर्ण समझौते के साथ अलग हुए।
अगली सुबह हम वेस्टमिंस्टर में डॉ. सैवरोनॉफ के फ्लैट की ओर चल पड़े। मैंने मन ही मन सोचा, "सोनिया डेविलॉफ। कितना प्यारा नाम है।"
पोइरोट रुक गया और उसने मुझे निराशा भरी नजरों से देखा।

“हमेशा रोमांस की तलाश में! तुम तो सुधरने वाले नहीं हो। अगर सोनिया डेविलॉफ हमारी दोस्त और दुश्मन काउंटेस वेरा रोसाकॉफ निकली तो यही तुम्हारे लिए सही होगा।”
काउंटेस का नाम सुनते ही मेरा चेहरा उतर आया।
"निश्चित रूप से, पोइरोट, आपको संदेह नहीं होगा—"
"लेकिन नहीं, नहीं। यह एक मज़ाक था! मेरे दिमाग में 'बिग फोर' के बारे में इतनी ज़्यादा चर्चा नहीं है, चाहे जैप कुछ भी कहे।"
फ्लैट का दरवाजा एक नौकर ने हमारे लिए खोला, जिसका चेहरा अजीब तरह से भावहीन था। यह मानना असंभव लग रहा था कि उस भावहीन चेहरे पर कभी कोई भावना भी झलक सकती है।
पोइरोट ने एक कार्ड प्रस्तुत किया जिस पर जैप ने परिचय के कुछ शब्द लिखे थे, और हमें एक छोटे, लंबे कमरे में ले जाया गया जो कीमती पर्दों और सजावटी वस्तुओं से सुसज्जित था। दीवारों पर एक-दो अद्भुत मूर्तियां टंगी थीं, और फर्श पर सुंदर फ़ारसी कालीन बिछे थे। मेज पर एक समोवर रखा था।
मैं एक प्रतिमा का निरीक्षण कर रहा था जिसे मैं काफी मूल्यवान समझता था, और तभी मैंने मुड़कर देखा तो पोइरोट फर्श पर लेटा हुआ था। कालीन भले ही सुंदर था, लेकिन मुझे नहीं लगता था कि उसे इतनी बारीकी से देखने की कोई आवश्यकता थी।
मैंने पूछा, "क्या यह वाकई एक अद्भुत नमूना है?"
“अरे? ओह! कालीन? नहीं, मैं कालीन की बात नहीं कर रहा था। लेकिन यह तो बहुत सुंदर है, इतना सुंदर कि इसके बीचोंबीच इतनी बड़ी कील ठोंकना कतई जायज नहीं। नहीं, हेस्टिंग्स,” मैं आगे बढ़ा, “कील अब वहाँ नहीं है। लेकिन छेद अभी भी है।”
हमारे पीछे अचानक आई एक आवाज़ से मैं चौंक गया और पोइरोट भी फुर्ती से उठ खड़ा हुआ। दरवाज़े पर एक लड़की खड़ी थी। उसकी आँखें हम पर टिकी हुई थीं और संदेह से भरी हुई थीं। वह मध्यम कद की थी, उसका चेहरा सुंदर था, लेकिन कुछ उदास भी, उसकी आँखें गहरे नीले रंग की थीं और उसके बाल काले और छोटे कटे हुए थे। जब वह बोलती थी, तो उसकी आवाज़ मधुर और सुरीली होती थी, और बिल्कुल भी अंग्रेज़ी नहीं लगती थी।
मुझे डर है कि मेरे चाचा आपसे मिल नहीं पाएंगे। वे बहुत बीमार हैं।

"यह तो अफसोस की बात है, लेकिन शायद आप मेरी मदद करेंगी। आप मैडमोजेल डेविलॉफ हैं, है ना?"
“जी हां, मैं सोनिया डेविलॉफ हूं। आप क्या जानना चाहते हैं?”
“मैं परसों रात हुई उस दुखद घटना के बारे में कुछ जानकारी जुटा रहा हूँ— एम. गिलमोर विल्सन की मृत्यु के बारे में। क्या आप मुझे इसके बारे में कुछ बता सकते हैं?”
लड़की की आंखें चौड़ी हो गईं।
"शतरंज खेलते समय दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई।"
"पुलिस को इतना यकीन नहीं है कि यह दिल का दौरा था, मैडम।"
लड़की ने भयभीत होकर हावभाव दिखाया।
“तब तो यह सच था,” वह रोते हुए बोली। “इवान सही था।”
“इवान कौन है, और आप क्यों कहते हैं कि वह सही था?”
"इवान ने ही आपके लिए दरवाजा खोला था - और वह पहले ही मुझसे कह चुका है कि उसकी राय में गिलमोर विल्सन की मौत स्वाभाविक नहीं थी - बल्कि गलती से उसे जहर दिया गया था।"
"गलती से।"
"हां, वह जहर मेरे चाचा के लिए था।"
अब वह अपना पहला अविश्वास पूरी तरह से भूल चुकी थी और उत्सुकता से बोल रही थी।
“आप ऐसा क्यों कह रही हैं, महोदया? डॉ. सैवरोनॉफ को जहर देने की इच्छा कौन रखेगा?”
उसने अपना सिर हिलाया।
“मुझे नहीं पता। मुझे कुछ भी पता नहीं है। और मेरे चाचा, वो मुझ पर भरोसा नहीं करेंगे। शायद ये स्वाभाविक ही है। देखिए, वो मुझे मुश्किल से ही जानते हैं। उन्होंने मुझे बचपन में देखा था, और उसके बाद से नहीं, जब तक मैं उनके साथ लंदन में रहने नहीं आई। लेकिन इतना तो मैं जानती हूँ कि उन्हें किसी बात का डर है। रूस में कई गुप्त संगठन हैं, और एक दिन मैंने कुछ ऐसा सुना जिससे मुझे लगा कि वो शायद ऐसे ही किसी संगठन से डरते हैं। बताइए, महोदय”—वो एक कदम और पास आई और अपनी आवाज़ धीमी कर ली—“क्या आपने कभी ‘बिग फोर’ नाम के किसी संगठन के बारे में सुना है?”
पोइरोट लगभग डर के मारे उछल पड़ा। उसकी आँखें आश्चर्य से फटी रह गईं।

"आप बिग फोर के बारे में क्या जानती हैं, मैडम?"
“हाँ, ऐसा ही कुछ संबंध है! मैंने उनके बारे में कहीं सुना था और बाद में अपने चाचा से इसके बारे में पूछा। मैंने इतना डरा हुआ आदमी कभी नहीं देखा। उनका चेहरा पीला पड़ गया और वे कांपने लगे। वे उनसे बहुत डरे हुए थे, महोदय, मुझे पूरा यकीन है। और, गलती से उन्होंने अमेरिकी नागरिक विल्सन को मार डाला।”
“चार बड़े लोग,” पोइरोट ने धीरे से कहा। “हमेशा चार बड़े लोग! यह एक चौंकाने वाला संयोग है, महोदया, आपके चाचा अभी भी खतरे में हैं। मुझे उन्हें बचाना होगा। अब मुझे उस भयानक शाम की सारी घटनाएँ विस्तार से बताइए। मुझे शतरंज की बिसात, मेज, दोनों आदमियों के बैठने का तरीका—सब कुछ दिखाइए।”
वह कमरे के एक कोने में गई और एक छोटी मेज ले आई। उसका ऊपरी भाग बेहद खूबसूरत था, जिस पर चांदी और काले रंग के चौकोर टुकड़े जड़े हुए थे जो शतरंज की बिसात का आभास देते थे।
“यह कुछ हफ्ते पहले मेरे चाचा को उपहार के रूप में भेजा गया था, इस अनुरोध के साथ कि वे इसे अपने अगले मैच में इस्तेमाल करें। यह कमरे के बीचोंबीच रखा था।”
पोइरोट ने मेज का जिस तरह से निरीक्षण किया, वह मुझे बिल्कुल अनावश्यक लगा। वह पूछताछ उस तरह से नहीं कर रहे थे जैसे मैं करता। मुझे उनके कई सवाल निरर्थक लगे, और वास्तव में महत्वपूर्ण मामलों पर तो उनके पास पूछने के लिए कोई सवाल ही नहीं था। मैंने निष्कर्ष निकाला कि बिग फोर के अचानक उल्लेख ने उन्हें पूरी तरह से विचलित कर दिया था।
मेज और उसकी सटीक स्थिति का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद, उन्होंने शतरंज के मोहरे देखने की मांग की। सोनिया डेविलॉफ उन्हें एक डिब्बे में लेकर आईं। उन्होंने उनमें से एक-दो मोहरों का सरसरी तौर पर निरीक्षण किया।
“एक शानदार सेट,” उसने अनमने ढंग से बुदबुदाया।
फिर भी यह सवाल नहीं उठा कि वहां क्या जलपान कराया गया था, या कौन-कौन लोग मौजूद थे।
मैंने काफी जोर से गला साफ किया।
“क्या आपको नहीं लगता, पोइरोट, कि—”
उन्होंने मुझे बीच में ही अचानक टोक दिया।

“सोचो मत, मेरे दोस्त। सब मुझ पर छोड़ दो। मैडम, क्या यह बिलकुल असंभव है कि मैं आपके चाचा से मिलूँ?”
उसके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान झलक उठी।
"वह आपसे मिलेंगे, हाँ। आप समझते हैं ना, सभी अजनबियों का पहले साक्षात्कार करना मेरा कर्तव्य है।"
वह गायब हो गई। मुझे बगल वाले कमरे में कुछ फुसफुसाहटें सुनाई दीं, और एक मिनट बाद वह वापस आई और हमें बगल वाले कमरे में जाने का इशारा किया। सोफे पर लेटा हुआ वह व्यक्ति प्रभावशाली व्यक्तित्व का धनी था। लंबा, दुबला-पतला, घनी भौंहों और सफेद दाढ़ी वाला, और भुखमरी और कठिनाइयों के कारण मुरझाया हुआ चेहरा लिए हुए, डॉ. सैवरोनॉफ एक विशिष्ट व्यक्तित्व थे। मैंने उनके सिर की अनोखी बनावट, उसकी असामान्य ऊंचाई पर ध्यान दिया। एक महान शतरंज खिलाड़ी का दिमाग भी महान होना चाहिए, यह मैं जानता था। मैं आसानी से समझ सकता था कि डॉ. सैवरोनॉफ दुनिया के दूसरे सबसे महान खिलाड़ी क्यों थे।
पोइरोट ने सिर झुकाया।
“महामहिम डॉक्टर, क्या मैं आपसे अकेले में बात कर सकता हूँ?”
सैवरोनॉफ ने अपनी भतीजी की ओर रुख किया।
"हमें अकेला छोड़ दो, सोनिया।"
वह आज्ञाकारी ढंग से गायब हो गई।
"तो महोदय, बात क्या है?"
“डॉ. सैवरोनॉफ, आपको हाल ही में एक बहुत बड़ी संपत्ति प्राप्त हुई है। यदि आपकी अचानक मृत्यु हो जाती है, तो यह संपत्ति किसे विरासत में मिलेगी?” मैंने अपनी वसीयत में अपनी सारी संपत्ति अपनी भतीजी सोनिया डेविलॉफ के नाम कर दी है। आप यह सुझाव नहीं दे सकते—”
“मैं कुछ सुझाव नहीं दे रहा हूँ, लेकिन आपने अपनी भतीजी को बचपन से नहीं देखा है। किसी के लिए भी उसकी जगह लेना आसान होता।”
सैवरोनॉफ इस सुझाव से स्तब्ध रह गया। पोइरोट ने सहजता से अपनी बात जारी रखी।
“बस इतना ही काफी है: मैं तुम्हें सिर्फ चेतावनी दे रहा हूँ, बस इतना ही। अब मैं चाहता हूँ कि तुम मुझे उस शाम खेले गए शतरंज के खेल का वर्णन करो।” "आपका मतलब क्या है—इसे विस्तार से बताएं?"

"वैसे, मैं खुद शतरंज नहीं खेलता, लेकिन मुझे पता है कि शुरुआत करने के कई नियमित तरीके हैं - इसे गैम्बिट कहते हैं, है ना?"
डॉ. सैवरोनॉफ ने हल्की सी मुस्कान दी।
“आह! अब मैं आपकी बात समझ गया। विल्सन ने रूय लोपेज़ से शुरुआत की—जो कि सबसे कारगर शुरुआती चालों में से एक है, और जिसे टूर्नामेंट और मैचों में अक्सर अपनाया जाता है।”
"और जब यह त्रासदी हुई तब आप कितने समय से खेल रहे थे?"
"यह लगभग तीसरी या चौथी चाल रही होगी जब विल्सन अचानक मेज पर आगे की ओर गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई।"
पोइरोट जाने के लिए उठे। उन्होंने अपना आखिरी सवाल ऐसे पूछा मानो उसका कोई महत्व ही न हो, लेकिन मैं बेहतर जानता था।
"क्या उसके पास खाने-पीने के लिए कुछ था?"
"मुझे लगता है कि व्हिस्की और सोडा ठीक रहेगा।"
“धन्यवाद, डॉ. सैवरोनॉफ। मैं अब आपको और परेशान नहीं करूंगा।”
इवान हमें बाहर छोड़ने के लिए हॉल में खड़ा था। पोइरोट दहलीज पर ही रुका रहा।
"इसके नीचे वाले फ्लैट में कौन रहता है, क्या आप जानते हैं?"
“सर चार्ल्स किंगवेल, संसद सदस्य हैं, महोदय। हालाँकि, इसे हाल ही में किराए पर दिया गया है और इसमें फर्नीचर उपलब्ध कराया गया है।” "धन्यवाद।"
हम सर्दियों की तेज धूप में बाहर निकल गए।
“खैर, पोइरोट,” मैं अचानक बोल पड़ा। “मुझे नहीं लगता कि आपने इस बार कोई उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। निश्चित रूप से आपके प्रश्न बहुत ही अपर्याप्त थे।”
“क्या तुम्हें ऐसा लगता है, हेस्टिंग्स?” पोइरोट ने मेरी ओर आकर्षक लहजे में देखा। “हाँ, मैं पूरी तरह से हैरान था। तुम मुझसे क्या पूछते?”
मैंने इस सवाल पर ध्यानपूर्वक विचार किया और फिर पोइरोट को अपनी योजना विस्तार से बताई। उन्होंने बड़ी दिलचस्पी से मेरी बात सुनी। मेरा भाषण तब तक चलता रहा जब तक हम लगभग घर नहीं पहुँच गए।

“बहुत बढ़िया, बहुत ही गहन खोज, हेस्टिंग्स,” पोइरोट ने दरवाजे में चाबी डालते हुए और मेरे आगे सीढ़ियों पर चढ़ते हुए कहा। “लेकिन बिल्कुल अनावश्यक।”
“यह तो अनावश्यक है!” मैं आश्चर्यचकित होकर चिल्लाया। “अगर उस आदमी को जहर दिया गया था तो—”
“आहा!” पोइरोट ने मेज पर पड़े एक नोट पर झपट्टा मारते हुए कहा। “जैप की तरफ से। जैसा मैंने सोचा था, वैसा ही हुआ।” उन्होंने वह नोट मेरी तरफ फेंक दिया। नोट संक्षिप्त और सटीक था। जहर का कोई निशान नहीं मिला था, और इस बात का कोई सबूत नहीं था कि उस व्यक्ति की मृत्यु कैसे हुई।
"देखिए," पोइरोट ने कहा, "हमारे सवाल बिलकुल अनावश्यक होते।"
"क्या आपने इसका पहले से ही अनुमान लगा लिया था?"
“‘सौदे के संभावित परिणाम का पूर्वानुमान लगाओ,’” पोइरोट ने एक हालिया ब्रिज समस्या से उद्धृत किया, जिस पर मैंने काफी समय बिताया था। “मेरे मित्र, जब आप इसे सफलतापूर्वक कर लेते हैं, तो आप इसे अनुमान लगाना नहीं कहते।”
मैंने अधीरता से कहा, "छोटी-छोटी बातों पर बहस मत करो। क्या तुमने इसका पहले से अनुमान लगा लिया था?"
“मैंने किया।”
"क्यों?"
पोइरोट ने अपनी जेब में हाथ डाला और एक सफेद बिशप को बाहर निकाला।
मैंने चिल्लाकर कहा, "अरे, तुम इसे डॉ. सैवरोनॉफ को वापस देना भूल गए।"
“आप गलत हैं, मेरे दोस्त। वह बिशप अभी भी मेरी बाईं जेब में है। मैंने उसका साथी शतरंज के मोहरों के उस डिब्बे से लिया था जिसे मैडमोजेल डेविलॉफ ने मुझे देखने की अनुमति दी थी। एक बिशप का बहुवचन दो बिशप होता है।”
उसने अंतिम "स" का उच्चारण बहुत ही फुसफुसाहट के साथ किया। मैं पूरी तरह से अचंभित रह गया।
"लेकिन तुमने इसे क्यों लिया?"
"पार्बलू, मैं यह देखना चाहता था कि क्या वे बिल्कुल एक जैसे हैं।"
पोइरोट ने अपना सिर एक तरफ झुकाकर उनकी ओर देखा।

“ऐसा लगता तो है, मैं मानता हूँ। लेकिन किसी भी तथ्य को तब तक सच नहीं मान लेना चाहिए जब तक वह साबित न हो जाए। कृपया मुझे मेरे छोटे तराजू लाकर दीजिए।”
उन्होंने अत्यंत सावधानी से दोनों मोहरों का वजन किया, फिर विजय की चमक से दमकते चेहरे के साथ मेरी ओर मुड़े।
“मैं सही था। देखो, मैं सही था। हरक्यूल पोइरोट को धोखा देना नामुमकिन है!” वह दौड़कर टेलीफोन के पास गया और बेसब्री से इंतजार करने लगा।
“क्या वो जैप है? आह! जैप, तुम हो। हरक्यूल पोइरोट बोल रहा है। नौकर पर नज़र रखो। इवान। किसी भी कीमत पर उसे अपने हाथों से फिसलने मत दो। जी हां, जैसा मैंने कहा।”
वह तेजी से रिसीवर की ओर दौड़ा और मेरी ओर मुड़ा।
“हेस्टिंग्स, क्या तुम्हें समझ नहीं आ रहा? मैं समझाता हूँ। विल्सन को ज़हर नहीं दिया गया था, उसे बिजली का झटका लगा था। एक पतली धातु की छड़ शतरंज के एक मोहरे के बीचोंबीच से गुज़रती है। टेबल पहले से तैयार करके ज़मीन पर एक खास जगह पर रखी गई थी। जब बिशप को चाँदी के एक खाने पर रखा गया, तो बिजली का झटका विल्सन के शरीर से गुज़रा और उसकी तुरंत मौत हो गई। उसके हाथ पर बिजली का जलने का निशान ही एकमात्र निशान था—उसके बाएँ हाथ पर, क्योंकि वह बाएँ हाथ से लिखता था। वह ‘खास टेबल’ एक बेहद चालाकी भरा यंत्र था। मैंने जिस टेबल की जाँच की, वह नकली थी, बिलकुल निर्दोष। हत्या के तुरंत बाद उसे असली टेबल की जगह रख दिया गया था। इसे नीचे वाले फ्लैट से चलाया जाता था, जो कि, अगर तुम्हें याद हो, किराए पर दिया हुआ था। लेकिन कम से कम एक साथी सैवरोनॉफ के फ्लैट में था। वह लड़की बिग फोर की एजेंट है, जो सैवरोनॉफ की संपत्ति हड़पने के लिए काम कर रही है।”
और इवान?
मुझे पूरा शक है कि इवान कोई और नहीं बल्कि मशहूर नंबर चार है।
"क्या?"
“जी हां। वह एक अद्भुत चरित्र अभिनेता हैं। वह अपनी इच्छानुसार कोई भी भूमिका निभा सकते हैं।”
मैंने अतीत के कारनामों के बारे में सोचा, पागलखाने का रखवाला, कसाई का युवक, विनम्र डॉक्टर, सभी एक ही व्यक्ति थे, और सभी एक दूसरे से बिल्कुल अलग थे।

अंत में मैंने कहा, "यह तो कमाल है। सब कुछ सही बैठता है। सैवरोनॉफ को साजिश का कुछ अंदाजा था, और इसीलिए वह मैच खेलने के लिए इतने अनिच्छुक थे।" पोइरोट ने बिना कुछ बोले मेरी ओर देखा। फिर वह अचानक मुड़ गया और इधर-उधर टहलने लगा।
"क्या आपके पास शतरंज पर कोई किताब है, मेरे मित्र?" उसने अचानक पूछा। मुझे लगता है कि मेरे पास कहीं न कहीं है।
इसे ढूंढने में मुझे कुछ समय लगा, लेकिन आखिरकार मुझे यह मिल ही गया, और मैं इसे पोइरोट के पास ले आया, जो एक कुर्सी पर बैठ गए और इसे अत्यंत ध्यान से पढ़ने लगे।
लगभग पंद्रह मिनट बाद टेलीफोन की घंटी बजी। मैंने फोन उठाया। जैप का फोन था। इवान एक बड़ा सा बंडल लेकर फ्लैट से निकल चुका था। वह एक टैक्सी में कूद गया और पीछा शुरू हो गया। जाहिर तौर पर वह अपने पीछा करने वालों से बचने की कोशिश कर रहा था। अंत में उसे लगा कि वह इसमें सफल हो गया है और फिर वह हैम्पस्टेड के एक बड़े खाली घर की ओर गाड़ी चलाकर गया। घर चारों तरफ से घिरा हुआ था।
मैंने यह सब पोइरोट को बताया। वह बस मुझे घूरता रहा, मानो उसे मेरी बात समझ ही नहीं आ रही हो। उसने शतरंज की किताब मेरी ओर बढ़ा दी।
“मेरे दोस्त, इसे सुनो। यह रूय लोपेज़ ओपनिंग है। 1 प-कॉर्नर 4, प-कॉर्नर 4; 2 नाइट-कॉर्नर 3, किंग-क्यूबी 3; 3 ब्लैक-नाइट-ट 5। फिर सवाल उठता है कि ब्लैक की तीसरी चाल सबसे अच्छी कौन सी है। उसके पास बचाव के कई विकल्प हैं। गिलमोर विल्सन को हराने वाली व्हाइट की तीसरी चाल 3 ब्लैक-नाइट-ट 5 थी। सिर्फ तीसरी चाल—क्या इससे तुम्हें कुछ समझ नहीं आता?”
मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि उसका क्या मतलब है, और मैंने उसे यही बताया।
"मान लीजिए, हेस्टिंग्स, कि जब आप इस कुर्सी पर बैठे थे, तो आपने सामने का दरवाजा खुलते और बंद होते सुना, तो आप क्या सोचते?"
"मुझे लगता है कि कोई बाहर गया होगा।"
“हाँ—लेकिन चीजों को देखने के हमेशा दो तरीके होते हैं। किसी का जाना— किसी का आना—ये दो बिल्कुल अलग बातें हैं, हेस्टिंग्स। लेकिन अगर आपने गलत तरीका अपनाया, तो जल्द ही कोई छोटी सी गड़बड़ी सामने आ जाएगी और आपको पता चल जाएगा कि आप गलत रास्ते पर थे।”

"पोइरोट, इन सबका क्या मतलब है?"
पोइरोट अचानक ऊर्जा के साथ अपने पैरों पर खड़ा हो गया।
“इसका मतलब है कि मैं तिहरा मूर्ख साबित हुआ हूँ। जल्दी करो, जल्दी करो, वेस्टमिंस्टर के फ्लैट में चलो। शायद अभी भी समय हो।”
हम टैक्सी में बैठकर तेज़ी से निकल पड़े। पोइरोट ने मेरे उत्तेजित सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। हम सीढ़ियों पर दौड़ पड़े। बार-बार घंटी बजाने और खटखटाने पर भी कोई जवाब नहीं मिला, लेकिन ध्यान से सुनने पर मुझे अंदर से एक खोखली सी कराह सुनाई दी।
हॉल के पोर्टर के पास मास्टर चाबी थी, और कुछ दिक्कतों के बाद वह इसका इस्तेमाल करने के लिए सहमत हो गया।
पॉयरॉट सीधे अंदर के कमरे में गए। वहां हमें क्लोरोफॉर्म की तेज़ गंध महसूस हुई। ज़मीन पर सोनिया डेविलॉफ पड़ी थीं, उनके मुंह पर पट्टी बंधी थी और हाथ बंधे हुए थे, उनकी नाक और मुंह पर भीगी हुई रुई का एक बड़ा टुकड़ा रखा था। पॉयरॉट ने उसे हटाया और उन्हें होश में लाने के उपाय करने लगे। थोड़ी देर में एक डॉक्टर आ गए, और पॉयरॉट ने उन्हें डॉक्टर के हवाले कर दिया और मेरे साथ एक तरफ चले गए। डॉक्टर सैवरोनॉफ का कोई अता-पता नहीं था। मैंने हैरानी से पूछा, "इसका क्या मतलब है?"
“इसका मतलब है कि दो बराबर कटौती से पहले मैंने गलत विकल्प चुना। आपने मुझे यह कहते हुए सुना होगा कि सोनिया डेविलॉफ का रूप धारण करना किसी के लिए भी आसान होगा क्योंकि उसके चाचा ने उसे इतने सालों से नहीं देखा था?” "हाँ?"
"खैर, ठीक इसका उल्टा भी सच था। किसी के लिए भी चाचा का रूप धारण करना उतना ही आसान था।"
"क्या?"
“सवरोनॉफ की मृत्यु क्रांति के प्रकोप के दौरान ही हो गई थी। वह व्यक्ति जिसने इतनी भयानक कठिनाइयों से बच निकलने का नाटक किया था, वह व्यक्ति जो इतना बदल गया था कि ‘उसके अपने दोस्त भी उसे मुश्किल से पहचान पाते थे,’ वह व्यक्ति जिसने सफलतापूर्वक एक विशाल संपत्ति पर दावा किया था—”
“हाँ। वह कौन था?”
“नंबर चार। इसमें कोई हैरानी नहीं कि जब सोनिया ने उसे बताया कि उसने ‘बिग फोर’ के बारे में उसकी एक निजी बातचीत सुन ली थी, तो वह डर गया। एक बार फिर

वह मेरे हाथ से फिसल गया। उसे लगा कि मैं अंत में सही रास्ते पर पहुँच जाऊँगी, इसलिए उसने ईमानदार इवान को एक व्यर्थ और मुश्किल खोज में लगा दिया, लड़की को क्लोरोफॉर्म सुंघाकर बेहोश कर दिया और निकल गया। अब तक उसे मैडम गोस्पोजा द्वारा छोड़ी गई अधिकांश सुरक्षाओं का पता चल चुका होगा।” "लेकिन—लेकिन फिर उसे मारने की कोशिश किसने की?"
“किसी ने भी उसे जान से मारने की कोशिश नहीं की। विल्सन शुरू से ही लक्षित शिकार था।”
"लेकिन क्यों?"
“मेरे दोस्त, सैवरोनॉफ दुनिया के दूसरे सबसे महान शतरंज खिलाड़ी थे। पूरी संभावना है कि नंबर चार को खेल की बुनियादी बातें भी नहीं पता थीं। निश्चित रूप से वह मुकाबले का नाटक भी नहीं कर सकते थे। उन्होंने मुकाबले से बचने के लिए हर संभव कोशिश की। जब यह नाकाम रहा, तो विल्सन का अंत निश्चित हो गया। हर हाल में उन्हें यह पता चलने से रोकना था कि महान सैवरोनॉफ को शतरंज खेलना भी नहीं आता था। विल्सन को रूय लोपेज़ ओपनिंग बहुत पसंद थी और वह निश्चित रूप से इसका इस्तेमाल करने वाले थे। नंबर चार ने तीसरे ही चाल में अपनी हार तय कर ली, इससे पहले कि बचाव की कोई पेचीदगी शुरू होती।”
“लेकिन, मेरे प्यारे पोइरोट,” मैंने ज़िद करते हुए कहा, “क्या हम किसी पागल से निपट रहे हैं? मैं आपकी बात पूरी तरह समझता हूँ और मानता हूँ कि आप सही होंगे, लेकिन सिर्फ़ अपनी भूमिका निभाने के लिए किसी आदमी को मार डालना! इस मुश्किल से निकलने के और भी आसान तरीके हो सकते थे, है ना? वह कह सकता था कि उसके डॉक्टर ने माचिस जलाने से मना किया है।”
पोइरोट ने अपनी भौंहें सिकोड़ीं।
“निश्चित रूप से, हेस्टिंग्स,” उसने कहा, “और भी तरीके थे, लेकिन कोई इतना विश्वसनीय नहीं था। इसके अलावा, आप मान रहे हैं कि किसी आदमी को मारना एक ऐसी चीज है जिससे बचना चाहिए, है ना? नंबर चार का दिमाग, वह इस तरह से काम नहीं करता। मैंने खुद को उसकी जगह पर रखकर देखा, जो आपके लिए असंभव है। मैंने उसके विचारों की कल्पना की। वह उस मैच में प्रोफेसर की तरह आनंद ले रहा था, मुझे पूरा यकीन है कि उसने अपनी भूमिका का अध्ययन करने के लिए शतरंज टूर्नामेंट देखे होंगे। वह बैठा सोच में डूबा हुआ था; वह ऐसा आभास दे रहा था जैसे वह बड़ी-बड़ी योजनाएँ बना रहा हो, और साथ ही मन ही मन हँस रहा

था। उसे पता था कि उसे केवल दो चालें ही आती हैं—और बस इतना ही जानना उसके लिए काफी है। फिर से, उसके दिमाग को नंबर चार के लिए उपयुक्त समय का अनुमान लगाना अच्छा लगेगा… ओह, हाँ, हेस्टिंग्स, मैं अपने दोस्त और उसकी मानसिकता को समझने लगा हूँ।”
मैंने कंधा उचका दिया।
"ठीक है, मुझे लगता है कि आप सही हैं, लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि कोई ऐसा जोखिम क्यों उठाएगा जिसे वह इतनी आसानी से टाल सकता है।"
“जोखिम!” पोइरोट ने चिढ़कर कहा। “तो फिर जोखिम कहाँ था? क्या जैप समस्या का समाधान कर पाता? नहीं; अगर नंबर फोर ने एक छोटी सी गलती न की होती तो उसे कोई जोखिम नहीं उठाना पड़ता।”
“और उसकी गलती?” मैंने पूछा, हालाँकि मुझे जवाब का अंदाज़ा था।
"मेरे मित्र, उसने हरक्यूल पोइरोट की छोटी-छोटी दिमागी कोशिकाओं को नजरअंदाज कर दिया।"
पोइरोट में कई गुण हैं, लेकिन विनम्रता उनमें से एक नहीं है।

बारह

चारा लगाया जाल

जनवरी के मध्य का समय था—लंदन में एक आम अंग्रेजी सर्दी का दिन, नम और गंदा। पोइरोट और मैं आग के पास रखी दो कुर्सियों पर बैठे थे। मुझे एहसास था कि मेरा दोस्त मुझे एक अजीब सी मुस्कान के साथ देख रहा है, जिसका अर्थ मैं समझ नहीं पा रहा था।
मैंने हल्के से कहा, "आपके विचार क्या हैं?"
"मैं सोच रहा था, मेरे दोस्त, कि ग्रीष्मकाल के मध्य में, जब तुम पहली बार यहाँ आए थे, तो तुमने मुझे बताया था कि तुम इस देश में केवल कुछ महीनों के लिए ही रहने का इरादा रखते हो।"
“क्या मैंने ऐसा कहा था?” मैंने कुछ असहजता से पूछा। “मुझे याद नहीं है।” पोइरोट की मुस्कान और चौड़ी हो गई।
“हाँ, मेरे दोस्त। तब से तुमने अपनी योजना बदल दी है, है ना?”
"हाँ मेरे पास है।"
"और ऐसा क्यों है?"
"अरे यार, पोइरोट, तुम्हें क्या लगता है कि जब तुम 'बिग फोर' जैसी किसी चीज का सामना कर रहे हो, तो मैं तुम्हें अकेला छोड़ दूंगा?"
पोइरोट ने धीरे से सिर हिलाया।
“बिल्कुल जैसा मैंने सोचा था। हेस्टिंग्स, तुम मेरे सच्चे दोस्त हो। मेरा ही ख्याल है कि तुम यहाँ बने रहो। और तुम्हारी पत्नी—जिसे तुम छोटी सिंड्रेला कहते हो, उसका क्या कहना है?”
मैंने बेशक विस्तार से नहीं बताया है, लेकिन वह समझती है। वह आखिरी व्यक्ति होगी जो चाहेगी कि मैं अपने दोस्त से मुंह मोड़ लूं।
"हां, हां, वह भी एक वफादार दोस्त है। लेकिन शायद यह एक लंबा सफर होने वाला है।"
मैंने कुछ निराश होकर सिर हिलाया।
मैंने मन ही मन सोचा, "छह महीने बीत चुके हैं और हम कहाँ हैं? पोइरोट, मुझे लगता है कि हमें कुछ करना चाहिए।"

"हेस्टिंग्स, तुम हमेशा इतने ऊर्जावान रहते हो! और तुम मुझसे क्या करवाना चाहते हो?"
यह कुछ हद तक एक चुनौती भरा मामला था, लेकिन मैं अपने रुख से पीछे हटने वाला नहीं था।
मैंने आग्रह किया, “हमें आक्रामक रुख अपनाना चाहिए। हमने अब तक क्या किया है?”
"जितना तुम सोचते हो उससे कहीं ज़्यादा, मेरे दोस्त। आखिरकार, हमने नंबर दो और नंबर तीन की पहचान स्थापित कर ली है, और हमने नंबर चार के तौर-तरीकों के बारे में काफी कुछ सीख लिया है।"
मुझे थोड़ी राहत मिली। जैसा कि पोइरोट ने कहा था, हालात इतने बुरे नहीं लग रहे थे।
“ओह! जी हां, हेस्टिंग्स, हमने बहुत कुछ किया है। यह सच है कि मैं रायलैंड या मैडम ओलिवियर पर आरोप लगाने की स्थिति में नहीं हूं—कौन मुझ पर विश्वास करेगा? आपको याद है, मैंने एक बार सोचा था कि मैंने रायलैंड को सफलतापूर्वक घेर लिया है? फिर भी, मैंने कुछ खास लोगों—खासकर उच्च अधिकारियों—को अपने संदेह से अवगत करा दिया है। लॉर्ड एल्डिंगटन, जिन्होंने चोरी हुई पनडुब्बी योजनाओं के मामले में मेरी मदद ली थी, बिग फोर के बारे में मेरी सारी जानकारी से पूरी तरह वाकिफ हैं—और जबकि अन्य लोग संदेह कर सकते हैं, वे विश्वास करते हैं। रायलैंड, मैडम ओलिवियर और ली चांग येन खुद अपने रास्ते जा सकते हैं, लेकिन उनकी हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा रही है।”
“और चौथा नंबर?” मैंने पूछा।
“जैसा कि मैंने अभी कहा—मैं उसके तौर-तरीकों को समझने लगा हूँ। हेस्टिंग्स, तुम मुस्कुरा सकते हो—लेकिन किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को परखना, यह जानना कि वह किसी भी परिस्थिति में क्या करेगा—यही सफलता की शुरुआत है। यह हमारे बीच एक द्वंद्व है, और जबकि वह लगातार अपनी मानसिकता मुझे बता रहा है, मैं कोशिश करता हूँ कि उसे अपनी मानसिकता का बहुत कम या बिल्कुल भी पता न चले। वह प्रकाश में है, मैं छाया में। मैं तुमसे कहता हूँ, हेस्टिंग्स, कि मेरी निष्क्रियता के कारण वे मुझसे प्रतिदिन और अधिक भयभीत होते जा रहे हैं।”

मैंने कहा, "उन्होंने हमें वैसे भी अकेला छोड़ दिया है। तुम्हारी जान लेने की कोई कोशिश नहीं हुई है, न ही किसी तरह का कोई हमला हुआ है।"
“नहीं,” पोइरोट ने सोच-समझकर कहा। “कुल मिलाकर, यह मुझे थोड़ा आश्चर्यचकित करता है। खासकर इसलिए कि हम तक पहुँचने के एक-दो काफी स्पष्ट तरीके हैं जिनके बारे में मुझे यकीन था कि उन्हें अवश्य ही पता चल गया होगा। शायद आप मेरा मतलब समझ रहे हैं?”
“किसी प्रकार की भयानक मशीन?” मैंने अनुमान लगाया।
पोइरोट ने अधीरता व्यक्त करते हुए अपनी जीभ से एक तीखी क्लिक की आवाज निकाली।
लेकिन नहीं! मैं आपकी कल्पना को चुनौती देता हूँ, और आप चिमनी में बम रखने से ज़्यादा सूक्ष्म सुझाव नहीं दे सकते। अच्छा, अच्छा, मुझे कुछ माचिस चाहिए, मैं मौसम की परवाह किए बिना टहलने जाऊँगा। क्षमा करें, मेरे मित्र, लेकिन क्या यह संभव है कि आप 'द फ्यूचर ऑफ द अर्जेंटीना', 'मिरर ऑफ सोसाइटी', 'कैटल ब्रीडिंग', 'द क्लू ऑफ क्रिमसन' और 'स्पोर्ट इन द रॉकीज' एक ही समय में पढ़ रहे हों?
मैं हँस पड़ा और स्वीकार किया कि इस समय मेरा पूरा ध्यान 'द क्लू ऑफ क्रिमसन' पर ही केंद्रित है। पोइरोट ने दुख से सिर हिलाया।
लेकिन फिर तो अलमारी में रखी बाकी किताबों को हटा दो! मैं तुम्हें कभी भी व्यवस्था और विधि अपनाते हुए नहीं देखूंगा। हे भगवान, फिर तो किताबों की अलमारी किसलिए है?
मैंने विनम्रतापूर्वक माफी मांगी, और पोइरोट ने आपत्तिजनक पुस्तकों को उनके निर्धारित स्थान पर वापस रखने के बाद, बाहर चले गए और मुझे मेरी चुनी हुई पुस्तक का निर्बाध आनंद लेने के लिए छोड़ दिया।
हालांकि, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि जब श्रीमती पियर्सन ने दरवाजे पर दस्तक दी तो मैं आधी नींद में था, तभी मेरी नींद खुली।
"आपके लिए एक टेलीग्राम है, कप्तान।"
मैंने बिना किसी खास रुचि के नारंगी लिफाफे को फाड़कर खोल दिया।
फिर मैं पत्थर की तरह जम कर बैठ गया।
यह दक्षिण अमेरिकी फार्म में मेरे मैनेजर ब्रोंसन का एक तार था, और उसमें लिखा था:

श्रीमती हेस्टिंग्स कल लापता हो गईं, आशंका है कि उन्हें किसी गिरोह ने अगवा कर लिया है।
खुद को बिग फोर केबल इंस्ट्रक्टर कहने वाली कंपनी ने पुलिस को सूचित कर दिया है, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है।
कांस्य।
मैंने श्रीमती पियर्सन को कमरे से बाहर जाने का इशारा किया और जैसे स्तब्ध होकर बैठी रही, बार-बार उन शब्दों को पढ़ती रही। सिंड्रेला—अपहरण! कुख्यात बिग फोर के हाथों में! हे भगवान, मैं क्या कर सकती थी?
पोइरोट! मुझे पोइरोट चाहिए। वो मुझे सलाह देंगे। वो किसी न किसी तरह उन्हें मात दे देंगे। अब बस कुछ ही मिनटों में वो वापस आ जाएँगे। तब तक मुझे धैर्यपूर्वक इंतज़ार करना होगा। लेकिन सिंड्रेला—चार बड़े दिग्गजों के हाथों में!
एक और दस्तक। श्रीमती पियर्सन ने एक बार फिर अपना सिर अंदर डाला।
“आपके लिए एक संदेश है, कप्तान—एक गैर-ईसाई चीनी व्यक्ति द्वारा लाया गया है। वह नीचे इंतजार कर रहा है।”
मैंने उसे उससे छीन लिया। वह संक्षिप्त और सटीक था।
“अगर आप कभी अपनी पत्नी से दोबारा मिलना चाहते हैं, तो इस पत्र को लेकर आने वाले व्यक्ति के साथ तुरंत चले जाइए। अपने दोस्त के लिए कोई संदेश मत छोड़िए, वरना उसे कष्ट सहना पड़ेगा।”
इस पर एक बड़ी चार टीमों में से एक के साथ हस्ताक्षर किए गए थे।
मुझे क्या करना चाहिए था? आप जैसे पाठकों को मेरी जगह पर क्या करना चाहिए था?
मेरे पास सोचने का समय नहीं था। मुझे बस एक ही बात दिखाई दी—सिंड्रेला उन शैतानों के चंगुल में फंसी हुई थी। मुझे आज्ञा माननी ही थी—मैं उसके सिर का एक बाल भी जोखिम में नहीं डाल सकती थी। मुझे इस चीनी व्यक्ति के साथ जाना ही था और उसके पीछे-पीछे चलना था। यह एक जाल था, हाँ, और इसका मतलब निश्चित रूप से पकड़ा जाना और संभवतः मृत्यु थी, लेकिन इसमें दुनिया में मेरे सबसे प्रिय व्यक्ति का लालच था, और मैं ज़रा भी हिचकिचा नहीं सकती थी। मुझे सबसे ज़्यादा गुस्सा इस बात पर आ रहा था कि मैंने पोइरोट को कोई सूचना नहीं दी। अगर एक बार वो मेरे पीछे पड़ गया, तो शायद सब ठीक हो जाए! क्या मैं ये जोखिम उठाऊं? ज़ाहिर तौर पर मुझ पर कोई निगरानी नहीं थी, फिर भी मैं

हिचकिचा रहा था। उस चीनी आदमी के लिए आकर ये तसल्ली करना कितना आसान होता कि मैं आदेश का अक्षरशः पालन कर रहा हूं। उसने ऐसा क्यों नहीं किया? उसकी चुप्पी ने मुझे और भी ज़्यादा शक़ी बना दिया। मैंने बिग फोर की सर्वशक्तिमत्ता इतनी देखी थी कि मैं उन्हें लगभग अलौकिक शक्तियां देने का दावा करता था। क्या पता, वो छोटी-सी फटेहाल नौकरानी भी उनकी ही एजेंट हो। नहीं, मैं ऐसा जोखिम उठाने की हिम्मत नहीं कर सकता था। लेकिन एक काम मैं कर सकता था, टेलीग्राम छोड़ देना। इससे उसे पता चल जाएगा कि सिंड्रेला गायब हो गई है और उसके गायब होने के लिए कौन जिम्मेदार है।
यह सब कुछ मेरे दिमाग में बताने में लगने वाले समय से भी कम समय में गुजर गया, और मैंने अपनी टोपी सिर पर पहनी और एक मिनट से थोड़ा अधिक समय में सीढ़ियों से नीचे उतर रहा था जहाँ मेरा गाइड इंतजार कर रहा था। संदेशवाहक एक लंबा, भावहीन चीनी व्यक्ति था, जिसने साफ-सुथरे लेकिन कुछ हद तक पुराने कपड़े पहने थे। उसने झुककर मुझसे बात की। उसकी अंग्रेजी एकदम सही थी, लेकिन उसके बोलने का लहजा थोड़ा लयबद्ध था।
“आप कैप्टन हेस्टिंग्स हैं?”
“हां,” मैंने कहा।
"आप मुझे नोट दे दीजिए, कृपया।"
मुझे उस अनुरोध का पूर्वाभास था, और मैंने बिना कुछ कहे कागज का वह टुकड़ा उसे सौंप दिया। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हुई।
“आज आपको एक टेलीग्राम मिला है, है ना? अभी-अभी आया है? दक्षिण अमेरिका से, है ना?”
मुझे उनकी जासूसी प्रणाली की उत्कृष्टता का फिर से एहसास हुआ—या शायद यह एक चतुर अनुमान था। ब्रोंसन मुझे तार अवश्य भेजेगा। वे तार पहुँचने का इंतज़ार करेंगे और उस पर कड़ा प्रहार करेंगे।
जो बात स्पष्ट रूप से सत्य थी, उसे नकारने से कोई लाभ नहीं हो सकता था। “हां,” मैंने कहा। “मुझे एक टेलीग्राम मिला था।”
“तुम उसे ले आओ, ठीक है? उसे अभी ले आओ।”
मैंने दांत पीसे, पर मैं क्या कर सकती थी? मैं फिर से ऊपर की ओर भागी। ऐसा करते हुए, मैंने श्रीमती पियर्सन को सिंड्रेला के गायब होने के बारे में बताने का सोचा। वह सीढ़ियों पर खड़ी थीं, लेकिन उनके ठीक पीछे छोटी नौकरानी थी, और मैं हिचकिचा गई। अगर वह जासूस निकली तो—नोट के शब्द मेरी

आंखों के सामने नाचने लगे: “…उसे भुगतना पड़ेगा…” मैं बिना कुछ बोले बैठक कक्ष में चली गई।
मैंने टेलीग्राम उठाया और बेहोश होने ही वाला था कि तभी मेरे दिमाग में एक विचार आया। क्या मैं कोई ऐसा संकेत नहीं छोड़ सकता जो मेरे दुश्मनों के लिए कुछ भी मायने न रखे, लेकिन पोइरोट को खुद महत्वपूर्ण लगे? मैं जल्दी से किताबों की अलमारी के पास गया और चार किताबें ज़मीन पर बिखेर दीं। मुझे पोइरोट के न देखने का कोई डर नहीं था। वे तुरंत उनकी आँखों को चौंका देंगी — और उनके छोटे से भाषण के बाद, निश्चित रूप से उन्हें ये असामान्य लगेंगी। फिर मैंने एक फावड़ा भर कोयला आग में डाला और किसी तरह चार नॉब अंगीठी में गिरा दिए। मैंने अपनी पूरी कोशिश कर ली थी—भगवान करे पोइरोट इस संकेत को सही ढंग से समझ लें।
मैं जल्दी से नीचे उतरा। उस चीनी व्यक्ति ने मुझसे टेलीग्राम लिया, उसे पढ़ा, फिर अपनी जेब में रख लिया और सिर हिलाकर मुझे अपने पीछे आने का इशारा किया।
वह मुझे एक लंबी और थका देने वाली यात्रा पर ले गया। एक बार हम बस से गए और एक बार काफी दूर तक ट्राम में सफर किया, और हमारा रास्ता हमेशा हमें सीधे पूर्व की ओर ले जाता रहा। हम ऐसे अनजान इलाकों से गुज़रे, जिनके अस्तित्व के बारे में मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। अब हम बंदरगाह के पास थे, मुझे पता था, और मुझे एहसास हुआ कि मुझे चाइनाटाउन के केंद्र में ले जाया जा रहा है।
मैं अपनी इच्छा के विरुद्ध भी कांप उठा। फिर भी मेरा मार्गदर्शक संकरी गलियों और संकरे रास्तों से होते हुए आगे बढ़ता रहा, और अंत में एक जर्जर मकान के पास रुककर उसने दरवाजे पर चार बार दस्तक दी।
एक दूसरे चीनी व्यक्ति ने तुरंत दरवाजा खोल दिया, जो हमें अंदर जाने देने के लिए एक तरफ हट गया था। मेरे पीछे दरवाजे के बंद होने की तेज आवाज मेरी आखिरी उम्मीदों के अंत की घंटी थी। मैं सचमुच दुश्मन के हाथों में था। अब मुझे दूसरे चीनी व्यक्ति के हवाले कर दिया गया। वह मुझे कुछ जर्जर सीढ़ियों से नीचे ले गया और एक तहखाने में पहुँचाया जो गठ्ठों और पीपों से भरा हुआ था और जिसमें से पूर्वी मसालों जैसी तीखी गंध आ रही थी। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं चारों ओर से पूरब के उस वातावरण से घिरा हुआ हूँ, जो पेचीदा, धूर्त और भयावह था।

अचानक मेरे मार्गदर्शक ने दो पीपों को एक तरफ सरका दिया, और मैंने दीवार में एक नीची सुरंग जैसी खुली जगह देखी। उसने मुझे आगे बढ़ने का इशारा किया। सुरंग काफी लंबी थी, और मेरे लिए सीधे खड़े होने के लिए बहुत नीची थी। लेकिन अंत में, वह एक मार्ग में बदल गई, और कुछ मिनटों बाद हम एक और तहखाने में पहुँच गए।
मेरा चीनी साथी आगे बढ़ा और उसने एक दीवार पर चार बार खटखटाया। दीवार का एक पूरा हिस्सा खुल गया, जिससे एक संकरा दरवाज़ा बन गया। मैं अंदर गया और मुझे बेहद आश्चर्य हुआ कि मैं किसी 'अरेबियन नाइट्स' के महल में पहुँच गया था। एक नीचा, लंबा, भूमिगत कमरा कीमती पूर्वी रेशम से सजा हुआ था, जो शानदार रोशनी से जगमगा रहा था और इत्र व मसालों की खुशबू से महक रहा था। वहाँ पाँच-छह रेशम से ढके दीवान थे और ज़मीन पर चीनी कारीगरी के बेहतरीन कालीन बिछे हुए थे। कमरे के अंत में एक परदे से ढका हुआ कोना था। इन पर्दों के पीछे से एक आवाज़ आई।
“क्या आप हमारे सम्मानित अतिथि को लाए हैं?”
“महामहिम, वह यहाँ हैं,” मेरे गाइड ने उत्तर दिया।
जवाब मिला, "हमारे मेहमान को अंदर आने दीजिए।"
उसी क्षण, किसी अदृश्य हाथ ने पर्दे हटा दिए, और मैं एक विशाल गद्देदार दीवान के सामने था जिस पर एक लंबा, पतला प्राच्य व्यक्ति बैठा था, जिसने अद्भुत कढ़ाई वाले वस्त्र पहन रखे थे, और स्पष्ट रूप से, उसके नाखूनों की लंबाई से, वह एक महान व्यक्ति था।
“कैप्टन हेस्टिंग्स, कृपया बैठ जाइए,” उन्होंने हाथ हिलाते हुए कहा। “मुझे खुशी है कि आपने तुरंत आने के मेरे अनुरोध को मान लिया।”
मैंने पूछा, "तुम कौन हो? ली चांग येन?"
"बिल्कुल नहीं, मैं तो स्वामी का सबसे विनम्र सेवक हूँ। मैं उनके आदेशों का पालन करता हूँ, बस इतना ही—जैसा कि अन्य देशों में उनके अन्य सेवक भी करते हैं—उदाहरण के लिए दक्षिण अमेरिका में।"
मैंने एक कदम आगे बढ़ाया।
“वह कहाँ है? तुमने उसे वहाँ क्या किया है?”
“वह एक सुरक्षित स्थान पर है—जहाँ उसे कोई नहीं ढूँढ पाएगा। अभी तक वह सुरक्षित है। आपने ध्यान दिया होगा कि मैं कह रहा हूँ—अभी तक!”

इस मुस्कुराते हुए शैतान का सामना करते ही मेरी रीढ़ की हड्डी में ठंडी सिहरन दौड़ गई।
मैंने चिल्लाकर पूछा, “तुम्हें क्या चाहिए? पैसे?”
“मेरे प्रिय कैप्टन हेस्टिंग्स। हम आपकी छोटी-मोटी बचत पर कोई नज़र नहीं रखते, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूँ। क्षमा करें—यह आपका कोई बहुत समझदारी भरा सुझाव नहीं था। मुझे लगता है कि आपके सहकर्मी ने ऐसा सुझाव नहीं दिया होता।”
मैंने भारी स्वर में कहा, “मुझे लगता है कि तुम मुझे अपने जाल में फंसाना चाहते थे। खैर, तुम सफल हो गए। मैं यहाँ सब कुछ जानते हुए आई हूँ। मेरे साथ जो चाहो करो, और उसे जाने दो। उसे कुछ नहीं पता, और वह तुम्हारे किसी काम की नहीं है। तुमने उसका इस्तेमाल मुझे अपने वश में करने के लिए किया है— तुमने मुझे पा लिया है, और बात यहीं खत्म होती है।”
मुस्कुराते हुए उस पूर्वी व्यक्ति ने अपने चिकने गाल को सहलाया और अपनी संकीर्ण आँखों से मुझे तिरछी नजरों से देखा।
“आप बहुत जल्दी बोल रहे हैं,” उसने मधुर स्वर में कहा। “इससे बात पूरी तरह से सुलझ नहीं जाती। दरअसल, जैसा कि आप कह रहे हैं, ‘आपसे संपर्क करना’ हमारा उद्देश्य नहीं है। लेकिन आपके माध्यम से, हम आपके मित्र, श्री हरक्यूल पोइरोट से संपर्क करने की आशा करते हैं।”
मैंने हल्की हंसी के साथ कहा, "मुझे डर है कि आप ऐसा नहीं करेंगे।"
“मेरा सुझाव यह है,” दूसरे ने बोलना जारी रखा, मानो उसने मेरी बात सुनी ही न हो। “आप श्री हरक्यूल पोइरोट को एक पत्र लिखिए, ऐसा पत्र जिससे वे वहाँ जल्दी पहुँचें और आपसे मिलें।”
मैंने गुस्से से कहा, "मैं ऐसा कुछ नहीं करूंगा।"
"अस्वीकार करने के परिणाम अप्रिय होंगे।"
"अपने अंजाम की परवाह मत करो।"
"विकल्प मृत्यु भी हो सकता है!"
मेरी रीढ़ की हड्डी में एक अजीब सी सिहरन दौड़ गई, लेकिन मैंने हिम्मत दिखाने की कोशिश की।
मुझे धमकाने और डराने-धमकाने से कोई फायदा नहीं है। अपनी धमकियाँ चीनी कायरों के लिए ही रखें।

“कैप्टन हेस्टिंग्स, मेरी धमकियाँ बिल्कुल वास्तविक हैं। मैं आपसे फिर पूछता हूँ, क्या आप यह पत्र लिखेंगे?”
“मैं ऐसा नहीं करूंगा, और उससे भी बड़ी बात, तुम मुझे मारने की हिम्मत मत करना। पुलिस पल भर में तुम्हारे पीछे पड़ जाएगी।”
मेरे वार्ताकार ने तेज़ी से ताली बजाई। दो चीनी सेवक अचानक प्रकट हुए और उन्होंने मुझे दोनों हाथों से जकड़ लिया। उनके स्वामी ने उनसे चीनी भाषा में कुछ कहा और वे मुझे घसीटते हुए बड़े कमरे के एक कोने में ले गए। उनमें से एक झुका और अचानक, बिना किसी चेतावनी के, मेरे पैरों तले ज़मीन धंस गई। अगर दूसरे व्यक्ति ने हाथ न रोका होता तो मैं नीचे की गहरी खाई में न गिर जाता। वह खाई घोर अंधेरी थी और मुझे पानी के बहने की आवाज़ सुनाई दे रही थी।
“नदी,” मेरे प्रश्नकर्ता ने सोफे पर बैठे हुए कहा। “कैप्टन हेस्टिंग्स, अच्छी तरह सोचो। अगर तुमने फिर से इनकार किया, तो तुम सीधे अनंत काल में चले जाओगे, नीचे अंधेरे पानी में अपनी मौत को गले लगाने के लिए। आखिरी बार, क्या तुम वह पत्र लिखोगे?”
मैं अधिकांश पुरुषों से अधिक बहादुर नहीं हूँ। मैं खुलकर स्वीकार करता हूँ कि मैं बुरी तरह डरा हुआ था और बेहद परेशान था। मुझे पूरा यकीन था कि वह चीनी शैतान वाकई खतरनाक था। अब तो मेरी पुरानी दुनिया को अलविदा कहने का समय आ गया था। अनजाने में ही, जवाब देते समय मेरी आवाज़ थोड़ी लड़खड़ा गई।
"आखिरी बार फिर कह रही हूँ, नहीं! तुम्हारी चिट्ठी भाड़ में जाए!"
फिर अनायास ही मैंने अपनी आंखें बंद कर लीं और एक छोटी सी प्रार्थना की।

तेरह

चूहा अंदर आता है

जीवन में ऐसा अक्सर नहीं होता कि कोई व्यक्ति मृत्यु के कगार पर खड़ा हो, लेकिन जब मैंने ईस्ट एंड के उस तहखाने में वे शब्द कहे, तो मुझे पूर्ण विश्वास था कि वे धरती पर मेरे अंतिम शब्द थे। मैंने नीचे बहते काले, तीव्र जल के झटके के लिए खुद को तैयार किया और उस दम घोंट देने वाले पतन के भयावह अनुभव को पहले ही महसूस कर लिया।
लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ जब एक धीमी हंसी मेरे कानों में पड़ी। मैंने अपनी आँखें खोलीं। दीवान पर बैठे व्यक्ति के इशारे पर, मेरे दोनों जेलर मुझे वापस मेरी पुरानी सीट पर ले आए, जो उनके सामने थी।
“कैप्टन हेस्टिंग्स, आप एक बहादुर आदमी हैं,” उन्होंने कहा। “हम पूर्वी लोग बहादुरी की कद्र करते हैं। मैं यह कहना चाहूँगा कि मुझे आपसे यही उम्मीद थी। अब हम आपके इस छोटे से नाटक के दूसरे चरण पर आते हैं। आपने स्वयं अपनी जान की बाजी लगाई है—क्या आप किसी और के लिए भी मौत का सामना करेंगे?”
“तुम्हारा क्या मतलब है?” मैंने कर्कश आवाज में पूछा, एक भयानक भय मुझ पर हावी हो रहा था।
"निश्चित रूप से आप उस महिला को नहीं भूले होंगे जो हमारे वश में है - बगीचे की गुलाब।"
मैं व्यथित होकर उसे देखता रहा।
“कैप्टन हेस्टिंग्स, मुझे लगता है कि आप ही वह पत्र लिखेंगे। देखिए, मेरे पास एक पत्र लिखने का प्रपत्र है। उस पर मैं जो संदेश लिखूंगा, वह आप पर निर्भर करता है, और यह आपकी पत्नी के लिए जीवन या मृत्यु का मामला है।” मेरे माथे पर पसीना आ गया। मेरा उत्पीड़क मुस्कुराते हुए और पूर्ण संयम के साथ बोलता रहा:
“लीजिए कप्तान, कलम आपके हाथ में तैयार है। आपको बस लिखना है। अगर नहीं तो

— ”

“अगर नहीं तो?” मैंने भी यही सवाल दोहराया।

“अगर ऐसा नहीं हुआ, तो जिस महिला से तुम प्यार करते हो, वह मर जाएगी—और धीरे-धीरे मरेगी। मेरे मालिक, ली चांग येन, अपने खाली समय में यातना के नए और अनोखे तरीके ईजाद करके अपना मनोरंजन करते हैं—”
“हे भगवान!” मैं चिल्लाई। “तुम दुष्ट हो! ऐसा नहीं—तुम ऐसा नहीं करोगे—” "क्या मैं आपको उसकी कुछ युक्तियों के बारे में बताऊं?"
मेरी विरोध की चीख को अनसुना करते हुए, उनका भाषण सहजता से, शांतिपूर्वक चलता रहा—जब तक कि मैं भय से चीखते हुए अपने कानों पर हाथ नहीं रख लिया। “बस इतना ही काफी है, मैं देख रहा हूँ। कलम उठाओ और लिखो।”
"आप साहस नहीं करें-"
“तुम्हारा भाषण मूर्खतापूर्ण है, और तुम यह जानते हो। कलम उठाओ और लिखो।” "अगर मैं ऐसा करूं तो?"
“आपकी पत्नी को रिहा कर दिया गया है। संदेश तुरंत भेजा जाएगा।”
मुझे कैसे पता चलेगा कि आप मुझ पर भरोसा बनाए रखेंगे?
मैं अपने पूर्वजों की पवित्र समाधियों की कसम खाकर कहता हूँ। और आप खुद ही फैसला कीजिए— मैं उसे नुकसान क्यों पहुँचाना चाहूँगा? उसकी कैद का उद्देश्य पूरा हो चुका है।
“और—और पोइरोट?”
“हम अपनी कार्रवाई पूरी होने तक उसे सुरक्षित हिरासत में रखेंगे। उसके बाद हम उसे छोड़ देंगे।”
"क्या तुम अपने पूर्वजों की कब्रों पर भी यही शपथ लोगे?"
मैंने तुम्हारे प्रति एक शपथ ली है। यही पर्याप्त होना चाहिए।
मेरा दिल बैठ गया। मैं अपने दोस्त को धोखा दे रही थी—किसलिए? एक पल के लिए मैं झिझकी—फिर भयानक विकल्प एक बुरे सपने की तरह मेरी आँखों के सामने आ गया। सिंड्रेला—इन चीनी शैतानों के हाथों में, धीमी यातना से मर रही थी— मेरे होंठों से एक आह निकली। मैंने कलम उठाई। शायद पत्र के सावधानीपूर्वक शब्दों से मैं चेतावनी दे सकूँ, और पोइरोट जाल से बच सके। यही एकमात्र उम्मीद थी।
लेकिन वह उम्मीद भी ज्यादा देर तक नहीं टिकी। चीनी व्यक्ति की आवाज ऊंची हो गई, जो मधुर और विनम्र थी।
मुझे आपको बोलकर लिखवाने की अनुमति दें।

वह रुका, अपने पास पड़े नोट्स के एक बंडल को देखा, और फिर उसने निम्नलिखित बातें लिखवाईं:
प्रिय पोइरोट, मुझे लगता है कि मैं चौथे नंबर के व्यक्ति के बारे में सही जानकारी जुटा पा रहा हूँ। एक चीनी व्यक्ति आया था।
दोपहर में एक व्यक्ति ने मुझे झूठे संदेश से बहला-फुसलाकर यहाँ बुला लिया। सौभाग्य से मैं उसकी चाल समझ गया।
मैंने समय रहते उसका छोटा सा खेल देख लिया और उसे चकमा दे दिया। फिर मैंने पासा पलट दिया।
और मैंने अपने दम पर थोड़ी बहुत निगरानी करने में कामयाबी हासिल की—वह भी काफी सफाई से।
मैं अपनी ही तारीफ कर रहा हूँ। मैं एक होशियार नौजवान को इसे आप तक पहुँचाने के लिए कह रहा हूँ। उसे आधा हिस्सा दे दो।
एक ताज, क्या आप देंगे? मैंने उनसे वादा किया था कि अगर यह सुरक्षित रूप से पहुँच गया तो मैं उन्हें ताज दूंगा।
मैं घर की निगरानी कर रहा हूँ, और बाहर जाने की हिम्मत नहीं कर रहा। मैं छह बजे तक तुम्हारा इंतजार करूँगा, और
अगर तुम तब तक नहीं आए, तो मैं खुद ही घर में घुसने की कोशिश करूँगा।
यह एक ऐसा मौका है जिसे गंवाना नहीं चाहिए, और हां, हो सकता है कि लड़का आपको ढूंढ ही न पाए। लेकिन अगर वह
अगर हाँ, तो उसे कहो कि वह तुम्हें तुरंत यहाँ ले आए। और उन कीमती चीज़ों को ढक लो।
अपनी मूंछें दिखाओ, कहीं कोई घर से देख न रहा हो और शायद
तुम्हें पहचाना गया।
जल्दबाज़ी में आपका,
ए.एच.
मेरे लिखे हर शब्द ने मुझे और भी गहरे निराशा में डुबो दिया। यह मामला बेहद शातिर था। मुझे एहसास हुआ कि हमारे जीवन की हर छोटी से छोटी बात कितनी बारीकी से जानी जाती होगी। यह ठीक वैसा ही पत्र था जैसा मैं खुद लिख सकती थी। उस दोपहर आए चीनी व्यक्ति ने मुझे "बहकाने" की कोशिश की थी, इस बात को स्वीकार करने से मेरे द्वारा छोड़ी गई चार किताबों का कोई भी भला नहीं हो सकता था। यह एक जाल था, और मैं इसे समझ गई थी, पोइरोट यही सोचेगा। समय भी

बड़ी चालाकी से चुना गया था। पोइरोट को पत्र मिलते ही अपने भोले-भाले दिखने वाले गाइड के साथ भागने का समय मिल जाता, और मुझे पता था कि वह ऐसा ही करेगा। घर में घुसने के मेरे दृढ़ संकल्प से वह तुरंत वहाँ पहुँच जाता। वह हमेशा मेरी क्षमताओं पर बेतुका अविश्वास दिखाता था। उसे यकीन हो जाता कि मैं बिना तैयारी के ही खतरे में पड़ रही हूँ, और वह स्थिति को संभालने के लिए तुरंत नीचे आ जाता।
लेकिन कुछ किया नहीं जा सकता था। मैंने आदेशानुसार लिखा। मेरे बंदी बनाने वाले ने मुझसे वह नोट लिया, उसे पढ़ा, फिर सहमति में सिर हिलाया और उसे चुपचाप खड़े सेवकों में से एक को सौंप दिया, जो दीवार पर लगे रेशमी पर्दे के पीछे गायब हो गया, जिसके पीछे एक दरवाजा छिपा हुआ था।
मेरे सामने बैठे व्यक्ति ने मुस्कुराते हुए एक केबल फॉर्म उठाया और उस पर कुछ लिखा। फिर उसने वह फॉर्म मुझे दे दिया।
उसमें लिखा था: "सफेद पक्षी को जितनी जल्दी हो सके छोड़ दो।"
मैंने राहत की सांस ली।
“क्या आप इसे तुरंत भेजेंगे?” मैंने आग्रह किया।
वह मुस्कुराया और उसने अपना सिर हिलाया।
“जब मिस्टर हरक्यूल पोइरोट मेरे हाथ में आ जाएंगे, तभी इसे भेजा जाएगा। उससे पहले नहीं।”
लेकिन आपने वादा किया था—
"अगर यह उपकरण विफल हो जाता है, तो मुझे आपको आगे के प्रयासों के लिए राजी करने के लिए हमारे सफेद पक्षी की आवश्यकता पड़ सकती है।"
मैं गुस्से से सफेद पड़ गया।
“हे भगवान! अगर तुम—”
उसने अपना लंबा, पतला पीला हाथ लहराया।
“आप निश्चिंत रहें, मुझे नहीं लगता कि यह असफल होगा। और जिस क्षण एम. पोइरोट हमारे हाथों में आ जाएगा, मैं अपनी शपथ निभाऊंगा।”
“अगर तुम मेरे साथ धोखा करोगे तो—”
मैंने अपने आदरणीय पूर्वजों की शपथ ली है। चिंता मत करो। कुछ देर यहीं आराम करो। मेरी अनुपस्थिति में मेरे सेवक तुम्हारी जरूरतों का ख्याल रखेंगे।

मैं विलासिता के इस विचित्र भूमिगत ठिकाने में अकेला रह गया था। दूसरा चीनी सेवक फिर से प्रकट हो गया था। उनमें से एक मेरे लिए खाना-पीना लेकर आया और मुझे देने की पेशकश की, लेकिन मैंने उन्हें मना कर दिया। मैं बहुत दुखी था—दिल से बहुत दुखी।
फिर अचानक मालिक फिर प्रकट हुए, रेशमी वस्त्रों में लंबे और गरिमामय। उन्होंने सारी कार्रवाई का निर्देशन किया। उनके आदेश पर मुझे तहखाने और सुरंग से होते हुए वापस उसी घर में ले जाया गया जहाँ से मैं आया था। वहाँ वे मुझे भूतल के एक कमरे में ले गए। खिड़कियाँ बंद थीं, लेकिन दरारों से सड़क दिखाई दे रही थी। सड़क के दूसरी ओर एक बूढ़ा फटेहाल आदमी धीरे-धीरे चल रहा था, और जब मैंने उसे खिड़की की ओर इशारा करते देखा, तो मैं समझ गया कि वह पहरा दे रहे गिरोह का एक सदस्य था।
“सब ठीक है,” मेरे चीनी मित्र ने कहा। “हर्क्यूल पोइरोट जाल में फंस गया है। वह अब आ रहा है—और उसके साथ केवल वह लड़का है जो उसे रास्ता दिखा रहा है। अब, कैप्टन हेस्टिंग्स, आपको अभी एक और भूमिका निभानी है। जब तक आप खुद को नहीं दिखाएंगे, वह घर में प्रवेश नहीं करेगा। जब वह सामने पहुंचे, तो आपको सीढ़ी पर जाकर उसे अंदर आने का इशारा करना होगा।”
“क्या?” मैंने घृणा से चिल्लाकर कहा।
“वह भूमिका तुम अकेले निभाओ। असफलता की कीमत याद रखना। अगर हरक्यूल पोइरोट को कुछ गड़बड़ का शक हुआ और वह घर में दाखिल नहीं हुआ, तो तुम्हारी पत्नी सत्तर दर्दनाक मौतों से मर जाएगी! आह! वह आ गया।”
धड़कते दिल और जानलेवा बीमारी के एहसास के साथ, मैंने खिड़की के शटर की दरार से झाँका। सड़क के दूसरी ओर चलते हुए व्यक्ति को देखकर मैंने तुरंत अपने दोस्त को पहचान लिया, हालाँकि उसके कोट का कॉलर ऊपर चढ़ा हुआ था और एक विशाल पीले मफलर ने उसके चेहरे का निचला हिस्सा छिपा रखा था। लेकिन उसकी चाल और उसके अंडाकार सिर के हावभाव को पहचानने में कोई गलती नहीं हो सकती थी।
पोइरोट पूरी ईमानदारी से मेरी मदद करने आया था, उसे कुछ भी गड़बड़ होने का शक नहीं था। उसके साथ एक आम लंदन का लड़का दौड़ रहा था, जिसका चेहरा मैला और कपड़े फटे हुए थे।

पोइरोट रुका और घर की ओर देखने लगा, तभी लड़का उत्सुकता से उससे बातें करने लगा और इशारा करने लगा। अब मेरे कार्य करने का समय था। मैं हॉल में गया। उस लंबे चीनी व्यक्ति के इशारे पर, एक नौकर ने दरवाज़े की कुंडी खोल दी। "असफलता की कीमत को याद रखना," मेरे दुश्मन ने धीमी आवाज में कहा।
मैं बाहर सीढ़ियों पर खड़ा था। मैंने पोइरोट को इशारा किया। वह जल्दी से मेरे पास आ गया।
“अहा! तो सब ठीक है, मेरे दोस्त। मैं तो चिंतित होने लगा था। तुम अंदर घुसने में कामयाब हो गए? तो घर खाली है?”
“हाँ,” मैंने धीमी आवाज़ में कहा, जिसे मैंने स्वाभाविक बनाने की कोशिश की। “इससे बाहर निकलने का कोई गुप्त रास्ता ज़रूर होगा। अंदर आइए, हम उसे ढूंढते हैं।”
मैं दहलीज पार करके पीछे हट गया। पोइरोट ने पूरी मासूमियत से मेरा पीछा करने की तैयारी की।
और फिर अचानक मेरे दिमाग में कुछ समझ में आया। मुझे वह भूमिका बहुत स्पष्ट रूप से दिखाई दी जो मैं निभा रहा था—यहूदा की भूमिका।
“पीछे हटो, पोइरोट!” मैंने चिल्लाकर कहा। “अपनी जान बचाकर पीछे हटो। यह एक जाल है। मेरी परवाह मत करो। तुरंत भाग जाओ।”
जैसे ही मैंने बोलना शुरू किया—या यूँ कहें कि अपनी चेतावनी चिल्लाकर दी — तभी हाथों ने मुझे शिकंजे में जकड़ लिया। चीनी नौकरों में से एक मेरे पास से झपट्टा मारकर पोइरोट को पकड़ने के लिए आगे बढ़ा।
मैंने देखा कि वह पीछे हट गया, उसका हाथ ऊपर उठा हुआ था, फिर अचानक मेरे चारों ओर धुएं का एक घना गुबार उठने लगा, जो मुझे दम घोंट रहा था—मुझे मार रहा था—
मुझे लगा जैसे मैं गिर रहा हूँ—मेरा दम घुट रहा है—यही तो मौत थी—

मुझे धीरे-धीरे और दर्दनाक ढंग से होश आया—मेरी सारी इंद्रियाँ सुन्न पड़ गई थीं। सबसे पहले मैंने पोइरोट का चेहरा देखा। वह मेरे सामने बैठे थे और चिंतित चेहरे से मुझे देख रहे थे। जब उन्होंने मुझे अपनी ओर देखते हुए देखा तो खुशी से चिल्ला उठे।
“अरे वाह, तुम फिर से जीवित हो उठे—तुम अपनी पुरानी स्थिति में लौट आए। सब ठीक है! मेरे दोस्त—मेरे बेचारे दोस्त!”

मैंने दर्द भरी आवाज में कहा, "मैं कहाँ हूँ?"
“कहाँ? यहीं तुम्हारे घर पर!”
मैंने चारों ओर देखा। सचमुच, मैं अपने पुराने परिचित परिवेश में ही था। और अंगीठी में कोयले के वही चार टुकड़े पड़े थे जिन्हें मैंने बड़ी सावधानी से वहाँ बिखेरा था।
पोइरोट ने मेरी नज़र का पीछा किया था।
“लेकिन हाँ, वह आपका एक प्रसिद्ध विचार था—वह और आपकी किताबें। देखिए, अगर कभी कोई मुझसे कहे, ‘आपका वह दोस्त, वह हेस्टिंग्स, क्या वह वाकई में बहुत बुद्धिमान नहीं है?’ तो मैं उनसे कहूँगा: ‘आप गलत हैं।’ वह विचार आपके मन में आया एक शानदार और अद्भुत विचार था।”
"तो फिर आपको उनका मतलब समझ आ गया?"
क्या मैं मूर्ख हूँ? बिल्कुल समझ गया था। इसने मुझे ज़रूरी चेतावनी दी और अपनी योजनाओं को और मज़बूत करने का समय दिया। किसी न किसी तरह बिग फोर तुम्हें अगवा कर ले गए थे। किस मकसद से? ज़ाहिर है, तुम्हारी खूबसूरती के लिए तो नहीं—और न ही इसलिए कि वे तुमसे डरते थे और तुम्हें रास्ते से हटाना चाहते थे। नहीं, उनका मकसद साफ़ था। तुम्हें मोहरे के तौर पर इस्तेमाल करके महान हरक्यूल पोइरोट को अपने चंगुल में फंसाना था। मैं इस तरह की किसी बात के लिए लंबे समय से तैयार था। मैंने अपनी छोटी-मोटी तैयारियाँ कीं और तभी, जैसा कि उम्मीद थी, संदेशवाहक आ गया—एक भोला-भाला गली का बच्चा। मैंने सब कुछ निगल लिया और उसके साथ जल्दी से निकल गया, और बड़ी किस्मत से, उन्होंने तुम्हें दरवाज़े पर आने दिया। मेरा बस यही डर था कि मुझे तुम्हें छिपाने की जगह पहुँचने से पहले ही उन्हें निपटाना पड़ेगा और बाद में तुम्हें ढूंढना पड़ेगा—शायद बेकार ही।”
“क्या आप कह रहे हैं कि उन्हें ठिकाने लगाना है?” मैंने कमजोर आवाज में पूछा। “अकेले ही।”
“अरे, इसमें कोई खास चतुराई वाली बात नहीं है। अगर पहले से तैयारी कर ली जाए तो सब आसान हो जाता है—बॉय स्काउट का आदर्श वाक्य यही तो है, है ना? और बहुत बढ़िया भी। मैं तो तैयार था। कुछ समय पहले ही मैंने एक बहुत मशहूर रसायनज्ञ की सेवा की थी, जिन्होंने युद्ध के दौरान जहरीली गैसों पर काफी काम किया था। उन्होंने मेरे लिए एक छोटा सा बम बनाया था—सरल और ले जाने में आसान—बस उसे फेंकना है और धुआं उठता है—और फिर बेहोशी। जैसे ही मैं

सीटी बजाता, जैप के कुछ चतुर साथी, जो लड़के के आने से बहुत पहले से ही घर पर नज़र रख रहे थे और जो हमारा पीछा करते हुए लाइमहाउस तक आ गए थे, तुरंत दौड़कर आते और स्थिति को संभाल लेते।”
लेकिन आप भी बेहोश क्यों नहीं हुए?
"एक और सौभाग्य की बात। हमारे मित्र नंबर चार (जिन्होंने निश्चित रूप से वह चतुराई भरा पत्र लिखा था) ने मेरी मूंछों पर थोड़ा मजाक किया, जिससे मेरे लिए पीले मफलर की आड़ में अपने रेस्पिरेटर को समायोजित करना बेहद आसान हो गया।"
“मुझे याद है,” मैंने उत्सुकता से कहा, और फिर “याद है” शब्द के साथ ही वह भयानक घटना जो मैं कुछ समय के लिए भूल गई थी, मेरे सामने फिर से आ गई। सिंड्रेला—
मैं कराहते हुए पीछे गिर पड़ा।
मुझे लगता है कि मैं एक-दो मिनट के लिए फिर से बेहोश हो गया था। जब मेरी नींद खुली तो मैंने देखा कि पोइरोट जबरदस्ती मेरे होठों के बीच ब्रांडी डाल रहा था।
“क्या बात है, मेरे दोस्त? लेकिन आखिर बात क्या है? मुझे बताओ।” एक-एक शब्द करके मुझे वो बात बताई गई, और मैं कांप रहा था। पोइरोट चीख पड़ा।
“मेरे दोस्त! मेरे दोस्त! तुमने कितना कष्ट सहा होगा! और मुझे तो इस सब के बारे में कुछ पता ही नहीं था! लेकिन खुद को दिलासा दो! सब ठीक है!”
“तुम उसे ढूंढ लोगे, तुम्हारा मतलब है? लेकिन वह दक्षिण अमेरिका में है। और जब तक हम वहां पहुंचेंगे—बहुत पहले ही—वह मर चुकी होगी—और भगवान ही जाने कैसे और किस भयानक तरीके से उसकी मौत हुई होगी।”
“नहीं, नहीं, आप नहीं समझते। वह सुरक्षित और स्वस्थ है। वह एक पल के लिए भी उनके हाथों में नहीं रही है।”
"लेकिन मुझे ब्रोंसन से एक केबल मिली?"
“नहीं, नहीं, ऐसा नहीं है। आपको दक्षिण अमेरिका से ब्रोंसन के हस्ताक्षर वाला कोई तार मिला होगा— लेकिन यह बिल्कुल अलग बात है। मुझे बताइए, क्या आपके मन में कभी यह ख्याल नहीं आया कि इस तरह का संगठन, जिसकी शाखाएँ पूरी दुनिया में फैली हुई हैं, उस नन्ही सी लड़की सिंड्रेला के ज़रिए हम पर आसानी से हमला कर सकता है, जिसे आप इतना प्यार करते हैं?”
“नहीं, कभी नहीं,” मैंने जवाब दिया।

“खैर, मुझे तो ऐसा ही लगा। मैंने आपसे कुछ नहीं कहा क्योंकि मैं आपको बेवजह परेशान नहीं करना चाहता था—लेकिन मैंने अपने स्तर पर उपाय किए। आपकी पत्नी के सभी पत्र खेत से लिखे हुए प्रतीत होते हैं, लेकिन वास्तव में वह तीन महीने से अधिक समय से मेरे द्वारा तैयार किए गए एक सुरक्षित स्थान पर हैं।”
मैंने उसे काफी देर तक देखा।
“क्या आपको इस बात का पूरा यकीन है?”
“पार्बलू! मुझे पता है। उन्होंने तुम्हें झूठ बोलकर प्रताड़ित किया!” मैंने अपना सिर एक तरफ घुमा लिया। पोइरोट ने अपना हाथ मेरे कंधे पर रखा। उनकी आवाज़ में कुछ ऐसा था जो मैंने पहले कभी नहीं सुना था।
“मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि आपको मेरा गले लगाना या अपनी भावनाओं को ज़ाहिर करना पसंद नहीं आएगा। मैं बिल्कुल ब्रिटिश अंदाज़ में रहूँगा। मैं कुछ नहीं कहूँगा—बिल्कुल कुछ नहीं। बस इतना ही—कि हमारे इस आखिरी सफर में सारी इज़्ज़त आपकी है, और वह इंसान कितना खुशनसीब है जिसे मेरे जैसा दोस्त मिला है!”

चौदह

द पेरोक्साइड ब्लॉन्ड

चाइनाटाउन स्थित परिसर पर पोइरोट के बम हमले के परिणामों से मैं बहुत निराश था। सबसे पहले तो, गिरोह का सरगना भाग निकला था। पोइरोट की सीटी सुनकर जब जैप के आदमी वहाँ पहुँचे तो उन्होंने हॉल में चार चीनी लोगों को बेहोश पाया, लेकिन जिस आदमी ने मुझे जान से मारने की धमकी दी थी, वह उनमें नहीं था। मुझे बाद में याद आया कि जब मुझे पोइरोट को घर में फंसाने के लिए दरवाजे पर खड़ा किया गया था, तब वह आदमी अच्छी तरह से पीछे छिपा रहा था। संभवतः वह गैस बम के खतरे वाले क्षेत्र से बाहर था, और बाद में हमें मिले कई निकासों में से किसी एक से भाग निकला।
जो चार लोग हमारे कब्जे में रहे, उनसे हमें कुछ भी पता नहीं चला। पुलिस की गहन जांच में भी उन्हें बिग फोर से जोड़ने वाली कोई बात सामने नहीं आई। वे जिले के साधारण निम्न-वर्गीय निवासी थे और उन्होंने ली चांग येन नाम से पूरी तरह अनभिज्ञ होने का दावा किया। एक चीनी सज्जन ने उन्हें नदी किनारे स्थित घर में सेवा के लिए रखा था और वे उनके निजी मामलों से बिल्कुल अनजान थे।
अगले दिन तक, हल्के सिरदर्द के अलावा, मैं पोइरोट के गैस बम के असर से पूरी तरह उबर चुका था। हम साथ में चाइनाटाउन गए और उस घर की तलाशी ली जहाँ से मुझे बचाया गया था। वह इमारत दो जर्जर मकानों से बनी थी जो एक भूमिगत मार्ग से जुड़े हुए थे। दोनों मकानों के भूतल और ऊपरी मंजिलें खाली और वीरान थीं, टूटी खिड़कियों पर पुराने शटर लगे हुए थे। जैप पहले ही तहखानों में छानबीन कर चुका था और उसने उस भूमिगत कक्ष के प्रवेश द्वार का रहस्य खोज लिया था जहाँ मैंने वह अप्रिय आधा घंटा बिताया था। गहन जाँच से पिछली रात मेरे मन पर पड़े प्रभाव की पुष्टि हुई। दीवारों और दीवान पर लगे रेशमी कपड़े और फर्श पर बिछे कालीन बेहतरीन कारीगरी के थे। हालाँकि मुझे चीनी कला के बारे में बहुत कम जानकारी है, फिर भी मैं समझ सकता था कि कमरे की हर वस्तु अपने आप में उत्तम थी।

जैप और उसके कुछ आदमियों की मदद से हमने अपार्टमेंट की पूरी तरह से तलाशी ली। मुझे पूरी उम्मीद थी कि हमें कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज़ मिलेंगे। शायद बिग फोर के कुछ प्रमुख एजेंटों की सूची, या उनकी योजनाओं से संबंधित गुप्त संदेश, लेकिन हमें ऐसा कुछ नहीं मिला। पूरे परिसर में हमें केवल वही कागज़ मिले जो उस चीनी व्यक्ति ने पोइरोट को पत्र लिखवाते समय देखे थे। इनमें हम सभी के करियर का विस्तृत विवरण, हमारे चरित्र का आकलन और उन कमजोरियों के बारे में सुझाव थे जिनके माध्यम से हम पर हमला किया जा सकता था।
पोइरोट इस खोज से बेहद बचकाना ढंग से खुश हुआ। व्यक्तिगत रूप से मुझे इसमें कोई खास बात नज़र नहीं आई, खासकर इसलिए कि जिसने भी ये नोट्स संकलित किए थे, उसके कुछ विचार हास्यास्पद रूप से गलत थे। जब हम अपने कमरों में वापस आए तो मैंने अपने दोस्त को यह बात बताई।
मैंने कहा, "मेरे प्रिय पोइरोट, अब आप जानते हैं कि दुश्मन हमारे बारे में क्या सोचता है। ऐसा लगता है कि उसने आपकी बुद्धिमत्ता को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताया है, और मेरी बुद्धिमत्ता को बेतुके ढंग से कम आंका है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह जानने से हमें कोई फायदा होगा।"
पोइरोट ने कुछ आपत्तिजनक तरीके से ठहाका लगाया।
“हेस्टिंग्स, तुम नहीं समझते, है ना? लेकिन अब जब हमें अपनी कुछ कमियों के बारे में चेतावनी मिल गई है, तो हम निश्चित रूप से उनके हमले के कुछ तरीकों के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, मेरे दोस्त, हम जानते हैं कि तुम्हें कोई भी काम करने से पहले सोचना चाहिए। फिर, अगर तुम्हें कोई लाल बालों वाली मुसीबत में फंसी युवती मिले, तो तुम्हें उसे शक की नजर से देखना चाहिए—तुम क्या कह रहे हो—है ना?”
उनके नोट्स में मेरी कथित आवेगशीलता के बारे में कुछ बेतुके संदर्भ थे, और यह सुझाव दिया गया था कि मैं एक विशेष रंग के बालों वाली युवतियों के आकर्षण से प्रभावित हो जाता हूँ। मुझे पोइरोट का यह संदर्भ बेहद भद्दा लगा, लेकिन सौभाग्य से मैं उनका खंडन करने में सक्षम था।
“और तुम्हारा क्या?” मैंने पूछा। “क्या तुम अपनी ‘अत्यधिक घमंड’ और ‘सफाई के प्रति अत्यधिक सजगता’ को सुधारने की कोशिश करोगे?”
मैं उनके कथन को उद्धृत कर रहा था, और मैं देख सकता था कि मेरी प्रतिक्रिया से वह प्रसन्न नहीं थे।

“ओह, हेस्टिंग्स, इसमें कोई शक नहीं कि कुछ मामलों में वे खुद को धोखा देते हैं—यह कितना अच्छा है! वे समय आने पर सीख जाएंगे। इस बीच हमने कुछ सीख लिया है, और जानना ही तैयारी है।”
यह आखिरी बात हाल ही में उनकी पसंदीदा कहावत बन गई थी; इतनी ज्यादा कि मुझे इसे सुनना ही नापसंद होने लगा था।
“हमें कुछ पता है, हेस्टिंग्स,” उन्होंने आगे कहा। “हाँ, हमें कुछ पता है— और यह अच्छी बात है—लेकिन हमें पर्याप्त जानकारी नहीं है। हमें और अधिक जानना होगा।”
"किस तरह से?"
पोइरोट अपनी कुर्सी पर आराम से बैठ गए, मेज पर लापरवाही से फेंकी गई माचिस की डिब्बी को सीधा किया और एक ऐसा भाव धारण किया जिसे मैं अच्छी तरह जानता था। मैंने देखा कि वे काफी देर तक भाषण देने के लिए तैयार थे।
“देखो, हेस्टिंग्स, हमें चार विरोधियों, यानी चार अलग-अलग व्यक्तित्वों का सामना करना है। नंबर एक से हमारा कभी आमना-सामना नहीं हुआ—हम उसे, मानो, केवल उसके दिमाग की छाप से जानते हैं—और हेस्टिंग्स, मैं तुम्हें बता दूँ कि मैं उसके दिमाग को बहुत अच्छी तरह समझने लगा हूँ—एक बेहद सूक्ष्म और प्राच्य दिमाग—हमारे सामने आई हर योजना और साजिश ली चांग येन के दिमाग से निकली है। नंबर दो और नंबर तीन इतने शक्तिशाली, इतने ऊँचे पद पर हैं कि फिलहाल वे हमारे हमलों से अछूते हैं। फिर भी, जो उनकी सुरक्षा है, संयोगवश, वही हमारी भी सुरक्षा है। वे इतने सुर्खियों में हैं कि उनकी गतिविधियों को सावधानीपूर्वक निर्देशित करना होगा। और अब हम गिरोह के आखिरी सदस्य पर आते हैं—हम उस व्यक्ति पर आते हैं जिसे नंबर चार के नाम से जाना जाता है।” पोइरोट की आवाज में थोड़ा बदलाव आया, जैसा कि इस विशेष व्यक्ति के बारे में बात करते समय हमेशा होता था।
“नंबर दो और नंबर तीन अपनी प्रसिद्धि और सुरक्षित स्थिति के कारण सफल हो पाते हैं, बिना किसी नुकसान के आगे बढ़ पाते हैं। नंबर चार की सफलता का कारण बिल्कुल विपरीत है—वह गुमनामी के रास्ते सफल होता है। वह कौन है? कोई नहीं जानता। वह कैसा दिखता है? फिर से कोई नहीं जानता। हमने उसे कितनी बार देखा है, आपने और मैंने? पांच बार, है ना? और क्या हममें से कोई भी सच-सच कह सकता है कि हम उसे दोबारा पहचान लेंगे?”

मुझे अपना सिर हिलाने पर मजबूर होना पड़ा, क्योंकि मेरे दिमाग में उन पांच अलग-अलग लोगों की यादें ताज़ा हो गईं जो अविश्वसनीय रूप से एक ही व्यक्ति थे। हट्टा-कट्टा पागलखाने का रखवाला, पेरिस में बटन वाला ओवरकोट पहने आदमी, जेम्स, नौकर, येलो जैस्मिन मामले में शांत स्वभाव का युवा डॉक्टर और रूसी प्रोफेसर। इनमें से कोई भी दो व्यक्ति एक-दूसरे से बिल्कुल भी मिलते- जुलते नहीं थे।
मैंने हताशा से कहा, "नहीं। हमारे पास इस बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं है।"
पोइरोट मुस्कुराया।
“मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि आप इस तरह की उत्साहपूर्ण निराशा में न डूबें। हमें एक-दो बातें तो पता हैं।”
मैंने संदेह भरे लहजे में पूछा, "किस तरह की चीजें?"
“हम जानते हैं कि वह मध्यम कद और मध्यम या गोरे रंग का आदमी है। अगर वह लंबा और सांवला होता तो वह कभी भी गोरे, गठीले डॉक्टर के रूप में खुद को पेश नहीं कर पाता। जेम्स या प्रोफेसर की भूमिका के लिए एक-दो इंच लंबाई बढ़ाना तो बच्चों का खेल है। इसी तरह उसकी नाक छोटी और सीधी होनी चाहिए। कुशल मेकअप से नाक को बढ़ाया जा सकता है, लेकिन बड़ी नाक को पल भर में छोटा नहीं किया जा सकता। फिर, वह काफी जवान होना चाहिए, निश्चित रूप से पैंतीस साल से अधिक उम्र का नहीं। आप देख रहे हैं, हम सही दिशा में जा रहे हैं। तीस से पैंतीस साल की उम्र का आदमी, मध्यम कद और रंग का, मेकअप में माहिर, और जिसके अपने दांत बहुत कम या बिल्कुल न के बराबर हों।”
"क्या?"
“ज़रूर, हेस्टिंग्स। रखवाले के रूप में उसके दांत टूटे और बदरंग थे, पेरिस में वे एक जैसे और सफेद थे, डॉक्टर के रूप में वे थोड़े बाहर निकले हुए थे, और सवारानॉफ के रूप में उसके नुकीले दांत असामान्य रूप से लंबे थे। दांतों का अलग सेट चेहरे को पूरी तरह से बदल देता है। आप समझ रहे हैं कि यह सब हमें कहाँ ले जा रहा है?”
मैंने सावधानी से कहा, "बिल्कुल नहीं।"
“कहते हैं कि एक आदमी के चेहरे पर उसका पेशा साफ झलकता है।”
मैंने चिल्लाकर कहा, "वह एक अपराधी है।"
वह मेकअप करने की कला में माहिर है।

“यह एक ही बात है।”
"हेस्टिंग्स, यह तो कुछ ज़्यादा ही व्यापक बयान है, और रंगमंच की दुनिया इसे शायद ही पसंद करेगी। क्या आपको नहीं दिखता कि यह व्यक्ति किसी न किसी समय अभिनेता रहा है या है?"
"एक अभिनेता?"
“बिल्कुल। उन्हें अभिनय की सारी तकनीक अच्छी तरह आती है। अभिनेताओं की दो श्रेणियां होती हैं: एक वो जो अपने किरदार में पूरी तरह डूब जाते हैं, और दूसरे वो जो उसमें अपनी शख्सियत की छाप छोड़ देते हैं। अभिनेता-प्रबंधक आमतौर पर इसी दूसरी श्रेणी से आते हैं। वे एक किरदार को पकड़ते हैं और उसे अपने व्यक्तित्व के अनुरूप ढाल लेते हैं। पहली श्रेणी के अभिनेता अपना पूरा दिन अलग-अलग संगीत हॉलों में मिस्टर लॉयड जॉर्ज का किरदार निभाते हुए या रिपर्टरी नाटकों में दाढ़ी वाले बूढ़े लोगों की नकल करते हुए बिताते हैं। हमें अपने नंबर चार को इसी पहली श्रेणी में खोजना होगा। वो जिस तरह से हर किरदार में खुद को पूरी तरह ढाल लेते हैं, उसमें वो एक बेमिसाल कलाकार हैं।”
मुझे इसमें रुचि बढ़ने लगी थी।
"तो आपको लगता है कि आप रंगमंच से उसके संबंध के माध्यम से उसकी पहचान का पता लगा सकते हैं?"
"हेस्टिंग्स, आपकी तर्कशक्ति हमेशा ही शानदार होती है।"
मैंने ठंडे लहजे में कहा, "अगर यह विचार आपको पहले आ जाता तो शायद बेहतर होता। हमने बहुत समय बर्बाद कर दिया है।"
“आप गलत हैं, मेरे मित्र। जितना समय अपरिहार्य था, उससे अधिक समय बर्बाद नहीं हुआ है। मेरे एजेंट पिछले कुछ महीनों से इस काम में लगे हुए हैं। जोसेफ आरोन्स उनमें से एक हैं। क्या आपको याद है? उन्होंने मेरे लिए उन पुरुषों की एक सूची तैयार की है जो आवश्यक योग्यताएं पूरी करते हैं—लगभग तीस वर्ष की आयु के युवा, जिनका रूप-रंग लगभग सामान्य हो और जो चरित्र अभिनय में माहिर हों—और साथ ही, वे पुरुष जिन्होंने पिछले तीन वर्षों के भीतर ही अभिनय छोड़ दिया हो।”
“तो?” मैंने गहरी दिलचस्पी से कहा।

“सूची स्वाभाविक रूप से काफी लंबी थी। हम काफी समय से नामों को छांटने के काम में लगे हुए थे। और अंत में हमने पूरी सूची को चार नामों तक सीमित कर दिया है। ये रहे वे नाम, मेरे दोस्त।”
उसने मेरी तरफ एक कागज फेंक दिया। मैंने उस पर लिखी बातें जोर से पढ़ीं। “अर्नेस्ट लुटरेल। उत्तरी क्षेत्र के एक पादरी का पुत्र। नैतिक मूल्यों में हमेशा से कुछ न कुछ खामी रही। पब्लिक स्कूल से निष्कासित कर दिया गया। तेईस वर्ष की आयु में रंगमंच पर आया। (इसके बाद उसके द्वारा निभाए गए किरदारों की सूची, तारीखों और स्थानों के साथ दी गई है।) नशे का आदी। माना जाता है कि चार साल पहले ऑस्ट्रेलिया चला गया था। इंग्लैंड छोड़ने के बाद से उसका कोई पता नहीं चल पाया है। उम्र 32 वर्ष, लंबाई 5 फीट 10½ इंच, दाढ़ी नहीं हटाई गई, बाल भूरे, नाक सीधी, रंग गोरा, आंखें ग्रे।”
जॉन सेंट मौर। यह काल्पनिक नाम है। असली नाम अज्ञात है। माना जाता है कि वह कॉक्नी मूल का है। बचपन से ही मंच पर सक्रिय रहा है। उसने म्यूजिक हॉल में मिमिक्री की है। पिछले तीन वर्षों से उसका कोई पता नहीं चला है। उम्र लगभग 33 वर्ष, लंबाई 5 फीट 10 इंच, दुबला-पतला शरीर, नीली आंखें, गोरा रंग। ऑस्टेन ली। छद्म नाम। असली नाम ऑस्टेन फोली। अच्छे परिवार से। अभिनय में हमेशा से रुचि थी और ऑक्सफोर्ड में उन्होंने इस क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। युद्ध में शानदार रिकॉर्ड। इनमें अभिनय किया— (इसके बाद सामान्य सूची दी गई। इसमें कई रिपर्टरी नाटक शामिल थे।) अपराध विज्ञान में गहरी रुचि। साढ़े तीन साल पहले एक मोटर दुर्घटना के परिणामस्वरूप उन्हें गंभीर मानसिक आघात लगा और तब से वे मंच पर नहीं दिखे हैं। उनके वर्तमान ठिकाने का कोई पता नहीं है। उम्र 35 वर्ष, लंबाई 5 फीट 9½ इंच, रंग गोरा, आंखें नीली, बाल भूरे।
“क्लाउड डैरेल। माना जाता है कि यही उनका असली नाम था। उनके मूल के बारे में कुछ रहस्य है। उन्होंने संगीत हॉलों में और साथ ही रिपर्टरी नाटकों में भी अभिनय किया। ऐसा लगता है कि उनके कोई घनिष्ठ मित्र नहीं थे। वे 1919 में चीन में थे। अमेरिका होते हुए लौटे। न्यूयॉर्क में उन्होंने कुछ भूमिकाएँ निभाईं। एक रात वे मंच पर नहीं दिखे और उसके बाद से उनका कोई पता नहीं चला। न्यूयॉर्क पुलिस का कहना है कि यह सबसे रहस्यमय गुमशुद्धि है। उम्र लगभग 33 वर्ष, बाल भूरे, रंग गोरा, आँखें धूसर। कद 5 फीट 10½ इंच।”

मैंने कागज नीचे रखते हुए कहा, "बहुत दिलचस्प। तो महीनों की जांच का यही नतीजा है? ये चार नाम। इनमें से किस पर आपको शक है?"
पोइरोट ने एक प्रभावशाली इशारा किया।
“मेरे मित्र, फिलहाल यह एक अनसुलझा सवाल है। मैं बस आपको यह बताना चाहूंगा कि क्लाउड डैरेल चीन और अमेरिका में रह चुके हैं—यह तथ्य शायद महत्वहीन नहीं है, लेकिन हमें इस आधार पर अनावश्यक रूप से पक्षपाती नहीं होना चाहिए। यह महज एक संयोग भी हो सकता है।”
“और अगला कदम?” मैंने उत्सुकता से पूछा।
“मामले पहले से ही चल रहे हैं। हर दिन सावधानीपूर्वक तैयार किए गए विज्ञापन छपेंगे। किसी न किसी के मित्रों और रिश्तेदारों को मेरे वकील से उनके कार्यालय में संपर्क करने के लिए कहा जाएगा। आज भी शायद—अहा, फ़ोन! शायद हमेशा की तरह यह गलत नंबर है, और वे हमें परेशान करने के लिए खेद व्यक्त करेंगे, लेकिन हो सकता है—हाँ, हो सकता है—कि कुछ बात सामने आई हो।”
मैं कमरे के उस पार गया और रिसीवर उठा लिया।
जी हां, जी हां। मिस्टर पोइरोट के कमरे। जी हां, कैप्टन हेस्टिंग्स बोल रहे हैं। ओह, आप हैं, मिस्टर मैकनील! (मैकनील और हॉजसन पोइरोट के वकील थे।) मैं उन्हें बता देता हूं। जी हां, हम अभी आते हैं।
मैंने रिसीवर वापस रख दिया और पोइरोट की ओर मुड़ी, मेरी आँखें उत्साह से चमक रही थीं।
“मैंने कहा, पोइरोट, वहाँ एक महिला है। क्लाउड डैरेल की दोस्त। मिस फ्लॉसी मोनरो। मैकनील चाहता है कि आप वहाँ आएं।”
"अभी इसी वक्त!" पोइरोट चिल्लाते हुए अपने बेडरूम में चले गए और एक टोपी लेकर वापस आए।
कुछ ही देर में एक टैक्सी हमें हमारे गंतव्य तक ले गई और हमें श्री मैकनील के निजी कार्यालय में ले जाया गया। वकील के सामने आरामकुर्सी पर एक कुछ हद तक भयावह दिखने वाली महिला बैठी थी, जो अब अपनी युवावस्था में नहीं थी। उसके बाल अकल्पनीय रूप से पीले थे और दोनों कानों पर घुंघराले थे, उसकी पलकें गहरे काले रंग से रंगी हुई थीं, और वह रूज और लिपस्टिक लगाना बिल्कुल नहीं भूली थी।

“अरे, ये रहे मिस्टर पोइरोट!” श्री मैकनील ने कहा। “मिस्टर पोइरोट, ये हैं मिस—उह—मोनरो, जिन्होंने हमें कुछ जानकारी देने के लिए बड़ी कृपा की है।”
“अरे वाह, यह तो बहुत ही दयालुता है!” पोइरोट चिल्लाया।
वह अत्यंत विनम्रता के साथ आगे आया और उसने महिला से गर्मजोशी से हाथ मिलाया।
"मैडमोजेल इस सूखे-सूखे पुराने दफ्तर में फूल की तरह खिलती हैं," उन्होंने श्री मैकनील की भावनाओं की परवाह किए बिना कहा।
इस हद से ज्यादा चापलूसी का असर जरूर हुआ। मिस मोनरो शर्म से लाल हो गईं और मुस्कुराईं।
“अरे, अब तो बस करो, मिस्टर पोइरोट!” उसने हैरानी से कहा। “मैं जानती हूँ कि तुम फ्रांसीसी लोग कैसे होते हो।”
"मैडम, हम अंग्रेजों की तरह सुंदरता के सामने चुप नहीं रहते। ऐसा नहीं है कि मैं फ्रांसीसी हूँ—मैं बेल्जियम का रहने वाला हूँ, आप समझ रही हैं ना?" "मैं खुद ओस्टेंड जा चुकी हूं," मिस मोनरो ने कहा।
जैसा कि पोइरोट ने कहा होगा, पूरा मामला शानदार ढंग से आगे बढ़ रहा था। "तो क्या आप हमें श्री क्लाउड डैरेल के बारे में कुछ बता सकते हैं?" पोइरोट ने आगे पूछा।
“मैं एक समय श्री डैरेल को बहुत अच्छी तरह जानती थी,” महिला ने बताया। “और फिलहाल दुकान खाली होने के कारण मैंने आपका विज्ञापन देखा, और चूंकि मेरे पास समय है, तो मैंने सोचा: देखो, बेचारे क्लाउडी के बारे में जानना चाहते हैं—वहाँ वकील भी—शायद यह कोई खजाना है जो अपने असली वारिस की तलाश में है। मुझे तुरंत वहाँ जाना चाहिए।”
श्री मैकनील उठे।
"अच्छा, महाशय पोइरोट, क्या मैं मिस मोनरो से थोड़ी बातचीत के लिए आपको छोड़ दूं?"
“आप बहुत मिलनसार हैं। लेकिन रुकिए—मेरे मन में एक विचार आया है। दोपहर के भोजन का समय नजदीक आ रहा है। क्या मैडम मेरे साथ दोपहर के भोजन पर चलकर मुझे सम्मानित करेंगी?”

मिस मोनरो की आँखों में चमक आ गई। मुझे यह बात समझ में आ गई कि उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब थी, और भरपेट भोजन मिलने का मौका हाथ से जाने देना उचित नहीं था।
कुछ मिनट बाद हम सब एक टैक्सी में सवार होकर लंदन के सबसे महंगे रेस्तरांओं में से एक के लिए रवाना हुए। वहाँ पहुँचकर पोइरोट ने एक बेहद स्वादिष्ट लंच का ऑर्डर दिया और फिर अपने मेहमान की ओर मुड़े।
“और वाइन के लिए, मैडमोजेल? शैम्पेन के बारे में आपका क्या कहना है?” मिस मोनरो ने कुछ नहीं कहा—या फिर सब कुछ कह दिया।
भोजन की शुरुआत सुखद रही। पोइरोट ने बड़ी सावधानी से महिला के गिलास में पेय पदार्थ भरे और धीरे-धीरे अपने दिल के सबसे करीब के विषय पर बात करने लगे।
“बेचारे श्री डैरेल। कितना दुख की बात है कि वे अब हमारे साथ नहीं हैं।” “जी हां, बिल्कुल,” मिस मोनरो ने आह भरते हुए कहा। “बेचारा लड़का, मुझे आश्चर्य होता है कि उसका क्या हुआ होगा।”
"क्या आपको उसे देखे हुए काफी समय हो गया है, हाँ?"
“ओह, बस सदियों से—युद्ध के बाद से नहीं। वो एक मजाकिया लड़का था, क्लॉडी, बातों को लेकर बहुत ही गुप्त रहता था, अपने बारे में कभी कुछ नहीं बताता था। लेकिन, अगर वो लापता वारिस है तो ये सब बातें बिल्कुल सही बैठती हैं। क्या ये कोई उपाधि है, मिस्टर पोइरोट?”
“अफ़सोस, महज़ विरासत,” पोइरोट ने बिना किसी झिझक के कहा। “लेकिन देखिए, यह पहचान का मामला हो सकता है। इसीलिए हमारे लिए ऐसे किसी व्यक्ति को ढूंढना ज़रूरी है जो उन्हें बहुत अच्छी तरह जानता हो। आप उन्हें बहुत अच्छी तरह जानती थीं, है ना, मैडम?”
“मुझे आपको बताने में कोई आपत्ति नहीं है, मिस्टर पोइरोट। आप एक सज्जन व्यक्ति हैं। आप जानते हैं कि एक महिला के लिए लंच कैसे ऑर्डर किया जाता है — जो आजकल के कुछ नौजवानों से कहीं बढ़कर है। मैं इसे सरासर कंजूसी कहती हूँ। जैसा कि मैं कह रही थी, आप फ्रांसीसी होने के नाते चौंकेंगे नहीं। आह, आप फ्रांसीसी! शरारती, शरारती!” उसने अतिशयोक्ति से उंगली हिलाते हुए कहा। “खैर, बात यह थी कि मैं और क्लॉडी, दो युवा—आप और क्या उम्मीद कर सकते थे? और मेरे मन में अब भी उसके लिए अच्छी भावनाएँ हैं। हालाँकि, ध्यान रहे, उसने मेरे साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया—नहीं, उसने नहीं किया—उसने मेरे

साथ बिल्कुल भी अच्छा व्यवहार नहीं किया। एक महिला के साथ जैसा व्यवहार होना चाहिए वैसा नहीं। पैसे के मामले में सब एक जैसे हैं।”
“नहीं, नहीं, महोदया, ऐसा मत कहिए,” पोइरोट ने विरोध करते हुए उनका गिलास एक बार फिर भर दिया। “क्या अब आप मुझे श्री डैरेल का वर्णन कर सकती हैं?”
“वह देखने में कुछ खास नहीं थे,” फ्लॉसी मोनरो ने स्वप्निल स्वर में कहा। “न लंबे, न छोटे, लेकिन अच्छी कद-काठी के थे। चुस्त-दुरुस्त दिखते थे। आँखें कुछ नीली-भूरी थीं। और शायद सुनहरे बाल थे। लेकिन ओह, क्या कलाकार थे! मैंने इस पेशे में उनके जैसा कोई नहीं देखा! अगर ईर्ष्या न होती तो अब तक उन्होंने नाम कमा लिया होता। आह, मिस्टर पोइरोट, ईर्ष्या—आप विश्वास नहीं करेंगे, सचमुच नहीं करेंगे, कि हम कलाकारों को ईर्ष्या के कारण क्या- क्या सहना पड़ता है। मुझे याद है एक बार मैनचेस्टर में—”
हमने धैर्यपूर्वक एक मूक अभिनय और प्रधानाध्यापक के कुख्यात आचरण से संबंधित एक लंबी और जटिल कहानी सुनी। फिर पोइरोट ने विनम्रतापूर्वक उसे क्लाउड डैरेल के विषय पर वापस ले आए।
“आपने श्री डैरेल के बारे में जो कुछ भी बताया है, वह बहुत दिलचस्प है, महोदया। महिलाएं कितनी अद्भुत पर्यवेक्षक होती हैं—वे सब कुछ देख लेती हैं, वे उन छोटी-छोटी बातों पर भी ध्यान देती हैं जो पुरुषों की नजर से छूट जाती हैं। मैंने एक महिला को एक दर्जन पुरुषों में से एक को पहचानते हुए देखा है—और आपको क्या लगता है, क्यों? उसने देखा था कि जब वह उत्तेजित होते थे तो अपनी नाक सहलाने की उनकी एक आदत थी। भला कोई पुरुष ऐसी बात पर ध्यान दे पाता क्या?”
“क्या सच में!” मिस मोनरो चिल्लाईं। “मुझे लगता है हम छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देते हैं। मुझे याद है क्लॉडी, अब जब मैं सोचती हूँ, तो हमेशा खाने की मेज पर अपनी रोटी से खेलता रहता था। वो अपनी उंगलियों के बीच रोटी का एक छोटा टुकड़ा लेता और फिर उसे चारों ओर थपथपाकर चूरा उठाता। मैंने उसे ऐसा सौ बार करते देखा है। अरे, मैं तो उसकी इस एक आदत से उसे कहीं भी पहचान लेती।”
“क्या यह वही बात नहीं है जो मैं कहती हूँ? एक महिला का अद्भुत अवलोकन। और क्या आपने कभी उनसे उनकी इस छोटी सी आदत के बारे में बात की है, मैडम?” “नहीं, मैंने ऐसा नहीं किया, मिस्टर पोइरोट। आप जानते हैं कि पुरुष कैसे होते हैं! उन्हें पसंद नहीं आता कि आप उनकी बातों पर ध्यान दें—खासकर तब

जब ऐसा लगे कि आप उन्हें इस बारे में डांट रही हैं। मैंने एक शब्द भी नहीं कहा—लेकिन कई बार मैं मन ही मन मुस्कुराई। भगवान भला करे, उसे पता भी नहीं चला कि वह ऐसा कर रहा था।”
पोइरोट ने धीरे से सिर हिलाया। मैंने देखा कि गिलास की ओर हाथ बढ़ाते समय उनका हाथ थोड़ा कांप रहा था।
“फिर, पहचान स्थापित करने के साधन के रूप में हमेशा हस्तलेख का उपयोग होता है,” उन्होंने टिप्पणी की। “निस्संदेह आपने श्री डैरेल द्वारा लिखा गया एक पत्र सुरक्षित रखा होगा?”
फ्लॉसी मोनरो ने खेदपूर्वक अपना सिर हिलाया।
“उन्हें लिखने का बिल्कुल भी शौक नहीं था। उन्होंने अपने जीवन में कभी मुझे एक शब्द भी नहीं लिखा।”
“यह तो बहुत दुख की बात है,” पोइरोट ने कहा।
“लेकिन मैं आपको एक बात बताती हूँ,” मिस मोनरो ने अचानक कहा। “मेरे पास एक तस्वीर है, अगर उससे कुछ फायदा हो तो?”
"क्या आपके पास कोई तस्वीर है?"
पोइरोट उत्साह से लगभग अपनी सीट से उछल पड़े।
"यह काफी पुराना है—कम से कम आठ साल पुराना।"
“इससे कोई फर्क नहीं पड़ता! चाहे वह कितना भी पुराना और धुंधला क्यों न हो! आह, मेरी कसम, यह तो अद्भुत सौभाग्य है! क्या आप मुझे वह तस्वीर देखने की अनुमति देंगी, मैडम?”
“क्यों नहीं, बिल्कुल।”
"शायद आप मुझे इसकी एक प्रति बनवाने की अनुमति भी दे देंगे? इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा।"
"अगर आप चाहें तो बिल्कुल।"
मिस मोनरो उठ खड़ी हुईं।
“खैर, मुझे अब भागना होगा,” उसने नखरे दिखाते हुए कहा। “आपसे और आपके मित्र श्री पोइरोट से मिलकर बहुत खुशी हुई।”
और वो तस्वीर? मुझे वो कब मिलेगी?
मैं आज रात ही इसकी तलाश करूँगा। मुझे लगता है कि मुझे पता है कि यह कहाँ मिलेगा। और मैं इसे तुरंत आपको भेज दूँगा।

“बहुत-बहुत धन्यवाद, महोदया। आप अत्यंत सौम्य स्वभाव की हैं। आशा है कि हम जल्द ही एक और छोटा सा लंच साथ में आयोजित कर सकेंगे।”
"जब भी आप चाहें," मिस मोनरो ने कहा। "मैं तैयार हूँ।"
"देखने दीजिए, मुझे नहीं लगता कि मेरे पास आपका पता है?"
बड़े ही सलीके से मिस मोनरो ने अपने पर्स से एक कार्ड निकाला और उसे उनके हाथ में दे दिया। कार्ड थोड़ा गंदा था, और उस पर लिखा मूल पता मिटाकर पेंसिल से दूसरा लिख दिया गया था।
फिर, पोइरोट के कई बार झुकने और हावभाव दिखाने के बाद, हमने उस महिला को विदाई दी और वहां से चले गए।
मैंने पोइरोट से पूछा, "क्या आपको वाकई लगता है कि यह तस्वीर इतनी महत्वपूर्ण है?"
जी हां, मेरे दोस्त। कैमरा झूठ नहीं बोलता। तस्वीर को ज़ूम करके देखा जा सकता है, उन खास बिंदुओं को पकड़ा जा सकता है जो अन्यथा अनदेखे रह जाते। और फिर हजारों बारीकियाँ होती हैं—जैसे कानों की बनावट, जिसे कोई भी शब्दों में बयान नहीं कर सकता। ओह, हां, यह हमारे लिए एक बड़ा मौका है! इसीलिए मैं सावधानी बरतने का प्रस्ताव करता हूं।
अपनी बात खत्म करते ही वह टेलीफोन की ओर बढ़ा और एक नंबर दिया, जो मुझे पता था कि एक निजी जासूस एजेंसी का था, जिसे वह कभी-कभी काम पर रखता था। उसके निर्देश स्पष्ट और निश्चित थे। दो आदमियों को उसके दिए गए पते पर जाना था और मोटे तौर पर कहें तो, मिस मोनरो की सुरक्षा पर नज़र रखनी थी। उन्हें मिस मोनरो के पीछे-पीछे जाना था, चाहे वह कहीं भी जाए।
पोइरोट ने रिसीवर रखा और मेरे पास वापस आ गया।
“क्या आपको वाकई लगता है कि यह ज़रूरी है, पोइरोट?” मैंने पूछा।
“ऐसा हो सकता है। इसमें कोई शक नहीं कि हम पर नज़र रखी जा रही है, आप पर और मुझ पर, और चूंकि ऐसा है, तो उन्हें जल्द ही पता चल जाएगा कि आज हम किसके साथ दोपहर का भोजन कर रहे थे। और यह भी संभव है कि नंबर चार को खतरे का आभास हो जाए।”
लगभग बीस मिनट बाद टेलीफोन की घंटी बजी। मैंने फोन उठाया। फोन पर एक रूखी आवाज सुनाई दी।
“क्या ये मिस्टर पोइरोट हैं? सेंट जेम्स अस्पताल बोल रहा हूँ। दस मिनट पहले एक युवती को लाया गया है। सड़क दुर्घटना। मिस फ्लॉसी मोनरो। वह बहुत

ही अत्यावश्यक रूप से मिस्टर पोइरोट से मिलना चाहती हैं। लेकिन उन्हें तुरंत आना होगा। वह ज्यादा देर तक जीवित नहीं रह सकतीं।”
मैंने पोइरोट को वही शब्द दोहराए। उनका चेहरा पीला पड़ गया।
"जल्दी करो, हेस्टिंग्स। हमें हवा की तरह दौड़ना होगा।"
एक टैक्सी हमें दस मिनट से भी कम समय में अस्पताल ले गई। हमने मिस मोनरो के बारे में पूछा और हमें तुरंत दुर्घटना वार्ड में ले जाया गया। लेकिन दरवाजे पर ही हमें सफेद टोपी पहने एक नर्स मिली।
पोइरोट ने उसके चेहरे के भावों से खबर पढ़ ली।
“यह खत्म हो गया, है ना?”
“उसकी मृत्यु छह मिनट पहले हुई।”
पोइरोट स्तब्ध होकर खड़ा रहा।
नर्स ने उसकी भावना को गलत समझते हुए धीरे से बोलना शुरू किया।
“उसे कोई तकलीफ नहीं हुई, और आखिरी समय में वह बेहोश थी। उसे एक मोटरबाइक ने कुचल दिया, और कार चालक रुका तक नहीं। कितनी घिनौनी बात है, है ना? उम्मीद है किसी ने उसका नंबर नोट कर लिया होगा।”
"तारे हमारे खिलाफ लड़ रहे हैं," पोइरोट ने धीमी आवाज में कहा।
"क्या आप उसे देखना चाहेंगे?"
नर्स आगे-आगे चल रही थी और हम उसके पीछे-पीछे चल रहे थे।
बेचारी फ्लॉसी मोनरो, अपने रूज और रंगे हुए बालों के साथ। वह वहाँ बड़ी शांति से लेटी हुई थी, उसके होठों पर हल्की सी मुस्कान थी।
“हाँ,” पोइरोट ने धीरे से कहा। “तारे हमारे खिलाफ लड़ रहे हैं—पर क्या ये तारे ही हैं?” उसने अपना सिर उठाया जैसे उसे अचानक कोई विचार आया हो। “क्या ये तारे ही हैं, हेस्टिंग्स? अगर नहीं—अगर नहीं… ओह, मैं तुमसे कसम खाता हूँ, मेरे दोस्त, इस बेचारी औरत के शव के पास खड़े होकर, कि जब समय आएगा तो मैं कोई दया नहीं दिखाऊँगा!”
मैंने पूछा, "तुम्हारा क्या मतलब है?"
लेकिन पोइरोट नर्स की ओर मुड़ गए और उत्सुकता से जानकारी मांगने लगे। अंततः उनके पर्स में मिली वस्तुओं की सूची प्राप्त हुई। सूची पढ़ते ही पोइरोट दबी हुई चीख के साथ रो पड़े।
"देखा, हेस्टिंग्स, देखा?"
"देखो क्या?"

“चाबी का कोई ज़िक्र नहीं है। लेकिन उसके पास चाबी ज़रूर रही होगी। नहीं, उसे बेरहमी से कुचल दिया गया, और जो पहला व्यक्ति उसके पास झुका, उसने उसके थैले से चाबी निकाल ली। लेकिन शायद अभी भी समय है। हो सकता है कि वह जो ढूंढ रहा था, उसे तुरंत न पा सका हो।”
एक और टैक्सी हमें उस पते पर ले गई जो फ्लॉसी मोनरो ने हमें दिया था, एक बदहाल इलाके में बनी आलीशान इमारतों की एक इमारत। मिस मोनरो के फ्लैट में प्रवेश पाने में हमें कुछ समय लगा, लेकिन कम से कम हमें इस बात की तसल्ली थी कि जब तक हम बाहर पहरा दे रहे थे, कोई भी फ्लैट से बाहर नहीं निकल सकता था।
आखिरकार हम अंदर घुस गए। यह स्पष्ट था कि हमसे पहले भी कोई यहाँ आ चुका था। दराजों और अलमारियों का सारा सामान फर्श पर बिखरा पड़ा था। ताले जबरदस्ती तोड़े गए थे और छोटी मेजें भी उलट दी गई थीं, तलाशी लेने वाले की जल्दबाजी इतनी हिंसक थी।
पोइरोट मलबे में खोजबीन करने लगा। अचानक वह चीखते हुए सीधा खड़ा हो गया और कुछ आगे बढ़ाया। वह एक पुराने ज़माने का खाली फोटो फ्रेम था।
उसने उसे धीरे से पलटा। पीछे की तरफ एक छोटा सा गोल लेबल लगा हुआ था—एक मूल्य लेबल।
मैंने टिप्पणी की, "इसकी कीमत चार शिलिंग थी।"
“हे भगवान! हेस्टिंग्स, अपनी आँखें खोलो। यह एक नया साफ लेबल है। इसे उस आदमी ने चिपकाया था जिसने तस्वीर निकाली थी, वह आदमी जो हमसे पहले यहाँ आया था, लेकिन जानता था कि हम आएंगे, इसलिए उसने इसे हमारे लिए छोड़ दिया - क्लाउड डैरेल - उर्फ नंबर चार।”

पंद्रह

भयानक आपदा

मिस फ्लॉसी मोनरो की दुखद मृत्यु के बाद ही मुझे पोइरोट में बदलाव का एहसास होने लगा। अब तक उनका अटूट आत्मविश्वास अचूक साबित हुआ था। लेकिन ऐसा लग रहा था मानो लंबे समय से चले आ रहे तनाव का असर दिखने लगा हो। उनका व्यवहार गंभीर और उदास था, और वे बहुत तनाव में थे। इन दिनों वे बिल्ली की तरह चंचल रहते थे। वे 'बिग फोर' के बारे में हर संभव चर्चा से बचते थे, और लगभग अपने पुराने जोश के साथ अपने सामान्य काम में जुट जाते थे। फिर भी, मैं जानता था कि वे गुप्त रूप से इस बड़े मामले में सक्रिय थे। अजीबोगरीब दिखने वाले स्लाव लोग लगातार उनसे मिलने आते रहते थे, और हालांकि उन्होंने इन रहस्यमय गतिविधियों के बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया, मुझे एहसास हुआ कि वे इन कुछ हद तक अप्रिय दिखने वाले विदेशियों की मदद से कोई नई रक्षा या विरोध का हथियार बना रहे थे। एक बार, बिलकुल संयोग से, मेरी नज़र उसकी पासबुक की प्रविष्टियों पर पड़ी— उसने मुझसे किसी छोटी सी चीज़ की पुष्टि करने के लिए कहा था— और मैंने देखा कि एक बहुत बड़ी रकम का भुगतान किया गया था— पोइरोट के लिए भी बहुत बड़ी रकम, जो आजकल खूब पैसा कमा रहा था — किसी ऐसे रूसी व्यक्ति को, जिसके नाम में वर्णमाला के लगभग सभी अक्षर मौजूद थे।
लेकिन उन्होंने अपने इरादे के बारे में कोई संकेत नहीं दिया। वे बार-बार एक ही वाक्य दोहराते रहे: “अपने दुश्मन को कम आंकना एक गलती है। याद रखना, मेरे दोस्त।” और मुझे एहसास हुआ कि यही वह गलती थी जिससे वे हर कीमत पर बचना चाहते थे।
इस तरह मार्च के अंत तक मामला चलता रहा, और फिर एक सुबह पोइरोट ने एक ऐसी टिप्पणी की जिसने मुझे काफी चौंका दिया।
"आज सुबह, मेरे दोस्त, मैं आपको सबसे अच्छा विकल्प सुझाऊंगा। हम गृह सचिव से मिलने जा रहे हैं।"
“सचमुच? यह तो बहुत ही रोमांचक है। उन्होंने आपको एक केस संभालने के लिए बुलाया है?”

“बिल्कुल नहीं। यह साक्षात्कार मेरी इच्छा से है। आपको याद होगा मैंने एक बार उनकी थोड़ी मदद की थी? इसी वजह से वे मेरी क्षमताओं को लेकर बेवजह उत्साहित हैं, और मैं उनके इसी रवैये का फायदा उठाने वाला हूँ। जैसा कि आप जानते हैं, फ्रांस के प्रधानमंत्री, एम. डेसजार्डो, लंदन में हैं, और मेरे अनुरोध पर गृह सचिव ने आज सुबह हमारी छोटी सी बैठक में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की है।”
महामहिम के गृह मामलों के राज्य सचिव, माननीय सिडनी क्रॉथर एक सुप्रसिद्ध और लोकप्रिय व्यक्तित्व थे। लगभग पचास वर्ष की आयु के, जिज्ञासु भाव और तीक्ष्ण भूरी आँखों वाले इस व्यक्ति ने अपने उस मनमोहक सौहार्दपूर्ण व्यवहार से हमारा स्वागत किया, जो उनकी प्रमुख विशेषताओं में से एक मानी जाती थी।
चिमनी की ओर पीठ करके खड़ा एक लंबा, पतला आदमी था जिसकी काली नुकीली दाढ़ी थी और चेहरा संवेदनशील था।
“श्रीमान डेसजार्डो,” क्रॉथर ने कहा। “मुझे आपको श्री हरक्यूल पोइरोट से परिचित कराने की अनुमति दें, जिनके बारे में आपने शायद पहले ही सुना होगा।”
फ्रांसीसी व्यक्ति ने झुककर हाथ मिलाया।
“मैंने एम. हरक्यूल पोइरोट के बारे में सुना है,” उन्होंने प्रसन्नता से कहा। “किसने नहीं सुना?”
"आप बहुत ही मिलनसार हैं, महाशय," पोइरोट ने झुकते हुए कहा, लेकिन उनका चेहरा खुशी से लाल हो गया था।
"क्या आपको मेरे पुराने दोस्त के बारे में कोई खबर है?" एक शांत आवाज ने पूछा, और एक आदमी एक ऊंचे बुकशेल्फ़ के पास कोने से आगे आया।
वह हमारे पुराने परिचित श्री इंगल्स थे।
पोइरोट ने गर्मजोशी से उनका हाथ मिलाया।
“और अब, श्री पोइरोट,” क्रॉथर ने कहा। “हम आपकी सेवा में हैं। मुझे पता चला है कि आपको हमसे एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश देना था।”
"जी हां, महोदय। आज दुनिया में एक विशाल संगठन है—अपराध का संगठन। इसे चार लोग नियंत्रित करते हैं, जिन्हें 'बिग फोर' के नाम से जाना जाता है। नंबर एक चीनी नागरिक ली चांग येन हैं; नंबर दो अमेरिकी करोड़पति एबे रायलैंड हैं; नंबर तीन फ्रांसीसी महिला हैं; और मेरे पास यह मानने के सभी कारण हैं कि

नंबर चार क्लाउड डैरेल नाम के एक गुमनाम अंग्रेज अभिनेता हैं। ये चारों मिलकर मौजूदा सामाजिक व्यवस्था को नष्ट करना चाहते हैं और उसकी जगह अराजकता स्थापित करना चाहते हैं, जिसमें वे तानाशाहों की तरह शासन करेंगे।"
“अविश्वसनीय,” फ्रांसीसी ने बुदबुदाते हुए कहा। “रायलैंड, इस तरह की किसी चीज़ में उलझा हुआ है? यह विचार तो वाकई बहुत ही अकल्पनीय है।”
"महाशय, सुनिए, मैं आपको इन चार बड़े नामों के कुछ कारनामों के बारे में बताता हूँ।"
पोइरोट ने जो कहानी सुनाई, वह बेहद रोमांचक थी। हालांकि मुझे सारी बातें पहले से पता थीं, फिर भी हमारी रोमांचक घटनाओं और बच निकलने के किस्से सुनकर मैं एक बार फिर रोमांचित हो गया।
पोइरोट के भाषण समाप्त होने पर एम. डेसजार्डो ने चुपचाप मिस्टर क्रॉथर की ओर देखा। दूसरे ने भी उसी तरह देखा।
जी हाँ, श्रीमान डेसजार्डो, मुझे लगता है कि हमें 'बिग फोर' के अस्तित्व को स्वीकार करना ही होगा। स्कॉटलैंड यार्ड ने पहले तो उपहास किया, लेकिन अब उन्हें यह मानना ही पड़ा है कि श्रीमान पोइरोट के कई दावे सही थे। मुझे लगता है कि श्रीमान पोइरोट—उह—थोड़ा बढ़ा-चढ़ाकर बोलते हैं।
पोइरोट ने जवाब में दस महत्वपूर्ण बिंदु बताए। मुझे अभी भी इन्हें सार्वजनिक न करने के लिए कहा गया है, इसलिए मैं ऐसा करने से बच रहा हूँ, लेकिन इनमें एक विशेष महीने में हुई पनडुब्बियों की असाधारण दुर्घटनाएँ और हवाई जहाज़ दुर्घटनाओं और आपातकालीन लैंडिंग की एक श्रृंखला शामिल थी। पोइरोट के अनुसार, ये सभी 'बिग फोर' का काम थे और इस बात का प्रमाण थे कि उनके पास दुनिया से छिपे कई वैज्ञानिक रहस्य थे।
इससे हम सीधे उस सवाल पर आ गए जिसका मैं फ्रांसीसी प्रधानमंत्री के पूछने का इंतजार कर रहा था।
“आप कहते हैं कि इस संगठन की तीसरी सदस्य एक फ्रांसीसी महिला है। क्या आपको उसका नाम पता है?”
“यह एक जाना-माना नाम है, महोदय। एक सम्मानित नाम। नंबर तीन किसी प्रसिद्ध मैडम ओलिवियर से कम नहीं है।”

विश्वप्रसिद्ध वैज्ञानिक, क्यूरी दंपत्ति के उत्तराधिकारी का नाम सुनते ही, एम. डेसजार्डो अपनी कुर्सी से उछल पड़े, उनका चेहरा भावनाओं से लाल हो गया था।
“मैडम ओलिवियर! असंभव! बेतुका! आप जो कह रही हैं वह अपमान है!”
पोइरोट ने धीरे से अपना सिर हिलाया, लेकिन कोई जवाब नहीं दिया। डेसजार्डो ने कुछ क्षणों तक हैरानी से उसकी ओर देखा। फिर उसका चेहरा भावहीन हो गया, और उसने गृह सचिव की ओर देखा और अपने माथे पर अर्थपूर्ण ढंग से थपथपाया।
“मिस्टर पोइरोट एक महान व्यक्ति हैं,” उन्होंने कहा। “लेकिन महान व्यक्ति में भी कभी-कभी कुछ सनक आ जाती है, है ना? और वे ऊंचे पदों पर बैठे लोगों से काल्पनिक साजिशों की तलाश करते हैं। यह सर्वविदित है। आप मुझसे सहमत हैं ना, श्री क्रॉथर?”
गृह सचिव ने कुछ मिनटों तक कोई जवाब नहीं दिया। फिर उन्होंने धीरे-धीरे और भारी स्वर में बोलना शुरू किया।
अंत में उन्होंने कहा, "सच कहूँ तो, मुझे नहीं पता। मुझे हमेशा से ही एम. पोइरोट पर पूरा भरोसा रहा है और आज भी है, लेकिन—खैर, इस पर भरोसा करना थोड़ा मुश्किल है।"
“ये ली चांग येन भी,” एम. डेसजार्डो ने आगे कहा। “इनके बारे में किसने कभी सुना है?”
"मैंने किया है," श्री इंगल्स की अप्रत्याशित आवाज सुनाई दी।
फ्रांसीसी व्यक्ति ने उसे घूरकर देखा, और उसने भी शांत भाव से उसे घूरकर देखा, मानो वह पहले से कहीं अधिक चीनी मूर्ति जैसा लग रहा हो। गृह सचिव ने समझाया, "श्री इंगल्स चीन के आंतरिक मामलों के सबसे बड़े विशेषज्ञ हैं।" “और आपने इस ली चांग येन के बारे में सुना है?”
“जब तक श्री पोइरोट मुझसे मिलने नहीं आए थे, तब तक मुझे लगता था कि इंग्लैंड में मैं अकेला ही ऐसा व्यक्ति हूँ जिसके पास यह ज्ञान है। श्री डेसजार्डो, यह मत भूलिए कि आज चीन में केवल एक ही व्यक्ति है जो इस मायने में महत्वपूर्ण है— ली चांग येन। शायद, मैं केवल शायद कह रहा हूँ, इस समय दुनिया में उनका दिमाग सबसे बेहतरीन है।”
एम. डेसजार्डो स्तब्ध होकर बैठे थे। हालांकि, कुछ देर बाद वे संभल गए।

“आपकी बातों में कुछ सच्चाई हो सकती है, श्री पोइरोट,” उन्होंने ठंडे स्वर में कहा। “लेकिन मैडम ओलिवियर के बारे में आप बिल्कुल गलत हैं। वह फ्रांस की सच्ची पुत्री हैं और पूरी तरह से विज्ञान के लिए समर्पित हैं।” पोइरोट ने अपने कंधे उचका दिए और कोई जवाब नहीं दिया।
एक-दो मिनट का विराम रहा, और फिर मेरा छोटा दोस्त अपने पैरों पर खड़ा हो गया, एक ऐसी गरिमा के साथ जो उसके विचित्र व्यक्तित्व पर कुछ अजीब तरह से जंच रही थी।
“बस इतना ही कहना है, महोदय—आपको चेतावनी देना। मुझे लगा था कि शायद आप मेरी बात पर विश्वास नहीं करेंगे। लेकिन कम से कम अब आप सतर्क तो रहेंगे। मेरी बातें आप तक पहुंचेंगी, और हर नई घटना आपके डगमगाते विश्वास को और पुख्ता करेगी। मेरे लिए अभी बोलना ज़रूरी था—बाद में शायद मैं बोल न पाता।”
“आपका मतलब—?” क्रॉथर ने पूछा, पोइरोट के लहजे की गंभीरता से वह अनजाने में ही प्रभावित हो गया था।
“मेरा मतलब है, महोदय, कि जब से मैंने नंबर चार की पहचान जान ली है, मेरी जान एक घंटे के बराबर भी नहीं है। वह हर कीमत पर मुझे नष्ट करने की कोशिश करेगा — और उसे ‘विनाशक’ नाम यूं ही नहीं दिया गया है। महोदय, मैं आपको प्रणाम करता हूँ। श्रीमान क्रॉथर, मैं आपको यह चाबी और यह सीलबंद लिफाफा सौंपता हूँ। मैंने इस मामले से संबंधित अपने सभी नोट्स और दुनिया पर आने वाले किसी भी खतरे से निपटने के सर्वोत्तम तरीकों के बारे में अपने सभी विचार संकलित कर लिए हैं और उन्हें एक सुरक्षित स्थान पर रख दिया है। श्रीमान क्रॉथर, मेरी मृत्यु की स्थिति में, मैं आपको इन कागजों को अपने कब्जे में लेने और उनका यथासंभव उपयोग करने का अधिकार देता हूँ। और अब, महोदय, आप सभी को शुभ दिन की शुभकामनाएं।”
डेसजार्डो ने केवल ठंडेपन से सिर झुकाया, लेकिन क्रॉथर उछलकर खड़ा हो गया और अपना हाथ आगे बढ़ाया।
"आपने मुझे परिवर्तित कर दिया है, एम. पोइरोट। हालांकि यह सब कुछ अविश्वसनीय लगता है, लेकिन मैं आपके द्वारा बताई गई बातों की सच्चाई पर पूर्ण विश्वास करता हूं।"
इंगल्स भी हमारे साथ ही चले गए।

चलते-चलते पोइरोट ने कहा, “मैं साक्षात्कार से निराश नहीं हूँ। मुझे डेसजार्डो को समझाने की उम्मीद तो नहीं थी, लेकिन कम से कम मैंने यह सुनिश्चित कर लिया है कि अगर मेरी मृत्यु हो जाती है, तो मेरा ज्ञान मेरे साथ नहीं मरेगा। और मैंने एक-दो लोगों को अपना अनुयायी बना लिया है। कोई बात नहीं!”
"जैसा कि आप जानते हैं, मैं आपके साथ हूं," इंगल्स ने कहा। "वैसे, जैसे ही मुझे छुट्टी मिलेगी, मैं चीन के लिए रवाना हो जाऊंगा।"
क्या यह बुद्धिमानी है?
“नहीं,” इंगल्स ने रूखेपन से कहा। “लेकिन यह आवश्यक है। जो संभव हो, वह करना ही चाहिए।”
“अरे वाह, आप तो बड़े बहादुर हैं!” पोइरोट भावुक होकर बोले। “अगर हम सड़क पर न होते, तो मैं आपको गले लगा लेता।”
मुझे लगा कि इंगल्स काफी राहत महसूस कर रहे थे।
"मुझे नहीं लगता कि चीन में मुझे आपसे ज्यादा खतरा होगा जितना आपको लंदन में है," उसने गुर्राते हुए कहा।
“यह शायद काफी हद तक सच है,” पोइरोट ने स्वीकार किया। “मैं आशा करता हूँ कि वे हेस्टिंग्स का भी नरसंहार करने में सफल नहीं होंगे, बस इतना ही। इससे मुझे बहुत गुस्सा आएगा।”
मैंने इस खुशनुमा बातचीत को रोकते हुए कहा कि मेरा खुद को मारे जाने देने का कोई इरादा नहीं है, और कुछ ही देर बाद इंगल्स हमसे विदा हो गया।
कुछ देर तक हम चुपचाप चलते रहे, जिसे अंत में पोइरोट ने एक बिल्कुल अप्रत्याशित टिप्पणी करके तोड़ा।
मुझे लगता है—मुझे सचमुच लगता है—कि मुझे अपने भाई को इसमें शामिल करना होगा।
“आपका भाई?” मैं आश्चर्यचकित होकर चिल्लाई। “मुझे तो पता ही नहीं था कि आपका कोई भाई भी है?”
"हेस्टिंग्स, तुमने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया। क्या तुम नहीं जानते कि सभी प्रसिद्ध जासूसों के भाई होते हैं जो जन्मजात आलस्य के कारण उनसे भी अधिक प्रसिद्ध हो सकते थे?"

पोइरोट कभी-कभी एक विचित्र शैली अपनाते हैं जिससे यह जानना लगभग असंभव हो जाता है कि वे मजाक कर रहे हैं या गंभीर हैं। उस समय उनकी यह शैली स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी।
मैंने इस नई बात को समझने की कोशिश करते हुए पूछा, "तुम्हारे भाई का नाम क्या है?"
“अकिल पोइरोट,” पोइरोट ने गंभीरता से उत्तर दिया। “वह बेल्जियम में स्पा के पास रहता है।”
"वह क्या करता है?" मैंने कुछ जिज्ञासा के साथ पूछा, दिवंगत मैडम पोइरोट के चरित्र और स्वभाव तथा ईसाई नामों के प्रति उनके शास्त्रीय स्वाद के बारे में मेरे मन में मौजूद अधूरी जिज्ञासा को एक तरफ रखते हुए।
“वह कुछ नहीं करता। जैसा कि मैंने बताया, उसका स्वभाव बेहद आलसी है। लेकिन उसकी क्षमताएं मुझसे कम नहीं हैं—और यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है।” "क्या वह देखने में तुम्हें पसंद है?"
“कुछ-कुछ मिलता-जुलता है। लेकिन उतना सुंदर नहीं है। और वो मूंछें भी नहीं रखता।”
"क्या वह आपसे उम्र में बड़ा है या उम्र में छोटा?"
"संयोगवश उनका जन्म भी उसी दिन हुआ था।"
“जुड़वां बच्चे!” मैं चिल्लाई।
“बिल्कुल सही, हेस्टिंग्स। आप अचूक सटीकता के साथ सही निष्कर्ष पर पहुँचते हैं। लेकिन हम फिर से घर पर हैं। चलिए, डचेस के हार के उस छोटे से मामले पर तुरंत काम शुरू करते हैं।”
लेकिन डचेस के हार को अभी कुछ समय इंतजार करना पड़ा। एक बिलकुल अलग तरह का मामला हमारा इंतजार कर रहा था।
हमारी मकान मालकिन, श्रीमती पियर्सन ने तुरंत हमें सूचित किया कि अस्पताल की एक नर्स ने फोन किया था और वह पोइरोट से मिलने का इंतजार कर रही थी। हमने उसे खिड़की के सामने वाली बड़ी कुर्सी पर बैठे हुए पाया; गहरे नीले रंग की वर्दी पहने, एक सौम्य चेहरे वाली अधेड़ उम्र की महिला। वह शुरू में थोड़ी झिझक रही थी, लेकिन पोइरोट ने जल्द ही उसे सहज कर दिया और उसने अपनी कहानी सुनाना शुरू कर दिया।
“देखिए, मिस्टर पोइरोट, मैंने पहले कभी इस तरह का मामला नहीं देखा। मुझे लार्क सिस्टरहुड से हर्टफोर्डशायर में एक केस के लिए बुलाया गया था। एक

बुजुर्ग सज्जन हैं, श्री टेम्पलटन। उनका घर काफी सुंदर है और वहां के लोग भी काफी अच्छे हैं। उनकी पत्नी, श्रीमती टेम्पलटन, अपने पति से काफी छोटी हैं और उनका पहली शादी से एक बेटा भी है जो वहीं रहता है। मुझे नहीं पता कि वह युवक और उसकी सौतेली माँ हमेशा एक-दूसरे से अच्छे से रहते हैं या नहीं। वह बिल्कुल सामान्य नहीं है—पूरी तरह से 'कमजोर' तो नहीं, लेकिन बुद्धि में काफी मंदबुद्धि ज़रूर है। खैर, श्री टेम्पलटन की यह बीमारी मुझे शुरू से ही रहस्यमयी लगी। कभी-कभी तो ऐसा लगता था कि उन्हें कुछ भी नहीं हुआ है, और फिर अचानक उन्हें पेट में दर्द और उल्टी के साथ तेज दर्द होने लगता था। लेकिन डॉक्टर पूरी तरह से संतुष्ट थे, और मुझे कुछ भी कहने की ज़रूरत नहीं थी। लेकिन मैं इसके बारे में सोचे बिना नहीं रह सकी। और फिर—” वह रुक गई और उसका चेहरा लाल हो गया।
"क्या कोई ऐसी घटना घटी जिससे आपको संदेह हुआ?" पोइरोट ने सुझाव दिया।
"हाँ।"
लेकिन फिर भी उसे आगे बढ़ना मुश्किल लग रहा था।
मैंने पाया कि नौकर भी टिप्पणियाँ कर रहे थे।
“मिस्टर टेम्पलटन की बीमारी के बारे में?”
“अरे नहीं! उस दूसरी बात के बारे में—”
“श्रीमती टेम्पलटन?”
"हाँ।"
"शायद मिसेज टेम्पलटन और डॉक्टर?"
पोइरोट को इन मामलों में असाधारण महारत हासिल थी। नर्स ने कृतज्ञता भरी नजर से उसे देखा और आगे बढ़ गई।
“वे बस यूं ही बातें कर रहे थे। और फिर एक दिन मैंने खुद उन्हें एक साथ बगीचे में देख लिया।”
बात वहीं खत्म हो गई। हमारी मुवक्किल इतनी अपमानित और आहत थी कि किसी को भी यह पूछना जरूरी नहीं लगा कि उसने बगीचे में वास्तव में क्या देखा था। जाहिर है, उसने स्थिति के बारे में अपना फैसला करने के लिए काफी कुछ देख लिया था।
“दौरे और भी बदतर होते गए। डॉ. ट्रेव्स ने कहा कि यह सब बिल्कुल स्वाभाविक है और अपेक्षित है, और श्री टेम्पलटन का जीवित रहना असंभव है, लेकिन मैंने

अपने नर्सिंग के लंबे अनुभव में भी ऐसा पहले कभी नहीं देखा। मुझे तो यह किसी प्रकार के...”
वह रुक गई, हिचकिचा रही थी।
"आर्सेनिक विषाक्तता?" पोइरोट ने मदद करते हुए कहा।
उसने सिर हिलाया।
और फिर, उसने, मेरा मतलब है मरीज ने, कुछ अजीब सी बात कही। ‘ये चारों मेरे लिए काफी हैं। ये मेरे लिए अभी भी काफी हैं।’
“एह?” पोइरोट ने झट से कहा।
"ये उनके ही शब्द थे, एम. पोइरोट। उस समय वे बहुत दर्द में थे, और उन्हें ठीक से पता भी नहीं था कि वे क्या कह रहे हैं।"
“‘ये चारों मेरे लिए काफी हैं,’” पोइरोट ने सोच-विचार करते हुए दोहराया। “तुम्हें क्या लगता है, ‘ये चारों’ से उसका क्या मतलब था?”
“मैं यह नहीं कह सकता, मिस्टर पोइरोट। मुझे लगा शायद उनका मतलब उनकी पत्नी और बेटे, डॉक्टर और शायद मिसेज टेम्पलटन की साथी मिस क्लार्क से था। इस तरह चार लोग हो जाएंगे, है ना? उन्हें लग सकता है कि वे सब उनके खिलाफ साजिश रच रहे हैं।”
“बिल्कुल सही, बिल्कुल सही,” पोइरोट ने चिंतित स्वर में कहा। “भोजन के बारे में क्या? क्या आप उसके बारे में कोई सावधानी नहीं बरत सकते?”
“मैं हमेशा अपनी तरफ से पूरी कोशिश करता हूं। लेकिन, कभी-कभी श्रीमती टेम्पलटन खुद उनके लिए खाना लाने पर जोर देती हैं, और कभी-कभी ऐसा भी होता है जब मैं ड्यूटी पर नहीं होता हूं।”
“बिल्कुल सही। और क्या आप पुलिस के पास जाने के लिए अपने पक्ष को लेकर पर्याप्त रूप से आश्वस्त नहीं हैं?”
इस विचार मात्र से ही नर्स के चेहरे पर भय स्पष्ट दिखाई दे रहा था। “मैंने जो किया है, श्रीमान पोइरोट, वह यह है। श्री टेम्पलटन को सूप का एक कटोरा पीने के बाद बहुत तेज दौरा पड़ा। मैंने बाद में कटोरे के तले से थोड़ा सा सूप लिया और उसे अपने साथ ऊपर ले आई हूँ। मुझे आज छुट्टी मिल गई है ताकि मैं अपनी बीमार माँ से मिल सकूँ, क्योंकि श्री टेम्पलटन की हालत इतनी अच्छी थी कि उन्हें अकेला छोड़ा जा सकता था।”
उसने गहरे रंग के तरल पदार्थ से भरी एक छोटी बोतल निकाली और उसे पोइरोट को सौंप दिया।

“बहुत बढ़िया, महोदया। हम इसकी तुरंत जांच करवाएंगे। अगर आप लगभग एक घंटे में वापस आ जाएं, तो मुझे लगता है कि हम आपके संदेह को किसी न किसी तरह दूर कर पाएंगे।”
सबसे पहले उसने आगंतुक से उसका नाम और योग्यता पूछी और उसे बाहर भेज दिया। फिर उसने एक नोट लिखा और सूप की बोतल के साथ भेज दिया। जब हम परिणाम का इंतजार कर रहे थे, पोइरोट ने नर्स की योग्यताओं की जाँच करके अपना मनोरंजन किया, जिससे मुझे कुछ आश्चर्य हुआ।
“नहीं, नहीं, मेरे दोस्त,” उसने कहा। “सावधान रहना ही बेहतर है। यह मत भूलो कि बिग फोर हमारे पीछे पड़े हैं।”
हालांकि, उन्होंने जल्द ही यह जानकारी हासिल कर ली कि मेबल पामर नाम की एक नर्स लार्क इंस्टीट्यूट की सदस्य थी और उसे विचाराधीन मामले में भेजा गया था।
“अब तक तो सब ठीक है,” उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा। “और अब नर्स पामर फिर से आ गई हैं, और ये रही हमारे विश्लेषक की रिपोर्ट।”
"क्या इसमें आर्सेनिक है?" उसने हांफते हुए पूछा।
पोइरोट ने सिर हिलाया और कागज को दोबारा मोड़ दिया।
"नहीं।"
हम दोनों बेहद आश्चर्यचकित थे।
“इसमें आर्सेनिक नहीं है,” पोइरोट ने आगे कहा। “लेकिन इसमें एंटीमनी है, और अगर ऐसा है तो हम तुरंत हर्टफोर्डशायर के लिए रवाना होंगे। भगवान करे कि हमें देर न हो जाए।”
यह तय किया गया कि सबसे सरल योजना यह थी कि पोइरोट खुद को सचमुच एक जासूस के रूप में प्रस्तुत करे, लेकिन उसकी यात्रा का स्पष्ट कारण श्रीमती टेम्पलटन से उनके यहां पहले काम करने वाले एक नौकर के बारे में पूछताछ करना हो, जिसका नाम उसने नर्स पामर से प्राप्त किया था, और जिसे वह गहनों की चोरी में शामिल बता सके।
जब हम एल्मस्टेड पहुंचे, जैसा कि उस घर का नाम था, तब तक काफी देर हो चुकी थी। हमने नर्स पामर को हमसे लगभग बीस मिनट पहले आने दिया था, ताकि हम सब एक साथ न पहुंचें।
श्रीमती टेम्पलटन, एक लंबी, सांवली महिला, जिनके हाव-भाव लचीले और आंखें बेचैन थीं, ने हमारा स्वागत किया। मैंने देखा कि जैसे ही पोइरोट ने अपने

पेशे के बारे में बताया, उन्होंने अचानक फुफकारते हुए सांस ली, मानो बुरी तरह चौंक गई हों, लेकिन उन्होंने नौकरानी के बारे में उनके सवाल का जवाब बड़ी आसानी से दे दिया। फिर, उनकी परीक्षा लेने के लिए, पोइरोट ने एक ज़हर कांड का लंबा ब्योरा सुनाना शुरू किया जिसमें एक दोषी पत्नी शामिल थी। बोलते समय उनकी नज़रें उनके चेहरे से हटी ही नहीं, और लाख कोशिश करने के बावजूद, वह अपनी बढ़ती हुई बेचैनी को मुश्किल से छिपा पा रही थीं। अचानक, कुछ अस्पष्ट शब्दों में बहाना बनाकर, वह कमरे से जल्दी से निकल गईं।
हमें ज्यादा देर तक अकेला नहीं छोड़ा गया। एक गठीले शरीर वाला आदमी, जिसकी छोटी लाल मूंछें थीं और चश्मा पहने हुए था, अंदर आया।
“डॉक्टर ट्रेव्स,” उन्होंने अपना परिचय दिया। “श्रीमती टेम्पलटन ने मुझसे आपसे उनकी ओर से विदा लेने का अनुरोध किया है। आप जानते हैं, उनकी हालत बहुत खराब है। मानसिक तनाव से ग्रस्त हैं। अपने पति को लेकर चिंतित हैं। मैंने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। लेकिन उन्हें उम्मीद है कि आप रुकेंगे और सबका स्वागत करेंगे, और मैं मेज़बानी करूँगा। हमने आपके बारे में यहाँ सुना है, श्री पोइरोट, और हम आपका भरपूर लाभ उठाना चाहते हैं। अरे, ये रहा मिकी!”
एक लड़खड़ाता हुआ युवक कमरे में दाखिल हुआ। उसका चेहरा बेहद गोल था और भौहें मूर्खतापूर्ण ढंग से उठी हुई थीं, मानो वह हमेशा आश्चर्यचकित रहता हो। हाथ मिलाते हुए उसने अजीब सी मुस्कान बिखेरी। यह स्पष्ट रूप से "चाहने वाला" बेटा था।
कुछ देर बाद हम सब खाने के लिए अंदर चले गए। डॉ. ट्रेव्स कमरे से बाहर चले गए—शायद वाइन खोलने के लिए—और अचानक लड़के के चेहरे में एक चौंकाने वाला बदलाव आया। वह आगे की ओर झुक गया और पोइरोट को घूरने लगा।
“तुम पिताजी के बारे में बात करने आए हो,” उसने सिर हिलाते हुए कहा। “मुझे पता है। मुझे बहुत कुछ पता है—पर कोई नहीं सोचता कि मुझे पता है। पिताजी की मृत्यु के बाद माँ खुश होगी और डॉक्टर ट्रेव्स से शादी कर लेगी। तुम्हें पता है, वह मेरी असली माँ नहीं है। मुझे वह पसंद नहीं है। वह चाहती है कि पिताजी मर जाएँ।”
यह सब बहुत ही भयानक था। सौभाग्य से, पोइरोट के जवाब देने से पहले ही डॉक्टर वापस आ गए, और हमें मजबूरी में बातचीत जारी रखनी पड़ी।

और फिर अचानक पोइरोट एक खोखली कराह के साथ अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर लेट गया। उसका चेहरा दर्द से विकृत हो गया था।
“मेरे प्रिय महोदय, क्या बात है?” डॉक्टर ने चिल्लाकर पूछा।
“अचानक ऐंठन हुई। मुझे इनकी आदत हो गई है। नहीं, नहीं, मुझे आपकी कोई सहायता नहीं चाहिए, डॉक्टर साहब। अगर मैं ऊपर लेट जाऊं तो अच्छा होगा।” उनकी विनती तुरंत मान ली गई, और मैं उनके साथ ऊपर गया, जहाँ वे कराहते हुए बिस्तर पर गिर पड़े।
पहले एक-दो मिनट तक तो मैं उनकी बातों में आ गया था, लेकिन मुझे जल्दी ही एहसास हो गया कि पोइरोट - जैसा कि वह खुद कहते - एक कॉमेडी कर रहे थे, और उनका मकसद ऊपर मरीज के कमरे के पास अकेले रहना था।
इसलिए जब हम अकेले हुए तो वह अचानक उठ खड़ा हुआ, इसके लिए मैं पूरी तरह से तैयार था।
"जल्दी करो, हेस्टिंग्स, खिड़की के पास जाओ। बाहर लताएं हैं। हम उनके शक करने से पहले ही नीचे उतर सकते हैं।"
"नीचे उतरो?"
“हाँ, हमें तुरंत इस घर से निकलना होगा। क्या आपने उसे रात के खाने पर देखा था?”
“डॉक्टर?”
“नहीं, युवा टेम्पलटन। उसकी रोटी वाली चाल। क्या तुम्हें याद है कि फ्लॉसी मोनरो ने मरने से पहले हमें क्या बताया था? कि क्लाउड डैरेल को मेज पर रोटी थपथपाकर चूरा उठाने की आदत थी। हेस्टिंग्स, यह एक बहुत बड़ी साजिश है, और वह खाली-खाली सा दिखने वाला युवक हमारा कट्टर दुश्मन है—नंबर चार! जल्दी करो।”
मैंने बहस करने का इंतज़ार नहीं किया। हालाँकि यह सब अविश्वसनीय लग रहा था, लेकिन देरी न करना ही समझदारी थी। हम चुपचाप लताओं से नीचे उतरे और सीधे छोटे कस्बे और रेलवे स्टेशन की ओर चल दिए। हम मुश्किल से आखिरी ट्रेन, 8:34 बजे वाली, पकड़ पाए, जो हमें लगभग ग्यारह बजे कस्बे में पहुँचा देगी। “एक साजिश,” पोइरोट ने सोच-विचार करते हुए कहा। “मुझे आश्चर्य है कि उनमें से कितने लोग इसमें शामिल थे? मुझे शक है कि पूरा टेम्पलटन परिवार ही बिग फोर के एजेंट हैं। क्या वे हमें वहाँ फंसाना चाहते थे? या यह उससे कहीं अधिक पेचीदा था? क्या उनका इरादा वहाँ कॉमेडी करने और मुझे तब तक दिलचस्पी

बनाए रखने का था जब तक कि उन्हें कुछ करने का समय न मिल जाए—क्या? अब मुझे समझ नहीं आ रहा है।”
वह काफी विचारशील रहे।
अपने ठहरने के स्थान पर पहुँचकर, उसने मुझे बैठक कक्ष के दरवाजे पर ही रोक लिया।
"हेस्टिंग्स, ध्यान दो। मुझे कुछ संदेह है। मुझे पहले अंदर जाने दो।" उसने ऐसा ही किया, और मुझे थोड़ी हंसी आई जब उसने सावधानी बरतते हुए एक पुराने जूते से बिजली का स्विच दबा दिया। फिर वह एक अनजान बिल्ली की तरह कमरे में इधर-उधर घूमने लगा, सावधानी से, नज़ाकत से, खतरे के प्रति सतर्क। मैं कुछ देर तक उसे देखता रहा, आज्ञाकारी रूप से दीवार के पास वहीं खड़ा रहा जहाँ मुझे खड़ा किया गया था।
मैंने अधीरता से कहा, "यह सब ठीक लग रहा है, पोइरोट।"
“ऐसा लगता है, मेरे दोस्त, ऐसा ही लगता है। लेकिन आइए एक बार सुनिश्चित कर लें।”
“छी,” मैंने कहा। “मैं आग तो जला ही लूँगा और एक पाइप भी पी लूँगा। आज तो मैंने तुम्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। माचिसें तो आखिरी बार तुम्हारे पास थीं और तुमने हमेशा की तरह उन्हें माचिस की डिब्बी में वापस नहीं रखा—ठीक वही काम जिसके लिए तुम हमेशा मुझे कोसते रहते हो।”
मैंने अपना हाथ आगे बढ़ाया। मैंने पोइरोट की चेतावनी भरी आवाज़ सुनी—उसे मेरी ओर झपट्टा मारते देखा—मेरा हाथ माचिस की डिब्बी से छू गया। फिर—नीली लौ की एक चमक—कान फाड़ देने वाली एक जोरदार आवाज—और अंधेरा छा गया—

मुझे होश आया तो मैंने देखा कि हमारे पुराने मित्र डॉ. रिजवे का जाना- पहचाना चेहरा मेरे ऊपर झुका हुआ है। उनके चेहरे पर राहत के भाव झलक रहे थे। “शांत रहो,” उसने शांत स्वर में कहा। “तुम ठीक हो। तुम्हें पता है, एक दुर्घटना हुई है।”
“पोइरोट?” मैंने धीरे से कहा।
“तुम मेरे कमरे में हो। सब कुछ बिल्कुल ठीक है।”
मेरे दिल में एक भयानक भय समा गया। उसके टालमटोल ने एक खौफनाक डर जगा दिया। “पोइरोट?” मैंने दोहराया। “पोइरोट का क्या हुआ?”

उन्हें समझ आ गया था कि मुझे यह जानना ही होगा और अब टालमटोल करना बेकार है।
"आप तो चमत्कारिक रूप से बच गए—पोइरोट नहीं बच पाया!"
मेरे होंठों से एक चीख फूट पड़ी।
“क्या तुम मरे नहीं? क्या तुम मरे नहीं?”
रिजवे ने अपना सिर झुकाया, उनके चेहरे पर भाव स्पष्ट रूप से झलक रहे थे।
मैंने पूरी ताकत लगाकर खुद को बैठने की स्थिति में लाया।
मैंने कमजोर स्वर में कहा, “पोइरोट भले ही मर गया हो, लेकिन उसकी आत्मा जीवित है। मैं उसका काम आगे बढ़ाऊंगा! बिग फोर का नाश हो!”
फिर मैं पीछे गिर पड़ी और बेहोश हो गई।

सोलह

मरता हुआ चीनी

“फिर भी,” मेरे बोलने के बाद उन्होंने कहा, “मेरी सलाह में कोई बदलाव नहीं आया है। मुझे पूरा विश्वास है कि अगर पोइरोट यहाँ होते, तो वे भी आपको वापस लौटने के लिए कहते। उनकी ओर से, मैं आपसे विनती करता हूँ, हेस्टिंग्स, इन बेतुके विचारों को त्याग दें और अपने फार्महाउस पर लौट जाएँ।”
इसका केवल एक ही उत्तर संभव था, और उसने दुख से सिर हिलाते हुए आगे कुछ नहीं कहा।
मुझे पूरी तरह स्वस्थ होने में एक महीना लग गया। अप्रैल के अंत में, मैंने गृह सचिव से मिलने का समय मांगा और मुझे वह मिल गया।
श्री क्रॉथर का व्यवहार डॉ. रिजवे के व्यवहार जैसा था। उनका लहजा शांत और संयमित था। मेरी सेवाओं के प्रस्ताव की सराहना करते हुए भी, उन्होंने विनम्रतापूर्वक और विचारशीलता से उसे अस्वीकार कर दिया। पोइरोट द्वारा उल्लिखित कागजात उनके पास पहुँच चुके थे, और उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि आने वाले खतरे से निपटने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।
उस बेरुखी भरी तसल्ली से ही मुझे संतुष्ट होना पड़ा। श्री क्रॉथर ने मुझसे दक्षिण अमेरिका लौटने का आग्रह करते हुए साक्षात्कार समाप्त किया। मुझे यह सब बेहद असंतोषजनक लगा।
मुझे लगता है कि सही जगह पर मुझे पोइरोट के अंतिम संस्कार का वर्णन करना चाहिए था। यह एक गंभीर और भावपूर्ण समारोह था, और फूलों की असाधारण संख्या देखकर विश्वास नहीं हो रहा था। ये फूल ऊंचे और निचले तबके के लोगों ने चढ़ाए थे, और यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण था कि मेरे मित्र ने अपने गोद लिए देश में कितना खास स्थान बना लिया था। मैं स्वयं भी कब्र के पास खड़ा होकर, हमारे विविध अनुभवों और साथ बिताए सुखद दिनों को याद करते हुए, भावनाओं से अभिभूत हो गया था।
मई की शुरुआत तक मैंने अभियान की योजना बना ली थी। मुझे लगा कि क्लाउड डैरेल के बारे में किसी भी जानकारी के लिए पोइरोट की विज्ञापन योजना का पालन करने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। मैंने इस संबंध में कई सुबह के अखबारों में विज्ञापन छपवाया, और मैं सोहो के एक छोटे से रेस्तरां में बैठा विज्ञापन के प्रभाव का आकलन कर रहा था, तभी अखबार के दूसरे हिस्से में छपे एक छोटे से पैराग्राफ ने मुझे एक अप्रिय झटका दिया।
संक्षेप में, इसमें श्री जॉन इंगल्स के एसएस शंघाई जहाज से रहस्यमय ढंग से लापता होने की सूचना दी गई थी, जो मार्सिले से रवाना होने के कुछ ही समय

बाद हुआ था। हालांकि मौसम बिल्कुल शांत था, फिर भी आशंका जताई गई कि दुर्भाग्यवश वह व्यक्ति जहाज से गिर गया होगा। पैराग्राफ का अंत श्री इंगल्स की चीन में लंबी और विशिष्ट सेवा के संक्षिप्त उल्लेख के साथ हुआ। यह खबर अप्रिय थी। मैंने इंगल्स की मौत में एक भयावह मकसद देखा। मुझे एक पल के लिए भी दुर्घटना की बात पर यकीन नहीं हुआ। इंगल्स की हत्या की गई थी, और उनकी मौत स्पष्ट रूप से उस शापित 'बिग फोर' गिरोह का काम थी।
मैं वहीं बैठा उस झटके से स्तब्ध था और पूरी बात पर विचार कर रहा था, तभी मेरे सामने बैठे व्यक्ति के असाधारण व्यवहार ने मुझे चौंका दिया। अब तक मैंने उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था। वह दुबला-पतला, सांवला, अधेड़ उम्र का आदमी था, जिसकी त्वचा पीली थी और छोटी सी नुकीली दाढ़ी थी। वह इतनी खामोशी से मेरे सामने बैठ गया था कि मुझे उसके आने का पता ही नहीं चला। लेकिन अब उनके कार्य बेहद विचित्र थे, यह कहना गलत नहीं होगा। आगे झुककर, उन्होंने जानबूझकर मुझे नमक डालने में मदद की और उसे मेरी प्लेट के किनारे पर चार छोटे-छोटे ढेरों में रख दिया।
“मुझे क्षमा करें,” उसने उदास स्वर में कहा। “कहते हैं कि किसी अजनबी को नमक देना उसे दुःख देना है। शायद यह एक अपरिहार्य आवश्यकता हो। लेकिन मुझे उम्मीद है कि ऐसा नहीं होगा। मुझे आशा है कि आप समझदारी से काम लेंगे।” फिर, एक विशेष भाव से, उसने अपनी थाली में नमक के साथ वही क्रिया दोहराई। चिह्न 4 इतना स्पष्ट था कि उसे नज़रअंदाज़ करना असंभव था। मैंने उसे गौर से देखा। मेरी नज़र में वह किसी भी तरह से युवा टेम्पलटन, या जेम्स नौकर, या उन अन्य व्यक्तियों में से किसी से भी मिलता-जुलता नहीं था जिनसे हम अब तक मिले थे। फिर भी, मुझे यकीन था कि मेरा सामना स्वयं उस प्रभावशाली नंबर चार से ही होना है। उसकी आवाज़ में निश्चित रूप से उस संयमित अजनबी की हल्की सी झलक थी जो पेरिस में हमसे मिलने आया था।
मैं असमंजस में था कि आगे क्या करूं, इसलिए मैंने चारों ओर देखा। मेरे मन की बात समझकर वह मुस्कुराया और धीरे से अपना सिर हिलाया।
“मैं इसकी सलाह नहीं दूंगा,” उन्होंने कहा। “पेरिस में आपके जल्दबाजी वाले कदम का जो नतीजा निकला, उसे याद रखिए। मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि मेरे पीछे हटने का तरीका पूरी तरह सुरक्षित है। कैप्टन हेस्टिंग्स, अगर मैं कहूं तो आपके विचार थोड़े अटपटे हैं।”
मैंने क्रोध से घुटते हुए कहा, "तुम शैतान हो, तुम साक्षात शैतान हो!"

"थोड़ा गरम—बस थोड़ा सा गरम। आपके दिवंगत मित्र ने आपको बताया होता कि शांत रहने वाले व्यक्ति को हमेशा बहुत लाभ होता है।"
“तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई उसके बारे में बोलने की?” मैं चिल्लाई। “जिस आदमी की तुमने इतनी बेरहमी से हत्या की। और तुम यहाँ आए हो—”
उसने मेरी बात काट दी।
मैं यहाँ एक उत्तम और शांतिपूर्ण उद्देश्य से आया हूँ। आपको सलाह देने के लिए कि आप तुरंत दक्षिण अमेरिका लौट जाएँ। यदि आप ऐसा करते हैं, तो बिग फोर के संबंध में मामला यहीं समाप्त हो जाएगा। आपको और आपके परिवार को किसी भी प्रकार से परेशान नहीं किया जाएगा। मैं आपको इस बात का वचन देता हूँ। मैंने तिरस्कारपूर्ण हंसी हंसी।
और अगर मैं आपके निरंकुश आदेश का पालन करने से इनकार कर दूं तो?
“यह कोई आदेश तो नहीं है। क्या हम इसे चेतावनी कह सकते हैं?”
उसकी आवाज़ में एक ठंडी धमकी थी।
“पहली चेतावनी,” उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा। “आपको इसे नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए।”
फिर, इससे पहले कि मुझे उसके इरादे का कोई अंदाज़ा होता, वह उठा और तेज़ी से दरवाज़े की ओर चला गया। मैं झट से खड़ा हुआ और एक पल में उसके पीछे भागा, लेकिन बदकिस्मती से मैं सीधे एक बहुत मोटे आदमी से टकरा गया जिसने मेरे और अगली मेज़ के बीच रास्ता रोक रखा था। जब तक मैं खुद को उससे छुड़ा पाता, मेरा शिकार दरवाज़े से गुज़र चुका था, और अगली रुकावट एक वेटर की वजह से हुई जो प्लेटों का एक बड़ा ढेर लिए हुए था और बिना किसी चेतावनी के मुझसे टकरा गया। जब तक मैं दरवाज़े तक पहुँचा, काली दाढ़ी वाले उस पतले आदमी का कोई अता-पता नहीं था।
वेटर ने बड़े ही प्यार से माफी मांगी, मोटा आदमी आराम से मेज पर बैठकर अपना लंच ऑर्डर कर रहा था। ऐसा कोई सबूत नहीं था जिससे यह लगे कि दोनों घटनाएं महज एक हादसा नहीं थीं। फिर भी, इस बारे में मेरी अपनी राय थी। मैं अच्छी तरह जानता था कि बिग फोर के एजेंट हर जगह मौजूद थे।
कहने की ज़रूरत नहीं, मैंने दी गई चेतावनी पर कोई ध्यान नहीं दिया। मैं इस नेक काम के लिए जान देने को तैयार था। मुझे विज्ञापनों के जवाब में कुल मिलाकर केवल दो ही जवाब मिले। दोनों में से किसी से भी मुझे कोई उपयोगी जानकारी नहीं मिली। दोनों ही जवाब उन अभिनेताओं के थे जिन्होंने कभी न कभी

क्लाउड डैरेल के साथ काम किया था। उनमें से कोई भी उन्हें व्यक्तिगत रूप से नहीं जानता था, और उनकी पहचान और वर्तमान ठिकाने के बारे में कोई नई जानकारी नहीं मिली।
लगभग दस दिन बाद तक बिग फोर की ओर से कोई और सूचना नहीं मिली। मैं हाइड पार्क पार कर रहा था, विचारों में खोया हुआ था, तभी एक प्रभावशाली विदेशी लहजे वाली आवाज ने मुझे पुकारा।
"कैप्टन हेस्टिंग्स, है ना?"
एक बड़ी लिमोसिन अभी-अभी फुटपाथ पर आकर रुकी थी। एक महिला बाहर झाँक रही थी। काले रंग के बेहद खूबसूरत परिधान में, शानदार मोतियों के हार पहने, मैंने उस महिला को पहचान लिया जिसे हम पहले काउंटेस वेरा रोसाकॉफ के नाम से जानते थे, और बाद में एक अलग नाम से बिग फोर की एजेंट के रूप में। पोइरोट को, किसी न किसी कारण से, हमेशा से काउंटेस के प्रति एक दबी हुई पसंद रही थी। उनकी शान-शौकत में ही कुछ ऐसा था जो उस छोटे कद के आदमी को आकर्षित करता था। उत्साह के क्षणों में वह अक्सर कहता था कि वह हज़ारों में एक महिला है। यह तथ्य कि वह हमारे सबसे कट्टर दुश्मनों के पक्ष में, हमारे खिलाफ खड़ी थी, उसके फैसले पर कभी असर नहीं डालता था।
“अरे, आगे मत बढ़ो!” काउंटेस ने कहा। “मुझे तुमसे बहुत ज़रूरी बात कहनी है। और मुझे गिरफ़्तार करवाने की कोशिश भी मत करना, क्योंकि यह बेवकूफ़ी होगी। तुम हमेशा से थोड़े बेवकूफ़ रहे हो—हाँ, हाँ, यह सच है। अब तुम बेवकूफ़ हो, जब तुम हमारी चेतावनी को अनसुना करते रहते हो। यह दूसरी चेतावनी है जो मैं तुम्हें दे रही हूँ। तुरंत इंग्लैंड छोड़ दो। तुम यहाँ कुछ भी अच्छा नहीं कर सकते—मैं तुम्हें साफ़-साफ़ बता रही हूँ। तुम कभी कुछ हासिल नहीं कर पाओगे।”
मैंने कड़े स्वर में कहा, "ऐसे में तो यह बात कुछ असाधारण ही लगती है कि आप सब मुझे देश से बाहर निकालने के लिए इतने उत्सुक हैं।"
काउंटेस ने अपने कंधे उचका दिए—शानदार कंधे, और एक शानदार हावभाव।
“मैं तो इसे भी मूर्खतापूर्ण समझता हूँ। मैं तुम्हें यहाँ खेलने के लिए अकेला छोड़ देता। लेकिन सरदारों को डर है कि तुम्हारी कोई बात तुमसे ज़्यादा बुद्धिमान लोगों के काम आ सकती है। इसलिए—तुम्हें देश निकाला दिया जा रहा है।”

काउंटेस को मेरी क्षमताओं के बारे में काफी प्रशंसात्मक विचार थे। मैंने अपनी झुंझलाहट छिपा ली। निस्संदेह, उनका यह रवैया मुझे चिढ़ाने और मुझे यह जताने के लिए था कि मैं महत्वहीन हूँ।
“तुम्हें हटाना बेशक बहुत आसान होता,” उसने आगे कहा, “लेकिन मैं कभी-कभी बहुत भावुक हो जाती हूँ। मैंने तुम्हारे लिए विनती की थी। तुम्हारी एक प्यारी सी पत्नी तो कहीं होगी ना? और उस बेचारे मरे हुए आदमी को यह जानकर तसल्ली होगी कि तुम्हें मारा नहीं गया। तुम्हें पता है, मैं उसे हमेशा पसंद करती थी। वह चालाक था—सचमुच चालाक! अगर चार के मुकाबले एक का मामला न होता तो मुझे यकीन है कि वह हम पर भारी पड़ सकता था। मैं खुलकर स्वीकार करती हूँ—वह मेरा मालिक था! मैंने अपनी प्रशंसा के प्रतीक के रूप में अंतिम संस्कार में एक पुष्पमाला भेजी—लाल गुलाबों की एक बहुत बड़ी पुष्पमाला। लाल गुलाब मेरे स्वभाव को दर्शाते हैं।”
मैं चुपचाप सुनता रहा और मेरे मन में अरुचि बढ़ती जा रही थी।
“तुम्हारा चेहरा उस खच्चर जैसा है जो अपने कान पीछे करके लात मारता है। खैर, मैंने अपनी चेतावनी दे दी है। याद रखना, तीसरी चेतावनी विनाशक के हाथों से आएगी—”
उसने इशारा किया और कार तेज़ी से आगे बढ़ गई। मैंने नंबर नोट कर लिया, लेकिन इस उम्मीद के बिना कि इससे कुछ पता चलेगा। बिग फोर छोटी-छोटी बातों में लापरवाही करने के लिए जाने जाते थे।
मैं थोड़ा शांत होकर घर लौटा। काउंटेस के वाक्पटुता के सैलाब से एक बात स्पष्ट हो गई थी। मेरी जान को सचमुच खतरा था। हालाँकि मेरा संघर्ष छोड़ने का कोई इरादा नहीं था, फिर भी मैंने महसूस किया कि मुझे सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए और हर संभव एहतियात बरतनी चाहिए।
जब मैं इन सभी तथ्यों की समीक्षा कर रहा था और कार्रवाई की सर्वोत्तम रणनीति तलाश रहा था, तभी टेलीफोन की घंटी बजी। मैं कमरे के उस पार गया और रिसीवर उठाया।
जी हाँ। हेलो। कौन बोल रहा है?
एक स्पष्ट आवाज ने मुझे जवाब दिया।
“यह सेंट जाइल्स अस्पताल है। हमारे पास यहाँ एक चीनी व्यक्ति है, जिसे सड़क पर चाकू से हमला करके लाया गया है। वह ज्यादा देर तक जीवित नहीं रह

पाएगा। हमने आपको इसलिए फोन किया क्योंकि हमें उसकी जेब से एक कागज का टुकड़ा मिला जिस पर आपका नाम और पता लिखा हुआ था।”
मैं बहुत हैरान था। फिर भी, कुछ देर सोचने के बाद मैंने कहा कि मैं तुरंत नीचे आऊंगा। मुझे पता था कि सेंट जाइल्स अस्पताल बंदरगाह के पास ही था, और मेरे मन में यह ख्याल आया कि वह चीनी व्यक्ति शायद किसी जहाज से उतरा होगा। वहाँ जाते समय अचानक मेरे मन में एक शंका उत्पन्न हुई। क्या यह सब एक जाल था? जहाँ भी कोई चीनी व्यक्ति होता था, वहाँ ली चांग येन का हाथ हो सकता था। मुझे चारा डालकर फंसाए गए जाल की घटना याद आ गई। क्या यह सब मेरे दुश्मनों की चाल थी?
थोड़ा सोचने पर मुझे यकीन हो गया कि अस्पताल जाना किसी भी हालत में नुकसानदेह नहीं होगा। शायद यह कोई साजिश नहीं थी, बल्कि जिसे आम बोलचाल में "प्लांट" कहा जाता है, वही थी। मरता हुआ चीनी व्यक्ति मुझे कुछ ऐसा बताएगा जिस पर मुझे अमल करना होगा, और जिसका नतीजा यह होगा कि मैं बिग फोर के हाथों में पहुँच जाऊँगा। सबसे सही यही होगा कि मैं अपना दिमाग खुला रखूँ, और भोलापन दिखाते हुए भी चुपके से सतर्क रहूँ।
सेंट जाइल्स अस्पताल पहुँचकर और अपना काम बताते ही मुझे तुरंत दुर्घटना वार्ड में ले जाया गया, जहाँ उस व्यक्ति का शव पड़ा था। वह बिल्कुल स्थिर लेटा हुआ था, उसकी पलकें बंद थीं, और केवल उसकी छाती की हल्की सी हलचल से पता चल रहा था कि वह अभी भी साँस ले रहा है। एक डॉक्टर बिस्तर के पास खड़ा था, उसकी उंगलियाँ उस चीनी व्यक्ति की नब्ज़ पर थीं।
“वो लगभग जा चुका है,” उसने मुझसे फुसफुसाते हुए कहा। “तुम उसे जानते हो ना?”
मैंने अपना सिर हिलाया।
मैंने उसे पहले कभी नहीं देखा।
“तो फिर वो आपकी जेब में आपका नाम और पता लेकर क्या कर रहा था? आप कैप्टन हेस्टिंग्स हैं, है ना?”
"हां, लेकिन मैं इसे आपसे ज्यादा समझा नहीं सकता।"
“अजीब बात है। उनके कागजात से लगता है कि वे इंगल्स नाम के एक व्यक्ति के नौकर थे—जो एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी थे। अरे, आप उन्हें जानते हैं ना?” नाम सुनकर मैं चौंक गया, तो उन्होंने झट से कहा।

इंगल्स का नौकर! मैंने उसे पहले भी देखा था। वैसे तो मैं कभी एक चीनी को दूसरे से अलग पहचान नहीं पाया था। वह ज़रूर इंगल्स के साथ चीन गया होगा, और उस भयानक घटना के बाद वह मेरे लिए कोई संदेश लेकर इंग्लैंड लौटा होगा। मेरे लिए वह संदेश सुनना बेहद ज़रूरी था।
मैंने पूछा, “क्या वह होश में है? क्या वह बोल सकता है? श्री इंगल्स मेरे पुराने मित्र थे, और मुझे लगता है कि शायद यह बेचारा उनके लिए कोई संदेश लेकर आया है। कहा जाता है कि श्री इंगल्स लगभग दस दिन पहले जहाज से समुद्र में गिर गए थे।”
“वह होश में तो है, लेकिन मुझे शक है कि वह बोलने की हालत में होगा। उसका बहुत सारा खून बह गया है। मैं उसे उत्तेजक दवा दे सकता हूँ, लेकिन हमने इस दिशा में जो भी संभव था, वह सब कर लिया है।”
फिर भी, उन्होंने मुझे एक इंजेक्शन लगाया, और मैं बिस्तर के पास ही बैठा रहा, इस उम्मीद में कि मुझे कोई संकेत मिल जाए—कोई ऐसी सूचना—जो मेरे काम में मेरे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो। लेकिन मिनट तेजी से बीतते गए और कोई संकेत नहीं मिला।
और अचानक मेरे मन में एक अशुभ विचार कौंध गया। क्या मैं पहले से ही जाल में नहीं फँस रहा था? मान लीजिए कि इस चीनी व्यक्ति ने इंगल्स के नौकर का रूप धारण कर लिया था, कि वह वास्तव में बिग फोर का एजेंट था? क्या मैंने कहीं पढ़ा नहीं था कि कुछ चीनी पुजारी मृत्यु का नाटक करने में सक्षम होते हैं? या, इससे भी आगे, ली चांग येन कट्टरपंथियों के एक छोटे से समूह का नेतृत्व कर सकता है जो अपने मालिक के आदेश पर मृत्यु का भी स्वागत करेंगे। मुझे सावधान रहना होगा।
ये विचार मेरे मन में कौंधे ही थे कि बिस्तर पर लेटा हुआ आदमी हिल गया। उसकी आँखें खुलीं। उसने कुछ अस्पष्ट सा बुदबुदाया। फिर मैंने देखा कि उसकी नज़र मुझ पर टिक गई। उसने मुझे पहचानने का कोई संकेत नहीं दिया, लेकिन मैं तुरंत समझ गया कि वह मुझसे बात करने की कोशिश कर रहा है। चाहे वह दोस्त हो या दुश्मन, मुझे उसकी बात सुननी ही होगी।
मैं बिस्तर पर झुक गया, लेकिन टूटी-फूटी आवाज़ों से मुझे कुछ समझ नहीं आया। मुझे लगा कि मैंने "हाथ" शब्द सुना है, लेकिन यह किस संदर्भ में इस्तेमाल हुआ था, यह मैं बता नहीं सका। फिर वही शब्द दोबारा सुनाई दिया, और इस बार

मैंने एक और शब्द सुना, "लार्गो"। मैं आश्चर्य से देखता रह गया, क्योंकि दोनों शब्दों के संभावित मेल का विचार मेरे मन में आया।
“हैंडल का लार्गो?” मैंने पूछा।
चीनी व्यक्ति की पलकें सहमति जताते हुए तेज़ी से झपकीं और उसने एक और इतालवी शब्द, "कारोज़ा" कहा। मेरे कानों में इतालवी भाषा के दो-तीन और अस्पष्ट शब्द सुनाई दिए, और फिर वह अचानक पीछे हट गया।
डॉक्टर ने मुझे एक तरफ धकेल दिया। सब कुछ खत्म हो चुका था। वह आदमी मर चुका था।
मैं पूरी तरह से अचंभित होकर फिर से हवा में निकल गया।
“हैंडल का लार्गो,” और “कारोज़ा।” अगर मुझे सही याद है, तो कारोज़ा एक घोड़ागाड़ी होती है। इन सीधे-सादे शब्दों के पीछे क्या अर्थ छिपा हो सकता है? वह आदमी चीनी था, इतालवी नहीं, तो वह इतालवी में क्यों बोल रहा था? यकीनन, अगर वह वाकई इंगल्स का नौकर था, तो उसे अंग्रेज़ी तो आती ही होगी? यह सब बहुत ही रहस्यमय था। मैं घर आते समय पूरे रास्ते इसी बात को लेकर परेशान रहा। काश, पोइरोट वहाँ होता और अपनी तेज़ बुद्धि से इस समस्या को सुलझा देता!
मैंने अपनी चाबी से दरवाजा खोला और धीरे-धीरे अपने कमरे में चली गई। मेज पर एक पत्र पड़ा था, जिसे मैंने लापरवाही से फाड़कर खोला। लेकिन एक मिनट में ही मैं पढ़ते-पढ़ते वहीं जम गई।
यह एक वकीलों की फर्म की ओर से भेजा गया संदेश था।
प्रिय महोदय (यह इस प्रकार था)—हमारे दिवंगत ग्राहक, एम. हरक्यूल के निर्देशानुसार
पोइरोट, हम आपको संलग्न पत्र भेज रहे हैं। यह पत्र हमें एक दिन पहले सौंपा गया था।
उनकी मृत्यु से एक सप्ताह पहले, इस निर्देश के साथ कि उनकी मृत्यु की स्थिति में, इसे
उनकी मृत्यु के बाद एक निश्चित तिथि पर आपको भेजा जाएगा।
आपका विश्वसनीय, इत्यादि।
मैंने संलग्न पत्र को बार-बार पलटा। यह निस्संदेह पोइरोट का ही था। मैं उस परिचित लिखावट को अच्छी तरह पहचानता था। भारी मन से, फिर भी कुछ उत्सुकता के साथ, मैंने उसे फाड़कर खोला।

[illegible] [illegible] [illegible] (от [illegible] [illegible])—от [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], от [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] от [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] от [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] от [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] от [illegible] [illegible] от [illegible] от [illegible] [illegible] от [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] от [illegible] [illegible] [illegible] от [illegible] [illegible]
[illegible]! [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] от, от [illegible] от [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] от [illegible]
[illegible], от от от [illegible] [illegible]! [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] от [illegible] от [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible],
[illegible] [illegible]

[illegible] от [illegible] [illegible] от [illegible]-[illegible] [illegible] от [illegible] [illegible] [illegible] от [illegible] [illegible] [illegible] от от [illegible] от [illegible] [illegible] [illegible] от [illegible] от от [illegible] [illegible] [illegible] от [illegible] [illegible] от [illegible] от [illegible] [illegible]! [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] от от от [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] от [illegible] от [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

उस पर लिखा था, "आप बुद्धिमान हैं।" उस पर बड़े अक्षरों में 4 लिखा हुआ था। मैं मन ही मन मुस्कुरा सकता था!
समुद्र में ज्यादा लहरें नहीं थीं। मैंने ठीक-ठाक खाना खाया, अपने साथी यात्रियों के बारे में अपनी राय बनाई और ब्रिज का एक-दो राउंड खेला। फिर मैं सो गया और हमेशा की तरह जहाज पर गहरी नींद सो गया।
मुझे लगातार हो रहे झटकों से नींद से जगाया गया। स्तब्ध और घबराई हुई हालत में मैंने देखा कि जहाज का एक अधिकारी मेरे ऊपर खड़ा था। मेरे उठते ही उसने राहत की सांस ली।
भगवान का शुक्र है कि आखिरकार मैंने तुम्हें जगा दिया। मुझे बहुत मेहनत करनी पड़ी। क्या तुम हमेशा ऐसे ही सोते हो?
“क्या बात है?” मैंने हैरानी और पूरी तरह नींद से जागने के बावजूद पूछा। “क्या जहाज में कुछ गड़बड़ है?”
“मुझे उम्मीद है कि आप मुझसे बेहतर जानते होंगे कि मामला क्या है,” उसने रूखेपन से जवाब दिया। “एडमिरल्टी से विशेष निर्देश हैं। एक विध्वंसक पोत आपका इंतज़ार कर रहा है।”
“क्या?” मैं चिल्लाई। “समुद्र के बीच में?”
“यह तो बहुत ही रहस्यमय मामला लगता है, लेकिन इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने एक नौजवान को भेजा है जो तुम्हारी जगह लेगा, और हम सबने गोपनीयता की शपथ ली है। क्या तुम उठकर तैयार हो जाओगे?”
मैं अपनी हैरानी छिपा नहीं सका और मैंने वही किया जो मुझे कहा गया था। एक नाव नीचे उतारी गई और मुझे विध्वंसक पोत पर ले जाया गया। वहाँ मेरा सौहार्दपूर्ण स्वागत किया गया, लेकिन मुझे कोई और जानकारी नहीं दी गई। कमांडर के निर्देश थे कि मुझे बेल्जियम तट पर एक निश्चित स्थान पर उतारा जाए। यहीं पर उनका ज्ञान और उत्तरदायित्व समाप्त हो गया।
यह सब कुछ एक सपने जैसा था। मेरे मन में बस एक ही बात पक्की थी कि यह सब पोइरोट की योजना का हिस्सा होना चाहिए। मुझे बस आँख बंद करके आगे बढ़ना होगा, अपने मृत मित्र पर भरोसा करते हुए।
मुझे बताए गए स्थान पर उतार दिया गया। वहाँ एक मोटर गाड़ी इंतज़ार कर रही थी, और जल्द ही मैं तेज़ी से समतल फ्लेमिश मैदानों पर चक्कर लगा रहा था। मैंने वह रात ब्रुसेल्स के एक छोटे से होटल में बिताई। अगले दिन हम फिर आगे बढ़े। इलाका जंगल और पहाड़ियों से भरा हो गया। मुझे एहसास हुआ कि हम

आर्डेन्स में प्रवेश कर रहे हैं, और मुझे अचानक पोइरोट की वह बात याद आ गई कि उनका एक भाई स्पा में रहता था।
लेकिन हम स्पा नहीं गए। हमने मुख्य सड़क छोड़ दी और पहाड़ियों के हरे-भरे जंगलों में घूमते हुए एक छोटे से गाँव और पहाड़ी की ऊँचाई पर स्थित एक एकांत सफेद विला तक पहुँचे। यहाँ विला के हरे दरवाजे के सामने कार रुक गई। मेरे उतरते ही दरवाजा खुल गया। दरवाजे पर एक बुजुर्ग नौकर खड़ा था और उसने झुककर अभिवादन किया।
“श्रीमान कप्तान हेस्टिंग्स?” उन्होंने फ्रेंच में कहा। “श्रीमान कप्तान का इंतज़ार है। अगर वे मेरे साथ आएंगे।”
वह हॉल के उस पार आगे-आगे चलने लगा और पीछे का दरवाजा खोलकर मुझे अंदर जाने देने के लिए एक तरफ हट गया।
मैंने पलकें झपकाईं, क्योंकि कमरा पश्चिम की ओर था और दोपहर की धूप अंदर आ रही थी। फिर मेरी दृष्टि स्पष्ट हुई और मैंने एक आकृति को फैले हुए हाथों से मेरा स्वागत करते हुए देखा।
यह—अरे, असंभव था, ऐसा हो ही नहीं सकता था—लेकिन हाँ!
“पोइरोट!” मैं चिल्लाई, और इस बार मैंने उस आलिंगन से बचने की कोशिश नहीं की जिससे उसने मुझे अभिभूत कर दिया।
“लेकिन हाँ, हाँ, यह मैं ही हूँ! हरक्यूल पोइरोट को मारना इतना आसान नहीं है!”
लेकिन पोइरोट—क्यों?
“एक युद्ध-चाल, मेरे मित्र, एक युद्ध-चाल। अब हमारी भव्य तख्तापलट की पूरी तैयारी हो चुकी है।”
लेकिन तुम मुझे बता सकते थे!
“नहीं, हेस्टिंग्स, मैं ऐसा नहीं कर सकता था। हज़ार साल में भी तुम अंतिम संस्कार में वह भूमिका नहीं निभा सकते थे। जैसा कि वह था, वह एकदम सही था। इससे बिग फोर को यकीन दिलाने में कोई कसर नहीं छूट सकती थी।”
लेकिन मैंने जो कुछ झेला है—
मुझे इतना बेदर्द मत समझो। मैंने यह छल कुछ हद तक तुम्हारे लिए किया। मैं अपनी जान जोखिम में डालने को तैयार था, लेकिन तुम्हारी जान को लगातार जोखिम में डालने से मुझे हिचक हो रही थी। इसलिए, विस्फोट के बाद, मेरे दिमाग में एक शानदार विचार आया। अच्छे रिडगेवे ने मुझे इसे अंजाम देने में

मदद की। मैं मर गया, तुम दक्षिण अमेरिका लौट जाओगे। लेकिन, मेरे दोस्त, तुम ऐसा कभी नहीं करोगे। अंत में मुझे एक वकील का पत्र और एक लंबी झंझट का इंतजाम करना पड़ा। लेकिन, हर हाल में, तुम यहाँ हो—यही सबसे बड़ी बात है। और अब हम यहाँ पड़े हैं—खोए हुए—जब तक कि आखिरी बड़े तख्तापलट का क्षण नहीं आ जाता—बिग फोर का अंतिम तख्तापलट।”

सत्रह

नंबर चार ने एक चाल जीती

आर्डेन्स में स्थित अपने शांत ठिकाने से हम दुनिया भर की घटनाओं पर नज़र रखते थे। हमें भरपूर मात्रा में समाचार पत्र मिलते थे, और पोइरोट को हर दिन एक मोटा लिफाफा मिलता था, जिसमें जाहिर तौर पर कोई रिपोर्ट होती थी। वह मुझे ये रिपोर्टें कभी नहीं दिखाते थे, लेकिन मैं उनके हाव-भाव से समझ जाता था कि उनमें लिखी बातें संतोषजनक थीं या नहीं। उन्हें इस बात पर पूरा भरोसा था कि हमारी मौजूदा योजना ही एकमात्र ऐसी योजना है जिसके सफल होने की पूरी संभावना है।
“हेस्टिंग्स, एक छोटी सी बात है,” उन्होंने एक दिन कहा, “मुझे लगातार इस बात का डर सताता रहता था कि तुम्हारी मौत मेरे दरवाजे पर दस्तक दे रही है। और इसी डर ने मुझे बेचैन कर दिया था—जैसे बिल्ली उछलती है, वैसे ही। लेकिन

अब मैं पूरी तरह से संतुष्ट हूँ। अगर उन्हें पता भी चल जाए कि दक्षिण अमेरिका में उतरने वाला कैप्टन हेस्टिंग्स एक धोखेबाज है (और मुझे नहीं लगता कि उन्हें पता चलेगा, वे तुम्हें व्यक्तिगत रूप से जानने वाले किसी एजेंट को वहाँ भेजने वाले नहीं हैं), तो वे यही मानेंगे कि तुम किसी चालाकी से उन्हें चकमा देने की कोशिश कर रहे हो, और तुम्हारी लोकेशन का पता लगाने में कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाएंगे। मेरी कथित मौत, जो कि एक अहम बात है, के बारे में वे पूरी तरह आश्वस्त हैं। वे आगे बढ़ेंगे और अपनी योजनाओं को अंजाम देंगे।”
“और फिर?” मैंने उत्सुकता से पूछा।
और फिर, मेरे मित्र, हरक्यूल पोइरोट का भव्य पुनरुत्थान! अंतिम क्षण में मैं पुनः प्रकट होता हूँ, सबको भ्रमित करता हूँ, और अपने अनूठे अंदाज़ में सर्वोच्च विजय प्राप्त करता हूँ!
मुझे एहसास हुआ कि पोइरोट का घमंड इतना कठोर था कि वह हर तरह के हमले झेल सकता था। मैंने उसे याद दिलाया कि एक-दो बार तो खेल में जीत हमारे विरोधियों के हाथ में थी। लेकिन मुझे यह भी पता था कि हरक्यूल पोइरोट के अपने तरीकों के प्रति उत्साह को कम करना नामुमकिन था।
“देखो, हेस्टिंग्स, यह ठीक उसी तरह है जैसे तुम ताश के पत्तों से खेलते हो। तुमने इसे ज़रूर देखा होगा? तुम चार धूर्त पत्तों को लेते हो, उन्हें अलग करते हो, एक को ऊपर, एक को नीचे, और इसी तरह आगे बढ़ते हो—तुम उन्हें काटते हो, फेंटते हो, और फिर वे सब एक साथ आ जाते हैं। यही मेरा उद्देश्य है। अब तक मैं कभी एक धूर्त से, कभी दूसरे से लड़ रहा था। लेकिन मुझे उन सबको एक साथ लाना है, जैसे ताश के पत्तों में चार धूर्त होते हैं, और फिर एक ही झटके में मैं उन सबको नष्ट कर दूंगा!”
मैंने पूछा, "और आप उन सबको एक साथ लाने का क्या प्रस्ताव रखते हैं?" “सर्वोत्तम क्षण की प्रतीक्षा करके। उनके आक्रमण के लिए तैयार होने तक निष्क्रिय रहकर।”
"इसका मतलब लंबा इंतजार हो सकता है," मैंने बुदबुदाते हुए कहा।
“हे हेस्टिंग्स, तुम तो हमेशा ही अधीर हो जाते हो! लेकिन नहीं, अब इतना समय नहीं लगेगा। जिस एक आदमी से वे डरते थे—यानी मुझसे—वह अब रास्ते से हट चुका है। मैं उन्हें ज़्यादा से ज़्यादा दो या तीन महीने का समय देता हूँ।”

किसी को रास्ते से हटाए जाने के बारे में उनकी बात सुनकर मुझे इंगल्स और उनकी दुखद मृत्यु की याद आ गई, और मुझे याद आया कि मैंने पोइरोट को सेंट जाइल्स अस्पताल में मर रहे चीनी व्यक्ति के बारे में कभी नहीं बताया था। उन्होंने मेरी कहानी बड़े ध्यान से सुनी।
“इंगल्स का नौकर, है ना? और उसने जो थोड़े-बहुत शब्द कहे, वो भी इतालवी में? अजीब बात है।”
"इसीलिए मुझे शक था कि यह बिग फोर की ओर से किया गया षड्यंत्र हो सकता है।" “हेस्टिंग्स, तुम्हारी सोच में ही कमी है। ज़रा दिमाग लगाओ। अगर तुम्हारे दुश्मन तुम्हें धोखा देना चाहते तो वे ज़रूर यह सुनिश्चित करते कि चीनी व्यक्ति टूटी-फूटी अंग्रेज़ी में बात करे। नहीं, संदेश असली था। तुमने जो कुछ सुना, मुझे फिर से बताओ?”
"सबसे पहले तो उन्होंने हैंडल के लार्गो का जिक्र किया, और फिर उन्होंने कुछ ऐसा कहा जो 'कारोज़ा' जैसा लग रहा था - यह एक गाड़ी है, है ना?"
"और कुछ नहीं?"
"खैर, बिल्कुल अंत में उसने कुछ बुदबुदाया, जैसे 'कारा' नाम की कोई महिला हो। ज़िया, मुझे लगता है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसका बाकी बातों से कोई लेना-देना था।"
"आपको ऐसा नहीं लगता होगा, हेस्टिंग्स। कारा ज़िया बहुत महत्वपूर्ण हैं, वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण हैं।"
मुझे नहीं लगता—
"मेरे प्यारे दोस्त, तुम कभी नहीं देखते—और वैसे भी अंग्रेजों को भूगोल का कोई ज्ञान नहीं होता।"
“भूगोल?” मैंने हैरानी से कहा। “भूगोल का इससे क्या लेना-देना है?”
"मेरा मानना है कि एम. थॉमस कुक का नाम अधिक सटीक होगा।"
हमेशा की तरह, पोइरोट ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया—यह उनकी एक बेहद चिढ़ाने वाली आदत थी। लेकिन मैंने देखा कि उनका व्यवहार बेहद प्रसन्न हो गया था, मानो उन्होंने कोई उपलब्धि हासिल कर ली हो।
दिन बीतते गए, सुखद, हालांकि थोड़े नीरस थे। विला में ढेर सारी किताबें थीं, और चारों ओर घूमने-फिरने के लिए मनमोहक जगहें थीं, लेकिन कभी-कभी मुझे अपने जीवन की जबरन निष्क्रियता से चिढ़ होती थी, और मैं पोइरोट की शांत और संतुष्ट अवस्था को देखकर आश्चर्यचकित रह जाता था। हमारी शांत जिंदगी में

कोई हलचल नहीं मची, और जून के अंत तक, जो पोइरोट द्वारा दी गई समय सीमा के भीतर था, हमें बिग फोर के बारे में खबर मिली।
एक सुबह तड़के एक कार विला के सामने आकर रुकी, हमारे शांत जीवन में यह एक ऐसा असामान्य घटनाक्रम था कि मैं अपनी जिज्ञासा शांत करने के लिए तुरंत नीचे गया। मैंने देखा कि पोइरोट मेरी ही उम्र के एक हंसमुख युवक से बात कर रहे थे।
उन्होंने मेरा परिचय कराया।
"ये कैप्टन हार्वे हेस्टिंग्स हैं, जो आपकी खुफिया सेवा के सबसे प्रसिद्ध सदस्यों में से एक हैं।"
"मुझे अफसोस है कि मैं बिल्कुल भी मशहूर नहीं हूं," युवक ने खुशी से हंसते हुए कहा।
"मैं कहना चाहूँगा कि वह सिर्फ़ जानकारों के बीच ही मशहूर है। कैप्टन हार्वे के ज़्यादातर दोस्त और परिचित उसे एक मिलनसार लेकिन कम अक्लमंद नौजवान मानते हैं—जो सिर्फ़ लोमड़ी की चाल या उस नाच को जो भी कहते हैं, उसी में मग्न रहता है।"
हम दोनों हंस पड़े।
“अच्छा, अच्छा, अब काम की बात करते हैं,” पोइरोट ने कहा। “तो आपका मानना है कि अब समय आ गया है?”
“हमें पूरा यकीन है, महोदय। कल चीन राजनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ गया था। वहाँ क्या हो रहा है, कोई नहीं जानता। किसी भी तरह की कोई खबर, वायरलेस या किसी भी माध्यम से, नहीं आई है—बिल्कुल सन्नाटा छाया हुआ है—और खामोशी है!”
“ली चांग येन ने अपना असली रूप दिखा दिया है। और बाकी लोग?”
“एबे रायलैंड एक सप्ताह पहले इंग्लैंड पहुंचे थे और कल महाद्वीप के लिए रवाना हो गए।”
और मैडम ओलिवियर?
“मैडम ओलिवियर कल रात पेरिस से रवाना हो गईं।”
“इटली के लिए?”
“इटली के लिए, महोदय। जहाँ तक हम समझ सकते हैं, वे दोनों उसी रिसॉर्ट की ओर जा रहे हैं जिसका आपने उल्लेख किया है—हालाँकि आपको यह कैसे पता चला—”

“अरे, ये तो मेरे लिए पंख वाली टोपी नहीं है! ये तो हेस्टिंग्स का काम है। आप समझ रहे हैं ना, वो अपनी बुद्धिमत्ता छुपाता है, लेकिन फिर भी वो बहुत गहरी है।”
हार्वे ने मेरी ओर उचित प्रशंसा भरी नजरों से देखा, और मुझे कुछ असहज महसूस हुआ।
“तो सब कुछ ठीक चल रहा है,” पोइरोट ने कहा। अब उनका चेहरा पीला पड़ गया था और वे पूरी तरह गंभीर थे। “समय आ गया है। सारी व्यवस्थाएं हो चुकी हैं?” “आपके सभी आदेशों का पालन किया जा चुका है। इटली, फ्रांस और इंग्लैंड की सरकारें आपके साथ हैं और सभी सद्भावपूर्वक मिलकर काम कर रही हैं।” “दरअसल, यह एक नया समझौता है,” पोइरोट ने रूखेपन से कहा। “मुझे खुशी है कि डेसजार्डो अंततः मान गया। ठीक है, तो हम शुरू करेंगे—या यूँ कहूँ कि मैं शुरू करूँगा। हेस्टिंग्स, तुम यहीं रहोगे—जी हाँ, मैं तुमसे यही विनती करता हूँ। सचमुच, मेरे मित्र, मैं गंभीर हूँ।”
मुझे उसकी बात पर यकीन था, लेकिन इस तरह पीछे छूट जाने पर मैं शायद ही सहमत होता। हमारी बहस संक्षिप्त लेकिन निर्णायक थी।
जब हम ट्रेन में सवार होकर पेरिस की ओर तेजी से बढ़ रहे थे, तभी उसने स्वीकार किया कि वह मेरे फैसले से मन ही मन खुश था।
“हेस्टिंग्स, तुम्हारी भी एक भूमिका है। एक महत्वपूर्ण भूमिका! तुम्हारे बिना, मैं शायद असफल हो जाऊँगा। फिर भी, मुझे लगा कि तुम्हें यहीं रुकने के लिए प्रेरित करना मेरा कर्तव्य है—”
तो फिर खतरा है?
"मेरे दोस्त, जहां बिग फोर होते हैं, वहां हमेशा खतरा होता है।"
पेरिस पहुँचने पर, हम गैरे डे ल'एस्ट की ओर चले गए, और पोइरोट ने आखिरकार हमारे गंतव्य की घोषणा की। हम बोलज़ानो और इतालवी टायरोल जा रहे थे। हार्वे के हमारी गाड़ी से अनुपस्थित रहने के दौरान, मैंने पोइरोट से यह पूछने का अवसर लिया कि उन्होंने ऐसा क्यों कहा था कि मुलाकात के स्थान का पता लगाना मेरा काम था।
“क्योंकि ऐसा ही था, मेरे दोस्त। इंगल्स को यह जानकारी कैसे मिली, यह मैं नहीं जानता, लेकिन उन्हें मिली और उन्होंने इसे अपने नौकर के ज़रिए हमें भेजा। हम, मेरे मित्र, कारेरसी जा रहे हैं, जिसका नया इतालवी नाम लागो डी कैरेज़ा है। अब आप समझ गए होंगे कि आपका ‘कारा ज़िया’ और ‘कैरोज़ा’ और

‘लार्गो’ कहाँ से आए—हैंडेल का ज़िक्र तो आपने अपनी कल्पना से किया है। शायद श्री इंगल्स के ‘हाथ’ से मिली जानकारी के संदर्भ ने ही इस संबंध की शुरुआत की होगी।”
“कारेरसी?” मैंने पूछा। “मैंने इसके बारे में कभी नहीं सुना।”
मैं हमेशा कहता हूं कि अंग्रेजों को भूगोल का ज्ञान नहीं होता। लेकिन वास्तव में यह डोलोमाइट्स के मध्य में, चार हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित एक प्रसिद्ध और बेहद खूबसूरत ग्रीष्मकालीन रिसॉर्ट है।
और क्या यही वह एकांत स्थान है जहां बिग फोर अपनी मुलाकातें करते हैं? “बल्कि उनके मुख्यालय की बात करें तो, संकेत दे दिया गया है और उनका इरादा दुनिया से गायब होकर अपने पहाड़ी ठिकाने से आदेश जारी करने का है। मैंने छानबीन की है—वहाँ बड़े पैमाने पर पत्थर और खनिज भंडारों का खनन होता है, और कंपनी, जो देखने में एक छोटी इतालवी फर्म लगती है, वास्तव में एबे रायलैंड द्वारा नियंत्रित है। मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि पहाड़ के बिल्कुल बीचोंबीच एक विशाल भूमिगत ठिकाना खोदा गया है, जो गुप्त और दुर्गम है। वहाँ से संगठन के नेता वायरलेस के ज़रिए अपने अनुयायियों को आदेश भेजेंगे, जिनकी संख्या हर देश में हज़ारों में है। और डोलोमाइट्स की उस चट्टान से दुनिया के तानाशाह निकलेंगे। यानी—वे निकल ही जाते अगर हरक्यूल पोइरोट वहाँ न होते।”
"क्या आप सचमुच इन सब बातों पर विश्वास करते हैं, पोइरोट?—सेनाओं और सभ्यता की सामान्य व्यवस्था के बारे में क्या?"
हेस्टिंग्स, रूस में क्या हो रहा है? यह रूस का कहीं अधिक विशाल रूप होगा— और साथ ही एक और खतरा भी—कि मैडम ओलिवियर के प्रयोग उनकी बताई गई बातों से कहीं आगे बढ़ चुके हैं। मेरा मानना है कि उन्होंने परमाणु ऊर्जा को मुक्त करने और उसे अपने उद्देश्य के लिए उपयोग करने में कुछ हद तक सफलता प्राप्त कर ली है। हवा में मौजूद नाइट्रोजन पर उनके प्रयोग बहुत ही उल्लेखनीय रहे हैं, और उन्होंने वायरलेस ऊर्जा के संकेंद्रण पर भी प्रयोग किए हैं, जिससे एक तीव्र किरण को किसी विशेष स्थान पर केंद्रित किया जा सकता है। उन्होंने वास्तव में कितनी प्रगति की है, यह कोई नहीं जानता, लेकिन यह निश्चित है कि यह बताई गई बातों से कहीं अधिक है। वह महिला एक विलक्षण प्रतिभा है— क्यूरी उनके सामने कुछ भी नहीं थे। उनकी प्रतिभा में रायलैंड की लगभग असीमित संपत्ति की शक्ति और ली चांग येन जैसे सबसे बेहतरीन आपराधिक दिमाग

को जोड़ दें, जो निर्देशन और योजना बनाने में माहिर है—तो, जैसा कि आप कहते हैं, सभ्यता के लिए सब कुछ आसान नहीं होगा।
उनकी बातों ने मुझे बहुत सोचने पर मजबूर कर दिया। हालाँकि पोइरोट कभी-कभी भाषा को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते थे, लेकिन वे वास्तव में डर फैलाने वाले नहीं थे। पहली बार मुझे एहसास हुआ कि हम जिस संघर्ष में लगे हुए थे, वह कितना कठिन था।
हार्वे जल्द ही हमारे साथ फिर से जुड़ गया और यात्रा जारी रही।
हम दोपहर के करीब बोलज़ानो पहुँचे। वहाँ से आगे का सफर मोटरगाड़ी से तय करना था। शहर के केंद्रीय चौक पर कई बड़ी नीली मोटरगाड़ियाँ खड़ी थीं, और हम तीनों उनमें से एक में बैठ गए। दिन की भीषण गर्मी के बावजूद, पोइरोट ने अपने पूरे शरीर को ओवरकोट और स्कार्फ से ढक रखा था। उनकी केवल आँखें और कानों के सिरे ही दिखाई दे रहे थे।
मुझे नहीं पता था कि यह एहतियात के तौर पर था या ठंड लगने के उसके अत्यधिक डर के कारण। मोटर से यात्रा में दो घंटे लगे। यह सचमुच एक शानदार ड्राइव थी। रास्ते के पहले हिस्से में हम विशाल चट्टानों के बीच से होकर गुजरे, एक तरफ झरना बह रहा था। फिर हम एक उपजाऊ घाटी में पहुँचे, जो कई मील तक फैली हुई थी, और फिर, लगातार ऊपर की ओर बढ़ते हुए, नंगी चट्टानी चोटियाँ दिखाई देने लगीं, जिनके आधार पर घने चीड़ के जंगल थे। पूरा इलाका जंगली और मनमोहक था। अंत में, कई तीखे मोड़ आए, सड़क दोनों ओर चीड़ के जंगलों से होकर गुजर रही थी, और अचानक हम एक बड़े होटल के सामने आ गए और पाया कि हम पहुँच गए हैं।
हमारे कमरे पहले से ही आरक्षित थे, और हार्वे के मार्गदर्शन में हम सीधे उन कमरों की ओर चले गए। वे कमरे चट्टानी चोटियों और उन तक जाने वाले चीड़ के जंगलों की लंबी ढलानों के ठीक सामने थे। पोइरोट ने उनकी ओर इशारा किया। “क्या यह वहाँ है?” उसने धीमी आवाज़ में पूछा।
“जी हां,” हार्वे ने उत्तर दिया। “एक जगह है जिसे फेल्सनलेबिरिंथ कहते हैं — वहां बड़े-बड़े पत्थर बड़े ही अनूठे ढंग से ढेर लगे हुए हैं—उनके बीच से एक रास्ता गुजरता है। पत्थर की खदान उसके दाईं ओर है, लेकिन हमें लगता है कि प्रवेश द्वार शायद फेल्सनलेबिरिंथ में ही है।”
पोइरोट ने सिर हिलाया।

“आओ, मेरे दोस्त,” उसने मुझसे कहा। “चलो नीचे चलते हैं और छत पर बैठकर धूप का आनंद लेते हैं।”
मैंने पूछा, "क्या आपको लगता है कि यह समझदारी भरा कदम है?"
उसने अपने कंधे उचका दिए।
धूप बहुत ही शानदार थी—दरअसल, उसकी चकाचौंध मेरे लिए असहनीय थी। हमने चाय की जगह क्रीमी कॉफ़ी पी, फिर ऊपर जाकर अपना थोड़ा-बहुत सामान खोला। पोइरोट अपने सबसे शांत और गंभीर मूड में थे, जैसे किसी ख्यालों में खोए हुए हों। एक-दो बार उन्होंने सिर हिलाया और आह भरी।
बोलज़ानो में हमारी ट्रेन से उतरे एक व्यक्ति ने मुझे काफी उत्सुक कर दिया था, जिसे एक निजी कार ने लेने आया था। वह कद में छोटा था, और उसकी एक बात जिसने मेरा ध्यान खींचा, वह यह थी कि उसने पोइरोट की तरह ही लगभग पूरी तरह से खुद को ढक रखा था। बल्कि उससे भी ज़्यादा, क्योंकि ओवरकोट और मफलर के अलावा उसने बड़े-बड़े नीले चश्मे भी पहन रखे थे। मुझे यकीन हो गया था कि यहाँ कोई 'बिग फोर' का दूत है। पोइरोट मेरी इस बात से ज़्यादा प्रभावित नहीं हुआ। लेकिन जब मैंने अपने बेडरूम की खिड़की से बाहर झुककर बताया कि वह व्यक्ति होटल के आसपास घूम रहा है, तो उसने माना कि इसमें कुछ सच्चाई हो सकती है।
मैंने अपने दोस्त से नीचे खाना खाने न जाने का आग्रह किया, लेकिन वह जाने पर अड़ा रहा। हम भोजन कक्ष में काफी देर से पहुँचे और हमें खिड़की के पास एक मेज पर बैठाया गया। जैसे ही हम बैठे, एक चीख और बर्तनों के गिरने की आवाज़ ने हमारा ध्यान आकर्षित किया। हरी बीन्स से भरी एक थाली हमारे बगल वाली मेज पर बैठे एक आदमी पर गिर गई थी।
मुख्य वेटर आगे आया और जोर-जोर से माफी मांगने लगा।
इसी दौरान, जब वह दोषी वेटर हमें सूप परोस रहा था, पोइरोट ने उससे बात की। “यह एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना थी। लेकिन इसमें आपकी कोई गलती नहीं थी।” “महाशय, क्या आपने वह देखा? नहीं, वास्तव में यह मेरी गलती नहीं थी। वह सज्जन अपनी कुर्सी से लगभग उछल पड़े थे—मुझे लगा कि उन्हें किसी तरह का दौरा पड़ने वाला है। मैं उस विपत्ति को नहीं रोक सका।”
मैंने पोइरोट की आँखों में वही हरी रोशनी चमकती देखी जिसे मैं अच्छी तरह जानता था, और वेटर के जाने के बाद उसने धीमी आवाज़ में मुझसे कहा:
"देखा तुमने, हेस्टिंग्स, हरक्यूल पोइरोट का असर—जीवित और साक्षात?"

"आपको लगता है-"
मेरे पास आगे बोलने का समय नहीं था। मैंने महसूस किया कि पोइरोट का हाथ मेरे घुटने पर है, और वह उत्तेजित होकर फुसफुसा रहा है:
“देखो, हेस्टिंग्स, देखो। रोटी के साथ उसकी तरकीब! नंबर चार!”
निश्चित रूप से, हमारे बगल वाली मेज पर बैठा आदमी, जिसका चेहरा असामान्य रूप से पीला था, मशीनी ढंग से रोटी के एक छोटे टुकड़े को मेज पर इधर-उधर थपथपा रहा था।
मैंने उसे ध्यान से देखा। उसका चेहरा, दाढ़ी-मूंछ साफ और फूला हुआ, मोटा था, और आँखों के नीचे गहरे काले घेरे और नाक से लेकर मुँह के कोनों तक गहरी झुर्रियाँ थीं। उसकी उम्र पैंतीस से पैंतालीस के बीच रही होगी। वह नंबर चार के पहले निभाए गए किसी भी किरदार से बिल्कुल भी मिलता-जुलता नहीं था। दरअसल, अगर वह रोटी के साथ जो शरारत कर रहा था, जिसके बारे में उसे शायद पता भी नहीं था, तो मैं आसानी से मान लेता कि वहाँ बैठा आदमी कोई ऐसा व्यक्ति है जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा।
मैंने धीरे से कहा, "उसने तुम्हें पहचान लिया है। तुम्हें नीचे नहीं आना चाहिए था।"
"मेरे प्यारे हेस्टिंग्स, मैंने सिर्फ एक मकसद के लिए तीन महीने तक मरने का नाटक किया है।"
"नंबर चार को चौंकाने के लिए?"
“उसे ऐसे समय में चौंका देना जब उसे या तो तुरंत कार्रवाई करनी हो या फिर कुछ भी न कर पाना हो। और हमें यह बड़ा फायदा मिलता है—उसे पता नहीं होता कि हम उसे पहचानते हैं। वह सोचता है कि अपने नए भेष में वह सुरक्षित है। फ्लॉसी मोनरो का कितना आभार है कि उन्होंने हमें उसकी इस छोटी सी आदत के बारे में बताया।”
मैंने पूछा, "अब क्या होगा?"
“क्या हो सकता है? वह उस इकलौते आदमी को पहचान लेता है जिससे वह डरता है, जो चमत्कारिक रूप से मौत से वापस आ गया है, ठीक उसी समय जब बिग फोर की योजनाएँ दांव पर लगी हैं। मैडम ओलिवियर और एबे रायलैंड ने आज यहाँ दोपहर का भोजन किया था, और ऐसा माना जाता है कि वे कॉर्टिना गए हैं। केवल हम जानते हैं कि वे अपने छिपने के स्थान पर चले गए हैं। हम कितना जानते हैं? यही सवाल नंबर फोर इस समय खुद से पूछ रहा है। वह कोई जोखिम लेने की हिम्मत नहीं कर सकता।

मुझे हर कीमत पर दबाना होगा। खैर, उसे हरक्यूल पोइरोट को दबाने की कोशिश करने दो! मैं उसके लिए तैयार रहूंगा।”
जैसे ही उसने बोलना समाप्त किया, बगल वाली मेज पर बैठा आदमी उठा और बाहर चला गया।
“वह अपनी छोटी-मोटी व्यवस्था करने गया है,” पोइरोट ने शांत भाव से कहा। “क्या हम छत पर बैठकर कॉफी पिएं, मेरे दोस्त? मुझे लगता है कि यह ज़्यादा सुखद रहेगा। मैं अभी ऊपर जाकर एक कोट ले आता हूँ।”
मैं थोड़ा परेशान होकर छत पर चला गया। पोइरोट के आश्वासन से मुझे पूरी तरह तसल्ली नहीं मिली। हालांकि, जब तक हम सतर्क थे, हमें कुछ नहीं हो सकता था। मैंने पूरी तरह चौकन्ना रहने का निश्चय किया।
पोइरोट के मेरे पास आने में पूरे पाँच मिनट लग गए। ठंड से बचने के लिए उन्होंने हमेशा की तरह अपने कान तक ढक रखे थे। वे मेरे बगल में बैठ गए और बड़े चाव से अपनी कॉफ़ी की चुस्की ली।
उन्होंने कहा, "इतनी घटिया कॉफी सिर्फ इंग्लैंड में ही मिलती है। यूरोप के महाद्वीप में लोग समझते हैं कि पाचन के लिए सही तरीके से बनी कॉफी कितनी महत्वपूर्ण है।"
जैसे ही उन्होंने बोलना समाप्त किया, बगल वाली मेज से एक आदमी अचानक छत पर आ गया। बिना किसी झिझक के, वह हमारे पास आया और हमारी मेज के पास एक तीसरी कुर्सी लगा दी।
उन्होंने अंग्रेजी में कहा, "मुझे उम्मीद है कि आपको मेरे आपके साथ शामिल होने से कोई आपत्ति नहीं होगी।"
"बिल्कुल नहीं, महोदय," पोइरोट ने कहा।
मुझे बहुत बेचैनी महसूस हुई। यह सच है कि हम होटल की छत पर थे, चारों ओर लोग थे, लेकिन फिर भी मैं संतुष्ट नहीं था। मुझे खतरे का आभास हो रहा था।
इस बीच, नंबर चार बड़ी सहजता से बातें करता रहा। यह मानना असंभव था कि वह एक वास्तविक पर्यटक के अलावा कुछ और हो सकता है। उसने सैर-सपाटे और मोटर राइड के बारे में बताया और खुद को उस इलाके का जानकार साबित करने की कोशिश की।
उसने अपनी जेब से एक पाइप निकाला और उसे जलाने लगा। पोइरोट ने अपनी छोटी सिगरेटों का डिब्बा निकाला। जैसे ही उसने एक सिगरेट अपने होठों के बीच रखी, अजनबी ने माचिस लेकर आगे झुक गया।

[illegible]
[illegible]

अठारह

फेल्सनलेबिरिंथ में

मैं एक मिनट से ज़्यादा बेहोश नहीं रहा। मुझे होश आया तो दो आदमी मुझे घसीटते हुए ले जा रहे थे। उन्होंने मुझे दोनों बाहों से पकड़ रखा था, मेरा वज़न संभाले हुए थे, और मेरे मुँह में कपड़ा ठूँसा हुआ था। चारों ओर घना अँधेरा था, लेकिन मुझे समझ आ गया कि हम बाहर नहीं, बल्कि होटल के अंदर से गुज़र रहे थे। चारों ओर से लोग चिल्ला रहे थे और हर भाषा में पूछ रहे थे कि बत्तियाँ कहाँ चली गईं। मुझे पकड़ने वालों ने मुझे सीढ़ियों से नीचे धकेल दिया। हम तहखाने के रास्ते से गुज़रे, फिर एक दरवाज़े से होते हुए होटल के पीछे एक कांच के दरवाज़े से बाहर खुले में आ गए। अगले ही पल हम चीड़ के पेड़ों की ओट में पहुँच गए।
मैंने अपने जैसी ही दुर्दशा में एक और व्यक्ति की झलक देखी, और महसूस किया कि पोइरोट भी इस साहसिक तख्तापलट का शिकार था।
अपनी बेशर्मी से नंबर चार ने बाजी मार ली थी। मुझे पता चला कि उसने तुरंत असर करने वाली बेहोशी की दवा, शायद एथिल क्लोराइड, का इस्तेमाल किया था— उसने हमारे नाक के नीचे उसकी एक छोटी सी गोली तोड़ दी थी। फिर, अंधेरे के सन्नाटे में, उसके साथियों ने, जो शायद बगल वाली मेज पर बैठे मेहमान थे, हमारे मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और हमें जल्दी से होटल से होते हुए ले गए ताकि कोई हमारा पीछा न कर सके।
उसके बाद का एक घंटा मैं शब्दों में बयान नहीं कर सकता। हमें जंगल से होते हुए बेहद तेज़ गति से ले जाया गया, और हम लगातार चढ़ाई पर चढ़ते रहे। आखिरकार हम खुले मैदान में, पहाड़ की ढलान पर पहुँचे, और मैंने अपने ठीक सामने अद्भुत चट्टानों और पत्थरों का एक विशाल समूह देखा।
यह वही फेल्सन भूलभुलैया होनी चाहिए जिसके बारे में हार्वे ने बात की थी। जल्द ही हम इसके संकरे रास्तों में उलझ गए। यह जगह किसी दुष्ट जिन्न द्वारा रची गई भूलभुलैया जैसी थी।
अचानक हम रुक गए। एक विशाल चट्टान ने हमारा रास्ता रोक दिया था। एक आदमी रुका और किसी चीज़ को धक्का देने लगा, तभी बिना किसी आवाज़ के, चट्टान का

वह विशालकाय हिस्सा घूम गया और पहाड़ की ओर जाने वाली एक छोटी सुरंग जैसी खुली जगह दिखाई दी।
हमें जल्दी से इसमें धकेल दिया गया। कुछ देर तक सुरंग संकरी थी, लेकिन थोड़ी देर बाद वह चौड़ी हो गई, और कुछ ही देर में हम बिजली से रोशन एक चौड़े चट्टानी कक्ष में पहुँच गए। फिर हमारे मुंह पर बंधी पट्टियाँ हटा दी गईं। नंबर चार के इशारे पर, जो हमारे सामने व्यंग्यपूर्ण विजय भाव लिए खड़ा था, हमारी तलाशी ली गई और हमारी जेबों से हर एक चीज़ निकाल ली गई, जिसमें पोइरोट की छोटी स्वचालित पिस्तौल भी शामिल थी।
जैसे ही उसे मेज पर पटका गया, मेरे अंदर एक गहरा दर्द दौड़ गया। हम हार गए थे—बुरी तरह हार गए थे और संख्या में भी कम थे। यह अंत था।
“बिग फोर के मुख्यालय में आपका स्वागत है, श्री हरक्यूल पोइरोट,” नंबर फोर ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा। “आपसे दोबारा मिलकर अप्रत्याशित खुशी हुई। लेकिन क्या सिर्फ इसी के लिए कब्र से वापस लौटना सार्थक था?”
पोइरोट ने कोई जवाब नहीं दिया। मैंने उसकी तरफ देखने की हिम्मत नहीं की। नंबर चार ने आगे कहा, "इधर आइए। आपके आने से मेरे सहकर्मियों को थोड़ा आश्चर्य होगा।"
उन्होंने दीवार में बने एक संकरे दरवाजे की ओर इशारा किया। हम अंदर गए और एक दूसरे कमरे में पहुँच गए। उसके बिल्कुल आखिरी छोर पर एक मेज थी जिसके पीछे चार कुर्सियाँ रखी थीं। आखिरी कुर्सी खाली थी, लेकिन उस पर एक साधु का लबादा लिपटा हुआ था। दूसरी कुर्सी पर सिगार पीते हुए श्री एबे रायलैंड बैठे थे। तीसरी कुर्सी पर पीछे की ओर झुकी हुई, अपनी तेज आँखों और नन जैसे चेहरे के साथ, मैडम ओलिवियर बैठी थीं। चौथे व्यक्ति ने चौथी कुर्सी पर अपनी जगह ले ली।
हम बिग फोर की उपस्थिति में थे।
इससे पहले मैंने कभी भी ली चांग येन की वास्तविकता और उपस्थिति को इतना गहराई से महसूस नहीं किया था जितना कि अब उनकी खाली कुर्सी को देखकर किया। चीन में दूर, वह अभी भी इस कुख्यात संगठन को नियंत्रित और निर्देशित कर रहे थे।
हमें देखकर मैडम ओलिवियर ने हल्की सी चीख मारी। रीलैंड, जो अधिक संयमित था, ने केवल अपनी सिगार को थोड़ा सा हिलाया और अपनी सफ़ेद बालों वाली भौहें ऊपर उठाईं।

“श्री हरक्यूल पोइरोट,” रायलैंड ने धीरे से कहा। “यह तो बहुत सुखद आश्चर्य है। आपने हम सबको पूरी तरह से धोखा दिया। हमने सोचा था कि आप पूरी तरह से हार चुके हैं। खैर, अब खेल खत्म हो गया है।”
उनकी आवाज़ में लोहे जैसी दृढ़ता थी। मैडम ओलिवियर ने कुछ नहीं कहा, लेकिन उनकी आँखों में एक अजीब सी चमक थी, और मुझे उनकी धीमी मुस्कान पसंद नहीं आई।
"महोदया और सज्जनों, आप सभी को शुभ संध्या," पोइरोट ने धीमी आवाज़ में कहा।
कुछ अप्रत्याशित, कुछ ऐसा जो मैंने उसकी आवाज़ में सुनने की उम्मीद नहीं की थी, ने मुझे उसकी ओर देखने पर मजबूर कर दिया। वह काफी शांत लग रहा था।
फिर भी, उसके पूरे हावभाव में कुछ अलग सा था।
फिर हमारे पीछे पर्दों की सरसराहट हुई और काउंटेस वेरा रोसाकॉफ अंदर आईं।
“आह!” नंबर चार ने कहा। “हमारे सम्मानित और भरोसेमंद लेफ्टिनेंट। आपकी एक पुरानी दोस्त यहाँ आई हैं, मेरी प्रिय महिला।”
काउंटेस ने अपनी सामान्य फुर्ती के साथ चक्कर लगाया।
“हे भगवान!” वह चिल्लाई। “ये तो छोटा आदमी है! आह! लेकिन इसके पास तो बिल्ली की नौ जिंदगियां हैं! अरे, छोटे आदमी, छोटे आदमी! तुमने खुद को इस झंझट में क्यों फंसा लिया?”
पोइरोट ने झुककर कहा, "मैडम, मैं महान नेपोलियन की तरह, बड़ी बटालियनों के पक्ष में हूँ।"
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, मैंने उसकी आँखों में अचानक संदेह की एक झलक देखी, और उसी क्षण मुझे वह सच्चाई पता चल गई जिसे मैं अवचेतन रूप से पहले से ही महसूस कर रहा था।
मेरे बगल में बैठा आदमी हरक्यूल पोइरोट नहीं था।
वह बिलकुल उसके जैसा था, बिल्कुल उसके जैसा। वही अंडाकार सिर, वही इतराता हुआ शरीर, नाजुक रूप से गोल-मटोल। लेकिन आवाज़ अलग थी, और आँखें हरी होने के बजाय काली थीं, और निश्चित रूप से वो मूंछें—वो मशहूर मूंछें—?
मेरी सोच अचानक काउंटेस की आवाज से टूट गई। वह आगे बढ़ीं, उनकी आवाज उत्साह से भरी हुई थी।
“आपको धोखा दिया गया है। यह आदमी हरक्यूल पोइरोट नहीं है!”
नंबर फोर ने अविश्वास भरी आवाज़ में कहा, लेकिन काउंटेस आगे झुकी और पोइरोट की मूंछें झपट पड़ीं। मूंछें उसके हाथ में आ गईं, और फिर, सचमुच,

सच्चाई सामने आ गई। इस आदमी के ऊपरी होंठ पर एक छोटा सा निशान था जिसने उसके चेहरे के भाव को पूरी तरह बदल दिया था।
"हर्क्यूल पोइरोट नहीं," चौथे नंबर ने बुदबुदाते हुए कहा। "लेकिन फिर वो कौन हो सकता है?"
“मुझे पता है,” मैं अचानक चिल्लाई, और फिर एकदम रुक गई, इस डर से कि मैंने सब कुछ बर्बाद कर दिया है।
लेकिन जिस व्यक्ति को मैं अब भी पोइरोट के नाम से ही संबोधित करूंगा, उसने उत्साहवर्धक ढंग से मेरी ओर रुख किया।
"अगर आप कहना चाहें तो कह सकते हैं। अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। चाल कामयाब हो गई है।"
मैंने धीरे से कहा, "ये अकिल पोइरोट हैं। हरक्यूल पोइरोट के जुड़वा भाई।" "असंभव," रायलैंड ने तीखे स्वर में कहा, लेकिन वह हिल गया था।
"हरक्यूल की योजना चमत्कारिक रूप से सफल रही है," अकिल ने शांत भाव से कहा। नंबर फोर तेजी से आगे बढ़ा, उसकी आवाज कर्कश और धमकी भरी थी।
“सफल हो गए, है ना?” वह गुर्राया। “क्या तुम्हें एहसास है कि कुछ ही मिनटों में तुम मर जाओगे—मर जाओगे?”
“जी हां,” अकिल पोइरोट ने गंभीरता से कहा। “मैं यह समझता हूं। आप यह नहीं समझते कि एक व्यक्ति अपनी जान देकर भी सफलता खरीद सकता है। युद्ध में ऐसे लोग थे जिन्होंने अपने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। मैं भी उसी तरह दुनिया के लिए अपनी जान कुर्बान करने को तैयार हूं।”
तभी मुझे यह बात समझ में आई कि यद्यपि मैं अपनी जान कुर्बान करने को पूरी तरह तैयार था, फिर भी इस मामले में मुझसे सलाह ली जा सकती थी। तभी मुझे याद आया कि पोइरोट ने मुझे वहीं रुकने के लिए कहा था और मुझे तसल्ली मिली।
"और आपके प्राणों का बलिदान देने से दुनिया को किस तरह लाभ होगा?" रायलैंड ने व्यंग्यपूर्वक पूछा।
“मुझे लगता है कि आप हरक्यूल की योजना की असलियत नहीं समझ पा रहे हैं। पहली बात तो यह है कि आपके छिपने की जगह के बारे में कुछ महीने पहले ही पता चल गया था, और लगभग सभी आगंतुक, होटल सहायक और अन्य लोग जासूस या गुप्त सेवा के लोग हैं। पहाड़ के चारों ओर घेरा डाल दिया गया है। आपके पास बाहर निकलने के एक से ज़्यादा रास्ते हो सकते हैं, लेकिन फिर भी आप बच नहीं सकते। पोइरोट खुद बाहर की कार्रवाई का निर्देशन कर रहे हैं। आज रात अपने भाई के

घर की छत पर आने से पहले मेरे जूतों पर सौंफ का घोल लगाया गया था। शिकारी कुत्ते निशान का पीछा कर रहे हैं। यह निशान उन्हें निश्चित रूप से फेल्सन भूलभुलैया की उस चट्टान तक ले जाएगा जहाँ प्रवेश द्वार स्थित है। देखिए, आप हमारे साथ जो चाहें करें, जाल आपके चारों ओर कसकर बिछाया गया है। आप बच नहीं सकते।”
मैडम ओलिवियर अचानक हंस पड़ीं।
“आप गलत हैं। एक तरीका है जिससे हम बच सकते हैं, और पुराने समय के सैमसन की तरह, अपने दुश्मनों को नष्ट भी कर सकते हैं। मेरे दोस्तों, आपका क्या कहना है?”
रायलैंड, अचिले पोइरोट को घूर रहा था।
"मान लो वह झूठ बोल रहा है," उसने कर्कश आवाज में कहा।
दूसरे ने अपने कंधे उचका दिए।
“एक घंटे में भोर हो जाएगी। तब आप स्वयं मेरे शब्दों की सच्चाई देख लेंगे।
तब तक वे मुझे फेल्सन भूलभुलैया के प्रवेश द्वार तक ढूंढ चुके होंगे।” जैसे ही वह बोल रहा था, दूर से एक गूंज सुनाई दी और एक आदमी बेतरतीब ढंग से चिल्लाता हुआ अंदर भागा। रायलैंड उछलकर बाहर चला गया। मैडम ओलिवियर कमरे के दूसरे छोर पर गईं और एक दरवाजा खोला जिस पर मेरी नज़र नहीं पड़ी थी। अंदर मुझे एक पूरी तरह से सुसज्जित प्रयोगशाला की झलक मिली जो मुझे पेरिस की प्रयोगशाला की याद दिलाती थी। नंबर चार भी उछलकर बाहर चला गया। वह पोइरोट का रिवॉल्वर लेकर लौटा और उसे काउंटेस को दे दिया।
उन्होंने गंभीर स्वर में कहा, "उनके भागने का कोई खतरा नहीं है। लेकिन फिर भी बेहतर होगा कि आप इसे अपने पास रखें।"
फिर वह दोबारा बाहर चला गया।
काउंटेस हमारे पास आईं और कुछ देर तक मेरे साथी को ध्यान से देखती रहीं।
अचानक वह हंस पड़ीं।
“आप बहुत चतुर हैं, एम. अचिले पोइरोट,” उसने उपहासपूर्वक कहा।
“मैडम, चलिए व्यापार की बात करते हैं। सौभाग्य से उन्होंने हमें अकेला छोड़ दिया है। आपकी कीमत क्या है?”
मुझे समझ नहीं आया। क्या कीमत है?
“महोदया, आप हमें भागने में मदद कर सकती हैं। आप इस शरणस्थल से बाहर निकलने का गुप्त रास्ता जानती हैं। मैं आपसे पूछता हूँ, आपकी कीमत क्या है?”

वह फिर हंस पड़ी।
“तुम्हारी हैसियत से कहीं ज़्यादा, छोटे आदमी! दुनिया का सारा पैसा भी मुझे नहीं खरीद सकता!”
“महोदया, मैंने पैसों की बात नहीं की। मैं एक बुद्धिमान व्यक्ति हूँ। फिर भी, यह एक सच्चाई है—हर किसी की कोई न कोई कीमत होती है! जीवन और स्वतंत्रता के बदले, मैं आपको आपकी मनोकामना पूरी करने का प्रस्ताव देता हूँ।”
तो आप जादूगर हैं!
आप चाहें तो मुझे ऐसा कह सकते हैं।
काउंटेस ने अचानक अपना मज़ाकिया अंदाज़ छोड़ दिया। वह तीव्र आक्रोश और कड़वाहट के साथ बोलने लगी।
“हे मूर्ख! मेरे दिल की ख्वाहिश! क्या तुम मुझे मेरे दुश्मनों से बदला दिला सकते हो? क्या तुम मुझे मेरी जवानी, खूबसूरती और खुश दिल लौटा सकते हो? क्या तुम मुर्दों को फिर से ज़िंदा कर सकते हो?”
अकिल पोइरोट उसे बड़ी उत्सुकता से देख रहा था।
“इन तीनों में से कौन सी, महोदया? अपना विकल्प चुनिए।”
वह व्यंग्यपूर्ण ढंग से हंसी।
“शायद तुम मुझे जीवन का अमृत भेजोगे? आओ, मैं तुमसे एक सौदा करती हूँ। एक समय मेरा एक बच्चा था। मेरे लिए मेरा बच्चा ढूंढो—और तुम मुक्त हो जाओगे।”
“महोदया, मैं सहमत हूँ। यह सौदा पक्का है। आपका बच्चा आपको वापस मिल जाएगा। स्वयं हरक्यूल पोइरोट के भरोसे पर।”
उस अजनबी महिला ने फिर से ठहाका लगाया—इस बार देर तक और बेकाबू होकर। “मेरे प्रिय एम. पोइरोट, मुझे खेद है कि मैंने आपके लिए एक छोटा सा जाल बिछाया है। मेरे बच्चे को मेरे लिए ढूंढने का वादा करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, लेकिन, देखिए, मुझे पता है कि आप सफल नहीं होंगे, और इसलिए यह एकतरफा सौदा होगा, है ना?”
"महोदया, मैं पवित्र स्वर्गदूतों की कसम खाकर आपसे वादा करता हूँ कि मैं आपका बच्चा आपको लौटा दूँगा।"
"मैंने आपसे पहले भी पूछा था, एम. पोइरोट, क्या आप मृतकों को जीवनदान दे सकते हैं?"

“तो बच्चा है—”
“मर गया? हाँ।”
वह आगे बढ़ा और उसने उसकी कलाई पकड़ ली।
"महोदया, मैं—मैं जो आपसे बात कर रहा हूँ, एक बार फिर शपथ लेता हूँ। मैं मुर्दों को फिर से जीवित कर दूँगा।"
वह उसे इस तरह घूर रही थी मानो मोहित हो गई हो।
“तुम्हें मुझ पर विश्वास नहीं है। मैं अपनी बात साबित कर दूंगा। मेरा वो पर्स लाओ जो उन्होंने मुझसे ले लिया है।”
वह कमरे से बाहर गई और उसे हाथ में लेकर लौटी। पूरी प्रक्रिया के दौरान उसने रिवॉल्वर पर अपनी पकड़ बनाए रखी। मुझे लगा कि अकिल पोइरोट के लिए उसे झांसा देने की संभावना बहुत कम थी। काउंटेस वेरा रोसाकॉफ कोई मूर्ख नहीं थी।
“इसे खोलिए, महोदया। बाईं ओर का फ्लैप। बिल्कुल सही। अब वह तस्वीर निकालिए और उसे देखिए।”
आश्चर्य से उसने एक छोटी सी तस्वीर निकाली। जैसे ही उसने उसे देखा, वह चीख पड़ी और लड़खड़ा गई मानो गिरने ही वाली हो। फिर वह लगभग मेरे साथी पर झपटी। “कहाँ? कहाँ? तुम ही बताओगे। कहाँ?”
"अपना सौदा याद रखें, महोदया।"
“हां, हां, मैं तुम पर भरोसा करूंगा। जल्दी करो, इससे पहले कि वे वापस आ जाएं।”
उसका हाथ पकड़कर, वह उसे तेज़ी से और चुपचाप कमरे से बाहर ले गई। मैं उसके पीछे-पीछे गया। बाहरी कमरे से वह हमें उसी सुरंग में ले गई जिससे हम पहले अंदर आए थे, लेकिन थोड़ी दूर आगे जाकर यह सुरंग दो भागों में बँट गई और वह दाईं ओर मुड़ गई। रास्ता बार-बार दो भागों में बँटता रहा, लेकिन वह हमें आगे बढ़ाती रही, कभी लड़खड़ाती नहीं और न ही अपने रास्ते पर संदेह करती हुई प्रतीत होती, और उसकी गति बढ़ती ही जा रही थी।
“काश हम समय पर पहुँच जाएँ,” वह हाँफते हुए बोली। “विस्फोट होने से पहले हमें खुले में निकलना होगा।”
फिर भी हम आगे बढ़ते रहे। मुझे समझ आ गया था कि यह सुरंग पहाड़ के बीचोंबीच से होकर गुजरती है और अंत में हम दूसरी तरफ एक अलग घाटी में निकलेंगे। मेरे चेहरे से पसीना बह रहा था, लेकिन मैं दौड़ता रहा।

और फिर, दूर कहीं, मुझे दिन की रोशनी की एक झलक दिखाई दी। पास आती हुई, और पास आती हुई। मैंने हरी झाड़ियाँ उगती हुई देखीं। हमने उन्हें हटाया, उनके बीच से रास्ता बनाया। हम फिर से खुले में आ गए, भोर की हल्की रोशनी में सब कुछ गुलाबी लग रहा था।
पोइरोट का घेरा एक हकीकत था। जैसे ही हम बाहर निकले, तीन आदमी हम पर टूट पड़े, लेकिन हैरानी भरी चीख के साथ उन्होंने हमें फिर से छोड़ दिया। “जल्दी करो,” मेरे साथी ने चिल्लाकर कहा। “जल्दी करो—समय बर्बाद करने का कोई समय नहीं है—”
लेकिन उनकी किस्मत में अंत देखना लिखा था। धरती हमारे पैरों तले कांप उठी, एक भयानक गर्जना हुई और पूरा पहाड़ मानो पिघल गया। हम हवा में सिर के बल उछल पड़े।

आखिरकार मुझे होश आया। मैं एक अनजान बिस्तर और एक अनजान कमरे में था। खिड़की के पास कोई बैठा था। वह मुड़ा और मेरे पास आकर खड़ा हो गया।
यह अकिलीज़ पोइरोट था—या, रुकिए, क्या यह वही था?—
उस सुप्रसिद्ध व्यंग्यात्मक आवाज ने मेरे मन में मौजूद सभी शंकाओं को दूर कर दिया।
“लेकिन हाँ, मेरे दोस्त, ऐसा ही है। भाई अकिले फिर से घर लौट गए हैं— मिथकों की धरती पर। ये सब मैं ही था। सिर्फ़ नंबर फोर ही नहीं, और भी लोग अभिनय कर सकते हैं। आँखों में बेलाडोना, मूंछों का बलिदान, और एक असली निशान, जिसे दो महीने पहले देने से मुझे बहुत दर्द हुआ था—लेकिन नंबर फोर की पैनी निगाहों के सामने मैं नकली निशान का जोखिम नहीं उठा सकता था। और आख़िरी बात, तुम्हारा खुद का ज्ञान और यह विश्वास कि अकिले पोइरोट नाम का कोई व्यक्ति था! तुमने जो मदद की, वह अमूल्य थी, इस तख्तापलट की आधी सफलता तुम्हारी वजह से है! पूरे मामले का सार उन्हें यह विश्वास दिलाना था कि हरक्यूल पोइरोट अभी भी आज़ाद घूम रहा है और ऑपरेशन का निर्देशन कर रहा है। वरना, सब कुछ सच था, सौंफ, घेराबंदी, वगैरह।”
"लेकिन वास्तव में किसी विकल्प को क्यों नहीं भेजा जाए?"
“और मैं तुम्हें अपने साथ के बिना खतरे में जाने दूं? तुम्हें मेरे बारे में अच्छी तरह पता होगा! वैसे भी, मुझे हमेशा से काउंटेस के माध्यम से बाहर निकलने का रास्ता खोजने की उम्मीद थी।”

“आखिर तुमने उसे कैसे मना लिया? उसे यह कहानी मनवाना बहुत मुश्किल था—एक मृत बच्चे के बारे में इतनी सारी बातें।”
“काउंटेस में आपसे कहीं अधिक दूरदर्शिता है, मेरे प्रिय हेस्टिंग्स। पहले तो वह मेरे भेष में आ गईं; लेकिन जल्द ही उन्हें इसका भेद पता चल गया। जब उन्होंने कहा, ‘आप बहुत चतुर हैं, श्री अचिले पोइरोट,’ तो मैं समझ गया कि उन्होंने सच्चाई का अनुमान लगा लिया है। अब मेरे तुरुप का पत्ता खेलने का यही अंतिम मौका था।”
“मरे हुए को ज़िंदा करने की वो सारी झंझट?”
"बिल्कुल सही—लेकिन फिर, देखिए, बच्चा तो मेरे पास शुरू से ही था।" "क्या?"
“लेकिन हाँ! आप मेरा सिद्धांत तो जानते ही हैं—तैयार रहो। जैसे ही मुझे पता चला कि काउंटेस रोसाकॉफ़ का संबंध बिग फोर से है, मैंने उसके बारे में हर संभव जानकारी जुटाई। मुझे पता चला कि उसका एक बच्चा था जिसकी कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी, और मुझे कहानी में कुछ विसंगतियाँ भी मिलीं जिससे मुझे संदेह हुआ कि कहीं वह बच्चा जीवित तो नहीं है। अंत में, मैं उस बच्चे का पता लगाने में सफल रहा, और एक बड़ी रकम देकर मैंने उसे अपने कब्जे में ले लिया। बेचारा बच्चा भूख से लगभग मर चुका था। मैंने उसे दयालु लोगों के बीच एक सुरक्षित स्थान पर रखा, और उसके नए परिवेश में उसकी एक तस्वीर खींची। और इस तरह, जब समय आया, तो मेरा छोटा सा नाटकीय दांव पूरी तरह तैयार था!”
“आप अद्भुत हैं, पोइरोट; बिल्कुल अद्भुत!”
“मुझे भी ऐसा करने में खुशी हुई। क्योंकि मैं काउंटेस की बहुत बड़ी प्रशंसक थी। अगर विस्फोट में उनकी मृत्यु हो जाती तो मुझे बहुत दुख होता।” "मैं आपसे यह पूछने से आधा डर रहा था—बिग फोर का क्या हुआ?"
“सभी शव बरामद कर लिए गए हैं। चौथे नंबर का शव पहचान से परे था, सिर के टुकड़े-टुकड़े हो गए थे। काश—काश ऐसा न हुआ होता। मैं पूरी तरह से आश्वस्त होना चाहता था—लेकिन अब इस बारे में और बात नहीं। इसे देखो।” उन्होंने मुझे एक अखबार दिया जिसमें एक पैराग्राफ चिह्नित था। उसमें ली चांग येन की आत्महत्या से हुई मौत की खबर थी, जिन्होंने हाल ही में हुई उस क्रांति की योजना बनाई थी जो बुरी तरह विफल रही थी।

“[illegible],” [illegible] [illegible] [illegible] “[illegible] [illegible] [illegible] [